CivilsTap

Quality & Affordable Education

करंट अफेयर्स

मासिक | मैगजीन

NOVEMBER 2023

By CivilsTap Himachal

For HPAS & Other Competitive Exam in Himachal Pradesh

Prelims

+91 7814622609

www.civilstaphimachal.com

1. राजनीति..8

1.1. न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल सीजे मणिपुर एचसी हैं ....

1.2. चुनावी बांड...

1.3. सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को वैध **मानने से इनकार** कर दिया...

1.4. संसद की आचार समितियाँ.....................................

1.5. मिशन महिला सारथी...

2. अर्थव्यवस्था 11

2.1. मारियाना परियोजना...

2.2. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक.................................

2.3. वित्तीय स्थिरता बोर्ड ....

2.4. पहला IEA मह**त्त्वपूर्ण** खनिज और स्वच्छ ऊर्जा शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया ....

2.5. आंध्र प्रदेश विधानसभा ने गारंटीकृत पेंशन प्रणाली विधेयक पारित किया ....

2.6. भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड...............

2.7. पूसा-44 ....

2.8. 52 वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक ....

2.9. आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण....................................

2.10. उडानगुडी 'पनांगकरुपट्टी' को जीआई टैग मिला....

2.11. गोवा के काजू को मिला जीआई टैग.......................

2.12. बुद्धिमान परिवहन प्रणाली.....................................

2.13. धोर्डो को यूएनडब्ल्यूटीओ के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव 2023 का पुरस्कार दिया गया ....

2.14. कन्नौज अत्तर...

2.15. 'नमो भारत' ....

2.16. कस्तूरी कपास..

2.17. राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड.............................

2.18. पहले नैनो डीएपी प्लांट का उद्घाटन ....

2.19. जमरानी बांध...

2.20. संदर्भ ईंधन...

2.21. इलायची की खेती...

2.22. केरल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि ....

3. भूगोल.. 24

3.1. सेला सुरंग ....

3.2. पोंटस टेक्टोनिक प्लेट ....

3.3. माउंट वेसुवियस ....

3.4. चक्रवात तेज ....

3.5. झुंड भूकंप...

4. कला और संस्कृति 27

4.1. सम्मक्का सरक्का...

4.2. वीरांगना रानी दुर्गावती..

4.3. हक्की पिक्की जनजाति ....

4.4. वीरांगना रानी दुर्गावती..

4.5. हक्की पिक्की जनजाति ....

4.6. जागेश्वर मंदिर और पार्वती कुंड ....

4.7. कटि बिहु...

4.8. मुथुवन जनजाति ....

4.9. सोमेश्वर शिलालेख ....

4.10. युवा संगम ....

4.11. मेरी माटी, मेरा देश अभियान..................................

4.12. महरौली पुरातत्व पार्क..

4.13. डोगरा वास्तुकला..

4.14. वज्र मुष्टि कलगा
4.15. बन्नी उत्सव
4.16. पिचवाई पेंटिंग
4.17. पनामालाई पेंटिंग
5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी 36
5.1. अंतर अनुशासनात्मक साइबर-भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएम-आईसीपीएस)
5.2. सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (सीओआरएस)
5.3. रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन प्रयोगशाला
5.4. थालियम
5.5. ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स
5.6. ख़तरे का विश्लेषण
5.7. सिम कार्ड काम कर रहा है
5.8. डार्क पैटर्न्स बस्टर हैकथॉन 2023
5.9. विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर
6. रक्षा 41
6.1. प्रोजेक्ट उद्भव
6.2. सैन्य नर्सिंग सेवा
6.3. SAMPRITI XI व्यायाम
6.4. प्रादेशिक सेना
6.5. व्यायाम चक्रवत संयुक्त व्यायाम
6.6. लौह गुंबद
6.7. संचालन अजय ने किया
6.8. सफेद फास्फोरस
6.9. डेविड स्लिंग वायु रक्षा प्रणाली
6.10. जूस एड बेलम बनाम जूस इन बेल्लो
6.11. आयरन बीम रक्षा प्रणाली
6.12. चीता और चेतक हेलीकॉप्टर
6.13. बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास (मिलान)
6.14. प्रोजेक्ट उद्भव
6.15. **थाड** और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली
6.16. हरिमौ शक्ति व्यायाम करें
6.17. आई टी बी पी
6.18. आसूचना ब्यूरो
6.19. उल्का मिसाइल
6.20. अभ्यास काज़िंद-2023
7. अंतरिक्ष 51
7.1. कैलिप्सो उपग्रह
7.2. विश्व अंतरिक्ष सप्ताह
7.3. मानस मिशन
7.4. टीवी-डी1
7.5. बेतेल्गेउज़ तारा
7.6. इजेक्टा हेलो
7.7. स्विम परियोजना
8. पर्यावरण 55
8.1. पिंक बॉलवर्म
8.2. आर्मागेडन रीडटेल
8.3. मानस राष्ट्रीय उद्यान में पिग्मी हॉग छोड़े गए
8.4. बदीस लिम्माकुमी
8.5. ऑपरेशन "कच्छप"
8.6. कोरल रीफ ब्रेकथ्रू लॉन्च किया गया
8.7. स्टैघोर्न मूंगा
8.8. ढोले
8.9. कोलेरु झील

CivilsTap HImachal

8.10. श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना
8.11. बदलती जलवायु में विस्थापित बच्चे
8.12. वेटमील
8.13. जालीदार पायथन
8.14. बिग कैट एलायंस
8.15. नाचते मेंढक
8.16. चिल्का झील
8.17. एक सीजीआईएआर
8.18. पालतू कोक
8.19. नीलगिरि तहर
8.20. डंपा टीआर में मेंढक की नई प्रजाति
8.21. जीसीपी और इकोमार्क योजना
8.22. सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व
8.23. पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य
8.24. बन्नेरघाटा राष्ट्रीय उद्यान
8.25. भारतीय साही
8.26. यूएनसीसीडी
8.27. अनामलाई टाइगर रिजर्व
8.28. नदी डॉल्फ़िन के लिए वैश्विक घोषणा
9. नीति और कार्यक्रम 74
9.1. इंटेलिजेंट शिकायत निगरानी प्रणाली (IGMS) 2.0
9.2. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
9.3. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
9.4. पीआईडीएफ योजना और पीएम विश्वकर्मा योजना
9.5. 'लक्षित क्षेत्रों में उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना' (श्रेष्ठ)
9.6. स्वास्थ्य और पशुधन उत्पादन के विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त एजेंट) कार्यक्रम
9.7. कमाई के लिए पासपोर्ट (पी2ई) कार्यक्रम
9.8. डेटा एनालिटिक्स डैशबोर्ड और पूर्वोत्तर संपर्क सेतु पोर्टल
9.9. राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
9.10. सूचना का अधिकार
9.11. पीएम गति शक्ति के 2 साल पूरे
9.12. अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस)
9.13. सघन मिशन इंद्रधनुष
9.14. अपार APAAR
9.15. 'चक्र-II' ऑपरेशन
9.16. 'चक्र-II' ऑपरेशन
9.17. प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना
9.18. आदि महोत्सव
9.19. प्रगति
10. सूचकांक और रिपोर्ट 86
10.1. लचीलापन लाभांश रिपोर्ट कैप्चर करना 86
10.2. लचीलापन लाभांश रिपोर्ट कैप्चर करना
10.3. सतत वित्त: एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अंतर पाटना रिपोर्ट
10.4. वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) 2023
10.5. वैश्विक जल संसाधनों की स्थिति 2022
10.6. एफएओ ने "कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव" रिपोर्ट जारी की
10.7. विकलांग व्यक्तियों और आपदाओं पर वैश्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023
10.8. 'सस्ते पानी की उच्च लागत' रिपोर्ट
10.9. वैश्विक कर चोरी रिपोर्ट 2024

10.10. विश्व ऊर्जा आउटलुक 2023
10.11. अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन आउटलुक 2023
10.12. इंटरकनेक्टेड आपदा जोखिम रिपोर्ट 2023
11. अंतर्राष्ट्रीय, शिखर सम्मेलन 97
11.1. अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन
11.2. एशियाई विकास बैंक
11.3. अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय
11.4. केप टाउन संधि
11.5. नागोर्नो-काराबाख और ओएससीई
11.6. नागोर्नो-काराबाख और ओएससीई
11.7. प्रसारण विकास के लिए एशिया-प्रशांत संस्थान
11.8. इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष
11.9. पुरालेख पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद
11.10. यूएनएचआरसी
11.11. अंतर संसदीय संघ
11.12. IORA- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन
11.13. भारत-यूके 2+2 संवाद
11.14. विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन
11.15. मॉन्ट्रो कन्वेंशन
11.16. वियना कन्वेंशन
11.17. अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी
11.18. तीन बेसिनों का शिखर सम्मेलन
11.19. रॉबर्ट फिको स्लोवाकिया के नए प्रधानमंत्री होंगे
11.20. अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नेटवर्क
11.21. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
12. यादगार दिन 110
12.1. विश्व प्रकृति दिवस 2023- 3 अक्टूबर
12.2. विश्व पशु दिवस- 4 अक्टूबर
12.3. विश्व कपास दिवस
12.4. विश्व कपास दिवस
12.5. विश्व डाक दिवस 2023- 9 अक्टूबर
12.6. अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023
12.7. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस- 10 अक्टूबर
12.8. आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2023- 13 अक्टूबर
12.9. विश्व छात्र दिवस- 15 अक्टूबर
12.10. विश्व खाद्य दिवस- 16 अक्टूबर
12.11. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस
12.12. अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस - 17 अक्टूबर
12.13. विश्व आघात दिवस 2023- 17 अक्टूबर
12.14. विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस 2023- 20 अक्टूबर
12.15. विश्व सांख्यिकी दिवस- 20 अक्टूबर
12.16. अंतर्राष्ट्रीय रसोइया दिवस- 20 अक्टूबर
12.17. संयुक्त राष्ट्र दिवस- 24 अक्टूबर
12.18. विश्व विकास सूचना दिवस- 24 अक्टूबर
12.19. विश्व पोलियो दिवस- 24 अक्टूबर
12.20. विश्व श्रव्य-दृश्य विरासत दिवस 2023- 27 अक्टूबर
12.21. विश्व स्ट्रोक दिवस 2023- 29 अक्टूबर
12.22. विश्व नगर दिवस- 31 अक्टूबर
13. नियुक्ति 116
13.1. लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन बने बीआरओ के नए डीजी
13.2. अरिंदम बागची भारत के संयुक्त राष्ट्र राजदूत हैं

CivilsTap HImachal

13.3. राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा, त्रिपुरा के नए राज्यपालों की नियुक्ति की

13.4. संजय कुमार जैन को आईआरसीटीसी का सीएमडी नियुक्त किया गया

14. समाचार में व्यक्ति 117

14.1. श्यामजी कृष्ण वर्मा

14.2. नानाजी देशमुख

14.3. होमी जहांगीर भाभा

14.4. सरदार पटेल

14.5. नॉर्मन प्रिचर्ड

15. पुरस्कार और सम्मान 120

15.1. 2023 शास्त्र रामानुजन पुरस्कार

2023 SASTRA Ramanujan Prize

15.2. भौतिकी में नोबेल पुरस्कार

15.3. फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार 2023

15.4. कोंगथोंग गांव

15.5. साहित्य में नोबेल पुरस्कार

15.6. नोबेल शांति पुरस्कार

15.7. साहित्य में नोबेल पुरस्कार

15.8. नोबेल शांति पुरस्कार

15.9. आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2023

16. खेल 124

16.1. 19 वें एशियाई खेल संपन्न हो गये

16.2. रौनक सिधवानी ने जूनियर चैंपियनशिप जीती

16.3. एशियन पैरा गेम्स 2023

16.4. शुबमन गिल सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं

16.5. 37 वें राष्ट्रीय खेल

17. समाचारों में स्थान 126

17.1. राफा क्रॉसिंग

18. सामाजिक मुद्दे, स्वास्थ्य, शिक्षा 127

18.1. आर21/मैट्रिक्स-एम (मलेरिया वैक्सीन)

18.2. प्रोटीन बाइंडर्स

18.3. प्रोटीन बाइंडर्स

18.4. हेमोक्रोमैटोसिस या 'कांस्य मधुमेह'

18.5. काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)-टी सेल थेरेपी

18.6. अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लुएंजा

18.7. हेपेटाइटिस सी

18.8. तिलापिया पार्वोवायरस

18.9. आयुष्मान भव अभियान

18.10. लसीका फाइलेरिया

18.11. नीमन-पिक रोग

18.12. एकल बालिका के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति योजना, 2023

18.13. पीएम- उभरते भारत के लिए स्कूल (एसएचआरआई)

18.14. 25 X 25 पहल

19. हिमाचल खबर 136

19.1. शिमला कालका रेलवे ट्रैक फिर से शुरू

19.2. एचपी वूल फेड कार्यालय को स्थानांतरित किया जाएगा

19.3. कांगड़ा में धान खरीद केंद्र खोले गए

19.4. मुख्यमंत्री ने एकल बालिका के माता-पिता को 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

19.5. धर्मकोट से इजरायली घर लौटने को तरस रहे हैं.....

19.6. जिला सुशासन सूचकांक जारी.................................

19.7. एसजेवीएन को 100 मेगावाट की सौर परियोजना के लिए मंजूरी मिल गई...

19.8. भूतनाथ पुल फिर से खुला.......................................

19.9. इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 11 स्थलों की पहचान की गई..

19.10. राज्य की पहली डिजिटल लाइब्रेरी.............................

19.11. पेंटब्रश स्विफ्ट तितली...

19.12. औद्यानिकी विश्वविद्यालय, नौणी को केयरा पुरस्कार मिला

19.13. प्री-वर्ल्ड कप पैराग्लाइडिंग इवेंट..............................

19.14. भारतीय सेना की पहली पवन सुरंग.........................

CivilsTap HImachal

1. राजनीति

1.1 न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल सीजे मणिपुर एचसी हैं

❖ न्यायमूर्ति **सिद्धार्थ मृदुल को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के तीन महीने बाद मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के** रूप में **नियुक्त किया गया** था ।

1.2 चुनावी बांड

❖ भारत के मुख्य न्यायाधीश ने **चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती दी** , जो **राजनीतिक दलों को गुमनाम दान की सुविधा देती है** , **इसे पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया।**

❖ याचिकाकर्ता **मुख्य रूप से चुनावी बांड योजना से संबंधित दो मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का** आग्रह कर रहे हैं , अर्थात् **राजनीतिक दलों को गुमनाम दान का वैधीकरण** और **राजनीतिक दलों के वित्तपोषण के बारे में नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन** , भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना।

❖ दोनों **मुद्दे संविधान के अनुच्छेद 19, 14 और 21** के उल्लंघन से संबंधित हैं।

❖ चुनावी **बांड योजना को** राज्यसभा को दरकिनार करते हुए **धन विधेयक के रूप में** पारित किया गया था ।

चुनावी बांड के बारे में

❖ यह एक वचन पत्र की तरह **एक वाहक साधन है जिसे कोई भी भारतीय नागरिक या भारत में निगमित कंपनी द्वारा खरीदा जा सकता है।**

❖ इन्हें **व्यक्तिगत रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से खरीदा जा सकता है।**

❖ **यह धारक को मांग पर** और **ब्याज मुक्त देय है।**

❖ चुनावी बांड **डिजिटल या चेक के माध्यम से खरीदे जा सकते हैं** ।

❖ चुनावी बांड **प्रत्येक तिमाही की शुरुआत में 10 दिनों के लिए खरीद के लिए उपलब्ध हैं।**

❖ **भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखाएं 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के मूल्यवर्ग में बांड** जारी कर सकती हैं ।

❖ इसके बाद नागरिक **या कॉर्पोरेट अपनी पसंद के किसी भी योग्य राजनीतिक दल को दान दे सकता है।**
  - ✓ केवल वे **राजनीतिक दल जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951** की धारा 29ए के तहत पंजीकृत हैं और जिन्होंने पिछले आम चुनाव में **लोक सभा या विधान सभा के लिए डाले गए वोटों में से कम से कम 1% वोट हासिल किए हों** , वे ही **चुनावी वोट पाने के पात्र हैं। बांड.**
  - ✓ राजनीतिक दल **ऐसे बांडों को प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर भुना सकते हैं।**

❖ यदि किसी पार्टी ने 15 दिनों के भीतर **कोई बांड जमा नहीं कराया है , तो एसबीआई इसे प्रधान मंत्री राहत कोष में जमा कर देता है।**

❖ **गुमनाम नकद दान की सीमा 2,000 रुपये तक सीमित कर दी गई है** ।

1.3 सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को वैध मानने से इनकार कर दिया

- **सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की** बेंच **समलैंगिक विवाह को वैध बनाने** से **इनकार कर दिया** , और यह **तय करने के लिए संसद और राज्य सरकारों पर छोड़ दिया कि क्या गैर-विषमलैंगिक संघों को कानूनी रूप से मान्यता दी जा सकती है।**

महत्त्वपूर्ण बिंदु

Important points

- फैसले में **समलैंगिक विवाहों या नागरिक संघों को मान्यता देने से इनकार कर दिया गया है।**
- अदालत के अनुसार, विवाह, **कानून के तहत स्थापित एक संस्था है** - और **समान-लिंग वाले जोड़ों को इसमें भाग लेने का अधिकार नहीं है, जब तक कि कानून उन्हें ऐसा करने की अनुमति न दे** । अदालत के अनुसार, तथ्य यह है कि वह इस समय उन्हें अनुमति नहीं देता है, **असंवैधानिक नहीं है।**
- विशेष **विवाह अधिनियम, 1954 - एक कानून** जो **अंतर-धार्मिक विवाहों को सक्षम करने के लिए अधिनियमित किया गया था** , और **जिसके खिलाफ चुनौती ने सुनवाई की नींव रखी - को इसके वर्तमान स्वरूप में बरकरार रखा गया** यानी, **केवल एक 'पुरुष' और एक 'महिला' के बीच विवाह की अनुमति दी गई। ।**
- यह फैसला **विधायिका के लिए विवाह समानता का प्रश्न खड़ा करता है । किसी भी केंद्रीय कानून की अनुपस्थिति** में , फैसले में कहा गया है कि **राज्य विधानसभाएं समान-लिंग विवाहों को मान्यता देने और विनियमित करने के लिए कानून बना सकती हैं** ; अनुच्छेद 245 और 246 के तहत संविधान **संसद और राज्य दोनों को** विवाह नियम बनाने का अधिकार देता है।
- न्यायालय **राज्य को नागरिक संघ को मान्यता देने का आदेश नहीं दे सकता।**
    - ✓ एक **"नागरिक संघ"** कानूनी स्थिति को संदर्भित करता है जो **समान लिंग वाले जोड़ों को विशिष्ट अधिकार और जिम्मेदारियां प्रदान करता है जो आम तौर पर विवाहित जोड़ों को प्रदान की जाती हैं।**
- चूंकि एक **समलैंगिक जोड़ा भारतीय कानून के तहत शादी नहीं कर सकता है** , इसलिए यह इस प्रकार है कि **वे एक जोड़े के रूप में बच्चों को गोद भी नहीं ले सकते हैं।**

भारत में LGBTQ अधिकारों से संबंधित निर्णय

- **सुरेश कौशल बनाम भारत संघ** - भारतीय दंड संहिता की धारा 377 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा।
- **नवतेज जौहर बनाम भारत संघ** - आईपीसी की धारा 377 को इस हद तक खत्म कर दिया कि इसने समलैंगिकता को अपराध बना दिया।
- **एनएएलएसए बनाम भारत संघ** - ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अपना लिंग तय करने के अधिकार को बरकरार रखा और केंद्र और राज्य सरकारों को उनकी लिंग पहचान को कानूनी मान्यता देने का निर्देश दिया।
- **केएस पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ** - निजता के अधिकार को संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई।
- **शफीन जहां बनाम भारत संघ** - स्वतंत्रता और गरिमा के मौलिक अधिकार के एक पहलू के रूप में किसी के साथी को चुनने के अधिकार को मान्यता दी गई।

1.4 संसद की आचार समितियाँ

- **लोकसभा अध्यक्ष ने** टीएमसी सांसद के खिलाफ एक शिकायत को **सदन की आचार समिति के पास भेज दिया।**

आचार समिति के बारे में

- अध्यक्ष **एक वर्ष के लिए समिति के सदस्यों की नियुक्ति करता है** ।
- इसमें **15 सदस्य होते हैं।**
- **उत्पत्ति**
    - ✓ **राज्यसभा-** उच्च सदन की आचार समिति का गठन **4 मार्च, 1997 को किया गया था** - इसका **आधिकारिक तौर पर दो महीने बाद मई में उद्घाटन किया गया था - सदस्यों के नैतिक और नैतिक आचरण की निगरानी करने और इसे संदर्भित कदाचार के मामलों की जांच करने के लिए** ।
        - ➢ **विशेषाधिकार समिति पर लागू नियम नैतिकता पैनल पर भी लागू होते हैं** ।
    - ✓ **लोकसभा- 13वीं लोकसभा के दौरान विशेषाधिकार** समिति ने एक आचार समिति के गठन की सिफारिश की।
        - ➢ दिवंगत अध्यक्ष **जीएमसी बालयोगी ने 2000 में एक तदर्थ आचार समिति का गठन किया** और यह **2015 में सदन का स्थायी हिस्सा बन गई।**

कार्यरत

- **किसी अन्य लोकसभा सांसद के** माध्यम से **किसी सदस्य के खिलाफ कदाचार के सभी सबूतों और एक हलफनामे के साथ शिकायत कर सकता है** कि शिकायत "झूठी, तुच्छ या परेशान करने वाली" नहीं है।
- **एक सदस्य** भी **दूसरे सदस्य के खिलाफ सबूत के साथ शिकायत कर सकता है बिना** किसी **शपथ पत्र की आवश्यकता के** ।
- समिति **केवल मीडिया रिपोर्टों या न्यायाधीन मामलों पर आधारित शिकायतों पर विचार नहीं करती है** ।
- अध्यक्ष किसी सांसद के खिलाफ **कोई भी शिकायत समिति को भेज सकते हैं** ।
- समिति **किसी शिकायत की जांच करने का निर्णय लेने** से पहले **प्रथम दृष्टया जांच करती है** और **शिकायत के मूल्यांकन के बाद अपनी सिफारिशें करती है।**
- समिति की रिपोर्ट **अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाती है जो सदन से पूछता है कि क्या रिपोर्ट पर विचार किया जाना चाहिए।**
    - ✓ **रिपोर्ट पर आधे घंटे की चर्चा का** भी प्रावधान है ।
- **विशेषाधिकार समिति से अंतर**

    Difference from Privileges Committee
    - ✓ जबकि **सांसदों पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर विशेषाधिकार के उल्लंघन की जांच की जा सकती है** , एक **व्यक्ति जो सांसद नहीं है, उस पर भी सदन के अधिकार और गरिमा पर हमला करने वाले कार्यों के लिए विशेषाधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है** ।
    - ✓ **आचार समिति** के मामले में , **कदाचार के लिए केवल एक सांसद की जाँच की जा सकती है।**

1.5 मिशन महिला सारथी

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हाल ही में **राज्य के मिशन शक्ति अभियान** के तहत '**मिशन महिला सारथी' पहल शुरू की** और **51 बसों को हरी झंडी दिखाई।**
- इनका **संचालन विशेष रूप से ड्राइवर और कंडक्टर के रूप में महिलाएं करेंगी।**
- यह **महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और प्रगति को और अधिक प्रोत्साहित करेगा।**

2. अर्थव्यवस्था

2.1 मारियाना परियोजना

- **प्रोजेक्ट मारियाना ने तीन प्रमुख वैश्विक बाजारों के बीच थोक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं (डब्ल्यूसीबीडीसी) की सीमा पार निपटान क्षमताओं का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।**
- **यह परियोजना नवंबर 2022** में बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस**),** बांके डी फ्रांस**, मॉनेटरी अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर (एमएएस**) और स्विस नेशनल बैंक **के बीच सहयोग के माध्यम से शुरू की गई थी, यह स्थापित करने** के साधन के **रूप में कि टोकनाइजेशन और स्वचालित बाजार निर्माताओं (एएमएम) को वैश्विक विदेशी मुद्रा (एफएक्स) बाजार में कैसे लागू किया जा सकता है, जो वर्तमान में हर दिन $ 7.5 ट्रिलियन का व्यापार करता है।**
- विशेष रूप से, इसने **यह निर्धारित करने की मांग की कि** एफएक्स व्यापार और निपटान की प्रभावशीलता और पारदर्शिता **में सुधार के लिए** विकेंद्रीकृत वित्त (डीईएफआई) के साथ मिलकर **डब्ल्यूसीबीडीसी का लाभ कैसे उठाया जा सकता है।**
- परियोजना **विशुद्ध रूप से प्रयोगात्मक** है और **यह इंगित नहीं करती है कि इसमें शामिल केंद्रीय बैंकों में से कोई भी सीबीडीसी जारी करने या डीईएफआई या** किसी विशेष तकनीकी समाधान का समर्थन करने का इरादा रखता है।

BIS के बारे में

- **60 सदस्य केंद्रीय बैंकों के स्वामित्व वाला एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठन**, जो दुनिया भर के देशों (**भारत सहित**) **का प्रतिनिधित्व करता है**।
  - ✓ इन देशों **का विश्व जीडीपी में लगभग 95% हिस्सा है।**
- स्थापित -**1930।**
- मुख्यालय- **बेसल**, **स्विट्जरलैंड**।
- यह **अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देता है और केंद्रीय बैंकों के लिए एक बैंक के रूप में कार्य करता है।**
- यह **अपनी बैठकों, कार्यक्रमों और बेसल प्रक्रिया के माध्यम से अपना काम करता है - वैश्विक वित्तीय स्थिरता का पीछा करने वाले अंतरराष्ट्रीय समूहों की मेजबानी करना और उनकी बातचीत को सुविधाजनक बनाना।**

2.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

CivilsTap HImachal

- **आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन अगस्त में 14 महीने के उच्च स्तर 12.1% पर बढ़ गया है,** और अन्य उच्च आवृत्ति संकेतक उत्साहजनक प्रदर्शन दिखा रहे हैं, अर्थशास्त्रियों का अनुमान है **कि महीने में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि लगभग** 10% होगी।

IIP के बारे में

- आईआईपी एक अनुपात है जो अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों के विकास को मापता है।
- यह सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) **के तहत** केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा हर महीने जारी **किया जाता है।**
- आधार वर्ष **2011-12**
- IIP में **3 व्यापक क्षेत्र शामिल हैं: विनिर्माण, खनन और बिजली।**
- सभी का महत्व **आईआईपी में 8 प्रमुख उद्योग 40.27% हैं।**

आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक के बारे में

- **IIP में**, उनमें से कोर उद्योगों का घटता क्रम निम्नानुसार है:
  - ✓ **रिफाइनरी उत्पाद** (भारांक: 28.04%) > **बिजली** (19.85%), >इस्पात (17.92%) > कोयला (10.33%) > **कच्चा तेल** (8.98%) > प्राकृतिक गैस **(6.88%), >**सीमेंट (**5.37%), उर्वरक** (2.63**%) >**
- सूचकांक **को आर्थिक सलाहकार (ओईए),** औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी), **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा संकलित और जारी किया जाता है।**
- **उद्देश्य-** केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा आईआईपी जारी **करने से पहले** 'कोर' प्रकृति के उद्योगों के उत्पादन प्रदर्शन का अग्रिम संकेत **प्रदान करना**।

2.3 वित्तीय स्थिरता बोर्ड

- वित्तीय **स्थिरता बोर्ड ने बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरंसी का व्यापार करने वाली कंपनियों की निगरानी के लिए G20 द्वारा अनुरोधित** अंतिम सिफारिशें प्रकाशित कीं।
- निगरानी संस्था ने **टेरायूएसडी /लूना सिक्कों की समाप्ति के आलोक में स्थिर सिक्कों के लिए अपनी मौजूदा सिफारिशों को भी संशोधित किया।**

वित्तीय स्थिरता बोर्ड के बारे में

- यह **एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है जो वैश्विक वित्तीय प्रणाली की निगरानी करती है और सिफारिशें करती है।**
- में **लंदन में लंदन जी20 शिखर सम्मेलन के बाद स्थापित किया गया**
- यह **वित्तीय स्थिरता फोरम** का **उत्तराधिकारी है।**
- **अधिदेश- यह** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, **राष्ट्रीय वित्तीय अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय मानक-निर्धारण निकायों के काम का** समन्वय करके और **प्रभावी नियामक, पर्यवेक्षी और अन्य वित्तीय क्षेत्र की नीतियों के कार्यान्वयन को विकसित और बढ़ावा देकर** अंतरराष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देता है।
- मुख्यालय- **बेसल, स्विट्जरलैंड।**
- बोर्ड **में सभी G20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं** शामिल हैं।

- वित्तीय स्थिरता बोर्ड **बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति** से परामर्श करके **वैश्विक प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (जी-एसआईबी) की सूची प्रकाशित करता है ।**
- एफएसबी के **फैसले अपने सदस्यों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं।**

2.4 पहला IEA महत्त्वपूर्ण खनिज और स्वच्छ ऊर्जा शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया

- **स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक खनिजों की बढ़ती मांग को पूरा करने के** पीछे **की चुनौतियों और अवसरों पर** पेरिस, फ्रांस में आयोजित **पहले** अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) **महत्त्वपूर्ण खनिज और स्वच्छ ऊर्जा शिखर सम्मेलन में** चर्चा की **गई थी।**
- एक दिवसीय बैठक में **50 देशों के मंत्रियों, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाजों ने भाग लिया,** जिन्होंने **महत्त्वपूर्ण खनिजों की स्थायी, दीर्घकालिक और नैतिक आपूर्ति श्रृंखला ओं को सुनिश्चित करने के लिए छह मुख्य कार्यों पर सहमति व्यक्त की।**

> **महत्त्वपूर्ण खनिजों में तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट शामिल हैं, जो इस तरह की तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में आवश्यक घटक हैं।**

- क्रियाओं में शामिल हैं:
  - ✓ **विविध खनिज आपूर्ति के लक्ष्य को आगे बढ़ाना**
  - ✓ **प्रौद्योगिकी और रीसाइक्लिंग की क्षमता को अधिकतम करना;**
  - ✓ **बाजार पारदर्शिता को बढ़ावा देना**
  - ✓ **विश्वसनीय जानकारी की पहुंच में सुधार**
  - ✓ **टिकाऊ और जिम्मेदार उत्पादन के लिए प्रोत्साहन स्थापित करना**
  - ✓ **अंतराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों को तेज करना।**

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के बारे में

ABOUT INTERNATIONAL ENERGY AGENCY (IEA)

- यह **ओईसीडी ढांचे के भीतर एक स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन है।**
- **ऊर्जा सुरक्षा** इसके मिशन का एक केंद्रीय हिस्सा **बनी हुई है।**
- इसकी स्थापना 1973-1974 के तेल संकट की प्रतिक्रिया के रूप में तेल आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 1974 में **की गई थी।**
- मुख्यालय- **पेरिस, फ्रांस**
- सदस्यता: **31 देश** (**भारत 2017 में शामिल हुआ**, लेकिन एक **सहयोगी सदस्य के रूप में**)।
- IEA के लिए एक उम्मीदवार देश **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) का सदस्य देश होना चाहिए।**

2.5 आंध्र प्रदेश विधानसभा ने गारंटीकृत पेंशन प्रणाली विधेयक पारित किया

- आंध्र प्रदेश विधानसभा ने **आंध्र प्रदेश गारंटीकृत पेंशन प्रणाली विधेयक-2023** पारित **किया।**

- यह **अब सभी राज्य सरकार के कर्मचारियों को** पुरानी पेंशन प्रणाली (**OPS**) की जगह अंशदायी पेंशन प्रणाली (**CPS**) के **तहत लाएगा।**
- गारंटीड पेंशन प्रणाली के तहत, **सभी राज्य सरकार के कर्मचारी अपने अंतिम आहरित मूल वेतन** के 50 प्रतिशत की गारंटीकृत मासिक पेंशन के लिए पात्र होंगे।
- इसमें महंगाई राहत (डीआर) को भी जोड़ा **गया है** जिसकी **घोषणा साल में दो बार की जाएगी और इससे पेंशन की मात्रा बढ़ेगी।**
- यह योजना **पेंशनभोगी की मृत्यु के बाद गारंटीकृत पेंशन राशि के 60 प्रतिशत की दर से मासिक जीवनसाथी पेंशन सुनिश्चित करेगी**।
- एक **सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को न्यूनतम 10,000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी।**
- यह योजना **नई और पुरानी दोनों पेंशन योजनाओं के तत्वों को जोड़ेगी।**
- जो लोग **सेवा से बर्खास्त या हटाए गए हैं और अनुशासनात्मक कार्रवाई के कारण अनिवार्य सेवानिवृत्ति का सामना कर रहे हैं, वे इस योजना के तहत पात्र नहीं होंगे।**

2.6 भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड

- **भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड (आईबीबीआई) ने** हाल ही में अपना सातवां वार्षिक दिवस मनाया।
- **सफलता की कहानी**
  - ✓ **दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी)** के माध्यम से लेनदारों ने **लगभग 3 लाख करोड़ रुपये की वसूली की है** और **पिछले साल वसूली 51,000 करोड़ रुपये से अधिक थी** , जब **समाधानों की संख्या 80 प्रतिशत बढ़कर 180 हो गई।**
  - ✓ इस साल अगस्त तक **135 संकल्प हो चुके हैं और साल के अंत तक यह संख्या 300 तक पहुंचने की संभावना है।**

भारतीय दिवालियापन और दिवालियापन बोर्ड (आईबीबीआई) के बारे में

- **दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी), 2016** के तहत 1 अक्टूबर 2016 को स्थापित किया गया ।
- यह **IBC के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है** ।
- आईबीसी **व्यक्तियों, साझेदारी फर्मों और कॉर्पोरेट व्यक्तियों के दिवाला समाधान से संबंधित कानूनों को समयबद्ध तरीके से संशोधित और समेकित करता है।**
- **कार्यों**
  - ✓ आईबीबीआई **पेशेवरों के साथ-साथ प्रक्रियाओं को भी नियंत्रित करता है** ।
  - ✓ **दिवाला पेशेवर एजेंसियों, दिवाला पेशेवर संस्थाओं, दिवाला पेशेवरों और सूचना उपयोगिताओं** पर नियामक निगरानी रखता है ।
  - ✓ यह **आईबीसी के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान, व्यक्तिगत दिवाला समाधान, कॉर्पोरेट परिसमापन और व्यक्तिगत दिवालियापन की प्रक्रियाओं** के लिए नियमों को **लागू करता है ।**
  - ✓ यह दिवाला पेशेवर एजेंसियों , **दिवाला पेशेवरों और सूचना उपयोगिताओं के पंजीकरण के लिए न्यूनतम पात्रता आवश्यकताओं और** उनके नामांकन के लिए दिवाला पेशेवरों **की योग्यता परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम निर्दिष्ट करता है।**

- ✓ यह **दिवालियापन और दिवालियेपन के मामलों से संबंधित रिकॉर्ड एकत्र करता है और उनका रखरखाव करता है** और ऐसे मामलों से संबंधित जानकारी का प्रसार करता है ।

❖ **संविधान**

- ✓ एक **अध्यक्ष** .
- ✓ **केंद्र सरकार के तीन सदस्य, जो** संयुक्त सचिव के समकक्ष या उससे नीचे के पद के नहीं हों **, पदेन।**
- ✓ एक **सदस्य, पदेन।**
- ✓ **पांच अन्य सदस्य केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किये जाते हैं , जिनमें से कम से कम तीन पूर्णकालिक सदस्य होने चाहिए।**

❖ **अध्यक्ष और सदस्यों** (पदेन सदस्यों के अलावा) का कार्यकाल **पांच वर्ष या उनके पैंसठ वर्ष पूरे होने तक** , जो भी **पहले हो** , है और **वे पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र हैं।**

2.7 पूसा-44

❖ पंजाब सरकार ने **अगले खरीफ सीजन से ज्यादा पानी की खपत करने वाली धान की फसल पूसा-44** किस्म की बुआई पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

❖ इसे **पकने में 152 दिन लगते हैं** जबकि **पीआर-126 किस्म को पकने में सिर्फ 92 दिन लगते हैं।**

❖ **इसे 1993 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित किया गया** था ।

❖ 2010 के अंत तक, इसने **पंजाब भर के किसानों के बीच व्यापक लोकप्रियता हासिल कर ली थी** , जिसमें **धान की खेती के तहत लगभग 70 से 80% क्षेत्र शामिल था।**

2.8 52 वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक

❖ 52 वीं जीएसटी परिषद की बैठक 7 अक्टूबर 2023 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में हुई।

प्रमुख परिणाम

MAJOR OUTCOMES

❖ **गुड़** पर जीएसटी **28% से घटाकर 5% कर दिया गया है** ।

❖ **खनिज खनन में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी)** अन्य **सरकारी प्राधिकरणों के समान जीएसटी छूट** के लिए पात्र हैं।

❖ जीएसटी काउंसिल ने **मानव उपभोग के लिए शराब में इस्तेमाल होने वाले एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्यों को सौंप दिया है** ।

- ✓ ईएनए **अत्यधिक सांद्रित अल्कोहल है और फार्मास्यूटिकल्स, परफ्यूम, प्रसाधन आदि के लिए प्रमुख घटक है।**

❖ **जीएसटीएटी की संरचना के लिए परिभाषित नियम**

- ✓ **न्यूनतम आयु सीमा 50 वर्ष है** जबकि **राष्ट्रपति के लिए अधिकतम 70 वर्ष और जीएसटीएटी के सदस्यों के लिए 67 वर्ष है।**
- ✓ **वर्ष के अनुभव वाले अधिवक्ताओं को ही न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।**

जीएसटी परिषद के बारे में

- यह **अनुच्छेद 279A (101 संविधान संशोधन अधिनियम, 2016) के तहत एक संवैधानिक निकाय है।**
- **संघटन**
  - ✓ **अध्यक्ष** : **केंद्रीय वित्त मंत्री**
  - ✓ सदस्य:
    - ➢ **केंद्रीय राज्य मंत्री, राजस्व प्रभारी**
    - ➢ **वित्त या कराधान के प्रभारी मंत्री या प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा नामित** कोई अन्य मंत्री ।
- **कार्य - अनुच्छेद 279ए (4)** के तहत , परिषद **जीएसटी से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर संघ और राज्यों को सिफारिशें करती है** , जैसे कि **सामान और सेवाएं जो जीएसटी के अधीन या छूट दी जा सकती हैं, मॉडल जीएसटी कानून, आपूर्ति के स्थान को नियंत्रित करने वाले सिद्धांत , सीमा सीमा, बैंड के साथ फ्लोर रेट सहित जीएसटी दरें, प्राकृतिक आपदाओं/आपदाओं के दौरान अतिरिक्त संसाधन जुटाने के लिए विशेष दरें, कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधान आदि।**
- निर्णय के लिए **उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के 3/4 बहुमत की आवश्यकता होती है** ।
  - ✓ **केंद्र सरकार के वोट का महत्व कुल वोटों का एक तिहाई** होगा ।
  - ✓ **सभी राज्य सरकारों के वोटों को** मिलाकर **उस बैठक में डाले गए कुल वोटों का दो-तिहाई महत्व होगा।**

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के बारे में

- जीएसटीएटी **जीएसटी कानूनों के तहत दूसरी अपील का मंच है** और **केंद्र और राज्यों के बीच पहला आम विवाद समाधान मंच है।**
- **सीजीएसटी** और **एसजीएसटी कानूनों के तहत अपीलीय प्राधिकारियों द्वारा जारी की गई पहली अपीलों में आदेशों** के खिलाफ **सभी अपीलें जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के** समक्ष रखी जाती हैं , जो केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिनियम दोनों के तहत आम हैं।
- एक सामान्य मंच होने के नाते, **जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण जीएसटी के तहत विवाद निवारण में एकरूपता सुनिश्चित करेगा** और इसलिए, **पूरे भारत में जीएसटी के कार्यान्वयन में।**

2.9 आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

- आवधिक **श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) हाल ही में जारी किया** गया था ।
- इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में 5,639 प्रथम-चरण नमूना इकाइयों (एफएसयू) और **44,190 शहरी घरों के 1,67,916 लोगों से विवरण संसाधित किया गया।**

प्रमुख निष्कर्ष

- इसमें बताया गया है कि **अप्रैल से जून 2023 के बीच देश में बेरोजगारी दर में कमी देखी गई है।**
- इसी प्रकार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए **श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) और श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में भी** इस अवधि के दौरान सुधार हुआ है।
- **शहरी क्षेत्रों में एलएफपीआर अप्रैल-जून 2022 में 47.5% से बढ़कर** अप्रैल -जून 2023 में 48.8% हो गया।

पीएलएफएस के बारे में

- पीएलएफएस सांख्यिकी और **कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा किया जाता है।**
- **इसे अप्रैल 2017 में लॉन्च किया गया था।**
- उद्देश्य
    - ✓ **केवल सीडब्ल्यूएस में शहरी क्षेत्रों के लिए तीन महीने के अल्प समय अंतराल में प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतक** (जैसे श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना ।
    - ✓ **वार्षिक रूप से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सामान्य स्थिति और सीडब्ल्यूएस दोनों** में **रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाना** ।

महत्त्वपूर्ण परिभाषाएँ

- **श्रम बल** : वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के अनुसार, श्रम बल , सर्वेक्षण की तारीख से पहले एक सप्ताह में **औसतन नियोजित या बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या है।**
- **श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर)- जनसंख्या में श्रम बल में व्यक्तियों का प्रतिशत** (अर्थात काम करना या काम की तलाश करना या उपलब्ध होना) ।
- **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर)** : डब्ल्यूपीआर को **जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
- **बेरोजगारी दर** : बेरोजगारी दर को **श्रम बल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है।**
- **वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दृष्टिकोण** : शहरी बेरोजगारी पीएलएफएस सीडब्ल्यूएस दृष्टिकोण पर आधारित है।
    - ✓ सीडब्ल्यूएस के तहत, **किसी व्यक्ति को बेरोजगार माना जाता है यदि उसने सप्ताह के दौरान किसी भी दिन एक घंटे के लिए भी काम नहीं किया,** लेकिन **अवधि के दौरान किसी भी दिन कम से कम एक घंटे के लिए काम मांगा या उपलब्ध था।**

2.10 उडानगुडी 'पनांगकरुपट्टी' को जीआई टैग मिला

- **उदंगुड़ी ' पनांगकरुपट्टी ' (ताड़ गुड़/गुड़) को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग** दिया गया है ।
- ताड़ का गुड़ तैयार करने की **प्रक्रिया आज तक बिना किसी अतिरिक्त आधुनिक रणनीति के पारंपरिक है।**
    - ✓ उडानगुड़ी में **किसी भी रासायनिक योजक का उपयोग नहीं किया जाता है** पनांगकरूपट्टी ।
- करुपट्टी _ तमिलनाडु में **थूथुकुडी जिले के तिरुचेंदुर तालुक में उडानगुडी के आसपास के क्षेत्र से ताड़ के रस से तैयार की गई इस सब्जी में कुछ विशिष्टता है।**
- **इस क्षेत्र में पाई जाने वाली लाल रेतीली मिट्टी की उपस्थिति** के कारण है ।
    - ✓ यह **मिट्टी भूजल को कम धारण करती है।**
- शुष्क जलवायु की स्थिति के कारण **वातावरण में नमी की मात्रा कम है** , जिससे **सुक्रोज की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे स्वाद बढ़ जाता है।**
- क्षेत्र की **शुष्क जलवायु लंबी अवधि के लिए करुपट्टी के भंडारण के लिए भी उपयुक्त है।**

- उडानगुड़ी गुड़ को **श्रीलंका, मलेशिया और सिंगापुर सहित विदेशों में भी निर्यात किया जाता है** ।

2.11 गोवा के काजू को मिला जीआई टैग

- **गोवा के काजू को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग** दिया गया है ।
- यह **पूर्वोत्तर ब्राजील का मूल निवासी है** और **1570 में पुर्तगालियों द्वारा इसे गोवा में लाया गया था।**
- यह **गोवा में बागवानी फसलों के बीच सबसे बड़े क्षेत्र पर कब्जा करता है।**
- इसके लिए **अच्छी जल निकास वाली गहरी बलुई दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है।**

जीआई टैग के बारे में

- जीआई टैग **एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले उत्पादों को प्रदान किया जाता है** , जो अद्वितीय विशेषताओं और गुणों को दर्शाता है।
- मूलतः, यह **अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में एक ट्रेडमार्क के रूप में कार्य करता है।**
- यह **चेन्नई में भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री** द्वारा **दिया गया है।**
- जीआई टैग **10 वर्षों के लिए वैध है** , और **प्रत्येक 10 वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए समय-समय पर नवीनीकरण किया जा सकता है।**

2.12 बुद्धिमान परिवहन प्रणाली

- **भारतीय शहरों के लिए इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम एंडेवर पहल के तहत तीन नई स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं।**
- इन्हें **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा लॉन्च किया गया था।**
- **ये प्रौद्योगिकियां हैं: औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए सीएमओएस सेंसर आधारित कैमरा, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम के लिए थर्मल सेंसर कैमरा- (टीवीआईटीएस) और ऑनलाइन सुक्रो क्रिस्टल इमेजिंग सिस्टम (ओएसआईएस)।**
- **औद्योगिक दृष्टि अनुप्रयोगों के लिए सीएमओएस सेंसर आधारित कैमरा (** iViS **) वस्तुओं के स्वचालित निरीक्षण और पहचान** के लिए **एक स्वदेशी तकनीक** है ।
  - ✓ **मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग तकनीकों को नियोजित करने वाले** एआई आधारित अनुप्रयोगों का समर्थन करता है ।
- थर्मल **सेंसर आधारित कैमरा (TvITS) सड़क यातायात अनुप्रयोगों के लिए** एक AI संचालित थर्मल सेंसर आधारित स्मार्ट विज़न कैमरा है ।
  - ✓ यह सभी मौसम स्थितियों में **पूरी तरह से अंधेरे वातावरण में भी उच्च सटीकता के साथ स्टेशनरी के साथ-साथ चलती वस्तुओं का डेटा प्रदान कर सकता है।**
  - ✓ मॉड्यूलर डिज़ाइन **संचालन में आसानी और आवश्यकता के अनुसार लेंस बदलने की सुविधा प्रदान करता है।**
- ऑनलाइन **सुक्रो क्रिस्टल इमेजिंग सिस्टम (ओएसआईएस) चीनी उद्योगों में क्रिस्टल के आकार को मापने के लिए औद्योगिक कैमरे का उपयोग करके विकसित की गई एक प्रणाली है** ।

Civilstap Himachal

✓ यह एक बहुत ही **महत्वपूर्ण गुणवत्ता मानदंड है जिसकी चीनी उद्योगों को आवश्यकता होती है।**

2.13 धोर्डो को यूएनडब्ल्यूटीओ के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव 2023 का पुरस्कार दिया गया

- **गुजरात के धोर्डो** गांव ने **विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) द्वारा घोषित 54 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों की सूची में अपना स्थान** सुरक्षित कर लिया है ।
- **गुजरात का धोरडो गांव कच्छ के महान रण में स्थित** है ।
- यह **वार्षिक रण उत्सव की मेजबानी के लिए प्रसिद्ध है - एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव जो क्षेत्र की पारंपरिक कला, संगीत और शिल्प को प्रदर्शित करता है।**

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के बारे में

- यह **संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है जो जिम्मेदार, टिकाऊ और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन को** बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना **1975 में हुई थी**
- **मुख्यालय - मैड्रिड, स्पेन.**
- **यूएनडब्ल्यूटीओ पर्यटन के लिए वैश्विक आचार संहिता** के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करता है , ताकि **इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक योगदान को अधिकतम किया जा सके।**

2.14 कन्नौज अत्तर

- भारत **दुनिया का सबसे बड़ा इत्र निर्यातक है।**
- घ्राण **कला और विज्ञान नूरजहाँ (जहाँगीर की पत्नी) के जामदानी गुलाब के प्रति प्रेम** से प्रेरित था ।
- इत्र **चंदन के तेल के आधार में फूलों और जड़ी-बूटियों का आसुत अर्क है।**
- कन्नौज **भारत में सुगंध और स्वाद उद्योग का** एक महत्वपूर्ण केंद्र है , जो देश के निर्यात में योगदान देता है।
  - ✓ इसलिए इसे **इत्र नगरी के नाम से जाना जाता है** ।
- इसमें **भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग भी है।**
- इत्र **प्राकृतिक अर्क के साथ हिरलूम हाइड्रोडिस्टिलेशन प्रक्रिया का उपयोग करके बनाया जाता है** , बिना **अल्कोहल और कृत्रिम परिरक्षकों के।**

2.15 'नमो भारत'

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने** देश के पहले **क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) को हरी झंडी दिखाई और नमो भारत ट्रेन को** भारत के आशाजनक भविष्य की झलक बताया ।

नमो भारत के बारे में

- यह देश की पहली **क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (RRTS)** नाम की **नमो भारत ट्रेन है** । पहले, नमो भारत ट्रेन को **"RAPIDX" कहा जाता था।**

- **दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ गलियारा** स्थापित करेगा जिसमें **गाजियाबाद, मुरादनगर और मोदीनगर** के शहरी केंद्रों के माध्यम से यात्रा का समय एक घंटे से भी कम होगा ।
- यह **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (NCRTC) की** शटल ट्रेन है जो मेरठ से दिल्ली तक चलेगी।
- प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक 17 **किलोमीटर लंबे मार्ग का उद्घाटन किया।**
- पूरे **82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के** 2025 तक चालू होने का अनुमान है।
- इसकी टॉप स्पीड **180 किमी/घंटा है।**
- इसका प्रबंधन और संचालन **जर्मन रेल कंपनी डॉयचे बान द्वारा किया जाता है।**
- **हर 15 मिनट में हाई-स्पीड इंटरसिटी कम्यूटर ट्रेनों की** पेशकश करेगा , यदि आवश्यक हो तो आवृत्ति को हर 5 मिनट में कम करने का विकल्प भी होगा।
- **₹30,000 करोड़** से अधिक की लागत से विकसित किया गया ।

इतिहास

- **1998-99 में भारतीय रेलवे** द्वारा किए गए एक अध्ययन ने एनसीआर के क्षेत्रों को हाई-स्पीड कम्यूटर ट्रेनों के माध्यम से जोड़ने के विकल्प के रूप में क्षे **क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली** की पहचान की।
- **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की स्थापना 2013 में** दिल्ली के आसपास के **100-200 किमी के दायरे** में यातायात को राहत देने के लिए पूरे एनसीआर में आठ नियोजित क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) को लागू करने के लिए की गई थी।
- एनसीआरटीसी ने **अप्रैल 2023 में आरआरटीएस सेवाओं को "रैपिडएक्स" के रूप में पुनः ब्रांडेड किया।**

क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) के बारे में

- शहरी और उपनगरीय क्षेत्रों में, विशेष रूप से **घनी आबादी और भारी यातायात वाले स्थानों में परिवहन को बढ़ाने के लिए** एक उच्च-आवृत्ति, उच्च गति कम्यूटर ट्रांज़िट सिस्टम, **रीजनल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम (आरआरटीएस) बनाया गया था।**
- **आरआरटीएस** का मुख्य लक्ष्य त्वरित, व्यावहारिक और कुशल सार्वजनिक परिवहन विकल्प प्रदान करना है।

एनसीआरटीसी के बारे में

- NCRTC केंद्र सरकार और **दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है।**
- **केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है ।
- इसे **पूरे एनसीआर में आरआरटीएस परियोजना को लागू करना** और बेहतर कनेक्टिविटी और पहुंच के माध्यम से संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

2.16 कस्तूरी कपास

- कस्तूरी **कॉटन भारत वेबसाइट ,** इस पहल पर आवश्यक जानकारी और अपडेट के लिए एक **डिजिटल प्लेटफॉर्म** हाल ही में लॉन्च किया गया था।
- वेबसाइट **कस्तूरी कॉटन भारत ब्रांड का उत्पादन करने के लिए जिनर्स** के लिए **पंजीकरण प्रक्रिया** और इसकी **प्रक्रियाओं पर प्रकाश डालती है जो ब्रांडेड भारतीय कपास को अद्वितीय बनाती हैं।**

- कस्तूरी कॉटन भारत **कपड़ा मंत्रालय** , **भारतीय कपास निगम** (सीसीआई) और **व्यापार और उद्योग निकायों की एक संयुक्त पहल है, जो भारतीय ब्रांडिंग, ट्रेसबिलिटी और प्रमाणीकरण की पूरी जिम्मेदारी लेकर स्व-नियमन के सिद्धांत** पर काम करती है। **वैश्विक बाजार में** अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और **इसमें शामिल सभी हितधारकों के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कपास ।**
- **7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस की पूर्व संध्या** पर , **कपड़ा मंत्रालय ने कपास का 'कस्तूरी कॉटन भारत' ब्रांड** पेश किया, जिसके द्वारा **भारतीय कपास को एक ब्रांड और एक लोगो से संपन्न किया गया है** जो **सफेदी, कोमलता, शुद्धता, चमक और भारतीयता का प्रतिनिधित्व करता है।** .
    - ✓ यह **भारतीय कपास का पहला ब्रांड और लोगो है।**

2.17 राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड

- केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने **नेशनल कोऑपरेटिव फॉर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड (एनसीईएल) के शुभारंभ की अध्यक्षता की** , जो एक **उद्यम है जो भारत के निर्यात प्रयासों में सहकारी क्षेत्रों के मिलन का प्रतीक है** ।
- इस कार्यक्रम में **एनसीईएल लोगो, वेबसाइट और ब्रोशर का अनावरण किया गया** ।

एनसीईएल के बारे में

- एक **छत्र संगठन के रूप में स्थापित एनसीईएल को 25 जनवरी** 2023 **को बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम, 2002 के** तहत **पंजीकृत किया गया** था ।
- इसकी **अधिकृत शेयर पूंजी ₹2,000 करोड़ है और** निर्यात **में** रुचि रखने वाली **प्राथमिक से शीर्ष स्तर तक की सहकारी समितियां इसके सदस्य** बनने के लिए **पात्र** हैं ।
    - ✓ **एनसीईएल को अब तक ₹7,000 करोड़ का ऑर्डर** मिल चुका है ।
- इसके **उद्देश्यों** में **निर्यात बढ़ाना, किसानों को समृद्ध बनाना, जैविक उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार उपलब्ध कराना, जैव ईंधन के वैश्विक बाजार में भारत को स्थान दिलाना आदि शामिल हैं।**
- इसका उद्देश्य देश की भौगोलिक सीमाओं से परे व्यापक बाजारों तक पहुंच बनाकर **भारतीय सहकारी क्षेत्र में उपलब्ध अधिशेष के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करना है।**
- **देश में लगभग 8 लाख सहकारी समितियाँ** हैं जिनमें **29 करोड़** से अधिक सदस्य हैं।

2.18 पहले नैनो डीएपी प्लांट का उद्घाटन

- **गांधीनगर में कलोल के पास इफको द्वारा देश के पहले नैनो डी-अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) संयंत्र का** उद्घाटन किया गया।
- **कलोल में नैनो लिक्विड डीएपी प्लांट** इफको **द्वारा 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया गया** है ।
- **आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप** विकसित किया गया है ।
- **डीएपी के आयात में उल्लेखनीय कमी** आएगी **और लॉजिस्टिक्स और भंडारण लागत में भी कमी आएगी।**
- यह **25 टन डीएपी के बराबर 5 करोड़ बोतल नैनो डीएपी तरल का उत्पादन करेगा।**

नैनो डीएपी के बारे में

- यह **एक संकेंद्रित फॉस्फेट-आधारित उर्वरक है।**

- ✓ नैनो उर्वरक **पोषक तत्वों को** वितरित करने , **नाइट्रोजन वितरण की प्रभावशीलता में** सुधार करने और पर्यावरण को **होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पौधों की सतहों पर नैनोस्केल छिद्रित डोमेन का उपयोग करें ।**

- ❖ जहां **पारंपरिक डीएपी की एक बोरी की कीमत लगभग 1300 रुपये है** , **वहीं किसानों को नैनो लिक्विड डीएपी की एक बोतल मात्र 600 रुपये में मिल सकती है, जिसे किसान अपनी** जेब में रख सकते हैं।

डीएपी यूरिया के बाद देश में दूसरा सबसे अधिक खपत वाला उर्वरक **है।**

- ❖ यह **फसल की वृद्धि और विकास चक्र के दौरान फॉस्फोरस पोषण प्रदान करता है।**
- ❖ कहा जाता है कि **500 मिलीलीटर नैनो यूरिया स्प्रे** की एक छोटी बोतल 45 **किलोग्राम यूरिया के पूरे बैग का विकल्प हो सकती है।**
- ❖ नैनो-डीएपी का **निर्माण इफको** और **कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड** (**सीआईएल**) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।

2.19 जमरानी बांध

- ❖ सरकार ने उत्तराखंड की **जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी)** के तहत **शामिल करने को मंजूरी दे दी, जिसकी लागत 2,584 करोड़ रुपये होगी।**
- ❖ इस परियोजना में **उत्तराखंड के नैनीताल जिले** में **राम गंगा नदी की सहायक नदी** गोला नदी पर **जमरानी गांव के पास एक बांध के निर्माण की परिकल्पना की गई है** ।
- ❖ यह बांध **मौजूदा गोला बैराज को अपनी 40.5 किमी लंबी नहर प्रणाली और 1981 में पूरी हुई 244 किमी लंबी नहर प्रणाली के माध्यम से पानी देगा।**
- ❖ **मार्च 2028 तक पूरा** होने वाली **₹2,584.10 करोड़ की अनुमानित लागत वाली परियोजना को पूरा करने के लिए उत्तराखंड को ₹1,557.18 करोड़ की केंद्रीय सहायता** प्रदान की जाएगी ।
- ❖ इस परियोजना में उत्तराखंड के नैनीताल और **उधम सिंह नगर जिलों और उत्तर प्रदेश के रामपुर और बरेली जिलों में 57,065 हेक्टेयर (उत्तराखंड में 9,458 हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश में 47,607 हेक्टेयर) की अतिरिक्त सिंचाई की परिकल्पना की गई है।**

2.20 संदर्भ ईंधन

- ❖ **इंडियनऑयल ने** भारत **में पहली बार** रेफरेंस **गैसोलीन और डीजल ईंधन** का **उत्पादन सफलतापूर्वक शुरू किया है** ।
- ❖ **पारादीप रिफाइनरी** से **संदर्भ गैसोलीन ईंधन E0, E5, E10, E20, E85, E100 में उपलब्ध** होगा ।
- ❖ **संदर्भ डीजल ईंधन पानीपत रिफाइनरी से बी7 ग्रेड में** उपलब्ध होगा ।
- ❖ **संदर्भ ईंधन** (गैसोलीन और डीजल) **प्रीमियम उच्च-मूल्य वाले उत्पाद हैं** , जिनका उपयोग **ऑटो OEM और आईसीएटी (इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी)** और **एआरएआई (ऑटोमोटिव रिसर्च**

एसोसिएशन) जैसे **ऑटोमोटिव क्षेत्र में परीक्षण और प्रमाणन** में शामिल संगठनों द्वारा **वाहनों के अंशांकन और परीक्षण के लिए किया जाता है। भारत की)।**

- **अंतर्राष्ट्रीय मानकों को** पूरा करने के लिए , ये उत्पाद प्रमाणन की तीन परतों - **रिफाइनरी लैब** , **आईओसीएल आर एंड डी सेंटर** और **एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित तृतीय पक्ष प्रयोगशाला से गुज़रे थे ।**
- भारत **इस विशेष ईंधन की मांग को पूरा करने के लिए आयात** पर **निर्भर है।**
- **संदर्भ ईंधन** की **विशिष्टता आवश्यकताएँ वाणिज्यिक गैसोलीन और डीजल की तुलना में अधिक कठोर** हैं ।
- भारत में संदर्भ ईंधन की मांग वर्तमान में अन्य **देशों से आयात करके पूरी की जाती है** ।
- **लाभ** - इन **स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों से वाहन निर्माताओं के लिए बेहतर कीमत** और न्यूनतम समय पर आयात प्रतिस्थापन हो सकेगा ।

2.21 इलायची की खेती

- **उत्तर-पूर्वी मानसून के समय पर उच्च-सीमा में** पहुंचने से **इलायची उत्पादकों के चेहरे पर मुस्कान** आ गई है और उन्हें **फसल की बेहतर उत्पादकता और कीमत का एहसास हुआ है ।**

इलायची की खेती के बारे में

- **मसालों की रानी** के नाम से मशहूर **इलायची दक्षिण भारत में पश्चिमी घाट** के **सदाबहार बरसाती जंगलों** की मूल निवासी है ।
- इसकी **खेती लगभग 1,00,000 हेक्टेयर में की जाती है जो मुख्य रूप से दक्षिणी राज्यों तक ही सीमित है; केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु।**
- इसमें **विटामिन सी, नियासिन, मैग्नीशियम और पोटेशियम** आदि मौजूद होते हैं।
- इलायची का **उपयोग भोजन, मिष्ठान्न, पेय पदार्थ और शराब की विभिन्न तैयारियों को स्वादिष्ट बनाने के लिए किया जाता है।**
- मिट्टी एवं जलवायु
- Soil and climate -
  - ✓ इलायची की खेती के लिए **दोमट मिट्टी वाले घने छायादार क्षेत्र आदर्श होते हैं।**
  - ✓ **600 से 1500 मीटर तक की ऊंचाई** पर उगाई जा सकती है ।
  - ✓ वार्षिक वर्षा सीमा- **150 से 400 सेमी**
  - ✓ तापमान- **10 ° से 35 ° C**
  - ✓ **भारी हवाओं** के संपर्क में आने वाले क्षेत्र अनुपयुक्त हैं ।
  - ✓ **पर्याप्त जल निकासी की** व्यवस्था होनी चाहिए.
  - ✓ यह जंगल की दोमट मिट्टी में उगाया जाता है जो आमतौर पर 5.0 - **6.5 की पीएच सीमा के साथ प्रकृति में अम्लीय होती है।**
- **चुनौतियों**
- **Challenges**
  - ✓ इलायची **एक अत्यधिक जलवायु संवेदनशील और स्थान विशिष्ट फसल है** ।
  - ✓ इलायची में **कीट एवं रोग का प्रकोप** भी **बहुत अधिक होता है।**

- ✓ इलायची **मुख्य रूप से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में उगाई जाती है** और इसलिए **क्षेत्र विस्तार की गुंजाइश सीमित है।**

2.22 केरल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

- **इडुक्की में हॉलमार्किंग केंद्र के उद्घाटन** के साथ , **केरल भारत का पहला राज्य बन गया जिसके सभी 14 जिलों में हॉलमार्किंग केंद्र हैं।**
- **इन हॉलमार्किंग केंद्रों का** उद्घाटन **उपभोक्ताओं के लिए सोने के आभूषणों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता** सुनिश्चित करने की दिशा में **एक महत्वपूर्ण कदम है ।**
- **भारतीय मानक ब्यूरो ने** ग्राहकों , विशेषकर उन लोगों को जो बाजार के बारे में नहीं जानते हैं, को **ज्वैलर्स द्वारा धोखा दिए जाने से बचाने के लिए हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी** है ।
  - ✓ हॉलमार्किंग **आभूषण , कलाकृतियों या बुलियन और सिक्कों में कीमती धातु की आनुपातिक सामग्री का** सटीक **निर्धारण और आधिकारिक रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करती है ।**

3. भूगोल

3.1 सेला सुरंग

- सेला **सुरंग लगभग 96% पूरी हो चुकी है और साल के अंत तक इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है।**
- **सुरंगों, पहुंच मार्ग और लिंक सड़कों सहित परियोजना की कुल लंबाई लगभग 12 किमी होगी।**
- सेला **सुरंग की खुदाई 4,200 मीटर (13,800 फीट) सेला दर्रे के नीचे की गई है, जो अक्सर बर्फबारी और भूस्खलन के कारण बंद रहता है।**
- सेला **दर्रा तवांग जिले को शेष अरुणाचल प्रदेश से** जोड़ता है ।
- यह **तवांग और चीन की सीमा से लगे अन्य क्षेत्रों तक साल भर पहुंच प्रदान करेगा** , जिससे **भारतीय सेना की परिचालन क्षमताओं में वृद्धि होगी** ।
- **सुरक्षा उपाय स्थापित किए जा रहे** हैं **और अंतिम रूप दिया जा रहा है।**

3.2 पोंटस टेक्टोनिक प्लेट

- 'पोंटस' नामक **टेक्टोनिक प्लेट को** गायब **होने के 20 मिलियन वर्ष बाद फिर से खोजा गया है।**
- इस प्लेट को **केवल बोर्नियो के पहाड़ों के कुछ चट्टानी टुकड़ों** और **पृथ्वी की गहराई में पाए गए इसके विशाल स्लैब के भूतिया अवशेषों से ही जाना जाता है** ।
- यह **कभी प्रशांत महासागर के आकार का एक चौथाई था** ।
- वैज्ञानिकों ने **इसे "पोंटस प्लेट" की संज्ञा दी है** क्योंकि इसके अस्तित्व के समय, यह **एक महासागर के नीचे स्थित थी जिसे पोंटस महासागर के नाम से जाना जाता था।**
- **तंत्र**

- ✓ **विवर्तनिक प्लेटें लगातार** एक-दूसरे के विपरीत गति करते रहते हैं, और **महासागरीय प्लेटों की परत महाद्वीपीय प्लेटों की तुलना में सघन होती है** , इसलिए **महासागरीय प्लेटें सबडक्शन नामक प्रक्रिया में महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धकेल दी जाती हैं और गायब हो जाती हैं।**
- ✓ हालाँकि, कभी-कभी **खोई हुई प्लेट की चट्टानें पर्वत-निर्माण की घटनाओं** में शामिल हो जाती हैं।
- ✓ ये **अवशेष प्राचीन प्लेटों के स्थान और गठन का संकेत दे सकते हैं।**

टेक्टोनिक प्लेटों के बारे में

- ❖ टेक्टोनिक प्लेटें **पृथ्वी के लिथोस्फीयर के बड़े, कठोर टुकड़े हैं** , जो **क्रस्ट और सबसे ऊपरी मेंटल से बनी होती हैं।**
- ❖ वे **आम तौर पर महाद्वीपीय और समुद्री दोनों परतों से बने होते हैं** , और **उनकी मोटाई लगभग 6 से 70 किलोमीटर तक भिन्न हो सकती है।**
- ❖ **मुख्य रूप से सात प्रमुख टेक्टोनिक प्लेट** हैं : **अफ्रीकी प्लेट, अंटार्कटिक प्लेट, यूरेशियन प्लेट, उत्तरी अमेरिकी प्लेट, दक्षिण अमेरिकी प्लेट, प्रशांत प्लेट** और **इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट** ।
- ❖ इसके अतिरिक्त, **कई छोटी प्लेटें और माइक्रोप्लेट्स भी हैं।**

3.3 माउंट वेसुवियस

- ❖ **लगभग 2,000 साल पहले ज्वालामुखी विस्फोट में बुरी तरह जल चुके माउंट वेसुवियस के प्राचीन स्क्रॉल का पाठ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा** पढ़ा **गया है** ।
- ❖ पपीरस **स्क्रॉल, अभी भी लुढ़के हुए** , **चारकोल में बदल गए** और **79 ईस्वी में रोमन शहर हरकुलेनियम तक पहुंच गए - वही जिसने पोम्पेई शहर को दफन कर दिया और लगभग 16,000 लोगों को मार डाला।**

माउंट वेसुवियस के बारे में

- ❖ यह स्थित है **दक्षिणी इटली तटीय शहर नेपल्स के पास।**
- ❖ 4,203 **फुट ऊंचा वेसुवियस मुख्य भूमि यूरोप का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी** है ।
- ❖ इसे **एक जटिल ज्वालामुखी (या एक मिश्रित ज्वालामुखी) के रूप में वर्गीकृत किया गया है,** जिसमें **दो या दो से अधिक छिद्रों का एक परिसर होता है।**
- ❖ **कैम्पैनियन ज्वालामुखी चाप** का हिस्सा है , जो ज्वालामुखियों की एक पंक्ति है जो **अफ्रीकी और यूरेशियन प्लेटों के अभिसरण द्वारा निर्मित सबडक्शन क्षेत्र पर बनी है।**
- ❖ वेसुवियस में आमतौर पर **विस्फोटक विस्फोट और पायरोक्लास्टिक प्रवाह होते हैं** - जिन्हें गर्म लावा ब्लॉक, प्यूमिस, **राख और ज्वालामुखीय गैस के उच्च घनत्व मिश्रण के रूप में परिभाषित किया गया है।**
- ❖ **नेपल्स और आसपास के शहरों से इसकी निकटता के कारण** इसे दुनिया के **सबसे खतरनाक ज्वालामुखियों में से एक माना जाता है।**

3.4 चक्रवात तेज

- ❖ **अरब सागर** में **उठा चक्रवाती तूफान तेज** चक्रवाती तूफान में तब्दील होता जा रहा है।
- ❖ **ओमान के** दक्षिणी तटों और उससे सटे **यमन की ओर बढ़ने की आशंका है।**

- **चक्रवात तेज का नाम भारत ने रखा था।**

चक्रवातों के बारे में

- **चक्रवात** एक कम दबाव वाले क्षेत्र के चारों ओर तेजी से अंदर की ओर आने वाला वायु परिसंचरण है। दूसरे शब्दों में, यह एक निम्न दबाव प्रणाली है जो गर्म पानी के ऊपर बनती है।

भारत में चक्रवात:

- **उत्तर हिंद महासागर क्षेत्र (बंगाल की खाड़ी और अरब सागर)** में **उष्णकटिबंधीय चक्रवात** प्री-मानसून (अप्रैल से जून) और मानसून के बाद (अक्टूबर से दिसंबर) अवधि के दौरान विकसित होते हैं।
- **अरब सागर में चक्रवात तेज विकसित हो रहा है.**

3.5 झुंड भूकंप

- एक **भूकंपीय झुंड ने हाल ही में 5,500** से अधिक **छोटे भूकंपों के साथ दक्षिण पश्चिम आइसलैंड में रेक्जेन्स प्रायद्वीप** पर हमला किया है , जिससे ज्वालामुखी विस्फोट की संभावना बढ़ गई है।
- भूकंप **5 किमी की गहराई पर उत्पन्न हुए** और **मैग्मा के दीर्घकालिक संचय के कारण हुए जो दबाव बना रहा है और अब धीरे-धीरे पृथ्वी की सतह की ओर बढ़ रहा है।**
- **यूरेशियन और उत्तरी अमेरिकी टेक्टोनिक प्लेटों** के बीच स्थित , **ग्रह पर सबसे बड़े में से एक** , आइसलैंड **एक भूकंपीय और ज्वालामुखीय गर्म स्थान है** क्योंकि **दोनों प्लेटें विपरीत दिशाओं में चलती हैं।**

> मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 2.5 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप अक्सर मनुष्यों द्वारा महसूस किए जा सकते हैं।

भूकंप झुंड के बारे में

- यह बिना किसी मुख्य झटके के **कई कम तीव्रता वाले भूकंपों की एक श्रृंखला है।**
- ये **ज्वालामुखीय वातावरण** , **हाइड्रोथर्मल सिस्टम** और **अन्य सक्रिय भूतापीय क्षेत्रों में देखे जाते हैं।**
- यह तब होता है जब **पृथ्वी के अंदर एकत्रित भूकंपीय ऊर्जा कुछ बिंदुओं** से **थोड़ी मात्रा में जारी होती** है ।
  - ✓ **भूकंपीय ऊर्जा पृथ्वी की पपड़ी में द्रव गैसों और तरल पदार्थों की गति से संबंधित** है ।
- यह **दिनों, हफ्तों से लेकर महीनों तक हो सकता है।**
  - ✓ **उदाहरण के लिए , महाराष्ट्र के पालघर जिले** में **2018 से 2019 की अवधि में** लगभग **30 कम तीव्रता वाले भूकंप आए** हैं ।

4. कला और संस्कृति

4.1 सम्मक्का सरक्का

- प्रधान मंत्री ने हाल ही में **तेलंगाना के मुलुगु जिले में एक केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की।**
- विश्वविद्यालय का **नाम श्रद्धेय आदिवासी देवियों 'सम्मक्का और सरक्का' के नाम पर रखा जाएगा**
- इस पर 900 करोड़ रुपये **की लागत आएगी।**

सम्माक्का और सरक्का की कहानी के बारे में

- किंवदंती है कि **सम्मक्का के पास चमत्कारी शक्तियां थीं।** एक कहानी जिसके बारे में बहुत कुछ बताया जाता है, वह यह है कि 13 वीं शताब्दी के दौरान, **कोया आदिवासी समुदाय की एक टुकड़ी एक यात्रा से लौट रही थी** जब उन्होंने **एक छोटी लड़की को बाघों के साथ खेलते हुए देखा।** उसकी बहादुरी से आश्चर्यचकित, **टुकड़ी के प्रमुख ने उसे गोद ले लिया और उसका नाम सम्मक्का रखा।**
- **बाद में सम्मक्का ने पड़ोसी आदिवासी समूह के मुखिया से शादी कर** ली और उनकी **एक बेटी सरक्का थी।**
- मां **और बेटी दोनों ने काकतीय राजाओं का विरोध किया, जिन्होंने जनजातियों को करों का भुगतान करने के लिए मजबूर किया।**
- उन्होंने **बहादुरी से लड़ाई लड़ी और कथित तौर पर अपनी जान गंवा दी।**
- **कोया समुदाय ने कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में एक मंदिर का निर्माण किया और तब से सम्मक्का सरक्का जतारा या मेडारम जतारा का आयोजन द्विवार्षिक रूप से किया जाता है।**
  - ✓ **जतारा तेलंगाना का राज्य महोत्सव है।**
- कुंभ मेले के बाद मेडारम जतारा **भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेला है**, जिसे **तेलंगाना के दूसरे सबसे बड़े आदिवासी समुदाय- कोया जनजाति द्वारा** चार दिनों तक मनाया जाता है।
- जात्रा **वारंगल जिले के तडवाई मंडल के मेडारम से शुरू होती है।**

4.2 वीरांगना रानी दुर्गावती

- **मध्य प्रदेश के जबलपुर** में ' **वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान** ' की **आधारशिला** रखी ।
- ' वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान ' परियोजना पर **करीब 100 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।**
- यह **लगभग 21 एकड़ के विशाल क्षेत्र को कवर करेगा और इसमें रानी दुर्गावती की 52 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा होगी।**
- 500 **वीं जन्म शताब्दी धूमधाम से मनाई जा रही** है

रानी दुर्गावती के बारे में

- रानी दुर्गावती **16वीं शताब्दी के मध्य में गोंडवाना की शासक रानी थीं।**
- उन्हें **एक बहादुर, निडर और साहसी योद्धा के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी थी।**

- उनका **जन्म 1524 में महोबा में हुआ था चंदेल राजवंश**।
- उन्होंने **1542 में गोंड राजा संग्राम शाह के बेटे** दलपत **शाह से शादी की** और **1550 में अपने पति की मृत्यु के बाद बड़े जोश और साहस के साथ गढ़ा -कटंगा राज्य पर शासन किया ।**
  - ✓ **अधर कायस्थ** और **मन ठाकुर ने** सरकार चलाने में उनकी सहायता की।
  - ✓ **गढ़ -कटंगा** साम्राज्य में **नर्मदा घाटी के क्षेत्र और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से** शामिल थे ।
- रानी दुर्गावती की प्रतिष्ठा में सुधार हुआ जब **बाजबहादुर (मालवा प्रांत के शासक) ने उन पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन बुरी तरह हार गए।**
- **उन्होंने आसफ खान (अकबर के आदेश पर) के तहत मुगलों के हमले के खिलाफ बहादुरी से लेकिन असफल रूप से अपने राज्य की रक्षा की।**

अन्य तथ्य

- **गोंड जनजाति मध्य भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लचीलेपन** के लिए जानी जाती है ।
- **चंदेलों को 11 वीं शताब्दी में प्रसिद्ध खजुराहो मंदिरों के निर्माण** के लिए जाना जाता था ।
- भारत सरकार ने **24 जून 1988 को उनकी शहादत की स्मृति में एक डाक-टिकट जारी करके बहादुर रानी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।**

4.3 हक्की पिक्की जनजाति

- हक्की पिक्की आदिवासी समुदाय **बेंगलुरु के पास बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के आसपास** उन्हें आवंटित भूमि से नाखुश है ।
- बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के किनारे की बस्ती **में हक्की पिक्की दोनों हैं** और **यहां इरुलिगा आदिवासी रहते हैं।**

हक्की पिक्कीस के बारे में

- हक्की पिक्की **पारंपरिक रूप से पक्षी पकड़ने वालों और शिकारियों की एक अर्ध-खानाबदोश जनजाति है** , जो **कर्नाटक के कई हिस्सों में बस गए।**
- कन्नड़ में, 'हक्की' शब्द का **अर्थ 'पक्षी' है** और **' पिक्की ' का अर्थ 'पकड़ना' क्रिया है ।**
- हक्की- पिक्की **यह समुदाय उत्तरी भारत की आबादी से स्थानांतरित हुआ है, और कर्नाटक में पाया जाता है।**
- यह आबादी **मुख्य रूप से कर्नाटक के शिवमोग्गा, दावणगेरे और मैसूरु जिलों में पाई जाती है।**
- के अनुसार , हक्की- **पिक्की की जनसंख्या 11,892 है।**
- हक्की- पिक्की **मातृसत्तात्मक समूह कहा जाता है** ।

भाषा

- द्रविड़ भाषाओं से घिरे होने और दक्षिणी भारत में रहने के बावजूद, **समुदाय इंडो-आर्यन भाषा बोलता है** । उनकी **मातृभाषा को** विद्वानों ने ' **वागरी ' नाम दिया था।**
- वे **घर पर ' वागरी ' में संवाद करते हैं** लेकिन **दैनिक व्यवसाय करते समय कन्नड़ में बात करते हैं।**
- **यूनेस्को ने ' वागरी ' को लुप्तप्राय भाषाओं में से एक के रूप में** सूचीबद्ध किया है ।

4.4 वीरांगना रानी दुर्गावती

- **मध्य प्रदेश के जबलपुर** में ' **वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान** ' की **आधारशिला** रखी ।
- ' वीरांगना रानी दुर्गावती स्मारक और उद्यान ' परियोजना पर **करीब 100 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।**
- यह **लगभग 21 एकड़ के विशाल क्षेत्र को कवर करेगा और इसमें रानी दुर्गावती की 52 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा होगी।**
- 500 **वीं जन्म शताब्दी धूमधाम से मनाई जा रही** है

रानी दुर्गावती के बारे में

- रानी दुर्गावती **16वीं शताब्दी के मध्य में गोंडवाना की शासक रानी थीं।**
- उन्हें **एक बहादुर, निडर और साहसी योद्धा के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ी थी।**
- उनका **जन्म 1524 में महोबा में हुआ था चंदेल राजवंश**।
- उन्होंने **1542 में गोंड राजा संग्राम शाह के बेटे** दलपत **शाह से शादी की** और **1550 में अपने पति की मृत्यु के बाद बड़े जोश और साहस के साथ गढ़ा -कटंगा राज्य पर शासन किया ।**
  - ✓ **अधर कायस्थ** और **मन ठाकुर ने** सरकार चलाने में उनकी सहायता की।
  - ✓ **गढ़ -कटंगा** साम्राज्य में **नर्मदा घाटी के क्षेत्र और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से** शामिल थे ।
- रानी दुर्गावती की प्रतिष्ठा में सुधार हुआ जब **बाजबहादुर (मालवा प्रांत के शासक) ने उन पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन बुरी तरह हार गए।**
- **उन्होंने आसफ खान (अकबर के आदेश पर) के तहत मुगलों के हमले के खिलाफ बहादुरी से लेकिन असफल रूप से अपने राज्य की रक्षा की।**

अन्य तथ्य

- गोंड जनजाति मध्य भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लचीलेपन के लिए जानी जाती है ।
- चंदेलों को 11 वीं शताब्दी में प्रसिद्ध खजुराहो मंदिरों के निर्माण के लिए जाना जाता था ।
- भारत सरकार ने 24 जून 1988 को उनकी शहादत की स्मृति में एक डाक-टिकट जारी करके बहादुर रानी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

4.5 हक्की पिक्की जनजाति

- हक्की पिक्की आदिवासी समुदाय **बेंगलुरु के पास बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के आसपास** उन्हें आवंटित भूमि से नाखुश है ।
- बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के किनारे की बस्ती **में हक्की पिक्की दोनों हैं** और **यहां इरुलिगा आदिवासी रहते हैं।**

हक्की पिक्कीस के बारे में

- हक्की पिक्की **पारंपरिक रूप से पक्षी पकड़ने वालों और शिकारियों की एक अर्ध-खानाबदोश जनजाति है** , जो **कर्नाटक के कई हिस्सों में बस गए।**

- कन्नड़ में, 'हक्की' शब्द का **अर्थ 'पक्षी' है** और ' **पिक्की ' का अर्थ 'पकड़ना' क्रिया है** ।
- हक्की- पिक्की **यह समुदाय उत्तरी भारत की आबादी से स्थानांतरित हुआ है, और कर्नाटक में पाया जाता है।**
- यह आबादी **मुख्य रूप से कर्नाटक के शिवमोग्गा, दावणगेरे और मैसूरु जिलों में पाई जाती है।**
- के अनुसार , हक्की- **पिक्की की जनसंख्या 11,892 है।**
- हक्की- पिक्की **मातृसत्तात्मक समूह कहा जाता है** ।

भाषा

- द्रविड़ भाषाओं से घिरे होने और दक्षिणी भारत में रहने के बावजूद, **समुदाय इंडो-आर्यन भाषा बोलता है** । उनकी **मातृभाषा को** विद्वानों ने ' **वागरी ' नाम दिया था।**
- वे **घर पर ' वागरी ' में संवाद करते हैं** लेकिन **दैनिक व्यवसाय करते समय कन्नड़ में बात करते हैं।**
- **यूनेस्को ने ' वागरी ' को लुप्तप्राय भाषाओं में से एक के रूप में** सूचीबद्ध किया है ।

4.6 जागेश्वर मंदिर और पार्वती कुंड

- पीएम मोदी ने हाल ही में **उत्तराखंड** के **जागेश्वर मंदिर** और **पार्वती कुंड का दौरा किया**

जागेश्वर मंदिर के बारे में

- जागेश्वर **जिला अल्मोडा (कुमाऊं क्षेत्र उत्तराखंड) में** एक हिंदू तीर्थ शहर है , जो 7वीं से **14वीं शताब्दी (मुख्य रूप से कत्यूरी वंश के राजाओं** द्वारा निर्मित और पुनर्स्थापित) **के 125 प्राचीन मंदिरों के समूह के लिए जाना जाता है।**
- जागेश्वर मंदिर **जटा गंगा नदी के पास स्थित है** ।
- ये मंदिर **विभिन्न देवताओं को समर्पित हैं, जिनमें से कई भगवान शिव का सम्मान करते हैं ।**
- **स्कंध पुराण** और **लिंग पुराण** के अनुसार , भगवान शिव की पूजा **जागेश्वर में हुई , जिससे यह एक महत्त्वपूर्ण धार्मिक स्थल बन गया।**
- इसके अलावा, यह क्षेत्र **लकुलिशा शैववाद का केंद्र था** , जो एक **पुनरुत्थानवादी संप्रदाय है जो भगवान शिव का सम्मान करता है।**
- यह **जागेश्वर मानसून महोत्सव** और **महा शिवरात्रि मेला जैसे धार्मिक त्योहारों का भी आयोजन करता है** ।
- मंदिर **उत्तर भारतीय नागर** और **दक्षिण/मध्य भारतीय स्थापत्य शैली** का **मिश्रण प्रदर्शित करते हैं ।**

पार्वती कुंड के बारे में

- **पिथौरागढ़** में पार्वती कुंड **भारत के सबसे प्रतिष्ठित तीर्थस्थलों में से एक** है ।
- **लगभग 5,338 फीट की ऊंचाई** पर स्थित यह हिंदू तीर्थ स्थल हर साल श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।
- इस स्थल का **अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व है** और **माना जाता है कि** यहीं पर **भगवान शिव और देवी पार्वती ने ध्यान किया था।**

4.7 कटि बिहु

- काति बिहू **एक असमिया त्योहार है।**
- यह **चावल के पौधे के स्थानांतरण का प्रतीक है और इसे कोंगाली बिहू के नाम से जाना जाता है** ।

- यह **असम में मनाए जाने वाले तीन बिहू त्योहारों में से एक है, जो सभी कृषि से जुड़े हैं।**
- कटि बिहू के दौरान, **लोग जश्न मनाने के लिए मिट्टी के दीपक और मोमबत्तियाँ जलाते हैं** , जिसमें **तुलसी के पौधे के पास दीया जलाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है ।**
- अनुष्ठानों में **जल्दी उठना, घर की सफाई करना, तुलसी के पौधे को पानी चढ़ाना और धान के खेतों में "आकाश बंटी" नामक दीपक जलाना शामिल है।**

4.8 मुथुवन जनजाति

- **अनामलाई पहाड़ियों की मुथुवन जनजाति** के **सदस्य** , जो **अपने पारंपरिक ज्ञान के साथ वन्य जीवन के साथ सह-अस्तित्व के लिए जाने जाते हैं** , ने **एक अनोखे कार्य के लिए तमिलनाडु वन विभाग के साथ हाथ मिलाया है।**
- **नीलगिरि तहर परियोजना का हिस्सा** होंगे , जिसका **उद्देश्य राज्य पशु की रक्षा करना है** , जिसकी संरक्षण स्थिति **अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) द्वारा संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची** में **'लुप्तप्राय' है।**

मुथुवन जनजाति के बारे में

- मुथुवन जनजाति **तमिलनाडु और केरल के पश्चिमी घाट में खंडित आवासों तक सीमित है।**
- परंपरागत रूप से, मुथुवन **खानाबदोश कृषक, शिकारी और जालसाज़** हैं ।
- उनकी प्राथमिक खेती **कॉफ़ी, अदरक, गन्ना और धान हैं।**
- मुथुवन **कुड़ी नामक बस्तियों में रहते हैं** , जिनके **मुखिया को कानी या मूपन के नाम से जाना जाता है ।**
- वे दो अलग-अलग बोलियाँ बोलते हैं और एक दूसरे को **मलयालम मुथुवन** और **पंडी मुथुवन कहते हैं।**
- मुथुवन **जीववादी और आत्मा उपासक हैं** और वन देवताओं की भी पूजा करते हैं।
- उनका मानना है कि **उनके पूर्वजों की आत्माएं पहाड़ी जंगलों में पहली प्रवासी थीं।**

4.9 सोमेश्वर शिलालेख

- प्रख्यात पुरातत्वविद् टी. मुरुगेशी ने अन्य लोगों के साथ, **मंगलुरु के पास सोमेश्वर में हाल ही में पुरातात्विक अन्वेषण के दौरान क्षेत्र** के **अलुपा राजवंश से जुड़े एक दुर्लभ शिलालेख की खोज की है ।**
- यह शिलालेख **अलुपास का पहला अभिलेख था** जिसमें **किसी राजा की मृत्यु की घोषणा की गई थी** और भी **सिरी पंथ से संबंधित शब्दों का उल्लेख किया गया है, जैसे सिरी, दल्या और चतरा (Chatra)** ।

शिलालेख के बारे में

- शिलालेख के **शीर्ष पर दो पैनल हैं** और **दोनों पैनलों के बीच में पहली पंक्ति खुदी हुई है** ।
  - ✓ बाकी **शिलालेख कन्नड़ लिपि** और 12वीं शताब्दी के पात्रों की भाषा में है जो **अलुपेंद्र प्रथम की मृत्यु की घोषणा करता है।**
- शिलालेख में दिखाई गई मानव **आकृतियाँ कुलशेखर अलुपेंद्र** को स्वयं प्रस्तुत **करती हैं**
- **तुलुवा इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में** सोमेश्वर **शिलालेख** बहुत महत्त्वपूर्ण है ।

कुलशेखर अलुपेंद्र प्रथम के बारे में

- कुलशेखर अलुपेंद्र प्रथम **दक्षिण केनरा के अलुपास का एक प्रसिद्ध शासक था ।**

- अलुपेंद्र प्रथम ने 1156-1215 ई. तक **तुलुनाडु पर शासन किया ,** जैसा कि उसके अन्य अभिलेखों से ज्ञात होता है।
- वह **मंगलुरु में कुलशेखरा नामक नए शहर की स्थापना के लिए जिम्मेदार था ।**
- उन्होंने मंदिर प्रशासन के लिए सख्त नियम और कानून भी **बनाए** , जिनका आज भी इस क्षेत्र के सभी मंदिरों में पालन किया जाता है।
- वह **तुलु भाषा और संस्कृति को शाही संरक्षण देने वाले पहले शासक थे** , जिन्होंने **मंगलुरु और बरकुरु दोनों राजधानियों पर शासन किया ।**
- उन्होंने **कुलशेखरा में भुवनाश्रय नाम से एक महल भी बनवाया ।**

अलुपा दयन्स्टी तुलु नाडु **(कर्नाटक में)** के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजवंशों में से एक **था**।

बरकुर राजधानी शहर **था।**

सोमेश्वर मंदिर

सोमा **पंथ की स्थापना 11वीं शताब्दी में गुजरात के सोमा शर्मा ने की** थी और यह पूरे देश में फैल गया।

- **सोमेश्वर में सोमेश्वर मंदिर** कुलशेखर **के** समय में बनाया गया था **सोम के सम्मान में अलुपेंद्र** और **नव दुर्गाओं से सुशोभित** ।
- **मंदिर में बैठी हुई मुद्रा** में **स्वतंत्र नवदुर्गा की मूर्तियाँ पाई जाती हैं।**

4.10 युवा संगम

- **एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)** के तहत **युवा संगम** के तीसरे चरण के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया गया।
- युवा संगम **भारत सरकार द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के** बीच लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव को मजबूत करने की एक पहल है।
- **18-30 वर्ष के आयु वर्ग** के इच्छुक युवा , **मुख्य रूप से छात्र, एनएसएस/एनवाईकेएस स्वयंसेवक, नियोजित/स्व-रोजगार वाले व्यक्ति** , आदि आगामी चरण में भाग लेने के लिए **युवा संगम पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं।**

युवा संगम के बारे में

- **ईबीएसबी के तहत** लॉन्च किया गया **युवा संगम** , **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से प्रेरणा लेता है** और **अनुभवात्मक शिक्षा और प्रत्यक्ष आधार पर भारत की समृद्ध विविधता के ज्ञान को आत्मसात करने पर केंद्रित है** ।
- यह अपने मूल में **विविधता के उत्सव के साथ एक सतत सांस्कृतिक आदान-प्रदान है जिसमें प्रतिभागियों को जीवन के विविध पहलुओं, प्राकृतिक भू-आकृतियों, विकास स्थलों, हाल की उपलब्धियों और मेजबान राज्य में युवाओं के जुड़ाव का व्यापक अनुभव प्राप्त होता है।**
- **युवा संगम एक राज्य से दूसरे राज्य तक** ऑन -कैंपस और **ऑफ-कैंपस छात्रों सहित युवाओं के लिए एक्सपोज़र टूर आयोजित करने** पर केंद्रित है ।
- **पांच व्यापक क्षेत्रों** के तहत **बहुआयामी एक्सपोजर** प्रदान किया जाएगा, जो **पर्यटन (पर्यटन), परंपरा (परंपरा), प्रगति (विकास), परस्पर संपर्क (लोगों से लोगों का जुड़ाव), और प्रोडयोगिकी (प्रौद्योगिकी) हैं।**

- युवा **5-7 दिनों के लिए दूसरे राज्यों का दौरा करेंगे,** जिसके दौरान **वे जिस राज्य का दौरा कर रहे हैं उसके विभिन्न पहलुओं का गहन अनुभव प्राप्त करेंगे और स्थानीय युवाओं के साथ बातचीत करेंगे।**
- युवा संगम का आयोजन **काशी तमिल संगमम (केटीएस)** की **तर्ज पर किया गया है ।**

4.11 मेरी माटी, मेरा देश अभियान

- भारतीय रेलवे 29 अक्टूबर को **राज्यों की राजधानियों और** देश भर के अन्य प्रमुख स्टेशनों से मिट्टी ले जाने वाले स्वयंसेवकों को नई दिल्ली पहुंचाने के **लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाएगा।**
- एकत्र होने वाली मिट्टी का उपयोग दिल्ली में बनाए जा रहे विशेष उद्यान **अमृत वाटिका में किया जाएगा।** स्वयंसेवकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए, रेल मंत्रालय विशेष **अमृत कलश यात्री ट्रेनों का संचालन करेगा** , निर्धारित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ेगा और **मांग के आधार पर आपातकालीन कोटा से बर्थ जारी करने की सुविधा प्रदान करेगा।**

मेरी माटी, मेरा देश अभियान के बारे में

- **"मेरी माटी मेरा देश " [मेरी मिट्टी, मेरा देश] अभियान की** परिकल्पना 9 अगस्त 2023 से 'आजादी का अमृत महोत्सव' के समापन कार्यक्रम के रूप में की गई है।
- **वीरों और वीरांगनाओं** को श्रद्धांजलि है जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।
- इसका आयोजन **संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।**
- इसमें देश भर **में पंचायत/गांव, ब्लॉक, शहरी स्थानीय निकाय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कई गतिविधियां और समारोह शामिल हैं।**

4.12 महरौली पुरातत्व पार्क

- **उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के महरौली पुरातत्व पार्क** में छह पुनर्निर्मित स्मारकों के साथ-साथ एक बहाल जल निकाय और अन्य सुविधाओं का उद्घाटन किया। पुनर्स्थापन कार्य **₹2.6 करोड़ की लागत से हितधारकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।**
- एलजी **दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अध्यक्ष भी हैं।**

महरौली पुरातत्व पार्क के बारे में

- **यह 200 एकड़ में फैला हुआ है और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल कुतुब मीनार के निकट है।**
- यह विभिन्न साम्राज्यों द्वारा निर्मित **55 ऐतिहासिक संरचनाओं का घर है - जिनमें खलजी , तुगलक, लोदी , मुगल और ब्रिटिश शामिल हैं** - और कई को अब नया रूप दिया गया है ।
- इनमें **जमाली कमाली मस्जिद, मेटकाफ हाउस, राजोन की बावली , साथ ही मामलुक राजा गियास - उद -दीन बलबन और मुगल गवर्नर शाह कुली खान की कब्रें शामिल हैं।**

4.13 डोगरा वास्तुकला

- **डाउनटाउन के महाराज गंज इलाके में** एक **सदी से अधिक पुराने बाजार को श्रीनगर स्मार्ट सिटी के डाउनटाउन शहरी नवीनीकरण परियोजना** के तहत अधिकारियों द्वारा बहुप्रतीक्षित नया रूप दिया जा रहा है ।

- महाराज गंज बाज़ार क्षेत्र में **स्थानीय भाषा और औपनिवेशिक वास्तुकला का समृद्ध मिश्रण है।**
- इस क्षेत्र में शुरू की गई अन्य परियोजनाओं में **परियोजना के तहत बोहरी कदल** और ज़ैना कदल बाजार शामिल हैं।
- **श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड** और **इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) के कश्मीर चैप्टर द्वारा पहल।**
  - ✓ **कश्मीरी वास्तुकला के स्थानीय तत्वों को संरक्षित करने** के लिए , जिसमें **स्तंभयुक्त पैदल मार्ग, सजावटी भित्तिस्तंभ और खुली ढली हुई ईंटें शामिल हैं।**
  - ✓ **1846 और 1947 के बीच डोगरा हिंदू राजाओं द्वारा कश्मीर** में लाए गए तत्वों का संरक्षण करना है ।

डोगरा साम्राज्य के बारे में

- डोगरा राजवंश की स्थापना **महाराजा गुलाब सिंह जामवाल (1792-1857) ने की थी** ।
- वह **जम्मू-कश्मीर, एक रियासत के पहले महाराजा थे।**
- **19 वीं शताब्दी** से **अक्टूबर 1947 तक** , **जम्मू पर डोगरा राजपूतों का शासन था** , जो **जम्वाल वंश के थे** ।
- **1846 की अमृतसर संधि** के तहत अंग्रेजों ने **कश्मीर गुलाब सिंह को** दे दिया ।
- **लद्दाख और बाल्टिस्तान क्षेत्रों पर** भी कब्ज़ा कर लिया।

4.14 वज्र मुष्टि कलगा

- वज्र मुष्टि कालागा गिरावट पर है **और** केवल दशहरा के दौरान होता है ।
- **''वज्र** मुष्टि ' ' **कालागा** '' पारंपरिक कुश्ती से अलग कुश्ती का एक रूप है और इसमें दो जेटी एक दूसरे के सिर पर नक्कलडस्टर से वार करते हैं।
- **पहले प्रतिद्वंद्वी के सिर** से **खून निकालता है उसे विजेता घोषित किया जाता है।**
- लड़ाई **वास्तविक है** और **जेटी प्रतिद्वंद्वी के सिर से खून निकालने के लिए सभी प्रयास करता है** और **रेफरी पहली बूंद को देखकर हस्तक्षेप करता है।**
- कभी-कभी लड़ाई **कुछ ही सेकंड में ख़त्म हो जाती है लेकिन फिर भी आयोजित किया जाता है** ।

पृष्ठभूमि

- हालाँकि कुश्ती का यह रूप **14 वीं और 17 वीं शताब्दी के बीच** शासन करने वाले **विजयनगर शासकों के काल में लोकप्रिय था** , लेकिन यह **विलुप्त हो गया है** ।
- **वाडियार परिवार की विजयादशमी के उपलक्ष्य** में मंगलवार को महल परिसर में आयोजित किया गया था और **इसे देखने के लिए बड़ी भीड़ उमड़ी थी।**
- **मध्यकालीन पुर्तगाली यात्रियों ने विजयनगर साम्राज्य में नवरात्रि उत्सव के दौरान कुश्ती के** इस रूप को देखा और **इसके विस्तृत विवरण छोड़े हैं।**

4.15 बन्नी उत्सव

- **आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के देवरगट्टू** में पारंपरिक **बन्नी उत्सव** मनाया **गया** ।

- आधी रात के कार्यक्रम में **हर साल अविभाजित कुरनूल जिले** से **हजारों श्रद्धालु आते हैं ।**
- **मुख्य त्योहार के मौके** पर **ग्रामीणों का लाठियों के साथ इकट्ठा होना और एक-दूसरे से भिड़ना एक प्रथा** है ।
- बन्नी उत्सव **विजयादशमी की रात को भगवान माला मल्लेश्वर स्वामी और देवी पार्वती की** राक्षसी पर **विजय के उपलक्ष्य** में मनाया जाता है। **मणि और मल्लासुर** , जिन्होंने **देवरगट्टू क्षेत्र में लोगों को परेशान किया ।**
- वार्षिक **धार्मिक उत्सव माला मल्लेश्वर स्वामी मंदिर के परिसर में आयोजित किया जाता** है ।

4.16 पिचवाई पेंटिंग

- चेन्नई ने हाल ही में **350 साल पुरानी पिचवाई** पेंटिंग्स को प्रदर्शित करते हुए एक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया ।
- प्रदर्शनी में **कला के सभी चार स्कूलों - नाथद्वारा , किशनगढ़ की पेंटिंग्स प्रदर्शित की गईं** और राजस्थान में **बूंदी और डेक्कन स्कूल।**
- पिछवाई शब्द **' पिच्छ ' से** आया है **जिसका अर्थ है पीछे** , और **' वाई ', जिसका अर्थ है कपड़ा लटकाना।**
- चित्रकारी, जिसकी **उत्पत्ति 400 साल पहले उदयपुर से लगभग 70 किलोमीटर दूर नाथद्वारा में हुई थी** , **हमेशा कपड़े, आमतौर पर खादी पर बनाई जाती है।**
- इनका **उपयोग मंदिर में मूर्ति की पृष्ठभूमि के रूप में किया जाता है।**
- पिचवाई पेंटिंग **में जटिल डिजाइन और जीवंत रंग होते हैं** , जो **भगवान कृष्ण के जीवन के दृश्यों को दर्शाते हैं।**
- **अन्य विषयों को** भी चित्रित किया गया है, जैसे **नाथद्वारा का नक्शा , मंदिर, गायें (भगवान कृष्ण के प्रतीक के रूप में)** और बहुत बार नहीं, **ये भी कागज पर बनाए गए हैं।**
- कलाकार **विशेष रूप से सोने और चांदी के टोन के लिए पत्थर के रंगद्रव्य का उपयोग करते हैं** ।
- चमकीला **नारंगी, लाल, क्रोम पीला** और **केसरी रंग वनस्पति रंगों** से आते हैं ।
- इन्हें **16 वीं शताब्दी में श्री वल्लभाचार्य** द्वारा स्थापित **पुष्टि मार्ग संप्रदाय के सदस्यों द्वारा बनाया गया है ।**

4.17 पनामालाई पेंटिंग

- तमिलनाडु में **विल्लुपुरम जिले के पनामालाई में तालगिरीश्वर मंदिर** में **1,300 साल पुराने पल्लव काल के चित्रों की** उपेक्षा ने भारी असर डाला है ।
  - ✓ पैनल **लगभग लुप्त हो चुका है** और **अब केवल देवी पार्वती का चेहरा और कुछ टुकड़े ही बचे हैं।**
- यह पेंटिंग **एट्टुपट्टई लिंगम के पीछे की दीवार पर है** ।
- इसमें **भगवान शिव को आठ हाथों से नृत्य करते हुए दिखाया गया है , जिन्हें लटथिलागभानी** के नाम से जाना जाता है , **देवी पार्वती अपने मुकुट और अच्छी तरह से सजाए गए छत्र के साथ उन्हें देख रही हैं।**
- रंग **, चेहरा, भौहें और अन्य विशेषताएं आश्चर्यजनक रूप से सुंदर दिखेंगी ।**
- ये पेंटिंग **तालगिरीश्वर (शिव) मंदिर के उत्तरी किनारे पर एक उप-मंदिर की दीवार पर हैं** , जो **पनामालाई पर स्थित है, जो ' तालगिरी '** शब्द का तमिल नाम है ।
- यह मंदिर **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई)** के **नियंत्रण में है ।**
- मंदिर **का निर्माण पल्लव राजा नरसिम्हावर्मन द्वितीय द्वारा किया गया था** , **जो राजसिम्हा के नाम से प्रसिद्ध थे** ।
- ये पेंटिंग अजंता और **चिथन्नवासल की पेंटिंग से काफी मिलती-जुलती हैं ।**
- **पत्थर की दीवारों को चूना पत्थर और रेत के पेस्ट से ढकने के बाद** पेंटिंग बनाई गईं ।

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी

5.1 अंतर अनुशासनात्मक साइबर-भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएम-आईसीपीएस)

- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (IITK)** के **साइबर-सुरक्षा टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (TIH)** C3iHub **ने साइबर-फिजिकल सिस्टम (TIPS) में प्रौद्योगिकी नवाचार पर तीसरी राष्ट्रीय कार्यशाला की** मेजबानी की ।
- कार्यशाला का **आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-आईसीपीएस) के** तहत किया गया था।

अंतरविषयक साइबर-भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (एनएम-आईसीपीएस) के बारे में

- इसे **दिसंबर 2018 में लॉन्च किया गया था।**
- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)** द्वारा कार्यान्वित ।
- मिशन **समाज की बढ़ती तकनीकी आवश्यकताओं को संबोधित करता है** , और **अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के लिए अग्रणी देशों के अंतरराष्ट्रीय रुझानों और रोड मैप को ध्यान में रखता है।**
- एनएम-आईसीपीएस **एक व्यापक मिशन है** जो **शिक्षा, उद्योग, सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक साथ लाता है** और **एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जो उद्यमिता को बढ़ावा देता है, अगली पीढ़ी के कुशल जनशक्ति को विकसित करता है, अनुवाद संबंधी अनुसंधान को उत्प्रेरित करता है और सीपीएस प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देता है।**
- मिशन कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में, देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में उन्नत प्रौद्योगिकियों में **25 प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र (टीआईएच) स्थापित किए गए हैं ।**
- ये **TIH प्रौद्योगिकी विकास और अनुवाद, मानव संसाधन और कौशल विकास, उद्यमिता और स्टार्ट-अप विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं ।**

साइबर-भौतिक प्रणालियों के बारे में

- **साइबर-भौतिक प्रणालियाँ भौतिक वस्तुओं और बुनियादी ढांचे में सेंसिंग, गणना, नियंत्रण और नेटवर्किंग को** एकीकृत करती हैं , उन्हें इंटरनेट और एक-दूसरे से जोड़ती हैं।
- **उदाहरण-** स्वायत्त वाहन, रोबोटिक्स, रिमोट सेंसर आदि।

5.2 सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (सीओआरएस)

- केंद्र सरकार ने हाल ही में **निरंतर संचालन संदर्भ स्टेशनों (सीओआरएस)** का एक **राष्ट्रव्यापी अत्याधुनिक राष्ट्रीय सर्वेक्षण नेटवर्क लॉन्च किया है।**
- **(CORS) के बारे में**
- यह **+/- 3 सेमी की सटीकता के साथ वास्तविक समय स्थान-आधारित मानचित्रण सेवाएं प्रदान करने में सक्षम** है ।
- यह **भू-स्थानिक और वैज्ञानिक समुदाय के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लक्षित विभिन्न पोजिशनिंग सेवाओं की एक श्रृंखला की भी मेजबानी करता है ।**

- **सीओआरएस स्टेशन स्थायी संस्थापन** हैं और एक **केंद्रीय सर्वर पर उपग्रह अवलोकनों को लगातार स्ट्रीम करते हैं , जिससे एक सीओआरएस नेटवर्क बनता है।**
- भारतीय **सर्वेक्षण विभाग ने पूरे भारत में 1,000 से अधिक सीओआरएस स्टेशन स्थापित किए हैं** ।
- सीओआरएस नेटवर्क **पूरे वर्ष 24X7 उपलब्ध है।**
- डेटा के **उपयोगकर्ता मासिक या वार्षिक आधार पर** राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की **सदस्यता ले सकते हैं।**
- भू-स्थानिक क्षेत्र के अलावा, **सीओआरएस-आधारित सटीक सेवाएं कृषि, खनन, निर्माण, परिवहन और नागरिक उड्डयन क्षेत्रों** में ऑटो नेविगेशन और मशीन नियंत्रण-आधारित समाधानों को भी बढ़ावा देंगी।
- **सीओआरएस डेटा ऊपरी वायुमंडल और अंतरिक्ष मौसम अध्ययन, मौसम विज्ञान और मौसम पूर्वानुमान, प्लेट गति और टेक्टोनिक अध्ययन, भूकंप विज्ञान और जल विज्ञान** जैसे **विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों में** भी सहायता करेगा ।

5.3 रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन प्रयोगशाला

- **उत्तर प्रदेश में फ्यूचर स्किल प्राइम प्रोजेक्ट** के तहत पहली **रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन लैब NIELIT गोरखपुर में स्थापित की गई** है ।
- लैब का **उद्घाटन इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव ने किया।**
- इसकी **स्थापना उद्योग और शिक्षा जगत के बीच अंतर को पाटने के उद्देश्य से की गई है** ।
- प्रयोगशाला **छात्रों और पेशेवरों को आरपीए प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी** , जो उन्हें **इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र में करियर के लिए तैयार करेगी।**

> आरपीए, जिसे सॉफ्टवेयर रोबोटिक्स **के रूप में भी जाना जाता है,** मानव श्रमिकों **के दोहराए जाने वाले कार्यालय** कार्यों **को करने के लिए** बुद्धिमान स्वचालन प्रौद्योगिकियों **का उपयोग करता** है।

- **MeitY** द्वारा वित्त पोषित फ्यूचर **स्किल प्राइम प्रोजेक्ट का** उद्देश्य **आरपीए की उभरती हुई तकनीक में जनशक्ति को उन्नत और पुन: कुशल बनाना है।**

5.4 थालियम

- गढ़चिरौली के महागांव गांव में **दो महिलाओं ने** कथित तौर पर एक महीने की अवधि में **थैलियम का उपयोग करके अपने परिवार के पांच सदस्यों को जहर दे दिया** ।

थैलियम के बारे में

- थैलियम एक **नरम, भारी** और **बेलोचदार धातु है** ।
- यह **पृथ्वी की पपड़ी में अल्प मात्रा में पाया जाता है।**
- यह एक **नीली-सफ़ेद धातु है** जो **हवा के संपर्क में आने पर धूसर हो जाती है** ।
- थैलियम **इतना घातक पदार्थ है** कि **इसे अक्सर "जहर का जहर" कहा जाता है।**
- थैलियम का **पता लगाना अत्यंत कठिन है क्योंकि इसमें रंग, गंध और स्वाद का अभाव होता है।**
- **जब इसे भोजन या पेय में मिलाया जाता है, तो यह सहजता से मिश्रित हो जाता है** , जिससे **इसके स्वाद से पहचानना लगभग असंभव हो जाता है** ।

- ऐतिहासिक रूप से, **थैलियम का उपयोग नापाक उद्देश्यों के लिए किया जाता रहा है, मुख्य रूप से दुश्मनों या कैदियों को निशाना बनाने में** ।
  - ✓ गौरतलब है कि **पूर्व इराकी नेता सद्दाम हुसैन ने अपने पुलिस विरोधियों को खत्म करने के लिए थैलियम सल्फेट का इस्तेमाल किया था।**

5.5 ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स

- **गुजरात में एडवांस सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन (एलएएससी) की** एक नई प्रयोगशाला **अर्धचालक, पतली फिल्म, एलईडी और सौर कोशिकाओं सहित** सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला में **ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक गुणों की जांच** के लिए **भारत और विदेशों में विश्वविद्यालयों** के लिए **एलएएससी जांच स्टेशन** विकसित कर रही है ।
- जांच स्टेशन के केंद्र **में तीन तत्व होते हैं** जो इसे **उपलब्ध और आयातित समान प्रणालियों से भिन्न दर्शाते हैं** । इसमे शामिल है-
  - ✓ **पेल्टियर एलिमेंट्स** - एक ठोस-अवस्था वाला उपकरण जो विद्युत प्रवाह के अधीन होने पर गर्मी को स्थानांतरित करने में सक्षम है;
  - ✓ **शून्य वेल्डिंग** इसे उच्च वैक्यूम स्तर प्राप्त करने में मदद करती है
  - ✓ **एक प्रणाली** जो ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक कार्यों पर बेहतर नियंत्रण प्रदान करती है।
- सिस्टम **उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं, टंगस्टन युक्तियों से सुसज्जित हैं** , जो **उच्च तापमान माप के लिए असाधारण रूप से कम प्रतिरोध प्रदान करते हैं।**

ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में

- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स **इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का अध्ययन और अनुप्रयोग है** जो **प्रकाश का स्रोत, पता लगाता है और नियंत्रित करता है, जिसे आमतौर पर फोटोनिक्स का एक उप-क्षेत्र माना जाता है।**
- यह **काफी हद तक अर्धचालक सामग्रियों पर आधारित है** ।
  - ✓ ये निकट-अवरक्त और दृश्य प्रकाश को अवशोषित करने के लिए **उपयुक्त बैंडगैप ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं , और ऐसे अनुप्रयोगों के लिए उनकी विद्युत चालकता** (यद्यपि सही नहीं) भी आवश्यक है ।
- उदाहरण- **दूरसंचार लेजर, ऑप्टिकल फाइबर , ब्लू लेजर, एलईडी ट्रैफिक लाइट, फोटोडायोड**

5.6 ख़तरे का विश्लेषण

- शोधकर्ताओं की एक टीम ने डेंजर (आरएनए-अनुक्रमण द्वारा मूल्यांकन किए गए विनाशकारी और **प्रत्याशित मार्गदर्शिकाएँ) विश्लेषण नामक एक सॉफ्टवेयर टूल विकसित किया है** जो **ट्रांसक्रिप्टोम के साथ सभी जीवों में जीनोम संपादन के सुरक्षित डिजाइन के लिए एक तरीका प्रदान करता है** ।
- लगभग एक दशक से, शोधकर्ताओं ने **जीनोम संपादन के लिए सीआरआईएसपीआर तकनीक का उपयोग किया है** हालाँकि, CRISPR के उपयोग में कुछ चुनौतियाँ हैं।

जीनोम एडिटिंग के बारे में

- **जीनोम संपादन** , या जीन संपादन, उन **तकनीकों को संदर्भित करता है जो शोधकर्ताओं को किसी जीव के जीनोमिक डीएनए को बदलने की अनुमति देती हैं** । इन प्रौद्योगिकियों के साथ, **शोधकर्ता जीनोम में आनुवंशिक सामग्री को जोड़, हटा या बदल सकते हैं** ।
- **CRISPR-Cas9** एक **प्रसिद्ध जीन संपादन तकनीक है।**
- इसे अन्य समान तकनीकों की तुलना में **अधिक सटीक, तेज़ और कम खर्चीला होने की प्रतिष्ठा प्राप्त है।** हालाँकि, **CRISPR तकनीक का उपयोग करके जीन संपादन कुछ चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है** ।
  - ✓ पहली चुनौती यह है कि **अप्रत्याशित सीआरआईएसपीआर गतिशीलता के कारण होने वाले फेनोटाइपिक, या अवलोकन योग्य प्रभावों की मात्रात्मक निगरानी नहीं की जाती है।**
  - ✓ दूसरी चुनौती यह है कि **सीआरआईएसपीआर तकनीक आम तौर पर संदर्भ जीनोम सहित बुनियादी जीनोमिक डेटा पर निर्भर करती है।**
  - ✓ संदर्भ **जीनोम एक टेम्पलेट की तरह है जो शोधकर्ताओं को जीनोम पर सामान्य जानकारी प्रदान करता है।**
  - ✓ अप्रत्याशित **अनुक्रम संपादन हो सकता है।**
  - ✓ ये ऑफ **-टारगेट साइटें हमेशा अप्रत्याशित होती हैं** ।
- ख़तरा विश्लेषण सॉफ़्टवेयर इन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करता है।
- यह **शोधकर्ताओं को लक्ष्य से परे और अधिक सुरक्षित मूल्यांकन करने की अनुमति देता है बिना** किसी **संदर्भ जीनोम के।**
- इसे **विभिन्न जीवों** , **व्यक्तिगत मानव जीनोम** और **बीमारियों और वायरस द्वारा निर्मित असामान्य जीनोम पर निष्पादित किया जा सकता है।**
- इसमें **चिकित्सा, कृषि और जैविक अनुसंधान में अनुप्रयोगों** की **संभावना है** ।

5.7 सिम कार्ड काम कर रहा है

- **'सिम'** का मतलब **'ग्राहक पहचान मॉड्यूल' है।**
- विशेष रूप से, यह **एक एकीकृत सर्किट या माइक्रोचिप है** , जो **किसी दिए गए नेटवर्क पर ग्राहक की पहचान करता है।**
- **ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएम) मानक का पालन करने वाले किसी भी सेलुलर नेटवर्क से कनेक्ट करने के लिए एक मोबाइल फोन के लिए** एक **सिम कार्ड अनिवार्य है।**
- यह **संबंध एक अद्वितीय प्रमाणीकरण कुंजी का उपयोग करके** स्थापित किया जाता है - **डेटा का एक टुकड़ा जिसे उपयोगकर्ता को नेटवर्क तक पहुंच को 'अनलॉक' करने की आवश्यकता होती है।**
- **प्रत्येक सिम कार्ड इस डेटा को संग्रहीत करता है** और **इसे इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि उपयोगकर्ता इसे अपने फोन के माध्यम से एक्सेस नहीं कर सकता है** ।
- इसके बजाय, **फोन द्वारा नेटवर्क में भेजे गए सिग्नल कुंजी द्वारा 'हस्ताक्षरित' होते हैं** , और नेटवर्क यह समझने के लिए **हस्ताक्षर का उपयोग करता है कि फोन का कनेक्शन वैध है या नहीं।**

- ✓ **एक सिम कार्ड की कुंजी तक पहुंच कर और उसे कई कार्डों में संग्रहीत करके उसकी नकल बनाना संभव** है ।

- ❖ सिम कार्ड अपने **स्वयं के आईडी नंबर** (एकीकृत सर्किट कार्ड पहचानकर्ता), **आईएमएसआई , ग्राहक के स्थान क्षेत्र की पहचान** (यानी उनका वर्तमान स्थान), **पसंदीदा नेटवर्क की एक सूची** (जिससे ग्राहक रोमिंग के दौरान कनेक्ट हो सकता है), **आपातकालीन स्थिति** के बारे में **भी जानकारी संग्रहीत करता है । नंबर** , और - उपलब्ध स्थान के आधार पर - **ग्राहक के संपर्क और एसएमएस संदेश** ।
- ❖ सिम कार्ड **ISO/IEC 7816 अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार डिज़ाइन किए गए हैं** - जैसा कि इसके नाम से संकेत मिलता है - **अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन और अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन द्वारा ।**
  - ✓ यह **स्मार्ट कार्ड सहित इलेक्ट्रॉनिक पहचान पत्रों पर लागू होता है।**
  - ✓ इस मानक में, **कार्ड में स्वयं एकीकृत सर्किट होता है , जो** शीर्ष **तरफ एक सिलिकॉन सब्सट्रेट से चिपका होता है।**
  - ✓ **सब्सट्रेट के दूसरी तरफ धातु के संपर्क हैं** , जो **सिम कार्ड के सुनहरे रंग के हिस्से का निर्माण करते हैं।**
  - ✓ **तार एकीकृत सर्किट को इसके नीचे की तरफ से ऊपर की तरफ धातु संपर्कों** से जोड़ते हैं , और **संपर्क इंटरफ़ेस को फ़ोन के डेटा कनेक्टर से जोड़ते हैं।**

5.8 डार्क पैटर्न्स बस्टर हैकथॉन 2023

- ❖ विभाग **ने आईआईटी (बीएचयू) के सहयोग से डार्क पैटर्न बस्टर हैकथॉन 2023 लॉन्च किया।**
- ❖ **हैकथॉन** का उद्देश्य नवीन ऐप्स या ब्राउज़र एक्सटेंशन, प्लगइन्स, ऐड-ऑन, मोबाइल **एप्लिकेशन जैसे सॉफ़्टवेयर आधारित समाधानों को डिज़ाइन और प्रोटोटाइप करना** होगा ।
  - ✓ **डार्क पैटर्न** एक डिज़ाइन या उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस तकनीक को संदर्भित करता है **जो जानबूझकर उपयोगकर्ताओं को कुछ विकल्प** चुनने या विशिष्ट कार्य करने के लिए हेरफेर करने या धोखा देने के लिए तैयार किया जाता है जो **उनके सर्वोत्तम हित में नहीं हो सकता है** ।
  - ✓ यह उपयोगकर्ता के **व्यवहार को** इस तरह से **प्रभावित करने के लिए नियोजित एक भ्रामक अभ्यास है जिससे इसे लागू करने वाली कंपनी को लाभ होता है।**
- ❖ विजेताओं को **उपलब्धि प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया जाएगा** ।
- ❖ इस पहल का उद्देश्य **उपभोक्ताओं को सभी प्रकार की अनुचित व्यापार प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करना है।**

5.9 विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर

- ❖ केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने **जोधपुर में पहली संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूहों की बैठक की अध्यक्षता की** ।
- ❖ बैठक का **आयोजन जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जेसीकेआईएफ)** द्वारा **किया गया था** और **इसकी मेजबानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर ने की थी।**

- बैठक में **बेंगलुरु, भुवनेश्वर, दिल्ली, हैदराबाद, जोधपुर, पुणे और चंडीगढ़** के **सात शहर विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूहों ने भाग लिया।**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी समूहों के बारे में

- **2020** में लॉन्च किया गया , सिटी एस एंड टी क्लस्टर **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार** के कार्यालय की **एक प्रमुख पहल है** , जिसे **प्रधान मंत्री के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (पीएम-एसटीआईएसी)** की **सिफारिश पर स्थापित किया गया है** ।

पीएसए का कार्यालय अगस्त 2018 में कैबिनेट सचिवालय के अधीन रखा गया था।

- इस पहल का उद्देश्य **शिक्षा जगत, अनुसंधान और विकास संस्थानों, उद्योगों, स्टार्टअप और स्थानीय सरकारों को एक साथ लाकर एस एंड टी हस्तक्षेप के माध्यम से स्थानीय चुनौतियों से निपटना है** ।
- वर्तमान में, ऊपर सूचीबद्ध **सात एसएंडटी क्लस्टर हैं , जो सभी सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से क्षेत्रीय मुद्दों का समाधान खोजने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं** ।
- **शैक्षणिक संस्थानों** , **अनुसंधान प्रयोगशालाओं** और **अन्य हितधारकों के बीच मजबूत संबंध** बनाएगा ।

6. रक्षा

6.1 प्रोजेक्ट उद्भव

- भारतीय सेना ने एक पहल शुरू की है, जिसका नाम **प्रोजेक्ट उद्भव है.**
- **रणनीति " के प्राचीन भारतीय ग्रंथों** से प्राप्त **"राजकौशल और रणनीतिक विचारों की गहन भारतीय विरासत" को फिर से खोजना है।**
- **एक रक्षा थिंक-टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के** सहयोग से है ।
- यूएसआई भारत की रणनीतिक संस्कृति, सैन्य विरासत, शिक्षा, सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण और **आत्मनिर्भर भारत पर विशेष जोर देने के साथ व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा की गतिशीलता से भावी विचारकों को परिचित कराने के लिए** 21 **और 22 अक्टूबर को एक सैन्य विरासत महोत्सव का आयोजन करेगा।**
- यह अग्रणी पहल **भारतीय सेना द्वारा शासन कौशल, रणनीति, कूटनीति और युद्ध में भारत की सदियों पुरानी बुद्धिमत्ता को मान्यता देने का प्रमाण है।**

अन्य समाचार

- **सेना एक ऐसी परियोजना का** भी समर्थन कर रही है जिसमें **प्राचीन ग्रंथों के** आधार पर **भारतीय रणनीतियों का संकलन शामिल है** ।
- **परम्परागत भारतीय दर्शन** नामक पुस्तक ... **राजनीति और नेत्रियता के शाश्वत नियम** - अंग्रेजी में पारंपरिक भारतीय दर्शन ... युद्ध और नेतृत्व के शाश्वत नियम के रूप में अनुवादित - **2022 में प्रकाशित हुआ था।**

6.2 सैन्य नर्सिंग सेवा

- मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) ने 1 अक्टूबर, 2023 को अपना 98 वां **स्थापना दिवस मनाया** ।
- **सशस्त्र बलों में सबसे पुरानी और सबसे प्रतिष्ठित महिला सेवाओं** में से एक के रूप में , इस सेवा में **सशस्त्र बलों के विभिन्न अस्पतालों में 5,000 से अधिक अधिकारी तैनात हैं।**

संक्षिप्त इतिहास

- एमएनएस की उत्पत्ति **स्वतंत्रता-पूर्व औपनिवेशिक युग से** हुई **जब** ब्रिटिश और भारतीय सैनिक ब्रिटिश सेना में सेवा करते थे।
- ब्रिटिश **भारतीय सरकार ने वर्ष 1888 में भारतीय सेना नर्सिंग सेवा (IANS) की स्थापना की।**
- इससे **भारत में सैन्य नर्सिंग की औपचारिक शुरुआत हुई** ।
- अधिकारियों ने **प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान घायल सैनिकों को **चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी ।**
- 1 अक्टूबर 1926 को, **भारतीय सेना में स्थायी नर्सिंग सेवा की स्थापना की गई** और इसे भारतीय सैन्य नर्सिंग सेवा के रूप में नामित किया गया।
- स्वतंत्रता के बाद, **एमएनएस की स्थापना एएफएमएस के हिस्से के रूप में की गई थी।**

6.3 SAMPRITI XI व्यायाम

- भारत और बांग्लादेश ने हाल ही में **मेघालय के उमरोई में** वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास, SAMPRITI **के 11 वें संस्करण की शुरुआत** की।
- यह अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच अंतर-क्षमता बढ़ाने, सामरिक अभ्यास साझा करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के महत्त्व **को रेखांकित करता है।**
- इसमें दोनों पक्षों के लगभग 350 कर्मी शामिल होंगे।
- संप्रीति **अभ्यास भारत और बांग्लादेश की सेनाओं के बीच एक द्विपक्षीय रक्षा सहयोग अभ्यास है।**
- दोनों देशों द्वारा बारी-बारी से आयोजित यह अभ्यास मजबूत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पहल ों को दर्शाता है।
- **2009 में असम के जोरहाट में अपनी स्थापना** के साथ, इस अभ्यास ने 2022 तक दस 'सफल संस्करणों' को देखा है।

6.4 प्रादेशिक सेना

- सीमा विवाद पर चीन और भारत के बीच कई दौर की बातचीत के बीच , **प्रादेशिक सेना (टीए) ने दोनों पक्षों के बीच सीमा कर्मियों की बैठकों के दौरान दुभाषियों के रूप में कार्य करने के लिए मंदारिन विशेषज्ञों को शामिल किया है** ।

प्रादेशिक सेना के बारे में

- यह **भारतीय सेना की एक शाखा है, जिसे टीए अधिनियम 1948 के तहत** स्थापित किया गया है ।
- **9 अक्टूबर, 1949** को स्थापित , **टीए भारत का एक स्वयंसेवी बल है जिसे युद्ध के दौरान और साथ ही अशांति के इतिहास** वाले क्षेत्रों में "नो-वॉर, नो-पीस" परिदृश्यों में जल्दी से संगठित और उपयोग किया जा सकता है - उदाहरण के लिए, जम्मू और **कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) और पूर्वोत्तर।**

- इस प्रकार, यह **नियमित सेना को स्थिर कर्तव्यों से मुक्त करता है और** प्राकृतिक आपदाओं आदि से निपटने में नागरिक प्रशासन की सहायता करता है।
- यह **युवा नागरिकों (18 से 42 वर्ष की आयु) को सैन्य वातावरण में सेवा करने में सक्षम बनाता है अपने प्राथमिक व्यवसायों का त्याग किए बिना** ।
- टीए **देश भर में पारिस्थितिक कार्य भी कर रहा है और उसने 10 पारिस्थितिक टास्क फोर्स (ईटीएफ) बटालियनों का गठन किया है** जो **देश भर में पूरी तरह से पारिस्थितिकी-संबंधित कार्य करती हैं।**
  - ✓ पहली **बटालियन दिसंबर 1982 में गठित की गई थी।**
  - ✓ विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा इस कार्य के लिए आवंटित **लगभग 90,000 हेक्टेयर भूमि पर** लगभग नौ करोड़ से अधिक पेड़ लगाए गए हैं।
- टीए के वार्षिक लक्ष्य में **देश भर में लगभग 40-45 लाख पेड़ लगाना शामिल है।**
- टीए कर्मियों को **उनकी वीरता सेवाओं के लिए कीर्ति चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र आदि से सम्मानित किया जा सकता है।**

6.5 व्यायाम चक्रवत संयुक्त व्यायाम

- **2015 में** अपने पहले संस्करण के बाद से , **वार्षिक संयुक्त एचएडीआर अभ्यास, चक्रवत, ने खुद को एक बहु-एजेंसी प्रयास में बदल दिया है जिसमें तीनों सेवाओं, अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ कई आपदा प्रतिक्रिया संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों** और **अंतर्राष्ट्रीय संगठन की भागीदारी शामिल है ।**
- **2023** संस्करण **सभी हितधारकों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर प्रयासों को** और अधिक समन्वित करेगा , साथ ही **हिंद महासागर क्षेत्र** के **आठ देशों** की **भागीदारी भी देखेगा ।**
- यह **अभ्यास 2016 से भारतीय सेना, भारतीय नौसेना (आईएन) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा रोटेशन में आयोजित किया गया है** ।
- **अभ्यास का अंतिम संस्करण IAF द्वारा आगरा में आयोजित किया गया** था ।
- संस्करण **09 से 11 अक्टूबर 23 तक गोवा में भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित किया जा रहा है।**

6.6 लौह गुंबद

- 'आयरन डोम' **जमीन से हवा में मार करने वाली कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है** जो **आने वाली मिसाइलों, रॉकेटों और यहां तक कि मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को रोकती है और उन्हें हवा में ही नष्ट कर देती है** ।
- यह सिस्टम, जो **2011 से सुरक्षा में खड़ा है** , ऐसे समय में पूरे इज़राइल में तैनात किया गया है।
- डोम की मारक **क्षमता 70 किमी के करीब है और इसमें तीन महत्वपूर्ण घटक हैं, डिटेक्शन और ट्रैकिंग रडार, बैटल मैनेजमेंट और हथियार नियंत्रण** और **20 तामीर मिसाइलों से लैस मिसाइल लॉन्चर** ।
- यह **कई रॉकेट हमलों से निपटने में सक्षम है** और **इसकी सफलता दर 90% है।**
- भी **हमास आतंकवादी समूह द्वारा इज़राइल पर हमले के जवाब में इज़राइल रक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स शुरू किया गया** है ।

6.7 संचालन अजय ने किया

- भारत ने **इजराइल में फंसे भारतीयों को घर लौटने में मदद करने** के लिए **"ऑपरेशन अजय" शुरू करने की घोषणा की , क्योंकि हाल ही में हमास आतंकवादियों द्वारा इजराइली शहरों पर सिलसिलेवार हमले किए जाने से** क्षेत्र में ताजा तनाव पैदा हो गया है ।
- विदेश मंत्रालय के अनुसार, **वर्तमान में लगभग 18,000 भारतीय इज़राइल में रह रहे हैं** ।
- **विशेष चार्टर्ड उड़ानों** और **भारतीय नौसेना के जहाजों के माध्यम से** संचालित किया जाएगा ।

6.8 सफेद फास्फोरस

- ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार **गाजा और लेबनान में सैन्य अभियानों में इज़राइल द्वारा सफेद फास्फोरस के उपयोग से नागरिकों को गंभीर और दीर्घकालिक चोटों का खतरा है** ।
- ह्यूमन राइट्स वॉच ने क्रमशः 10 और 11 अक्टूबर, 2023 को लेबनान और गाजा में लिए गए सत्यापित वीडियो में **गाजा सिटी बंदरगाह और दो ग्रामीण स्थानों पर तोपखाने से दागे गए सफेद फास्फोरस के कई हवाई विस्फोट दिखाए।**

सफ़ेद फॉस्फोरस के बारे में

- सफ़ेद फॉस्फोरस **एक मोमी, पीले से साफ़ रसायन है जिसमें तीखी, लहसुन जैसी गंध होती है।**
- सफेद फास्फोरस **वायुमंडलीय ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर प्रज्वलित होता है** और **तब तक जलता रहता है जब तक कि इसमें ऑक्सीजन की कमी न हो जाए या समाप्त न हो जाए** । इसकी **रासायनिक प्रतिक्रिया तीव्र गर्मी (लगभग 815°C/1,500°F), प्रकाश** और **धुआं पैदा कर सकती है** ।
- सफेद फास्फोरस, जिसका **उपयोग या तो निशान लगाने, संकेत देने और अस्पष्ट करने के लिए किया जा सकता है** , या **आग लगाने के लिए एक हथियार के रूप में किया जा सकता है जो लोगों और वस्तुओं को जला देता है** , इसका **एक महत्त्वपूर्ण आग लगाने वाला प्रभाव होता है जो लोगों को गंभीर रूप से जला सकता है और संरचनाओं, खेतों और अन्य नागरिक वस्तुओं को आग लगा सकता है। आसपास आग लगी हुई है।**
- इससे **गंभीर जलने की चोटें हो सकती हैं जो ठीक होने में धीमी होती हैं।**
- सफेद फास्फोरस **हथियारों पर प्रतिबंध नहीं है** , लेकिन **नागरिक क्षेत्रों में उनका उपयोग युद्ध अपराध माना जाता है।**
- सकारात्मक रूप से अनुप्रयोगों में शामिल हैं- **उर्वरक, खाद्य योजक और सफाई यौगिकों** में उपयोग ।

6.9 डेविड स्लिंग वायु रक्षा प्रणाली

- **इज़राइल ने हमास के रॉकेटों को रोकने** के लिए **डेविड स्लिंग वायु-रक्षा प्रणाली का** उपयोग किया ।
- डेविड स्लिंग **एक अत्यधिक परिष्कृत और अत्याधुनिक मिसाइल रोधी रक्षा प्रणाली है जिसे राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स** और **रेथियॉन** द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है ।
- **डेविड के स्लिंग सिस्टम में एक मिसाइल फायरिंग यूनिट, एक अग्नि नियंत्रण रडार, एक युद्ध प्रबंधन स्टेशन और इंटरसेप्टर** शामिल है ।
- यह **लंबी दूरी की** वायु और मिसाइल रक्षा प्रणाली है।
- यह **किसी भी देश की रक्षा कर सकता है** जो इसका उपयोग **बड़े- कैलिबर रॉकेट, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और अन्य विकासशील खतरों के खिलाफ करता है।**

- इसे फ़ील्डेड वायु और मिसाइल रक्षा प्रणालियों - **ओपन आर्किटेक्चर में "प्लग एंड प्ले" सम्मिलन के लिए डिज़ाइन किया गया है** ।
  - ✓ अगली पीढ़ी का मल्टी-सेंसर साधक।
  - ✓ प्रभावी लागत।

6.10 जूस एड बेलम बनाम जूस इन बेल्लो

- 7 अक्टूबर को **इज़राइल में हमास के हमले और गाजा पट्टी में इज़राइल की प्रतिक्रिया** युद्ध अपराध हैं और अधिक स्पष्ट युद्ध अपराध हैं।
- **युद्धों से जुड़े दो कानून** हैं ।

जूस एड बेलम

- किसी राज्य के युद्ध में शामिल होने के **वैध कारणों को परिभाषित करता है ।**
- इसका **स्रोत 1945 के संयुक्त राष्ट्र चार्टर में मिलता है।**
- **अनुच्छेद 2** सदस्यों को **किसी भी राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग से रोकता है।**
- **सशस्त्र हमला होने पर अनुच्छेद 51** व्यक्तिगत **या सामूहिक आत्मरक्षा का अंतर्निहित अधिकार प्रदान करता है।**

बेलो में जूस

- **अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून (IHL)** के रूप में जाना जाता है और **सशस्त्र संघर्ष के दौरान पालन किए जाने वाले नियम प्रदान करता है।**
- **इसके स्रोत हेग कन्वेंशन (1899 और 1907) और 1949 जिनेवा कन्वेंशन और उनके अतिरिक्त प्रोटोकॉल (1977) में** मिलते हैं ।
- इसका **उद्देश्य जीवन बचाना और पीड़ा कम करना है** ।
- **सरकारी बलों और गैर-राज्य सशस्त्र समूहों** दोनों को IHL का सम्मान करने की आवश्यकता है ।
- कानून का उल्लंघन करने **पर युद्ध अपराध के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है** ।
- 1998 में रोम क़ानून के तहत **अन्य बातों के साथ-साथ युद्ध अपराधों के दमन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत की स्थापना की गई थी।**
- **IHL के चार बुनियादी सिद्धांत हैं** जो नागरिकों और गैर- **लड़ाकों पर युद्ध के प्रभाव को कम करना चाहते हैं:** -
  - ✓ **मानवता का** तात्पर्य आम तौर पर मानव सुरक्षा और स्वास्थ्य पर युद्ध के प्रभाव को नियंत्रित करना और सीमित करना है।
  - ✓ **भेद का** तात्पर्य नागरिकों और नागरिक वस्तुओं के साथ-साथ लड़ाकों और सैन्य वस्तुओं के बीच अंतर करने के दायित्व से है।
  - ✓ **आनुपातिकता** प्रदान करती है कि जहां भी हमले सैन्य उद्देश्यों को लक्षित करते हैं, वे नागरिक क्षति नहीं पहुंचा सकते हैं जो "प्रत्याशित ठोस और प्रत्यक्ष सैन्य लाभ के संबंध में अत्यधिक है।"

- ✓ **सैन्य आवश्यकता** यह मानती है कि एक वैध सैन्य उद्देश्य विरोधी दलों की क्षमता को कमजोर करना और लड़ाई या युद्ध जीतना है, हालांकि इस उद्देश्य को नुकसान को कम करने के इरादे से आईएचएल सिद्धांतों के अनुसार प्रयोग किया जाना चाहिए।

6.11 आयरन बीम रक्षा प्रणाली

- ❖ **आयरन बीम वायु रक्षा प्रणाली को** तैनात कर सकता है, **वह प्रकाश की शक्तिशाली किरणों को फायर कर सकती है जो तेज़ गति से चलने वाले प्रोजेक्टाइल को नष्ट कर सकती है** ।
- ❖ इसे **2025 में सेवा में लाने की योजना थी** । हालाँकि, युद्ध छिड़ने के बाद, इज़रायली **रक्षा मंत्रालय इसे जल्द ही तैनात करने पर विचार कर सकता है।**
- ❖ इसका **पहली बार अनावरण 2014 में किया गया था।**
- ❖ **राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स** द्वारा निर्मित , **आयरन बीम सिस्टम एक निर्देशित-ऊर्जा हथियार वायु रक्षा प्रणाली है जो प्रकाश की शक्तिशाली किरणों को फायर करती है।**
- ❖ आयरन बीम को **आयरन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली के साथ** काम करने के लिए **एक सस्ता और लचीला विकल्प माना जाता था ।**
- ❖ **जिसकी कीमत 60,000 डॉलर हो सकती है** , कोई **लेजर बीम भेज सकता है जिसकी लागत केवल कुछ डॉलर है**
- ❖ आयरन बीम, **आयरन डोम की तुलना में छोटा और हल्का भी है** , जिससे इसे **स्थानांतरित करना और छिपाना आसान हो जाता है।**
- ❖ **चुनौतियां**
  - ✓ यह गीली स्थितियों में प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकता है। **इष्टतम परिस्थितियों में** भी , लक्ष्य तक पहुंचने से पहले **लेजर अपनी संभावित ऊर्जा का 30 से 40 प्रतिशत वायुमंडलीय नमी के कारण खो देता है।**
  - ✓ इसके **लिए सिस्टम और उसके लक्ष्य के बीच सीधी दृष्टि की आवश्यकता होती है।**
  - ✓ आयरन बीम में **आग लगने की दर भी बहुत धीमी होती है** , जिससे **अपने लक्ष्य को नष्ट करने के लिए पर्याप्त ऊर्जा संचारित करने में पांच सेकंड या उससे अधिक की आवश्यकता होती है।**
  - ✓ अभी तक, **युद्ध के मैदान पर आयरन बीम की कार्यक्षमता अटकलों पर निर्भर है** ।

6.12 चीता और चेतक हेलीकॉप्टर

- ❖ अपने कुल तकनीकी जीवन (टीटीएल) के पूरा होने पर **2027 से पुराने चीता और चेतक हेलीकॉप्टरों की पहली खेप को चरणबद्ध तरीके से हटाना शुरू कर देगी, जबकि वह उनकी जगह स्वदेशी लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों (एलयूएच) को** बड़ी संख्या में शामिल करने पर विचार कर रही है। रक्षा सूत्रों के अनुसार।

चेतक हेलीकाप्टर के बारे में

- ❖ **हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड , हेलीकॉप्टर डिवीजन ने 1962 में अलौटे III हेलीकॉप्टर (चेतक)** के उत्पादन के लिए फ्रांस के साथ एक समझौता करके हेलीकॉप्टरों का निर्माण शुरू किया ।
- ❖ **'फ्लाई अवे' स्थिति** में पहला चेतक 1965 में वितरित किया गया था।
- ❖ चेतक **हेलीकॉप्टर दो टन वजनी श्रेणी का हेलीकॉप्टर है।**

- सात **सीटों वाला चेतक** हेलीकॉप्टर बहुमुखी, बहुउद्देश्यीय, बहुउद्देश्यीय और विशाल है।
- हेलीकॉप्टर **आवागमन, कार्गो/सामग्री परिवहन, हताहत निकासी, खोज एवं बचाव (एसएआर), हवाई सर्वेक्षण और गश्त, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं, ऑफ-शोर संचालन और अंडर स्लंग ऑपरेशन के लिए उपयुक्त है।**
- आज तक, एचएएल ने 350 से अधिक ऐसे बहुमुखी हेलीकॉप्टरों का **उत्पादन और बिक्री की है जो भारत और** विदेश दोनों में सेवा में हैं।

चीता हेलीकाप्टर के बारे में

- **फ्रेंच एयरोस्पेटियाल एसए 315बी लामा** का लाइसेंस-निर्मित संस्करण है ।
- हालाँकि यह गर्म उष्णकटिबंधीय मौसम के साथ-साथ उच्च ऊंचाई की स्थितियों में काम करने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है, यह एक **पुराना विमान है - SA315B लामा को पहली बार** 50 साल पहले 1969 में उड़ाया गया था।
- पिछले कुछ वर्षों में, एचएएल चेतक के साथ **, चीता ने** असुरक्षित होने की प्रतिष्ठा विकसित की है, सशस्त्र बल **इन रोटरक्राफ्ट के लिए उन्नयन खोजने का प्रयास कर रहे हैं ।**
- **1970 में एरोस्पातियाल के साथ लामा** के लिए एक लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए और भारत निर्मित **विमान को "चीता" नाम दिया।**
- कच्चे माल से निर्मित पहला चीता 1976-77 में वितरित किया गया **था ।**
- **भारतीय वायु सेना और सेना विमानन कोर** दोनों द्वारा संचालित , इसका उपयोग पुरुषों और सामग्री के परिवहन, खोज और बचाव और टोही के लिए किया गया है।
- **चीता विशेष रूप से 6,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में ऑपरेशन** के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं ।

6.13 बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास (मिलान)

- 19 से 27 फरवरी 24 तक विशाखापत्तनम **में** भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित मिलन 24 **(बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास - 2024) का मध्य योजना सम्मेलन (एमपीसी)** पूर्वी नौसेना कमान (ईएनसी) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें मित्रवत विदेशी नौसेनाओं ने भाग लिया था। 17 अक्टूबर 23 को वीडियो कॉन्फ्रेंस।
- फ्लैगशिप कार्यक्रम, मिलन एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है, जिसे **1995 में भारतीय नौसेना द्वारा शुरू किया गया था।** मूल रूप से **भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति'** के अनुरूप कल्पना की गई , मिलन का आगामी वर्षों में भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट नीति' और माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर) पहल के साथ विस्तार हुआ, जिसमें भागीदारी भी शामिल है। अन्य मित्रवत विदेशी देश (एफएफसी)।
- मिलन 22 का आयोजन 25 फरवरी से 04 मार्च 22 तक विशाखापत्तनम में/बाहर किया गया और इसमें 39 देशों ने भाग लिया।
- मिलन 24 के बंदरगाह चरण में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगोष्ठी, आरके बीच पर सिटी परेड, **स्वावलंबन प्रदर्शनी** , विषय वस्तु विशेषज्ञ विनिमय और युवा अधिकारियों का मिलन शामिल होगा। भारतीय नौसेना इकाइयों के साथ **मित्र विदेशी देशों** के जहाज, समुद्री गश्ती विमान और पनडुब्बियां समुद्री चरण में भाग लेंगे। इनमें **बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास, उन्नत वायु रक्षा संचालन, पनडुब्बी रोधी युद्ध और सतह रोधी युद्ध संचालन शामिल होंगे।**

- MILAN की दौड़ भारत की G20 प्रेसीडेंसी के अनुरूप है और अभ्यास का आयोजन एक बार फिर **'G20 थीम वसुधैव ' का एहसास कराएगा। कुटुम्बकम् '** ।
- 19 से 27 फरवरी 24 तक विशाखापत्तनम में/विशाखापत्तनम में निर्धारित, मिलन 24 में अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी होने की संभावना है, जिसमें 50 से अधिक देशों को आमंत्रित किया गया है।

6.14 प्रोजेक्ट उद्भव

- **भारत के "प्राचीन रणनीतिक कौशल" को समकालीन सैन्य क्षेत्र** में एकीकृत करने और **भारत के "दर्शन और संस्कृति" में निहित "स्वदेशी रणनीतिक शब्दावली" विकसित करने का** एक महत्वाकांक्षी प्रयास 'प्रोजेक्ट उद्भव' के तहत शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य **प्राचीन ज्ञान को समकालीन सैन्य प्रथाओं के साथ संश्लेषित करना** , **आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों** से निपटने के लिए **एक अद्वितीय और समग्र दृष्टिकोण तैयार करना है ।**
- यह **सेना और रक्षा सेवा थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (** यूएसआई) के बीच एक सहयोग है ।
- इसे **पहले भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव (IMHF) में लॉन्च किया गया था।**
- प्रोजेक्ट उद्भव के प्राथमिक **डिलिवरेबल्स** हैं
  - ✓ **भारतीय सैन्य प्रणाली के विकास और सामरिक विचारों के अध्ययन** के माध्यम से **प्राचीन सैन्य प्रणाली और स्वदेशी सामरिक सैन्य संस्कृति की समझ विकसित** करना ;
  - ✓ **कनिष्ठ सैन्य नेताओं को शिक्षित करना** और **वरिष्ठ सैन्य कमांडरों** और **शिक्षाविदों को सिद्धांतों की अवधारणाओं** के बारे में सूचित करना
  - ✓ **आगे के अध्ययन के लिए विद्वानों और रक्षा कर्मियों** के लिए **एक ज्ञान पूल के निर्माण की सुविधा प्रदान करती हैं ।**

6.15 थाड और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली

- **मध्य पूर्व में एक टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (THAAD) प्रणाली** और **अतिरिक्त पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली** बटालियन भेजेगा ।

थाड के बारे में

- टर्मिनल **हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस, या संक्षेप में THAAD** , **एक मिसाइल रक्षा प्रणाली है** जिसे **छोटी और मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को उनके अंतिम उड़ान चरण में रोकने और नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- **पहली बार 1987 में प्रस्तावित किया गया** और फिर **अंततः 2008 में तैनात किया गया** , **थाड का उपयोग किसी दुश्मन के खिलाफ हमले के रूप में नहीं किया जा सकता है।**
- **थाड** को **अंतरिक्ष-आधारित और जमीन-आधारित निगरानी स्टेशनों के साथ जोड़ा गया है** , जो **आने वाली मिसाइल के बारे में डेटा स्थानांतरित करता है और THAAD इंटरसेप्टर मिसाइल को खतरे के प्रकार के वर्गीकरण के बारे में सूचित करता है।**
- **यूएसए की कंपनी लॉकहीड मार्टिन** द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है ।

CivilsTap HImachal

पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली के बारे में

- पैट्रियट **का** मतलब **लक्ष्य पर अवरोधन के लिए चरणबद्ध ऐरे ट्रैकिंग रडार है** ।
- इसे शुरुआत में अमेरिकी एयरोस्पेस और रक्षा दिग्गज **रेथियॉन टेक्नोलॉजीज कॉर्प द्वारा ऊंची उड़ान वाले विमानों को रोकने के लिए एक प्रणाली के रूप में विकसित किया गया था।**
- यह **एक मोबाइल प्रणाली है** जिसमें **आमतौर पर शक्तिशाली रडार, एक नियंत्रण स्टेशन, एक बिजली जनरेटर, लॉन्च स्टेशन और अन्य सहायक वाहन शामिल होते हैं।**
- पैट्रियट प्रणाली के **रडार की सीमा 150 किमी से अधिक है** और यह **एक ही समय में 50 से अधिक संभावित लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है।**
- इसे **अमेरिका समेत 18 देशों में तैनात किया गया है**

6.16 हरिमौ शक्ति व्यायाम करें

- **भारतीय और मलेशियाई सेना के बीच संयुक्त द्विपक्षीय प्रशिक्षण अभ्यास "एक्सरसाइज हरिमाऊ शक्ति 2023" आज** भारत **के** उमरोई छावनी में **शुरू हुआ ।**
- मलेशियाई सेना की टुकड़ी में **मलेशियाई सेना की 5वीं रॉयल बटालियन के सैनिक शामिल हैं** ।
- भारतीय **दल का प्रतिनिधित्व राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन द्वारा किया जा रहा है** ।
- दोनों पक्ष **जंगल/अर्धशहरी/शहरी परिवेश में संयुक्त बलों के नियोजन का पूर्वाभ्यास करेंगे** ।
- इसके अलावा, **खुफिया जानकारी एकत्र करने, संकलन और प्रसार अभ्यास का** भी पूर्वाभ्यास किया जाएगा।
- इस अभ्यास में **ड्रोन/यूएवी और हेलीकॉप्टरों का भी उपयोग किया जाएगा।**
- प्रशिक्षण मुख्य रूप से **उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, सामरिक स्तर पर अभ्यास का संचालन** और **एक दूसरे के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने पर** केंद्रित **होगा** ।

6.17 आई टी बी पी

- प्रधानमंत्री ने 24 अक्टूबर को **भारत - तिब्बत सीमा पुलिस के स्थापना दिवस** पर उसके कर्मियों को बधाई दी और **राष्ट्र की रक्षा करते हुए उनकी "अदम्य भावना और वीरता" की सराहना की।**
- वर्ष **2004 में, "एक सीमा एक बल" पर जीओएम की सिफारिशों** के अनुसरण में , **भारत-चीन सीमा के 3488 किलोमीटर के पूरे हिस्से को सीमा सुरक्षा कर्तव्य के लिए आईटीबीपी को सौंपा गया था** और तदनुसार, **आईटीबीपी ने सिक्किम में असम राइफल्स की जगह ले ली थी। और 2004 में अरुणाचल प्रदेश।**

आईटीबीपी के बारे में

- यह **एक विशेष सुरक्षा बल है** जिसका **गठन 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद किया गया था।**
- यह **7 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) में से एक है।**
  - ✓ अन्य 6 हैं - **सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड।**
- **आदर्श वाक्य** - **शौर्य- दृढ़ता -कर्म निष्ठा** या **वीरता, दृढ़ता और प्रतिबद्धता**
- आईटीबीपी को **शुरुआत में सीआरपीएफ अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था** । हालाँकि, **1992 में, संसद ने ITBPF अधिनियम लागू किया** और **इसके तहत नियम 1994 में बनाए गए।**

- यह अपने कर्मियों को गहन सामरिक प्रशिक्षण के अलावा **पर्वतारोहण** और **स्कीइंग सहित विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित करता है।**
- आईटीबीपी में वर्तमान में **60 सेवा बटालियन, 4 विशेषज्ञ बटालियन, 17 प्रशिक्षण केंद्र और 07 रसद प्रतिष्ठान हैं जिनकी कुल ताकत लगभग है। 88,432 कार्मिक।**

6.18 आसूचना ब्यूरो

- दिल्ली **उच्च न्यायालय ने** फैसला सुनाया है कि इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) को धारा 24 (कुछ संगठनों पर लागू नहीं होने वाला अधिनियम) के **आधार पर आरटीआई अधिनियम की कठोरता से छूट दी गई है ।**

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के बारे में

- यह **भारत की खुफिया एजेंसी है जो देश के भीतर से खुफिया जानकारी इकट्ठा करती है** और **काउंटर-इंटेलिजेंस और आतंकवाद विरोधी कार्यों को भी अंजाम देती है ।**
- इसकी **स्थापना 1887 में केंद्रीय विशेष शाखा** के रूप में की गई थी ।
- घरेलू खुफिया जिम्मेदारियों के अलावा, **हिम्मतसिंहजी समिति** (जिसे उत्तर और उत्तर-पूर्व सीमा समिति के रूप में भी जाना जाता है) 1951 की सिफारिशों के बाद, आईबी को विशेष रूप से **सीमावर्ती क्षेत्रों में खुफिया जानकारी एकत्र करने का काम सौंपा गया है, यह कार्य** 1947 में स्वतंत्रता के लिए **पहले सैन्य खुफिया संगठनों को सौंपा गया था।**
- **गृह मंत्रालय** के तत्वावधान में कार्य करता है ।
- मुख्यालय- **नई दिल्ली** ।
- आईबी अपने कर्मचारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) और सेना जैसी **कानून प्रवर्तन एजेंसियों से आकर्षित करता है ।**
- **इंटेलिजेंस ब्यूरो (डीआईबी) का निदेशक** हमेशा **एक आईपीएस अधिकारी रहा** है ।
  - ✓ आईबी **निदेशक रणनीतिक नीति समूह और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद** की **संयुक्त खुफिया समिति (जेआईसी)** का हिस्सा है , और **सीधे प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करता है।**
- आईबी **की गतिविधियाँ अत्यधिक गोपनीय हैं** , और **आंतरिक प्रकाशनों के अलावा कोई भी प्रकाशन उनकी रहस्यमयी कार्यप्रणाली को उजागर नहीं करता है।**
- **भारतीय राजनयिकों** और **न्यायाधीशों को उनकी राष्ट्रीय शपथ से पहले बुनियादी सुरक्षा मंजूरी देने** के लिए जिम्मेदार है ।
- यह **बिना वारंट के वायरटैपिंग करने के लिए भी अधिकृत है।**

6.19 उल्का मिसाइल

- भारतीय वायु सेना (आईएएफ) **उल्का मिसाइल** के **अधिग्रहण को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक निर्णय लेने के लिए तैयार है** ।

उल्का मिसाइल के बारे में

- यह **एक यूरोपीय सक्रिय रडार-निर्देशित दृश्य-सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (BVRAAM) है।**

- इसका **निर्माण एमबीडीए सिस्टम्स द्वारा छह यूरोपीय देशों- यूके, जर्मनी, इटली, स्पेन, फ्रांस और स्वीडन के लिए किया जाता है** ।
- यह **मल्टी-शॉट क्षमता** (कई लक्ष्यों के खिलाफ कई लॉन्च) प्रदान करता है।
- भारी इलेक्ट्रॉनिक जवाबी कार्रवाई में **जेट विमान** जैसे **अत्यधिक पैंतरेबाज़ी लक्ष्यों** और **यूएवी और क्रूज़ मिसाइलों जैसे छोटे लक्ष्यों को शामिल करने** की क्षमता है ।

यह विस्तार **ठोस ईंधन डक्टेड रैमजेट के विकास और उत्पादन में देरी का परिणाम है। (एसएफडीआर),** जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा एस्ट्रा एमके 3 के रूप में **भी जाना जाता है।**

- इसकी **युद्धक क्षमता 200 किलोमीटर है।**
- एक **ठोस ईंधन वाली रैमजेट मोटर मिसाइल को मैक 4 से अधिक की गति से उड़ान भरने की** अनुमति देती है ।
- यह मिसाइल **विस्फोट-विखंडन वारहेड से सुसज्जित है।**
- मिसाइल प्रणाली **एक सक्रिय रडार लक्ष्य साधक के साथ स्थापित है** , जो **लक्ष्य का पता लगाने, ट्रैकिंग और वर्गीकरण में उच्च विश्वसनीयता प्रदान करती है।**

6.20 अभ्यास काज़िंद-2023

- **'व्यायाम काज़िंद-2023'** के 7वें संस्करण में भाग लेने के लिए **भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना की टुकड़ी कजाकिस्तान के लिए रवाना हुई ।**
- **कजाकिस्तान के ओटार** में आयोजित किया जाएगा ।
- यह अभ्यास **2016 में "व्यायाम PRABAL DOSTYK" के रूप में शुरू हुआ** ।
  - ✓ दूसरे संस्करण के बाद, इसका **नाम बदलकर "एक्सरसाइज़ काज़िंद" कर दिया गया** और कंपनी-स्तरीय अभ्यास में अपग्रेड किया गया।
  - ✓ **इस वर्ष वायु सेना घटक को** शामिल करके अभ्यास को **द्वि-सेवा अभ्यास के रूप में उन्नत किया गया है** ।

7. अंतरिक्ष

7.1 कैलिप्सो उपग्रह

- **नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने हाल ही में घोषणा की कि** जलवायु, मौसम और वायु गुणवत्ता का विश्लेषण करने वाला खलीप्सो मिशन 1 अगस्त को समाप्त हो गया।
- कैलिप्सो (क्लाउड-एरोसोल लिडार और इन्फ्रारेड पाथफाइंडर सैटेलाइट ऑब्जर्वेशन) मिशन **ने** 10 बिलियन से अधिक लिडार माप **दर्ज किए** और **अपने 17 वर्षों के संचालन में हजारों वैज्ञानिक रिपोर्ट बनाने में मदद की।**
- इसे नासा और फ्रांस के सीएनईएस (सेंटर नेशनल डी'इट्यूड्स स्पैटियल्स) द्वारा **क्लाउडसैट उपग्रह पर क्लाउड-प्रोफाइलिंग रडार सिस्टम** के साथ संयुक्त रूप से लॉन्च किया **गया था।**
- **कामचलाऊ**

- ✓ उपग्रह पर लिडार और रडार उपकरण **पृथ्वी पर ऊर्जा के बीम को निर्देशित करते हैं और मापते हैं कि वे वायुमंडल में बादलों और एरोसोल को कैसे प्रतिबिंबित करते हैं।**
- ✓ **अन्य परिक्रमा विज्ञान प्रयोग** आमतौर पर निष्क्रिय सेंसर का उपयोग करते **हैं जो पृथ्वी या बादलों द्वारा परावर्तित सूर्य के प्रकाश या अन्य विकिरण को मापते हैं।**

❖ **दोनों उपग्रहों को 28 अप्रैल, 2006 को लॉन्च किया गया था,** और उन्होंने **उत्तर से दक्षिणी ध्रुवों तक सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में ग्रह का चक्कर लगाया।**

- ✓ इसका मतलब था कि **वे हर दिन दोपहर में भूमध्य रेखा को पार करते थे।**
- ✓ उन्होंने **वायुमंडल की 'ऊर्ध्वाधर संरचना' की जांच करते हुए बादलों की ऊंचाई और धूल, समुद्री नमक, राख और कालिख जैसे वायुजनित कणों की परतों को मापा।**

❖ **दोनों उपग्रहों के अवलोकन ने वैज्ञानिकों** को **बादल निर्माण, वायुमंडलीय संवहन, वर्षा और कण परिवहन जैसी जटिल वायुमंडलीय प्रक्रियाओं को समझने के लिए अधिक परिष्कृत मॉडल बनाने की अनुमति दी।**

❖ यह **2020 में ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर जंगल की आग के दौरान जैसी स्थितियों में विशेष रूप से उपयोगी था।**

7.2 विश्व अंतरिक्ष सप्ताह

❖ विश्व अंतरिक्ष सप्ताह (WSW) एक **वैश्विक उत्सव है जो मानव जीवन को बढ़ाने में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर प्रकाश डालता है।**

❖ यह 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित किया **गया था।**

❖ WSW 4 अक्टूबर, 1957 को पहले कृत्रिम उपग्रह स्पुतनिक के प्रक्षेपण और 10 अक्टूबर, 1967 को लागू हुई बाहरी अंतरिक्ष संधि के **उपलक्ष्य में हर साल 4 से 10 अक्टूबर तक दुनिया भर में मनाया जाता है।**

❖ WSW 2023 के लिए विषय **'अंतरिक्ष और उद्यमिता' है।**

7.3 मानस मिशन

❖ हाल ही में लॉन्च किया गया **नासा का साइकी अंतरिक्ष यान इसी नाम के एक क्षुद्रग्रह** की **यात्रा** पर है ।

❖ **साइकी क्षुद्रग्रह एक धातु-समृद्ध दुनिया** है **जो हमें चट्टानी ग्रहों के निर्माण के बारे में अधिक बता सकती है।**

❖ अगस्त 2029 तक, अंतरिक्ष यान **173-मील-चौड़े (279-किलोमीटर-चौड़े) क्षुद्रग्रह की परिक्रमा करना शुरू कर देगा** - जो **अब तक खोजा गया एकमात्र धातु-श्रेणी का क्षुद्रग्रह है** ।

❖ **साइकी में लौह-निकल धातु की मात्रा अधिक होने** के कारण , वैज्ञानिकों का मानना है कि **यह एक ग्रहाणु का आंशिक कोर हो सकता है, जो एक प्रारंभिक ग्रह का निर्माण खंड है** ।

❖ लक्ष्य **26 महीने की विज्ञान जांच है।**

❖ **मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट की** अपनी छह **साल की 2.2 अरब मील (3.6 अरब किलोमीटर) यात्रा** के लिए , **साइकी सौर विद्युत प्रणोदन पर निर्भर है** ।

❖ कुशल प्रणोदन प्रणाली तटस्थ गैस क्सीनन के आवेशित परमाणुओं या **आयनों को बाहर निकालकर एक जोर पैदा करती है जो अंतरिक्ष यान को धीरे से आगे बढ़ाती है** ।

- रास्ते में, **अंतरिक्ष यान अपनी यात्रा को गति देने के लिए मंगल के गुरुत्वाकर्षण को गुलेल के रूप में उपयोग करेगा।**
- **एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी साइकी मिशन का** नेतृत्व करती है ।
- साइकी **नासा के डिस्कवरी प्रोग्राम के हिस्से के रूप में चुना गया 14 वां मिशन है** , जिसका प्रबंधन अलबामा के हंट्सविले में एजेंसी के मार्शल स्पेस फ्लाइट सेंटर द्वारा किया जाता है।

7.4 टीवी-डी1

- हाल ही में इसरो द्वारा फ्लाइट **टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन 1 (टीवी-डी1) को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया** था ।
- इसे **"इन-फ़्लाइट एबॉर्ट डिमॉन्स्ट्रेशन ऑफ़ क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस)" कहा जाता है।**
- टीवी-डी1 **वाहन - तरल चालित एकल चरण परीक्षण वाहन क्रू मॉड्यूल (सीएम) और क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के साथ** एक **संशोधित VIKAS इंजन का उपयोग करता है जो इसके अगले सिरे पर लगा होता है।**
- **मिशन के उद्देश्य** निम्नलिखित थे और **सभी उद्देश्य प्राप्त किये गये-**
  - ✓ **परीक्षण वाहन उप प्रणालियों** का उड़ान प्रदर्शन और मूल्यांकन ।
  - ✓ विभिन्न पृथक्करण प्रणालियों सहित **क्रू एस्केप सिस्टम** का उड़ान प्रदर्शन और मूल्यांकन ।
  - ✓ उच्च ऊंचाई पर **क्रू मॉड्यूल विशेषताओं और मंदी प्रणालियों का प्रदर्शन और इसकी पुनर्प्राप्ति।**
- **' व्योमित्र '** के साथ एक परीक्षण उड़ान करेगा ।
  - ✓ व्योममित्र **एक महिला जैसी दिखने वाली अंतरिक्ष यात्रा करने वाली ह्यूमनॉइड रोबोट** है जिसे **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा गगनयान पर काम करने** के लिए विकसित किया जा रहा है **।**

गगनयान मिशन के बारे में

- इस महत्वाकांक्षी मिशन का लक्ष्य 3 अंतरिक्ष यात्रियों के एक दल को **तीन दिनों** के लिए **400 किमी की निचली पृथ्वी कक्षा में अंतरिक्ष में भेजना** और **उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है** ।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन** के बाद भारत **अंतरिक्ष में चालक दल अंतरिक्ष यान भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा** ।

7.5 बेतेल्गेउज़ तारा

- वैज्ञानिकों ने अब यह स्थापित कर लिया है कि **लाल सुपरजायंट तारा बेटेलज्यूज़ 2018 और 2020 के बीच मंद क्यों हो गया** , उन्होंने उन **सिद्धांतों को खारिज कर दिया** जो सुझाव देते थे कि **तारा अपने विकास के अंतिम चरण** - सुपरनोवा या अंतिम विस्फोट - में प्रवेश कर सकता है।

> सुपरनोवा एक विशाल तारे का प्रलयकारी विस्फोट **है।**
>
> यह **अंतरिक्ष में होने वाला सबसे बड़ा विस्फोट है।**
>
> यह **ब्रह्मांड में भारी तत्वों का प्राथमिक स्रोत भी है।**

- **फ्रांस के यूनिवर्सिटी कोटे डी'ज़ूर के वैज्ञानिकों** की एक टीम के अनुसार , **तारे की सतह पर सिलिकॉन मोनोऑक्साइड** के रूप में **धूल के फटने के कारण धुंधलापन आया** ।

- टीम ने **2018 से 2020 तक तारे की उच्च-रिज़ॉल्यूशन तस्वीरें खींचने** के लिए **उत्तरी चिली में यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के वेरी लार्ज टेलीस्कोप इंटरफेरोमीटर** पर **मैटिस (मल्टी एपर्चर मिड-इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपिक एक्सपेरिमेंट) उपकरण का उपयोग किया।**

बेटेलज्यूज़ स्टार (अल्फा ओरियोनिस) के बारे में

- **बेतेल्गेउस एक लाल सुपरजाइंट तारा है** जो **ओरियन तारामंडल** के **बाएं कंधे का निर्माण करता है** ।
- यह **ओरायन तारामंडल का दूसरा सबसे चमकीला तारा है।**
- यह आकाश में **सबसे चमकीले तारों में से एक है (सूर्य से 7,500 से 14,000 गुना अधिक चमकीला)** और **अब तक खोजे गए सबसे बड़े तारों में से एक है।**
  - ✓ **व्यास 700 मिलियन मील (1.2 अरब किलोमीटर)** से अधिक है , **जो सूर्य से 764 गुना बड़ा है।**
- **भारतीय खगोल विज्ञान में** इसे ' **थिरुवथिराई** ' या 'आर्द्रा' के नाम से भी जाना जाता है।
- यह **पृथ्वी से लगभग 643 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।**
- यह **समय-समय पर मंद पड़ने और चमकने** के लिए **जाना जाता है।**

7.6 इजेक्टा हेलो

- जब 23 अगस्त को चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह पर **उतरा , तो उसके परिणामस्वरूप एक चंद्र घटना हुई। 'इजेक्टा हेलो' कहा जाता है।**
- **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)** और **राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)** के वैज्ञानिकों ने अब **'इजेक्टा हेलो' के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक पेपर प्रकाशित किया है** , जिससे **अंतरिक्ष एजेंसी को चंद्र सतह के बारे में और अधिक समझने में मदद मिली है।**
- **' ओएचआरसी इमेजरी का उपयोग करते हुए चंद्रयान -3 विक्रम लैंडर के आसपास चंद्र सतह पर इजेक्टा हेलो की विशेषता** ' नामक पेपर इंगित करता है कि **'इजेक्टा हेलो' वंश चरण के थ्रस्टर्स और विक्रम लैंडर के परिणामस्वरूप लैंडिंग के कारण बनाया गया था।**
- वैज्ञानिकों ने " **अनुमान लगाया है कि लगभग 2.06 टन चंद्र एपि रेजोलिथ को लैंडिंग स्थल के आसपास 108.4 वर्ग मीटर के क्षेत्र** में बाहर निकाला गया और विस्थापित किया गया"।
  - ✓ **एपि रेगोलिथ चंद्र सतह की सबसे ऊपरी परत** है , जो **चंद्र चट्टानों और मिट्टी से बनी है** , जिसे आमतौर पर **चंद्रमा की धूल के रूप में जाना जाता है** ।

7.7 स्विम परियोजना

- उपसतह **जल बर्फ मानचित्रण (एसडब्ल्यूआईएम) परियोजना ने मंगल ग्रह पर उपसतह जल बर्फ के संभावित स्थानों का अपना चौथा और नवीनतम मानचित्र जारी किया** है ।
  - ✓ इससे **मिशन योजनाकारों को यह** तय करने में मदद मिलेगी **कि मंगल ग्रह पर पहले इंसानों को वास्तव में कहां भेजा जाए।**
- **टक्सन , एरिजोना में प्लैनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट** के नेतृत्व में और **दक्षिणी कैलिफोर्निया में नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला द्वारा प्रबंधित** एसडब्ल्यूआईएम परियोजना, मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) , **2001 मार्स ओडिसी** और **अब सहित कई नासा मिशनों के डेटा को** जोड़ती है । **निष्क्रिय मंगल वैश्विक सर्वेक्षक।**

- उपकरण - **कॉन्टेक्स्ट कैमरा (CTX)** और **हाई रेजोल्यूशन इमेजिंग एक्सपेरिमेंट (HIRISE) - ने मंगल ग्रह के इलाके की उच्च रेजोल्यूशन इमेजरी** प्रदान की ।

महत्त्व

- नक्शा **एजेंसी को यह तय करने में मदद कर सकता है कि लाल ग्रह पर पहले अंतरिक्ष यात्रियों को कहाँ उतरना चाहिए ।**
    - ✓ जितना **अधिक पानी उपलब्ध होगा** , उतना ही **कम मिशनों को लाने की आवश्यकता होगी।**
- **मंगल ग्रह पर दबी हुई** बर्फ **मंगल ग्रह पर मनुष्यों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत** होगी , जो **पीने के पानी और रॉकेट ईंधन के लिए एक प्रमुख घटक दोनों के रूप में काम करेगी।**
- एसडब्ल्यूआईएम परियोजना प्रबंधक ने **भूमध्य रेखा के नजदीक लैंडिंग स्थलों के महत्व पर जोर दिया** , जहां **वायुमंडल मोटा है** , जिससे **नीचे उतरते अंतरिक्ष यान को धीमा करना आसान हो जाता है** ।
- ये क्षेत्र **बर्फीले क्षेत्र में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए यथासंभव गर्म तापमान भी प्रदान करते हैं , जिससे अंतरिक्ष यात्रियों और उनके उपकरणों को गर्म रखने के लिए आवश्यक ऊर्जा** कम **हो जाती है** ।

8. पर्यावरण

8.1 पिंक बॉलवर्म

- **पिंक बॉलवर्म (PBW)** उत्तरी राज्यों में महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा **रहा है**
- 2021 से उत्तरी राजस्थान, हरियाणा और दक्षिण-पश्चिमी पंजाब के कपास बेल्ट में **पिंक बॉलवर्म (पीबीडब्ल्यू) का संक्रमण आम है।**

पिंक बॉलवर्म के बारे में (पेक्टिनोफोरा गोसिपिएला)

- मूल रूप से **भारत का मूल निवासी**, यह अब दुनिया के **लगभग** सभी कपास उगाने वाले देशों **में दर्ज** किया जाता है।
- यह **संभवतः दुनिया भर में कपास पर सबसे विनाशकारी कीट माना जाता है।**
- **मादा कीट एक कपास की गेंद में अंडे देती** है, और जब **लार्वा अंडे से निकलता है, तो वे खिलाने के माध्यम से नुकसान पहुंचाते हैं।**
    - ✓ पीबीडब्ल्यू **लार्वा कपास के पौधों के विकासशील फलों (बॉल) में डूब जाता है**, और **क्षति लिंट फाइबर और बीज वाले कटे हुए बॉल्स के वजन और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करती है।**
    - ✓ चूंकि कपास का उपयोग फाइबर और बीज तेल दोनों **के लिए किया जाता है**, इसलिए **क्षति दोगुनी होती है।**
- विशेषज्ञों के अनुसार, **बीटी कपास - जो** मिट्टी के बैक्टीरिया से जीन को शामिल करता है जो अमेरिकी बॉलवर्म के लिए विषाक्त प्रोटीन के लिए कोड **करता है** - ने पीबीडब्ल्यू के खिलाफ अपनी प्रभावकारिता खो दी **है।**

8.2 आर्मागेडन रीडटेल

- पुणे में एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने **केरल के दक्षिणी पश्चिमी घाट में 'आर्मागेडन रीडटेल - प्रोटोस्टिक्टा आर्मगेडोनिया' प्रजाति का एक नमूना पाया है।**

- इस नई प्रजाति को **आधिकारिक तौर पर इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ओडोनाटोलॉजी में प्रलेखित किया गया है।**
  - ✓ **यह** संयुक्त राज्य अमेरिका **में स्थित** वर्ल्डवाइड ड्रैगनफ्लाई एसोसिएशन से संबद्ध **एक प्रकाशन है।**
  - ✓ इस खोज को सावधानीपूर्वक दर्ज किया गया है **और जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, पुणे के साथ पंजीकृत किया गया है।**
- नई पाई गई प्रजाति जीवंत **हरे-नीली आंखों** के साथ **एक मनोरम गहरे भूरे से काले शरीर को प्रदर्शित करती** है और इसमें **इसके आठ पेट खंडों में से आधे हिस्से पर नाजुक हल्के नीले निशान हैं।**
- इसका **विशेष निवास विकल्प प्राथमिक मोंटेन धाराएं हैं**, जहां यह **घने चंदवा कवर के नीचे पनपता है।**
- नाम, **आर्मगेडन रीडटेल, "पारिस्थितिक आर्मगेडन"** की अवधारणा **का सीधा संदर्भ** है, **एक शब्द जिसका उपयोग दुनिया भर में कीट आबादी की विनाशकारी गिरावट का वर्णन करने के लिए किया जाता है।**
  - ✓ इस घटना, जिसे अक्सर **"कीट एपोकैलिप्स" के रूप में जाना जाता है, के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए दूरगामी परिणाम** हैं, क्योंकि **कीड़े परागण, पोषक तत्वचक्रण और अन्य जानवरों के लिए खाद्य स्रोत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।**

8.3 मानस राष्ट्रीय उद्यान में पिग्मी हॉग छोड़े गए

- **पश्चिमी असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिज़र्व में 18 बंदी-प्रजनित पिग्मी हॉग** छोड़े गए ।
- यह **2020 के बाद से हर साल पिग्मी हॉग संरक्षण कार्यक्रम (पीएचसीपी) के तहत किया जाने वाला चौथा ऐसा अभ्यास था** , जिससे पार्क में जारी कुल संख्या **54 हो गई** ।
- पीएचसीपी **का लक्ष्य 2025 तक** अपने **ऐतिहासिक निवास स्थान मानस में 60 पिग्मी हॉग को फिर से लाना है।**

पैग्मी हॉग (पोरकुला साल्वानिया) के बारे में

- **यह पृथ्वी पर सबसे छोटा और दुर्लभ सुअर** है ।
- **हिमालय के दक्षिणी किनारे के जलोढ़ घास के मैदानों** में पनपने वाले पिग्मी **हॉग को 1970 के दशक में विलुप्त माना गया था।**
- **यूनाइटेड किंगडम स्थित ड्यूरेल वन्यजीव संरक्षण ट्रस्ट** द्वारा समर्थित , पीएचसीपी की **शुरुआत 1996 में गुवाहाटी के पास मानस नेशनल पार्क के बंसबारी रेंज** से पकड़े गए दो नर और दो मादाओं के साथ की गई थी ।
  - ✓ **कैद में पाले गए सूअरों का जंगल में पुन:प्रवेश 2008 में शुरू हुआ** ।
- **जमीन से** लगभग 25 सेमी की ऊंचाई पर और 6-9 किलोग्राम वजन के साथ , यह **आठ व्यक्तियों तक के छोटे समूहों में रहता है** और **अन्य सूअरों की तरह घास के घोंसले बनाने के बजाय छप्पर का घोंसला बनाता है।**
  - ✓ यह उन बहुत कम स्तनधारियों में से एक है जो **एक 'छत' के साथ अपना घर या घोंसला बनाते हैं।**
- यह **एक संकेतक प्रजाति है** क्योंकि इसकी **उपस्थिति इसके प्राथमिक आवास, ऊंचे और गीले घास के मैदानों के स्वास्थ्य को दर्शाती है।**
- यह **घास के मैदानों के अबाधित टुकड़ों को पसंद करता है**
- खतरों में **निवास स्थान (घास के मैदान) का नुकसान और क्षरण** , और **अवैध शिकार शामिल हैं।**
- सुरक्षा की स्थिति
  - ✓ IUCN लाल सूची: **गंभीर खतरे**
  - ✓ डब्ल्यूपीए 1972: **अनुसूची I**

✓ उद्धरण : **परिशिष्ट।**

मानस राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- यह **असम में स्थित** है और **भूटान में रॉयल मानस नेशनल पार्क से सटा हुआ है।**
- यह **एक राष्ट्रीय उद्यान, यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल, एक प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व, एक हाथी रिजर्व और एक बायोस्फीयर रिजर्व है।**
- **वनस्पति में अर्ध-सदाबहार वन** , **मिश्रित नम और शुष्क पर्णपाती वन** और **जलोढ़ घास के मैदान** शामिल हैं ।
  - ✓ इसमें **उप-हिमालयी घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र में कुछ सबसे बड़े शेष घास के मैदान निवास स्थान शामिल हैं।**
- जीव-जंतुओं में **ग्रेटर वन-हॉर्नड गैंडा, स्वैम्प हिरण, पैग्मी हॉग और हिस्पिड खरगोश, गोल्डन लंगूर, लुप्तप्राय बंगाल फ्लोरिकन आदि शामिल हैं।**
- मानस **नदी ब्रह्मपुत्र नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है,** जो **मानस राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है।**

8.4 बदीस लिम्माकुमी

- मछली की एक नई प्रजाति की खोज की गई है , जिसे अब **बदीस लिमाकुमी नाम दिया गया है।**

बदीस लिमाकुमी के बारे में

- यह **नागालैंड की बदीस मछली की एक नई प्रजाति है**
- इस नई खोजी गई मछली प्रजाति के लिए कई **स्थानीय नामों का उपयोग किया जाता है, जिनमें ' टेपडांग ', ' अक्नगाशी ((Ao Chungli),' ' Aokngatsü (Ao Mongsen),' और ' सेम्पी ' शामिल हैं।**
- यह नई बैडिस प्रजाति समूह में एक और सदस्य जोड़ती है।
  - ✓ बादिस **मछलियों का एक समूह है जो आमतौर पर कई एशियाई देशों में पाया जाता है** । वर्तमान में **बड़ियों की 26 विभिन्न पुष्ट प्रजातियाँ** हैं ।
  - ✓ **मछलियों के इस परिवार के सदस्यों को गिरगिट मछलियों के नाम से जाना** जाता **है**
- अब तक, यह **मछली इस मायने में अनोखी है कि यह केवल मिलक नदी से पाई गई है** और **हो सकता है कि यह इस नदी के लिए स्थानिक हो या केवल नागालैंड की कुछ नदियों के लिए स्थानिक हो।**
- **बदीस लिमाकुमी भी बदीस की सबसे बड़ी प्रजातियों में से एक है , दूसरी बदीस असामेंसिस है** ।
- यह **अपने प्राकृतिक आवास में काला दिखाई देता है लेकिन मछलीघर में रखे जाने पर इसका रंग उल्लेखनीय रूप से बदल जाता है** या **विभिन्न वातावरण.**
  - ✓ **एक्वेरियम व्यापार में बदीस प्रजातियाँ प्रसिद्ध हैं** और **भारत से नियमित रूप से अन्य देशों में निर्यात की जाती हैं।**

8.5 ऑपरेशन "कच्छप"

- **राजस्व खुफिया निदेशालय** (डीआरआई) ने हाल ही में **विभिन्न प्रजातियों के 955 जीवित शिशु गंगा कछुओं के साथ 6 लोगों को** पकड़ा है। एक **बहुनगरीय ऑपरेशन " कच्छप "** में ।

- बचाए गए गंगा के कछुओं की प्रजातियां **इंडियन टेंट टर्टल, इंडियन फ्लैपशेल टर्टल, क्राउन रिवर टर्टल, ब्लैक स्पॉटेड/पॉन्ड टर्टल और ब्राउन रूफ्ड टर्टल हैं।**
- बचाई गई कुछ प्रजातियों को **IUCN रेड लिस्ट और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I और II के तहत कमजोर/संकटग्रस्त प्रजातियों के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।**

8.6 कोरल रीफ ब्रेकथ्रू लॉन्च किया गया

- इंटरनेशनल कोरल रीफ इनिशिएटिव (ICRI) ने ग्लोबल फंड फॉर कोरल रीफ्स (जीएफसीआर) और **हाई-लेवल क्लाइमेट चैंपियंस (एचएलसीसी**) के साथ साझेदारी में कोरल रीफ ब्रेकथ्रू लॉन्च **किया है।**
- कोरल रीफ ब्रेकथ्रू का उद्देश्य **2030 तक विश्व स्तर पर आधे अरब से अधिक लोगों के लचीलेपन का** समर्थन करने **के लिए कम से कम 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश** के साथ **उथले पानी के उष्णकटिबंधीय प्रवाल भित्तियों के कम से कम 125,000 किमी 2 के भविष्य को सुरक्षित करना है।**
- व्यापक-आधारित जलवायु कार्रवाई के अलावा, कोरल रीफ ब्रेकथ्रू के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा-
  - ✓ **नुकसान के ड्राइवरों को रोकें**: प्रदूषण के भूमि-आधारित स्रोतों, विनाशकारी तटीय विकास और ओवरफिशिंग सहित नुकसान के स्थानीय ड्राइवरों को कम करें।
  - ✓ **प्रभावी संरक्षण के तहत प्रवाल भित्तियों के क्षेत्र को दोगुना** करना: 30बाय30 सहित वैश्विक तटीय संरक्षण लक्ष्यों के साथ संरेखित और पार करके लचीलापन-आधारित कोरल रीफ संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना।
  - ✓ **बहाली में तेजी लाएं**: पैमाने और जलवायु स्मार्ट डिजाइनों पर अभिनव समाधानों के विकास और कार्यान्वयन में सहायता करें जो 2030 तक 30% अवक्रमित चट्टानों को प्रभावित करने के लिए प्रवाल अनुकूलन का समर्थन करते हैं।
  - ✓ इन महत्त्वपूर्ण **पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण और पुनर्स्थापना के लिए सार्वजनिक और निजी स्रोतों से 2030 तक कम से** कम 12 बिलियन अमरीकी डालर का सुरक्षित निवेश।

ICRI के बारे में

- **इंटरनेशनल कोरल रीफ इनिशिएटिव** (ICRI) **राष्ट्रों और संगठनों के बीच एक अनौपचारिक साझेदारी है जो दुनिया भर में प्रवाल भित्तियों और संबंधित पारिस्थितिक तंत्र को संरक्षित करने का प्रयास करती है।**
- पहल 1994 में आठ सरकारों द्वारा स्थापित **की गई थी: ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, जमैका, फिलीपींस, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।**
- यह **45 देशों सहित 101 सदस्यों का एक नेटवर्क है** जो **दुनिया के 75% से अधिक प्रवाल भित्तियों का प्रतिनिधित्व करता है।**
- इसके **निर्णय इसके सदस्यों के लिए बाध्यकारी नहीं हैं।**

8.7 स्टैघोर्न मूंगा

- कैरेबियन में **अत्यधिक लुप्तप्राय स्टैगहॉर्न कोरल** के एक जीनोम-व्यापी सर्वेक्षण ने **सफेद बैंड रोग के खिलाफ लचीलेपन से जुड़े 10 जीनोमिक क्षेत्रों की पहचान की है।**

स्टैघोर्न कोरल के बारे में

- **स्टैगहॉर्न मूंगा कैरेबियन में सबसे महत्वपूर्ण मूंगों** में से एक है ।
- इसने **एल्खोर्न कोरल और स्टार कोरल के साथ मिलकर पिछले 5,000 वर्षों में कैरेबियन प्रवाल भित्तियों का** निर्माण किया ।
- ये मूंगे **उथले पानी में घने समूह बना सकते हैं जिन्हें "थिकेट्स"** कहा जाता है , जो विभिन्न चट्टानी जीवों, विशेषकर मछलियों के लिए आवश्यक आवास के रूप में काम करते हैं।
- स्टैगहॉर्न कोरल कॉलोनियां सफेद **सिरों के साथ सुनहरे भूरे या हल्के भूरे रंग की होती हैं** और **उन्हें अपना रंग शैवाल से मिलता है जो उनके ऊतक के भीतर रहते हैं।**
- इन मूंगों में **सींग जैसी शाखाएँ होती हैं और आम तौर पर एक केंद्रीय तने से निकलती हैं और ऊपर की ओर कोण बनाती हैं।**
- **प्रत्येक स्टैगहॉर्न कोरल कॉलोनी कई व्यक्तिगत पॉलीप्स से बनी होती है जो एक साथ बढ़ते हैं।**
- ये मूंगे **प्रकाश संश्लेषक शैवाल** से भोजन प्राप्त करते हैं जो **मूंगे की कोशिकाओं के अंदर रहते हैं** । वे **अपने पॉलीप्स टेंटेकल्स से प्लवक को पकड़कर भी भोजन करते हैं।**
- IUCN लाल सूची स्थिति: **गंभीर रूप से लुप्तप्राय।**
- **धमकी- महासागर का गर्म होना; समुद्र का अम्लीकरण, मछली पकड़ने की अस्थिर प्रथा और प्रदूषण के भूमि-आधारित स्रोत।**

8.8 ढोले

- **अतिव्यापी शिकार की उपलब्धता** या **आवास उपयुक्तता ढोल और बाघों के बीच एक सकारात्मक जुड़ाव को निर्धारित कर सकती है** , जिससे **मांसाहारी की दो प्रजातियों के बीच सह-अस्तित्व या यहां तक कि सहकारी व्यवहार की सुविधा मिल सकती है।**
- पेपर का शीर्षक था '**क्या ढोल अपने आप को अपने हमदर्दों से अलग करते हैं ? 'उष्णकटिबंधीय वन में आवास उपयोग और मांसाहारी सह - अस्तित्व'** स्तनधारी जीवविज्ञान के नवीनतम अंक में प्रकाशित हुआ था।

> सिम्पेट्रिक एक ही या अतिव्यापी भौगोलिक क्षेत्रों के भीतर जानवरों, पौधों की प्रजातियों और आबादी को संदर्भित करता है।

ढोले के बारे में

- ढोल **या एशियाई जंगली कुत्ता (कुओन अल्पिनस) उष्णकटिबंधीय भारतीय जंगलों में एकमात्र लुप्तप्राय जंगली पैक-जीवित कैनिड** है और **इसे विलुप्त होने के उच्च जोखिम में माना जाता है।**
- **5-10 व्यक्तियों के समूह** में काम करते हैं , हालांकि **2004 में 30 से अधिक के बड़े समूह देखे गए।**
- ढोल **एक समय दक्षिणी और पूर्वी एशिया में फैले हुए थे।**
- **निवास स्थान की हानि, शिकार की घटती उपलब्धता, उत्पीड़न, बीमारी और अंतर-विशिष्ट प्रतिस्पर्धा जैसे कारकों ने इसकी आबादी के निरंतर विखंडन में** योगदान **दिया है** ।
- वयस्क ढोल की वैश्विक आबादी 949 से 2,215 व्यक्तियों के बीच होने का अनुमान है , **जो भारत** और **थाईलैंड के स्थानीय क्षेत्रों में बिखरी हुई है।**

- **मानस राष्ट्रीय उद्यान** , एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और **भूटान में निकटवर्ती रॉयल मानस राष्ट्रीय उद्यान दक्षिण एशिया में संरक्षण महत्त्व के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है, जो उपोष्णकटिबंधीय मैदानों से लेकर अल्पाइन क्षेत्र तक आवासों की पूरी श्रृंखला का** प्रतिनिधित्व करता है ।
- IUCN लाल सूची स्थिति- **लुप्तप्राय**

8.9 कोलेरु झील

- कोलेरू झील का अस्तित्व **गंभीर खतरे में है क्योंकि जलीय तालाब आर्द्रभूमि के मध्य में लगातार अतिक्रमण और पनप रहे हैं।**
- जिस दर से झील पर अतिक्रमण हो रहा है, वह **अद्वितीय आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र** के अस्तित्व के लिए **'ऑपरेशन कोलेरू-2.0' की मांग करता है** ।
- **2006** में , आंध्र प्रदेश सरकार ने **सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार 'ऑपरेशन कोलेरु ' को अंजाम दिया** और **कोलेरु वन्यजीव अभयारण्य (KWS) के भीतर 43,000 एकड़ में फैले 1,776 जल तालाबों को ध्वस्त कर दिया ।**
- **1999** में , **राज्य सरकार ने झील के 90,100 हेक्टेयर के भीतर 308 वर्ग किमी से अधिक क्षेत्र को अभयारण्य घोषित किया** ।

कोलेरू झील के बारे में

- यह **भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील पारिस्थितिकी तंत्र है** ।
  - ✓ यह **एशिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील भी है** ।
- यह **220 पक्षी प्रजातियों के लिए प्रजनन और भोजन स्थल के रूप में कार्य करता है, जिसमें पैलेरक्टिक क्षेत्र से प्रवास करने वाली लगभग 100 प्रजातियाँ भी शामिल हैं।**
- यह **कृष्णा और गोदावरी डेल्टा के बीच स्थित है** ।
- इसे मौसमी **बुदामेरू और तम्मिलेरू नदियों से पानी मिलता है।**
- इसे **वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम, 1972** के तहत **1999 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया था।**
- कोलेरू झील को 2002 में **'रामसर' साइट घोषित किया गया था।**

8.10 श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना

- केंद्र के वायु गुणवत्ता पैनल ने **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अधिकारियों को होटल और रेस्तरां में कोयले के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों और थर्मल पावर प्लांटों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया,** क्योंकि दिल्ली **में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई थी।**
- यह **कार्रवाई केंद्र सरकार की प्रदूषण नियंत्रण योजना के एक हिस्से के रूप में आती है जिसे 'ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान' (जीआरएपी)** के रूप में जाना जाता है, जिसे **सर्दियों के मौसम के दौरान वायु प्रदूषण से निपटने** के लिए **दिल्ली-एनसीआर में लागू किया जाता है** ।

- **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम),** जो **जीआरएपी को सक्रिय रूप से लागू करने के लिए जिम्मेदार** एक **वैधानिक निकाय है, ने पिछले 24 घंटों में क्षेत्र में वायु गुणवत्ता मापदंडों में "अचानक गिरावट" की सूचना दी, जिसके साथ दिल्ली का एक्यूआई 212 ('खराब' श्रेणी में) तक पहुंच गया।).**
- **चरण II के** उपायों में **निजी परिवहन को हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क बढ़ाना और अतिरिक्त बेड़े शुरू करके और सेवा आवृत्ति बढ़ाकर सीएनजी/इलेक्ट्रिक बस और मेट्रो सेवाओं को बढ़ाना शामिल है।**
- **स्टेज III** के तहत , **बीएस III पेट्रोल और बीएस IV डीजल चार पहिया वाहनों को दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बौद्ध नगर में चलाने पर प्रतिबंध है।**
  - ✓ चरण III में **आवश्यक सरकारी परियोजनाओं, खनन और पत्थर तोड़ने को छोड़कर निर्माण और विध्वंस कार्य पर पूर्ण रोक शामिल है।**
  - ✓ **इसमें दिल्ली के बाहर पंजीकृत हल्के वाणिज्यिक वाहनों और डीजल-खपत वाले ट्रकों, मध्यम और भारी माल वाहनों (आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों को छोड़कर) के प्रवेश पर प्रतिबंध भी शामिल है।**
- **चरण IV में सभी प्रकार के निर्माण और विध्वंस कार्यों पर प्रतिबंध लगाना शामिल है।**
  - ✓ **राज्य सरकारें ऐसी स्थितियों के दौरान स्कूली छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाओं और सरकारी और निजी कार्यालयों के लिए घर से काम की व्यवस्था पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत हैं।**

8.11 बदलती जलवायु में विस्थापित बच्चे

- **संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने हाल ही में बदलती जलवायु में विस्थापित बच्चों की** रिपोर्ट जारी की।

प्रमुख निष्कर्ष

- पिछले छह वर्षों में, मौसम संबंधी आपदाओं ने कम से कम 134.1 मिलियन लोगों को जबरन विस्थापित किया है, जिनमें से **44 देशों के 32 प्रतिशत या 43.1 मिलियन बच्चे थे।**
- इस प्रकार, **मौसम संबंधी आपदाओं के कारण दुनिया भर में विस्थापित होने वाले प्रत्येक 10 व्यक्तियों में से कम से कम तीन बच्चे थे।**
- **तूफान** (21.2 मिलियन) और बाढ़ (19.7 मिलियन) **सबसे अधिक नुकसानदायक रहे हैं और इस अवधि में 95 प्रतिशत जबरन बाल विस्थापन के लिए जिम्मेदार हैं।**
- यूनिसेफ के अनुमान से पता चलता है कि मौसम से संबंधित बाल विस्थापन की सबसे बड़ी संख्या वाला क्षेत्र **पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र था, इसके बाद दक्षिण एशिया का स्थान था।**
- **विस्थापित बच्चों में से 53 प्रतिशत (23 मिलियन) से** कुछ अधिक बच्चे तीन देशों - फिलीपींस, भारत और चीन में थे।
  - ✓ ये **तीन देश मौसम संबंधी आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील थे और इसलिए, जलवायु-प्रेरित चरम मौसम की घटनाओं के कारण जोखिम और भी बढ़ सकते हैं।**
- **विस्थापित बाल आबादी का सबसे बड़ा अनुपात** छोटे **द्वीप विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के देशों में** था

8.12 वेटमील

- थाईलैंड के एक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक **अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पोषण और ऑक्सीजन के स्रोत के रूप में वॉटरमील की क्षमता पर अभूतपूर्व शोध कर रहे हैं** ।

वॉटरमील के बारे में

> थाईलैंड में, यह पीढ़ियों से स्थानीय आहार का हिस्सा रहा है, सूप से लेकर सलाद तक के व्यंजनों में दिखाई देता है।

- यह **दुनिया का सबसे छोटा फूल वाला पौधा है।**
- यह जड़ रहित, तना रहित पौधा आमतौर पर **थाईलैंड और एशिया के अन्य हिस्सों** में **जल निकायों की सतह पर तैरता है ।**
- इसकी **सादगी और तीव्र विकास दर इसे पौधों के विकास** पर परिवर्तित गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श उम्मीदवार बनाती है ।
- यह **प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से ऑक्सीजन का प्रचुर उत्पादक और प्रोटीन का एक समृद्ध स्रोत है** ।

8.13 जालीदार पायथन

- **आईआईटी मद्रास के अंदर** एक आवासीय क्षेत्र में रेंगता हुआ एक **किशोर जालीदार अजगर देखा** गया ।

जालीदार पायथन के बारे में

- वैज्ञानिक नाम- **मलायोपिथॉन रेटिकुलैटस**
- रेटिकुलेटेड अजगर **दुनिया के अब तक के रिकॉर्ड किए गए सबसे लंबे और तीसरे सबसे भारी सांप हैं।**
- इस प्रजाति की **विस्तृत श्रृंखला पूरे दक्षिणपूर्वी एशिया में है।**
  - ✓ भारत में **ये केवल निकोबार द्वीप समूह में ही जंगली रूप में पाए जाते हैं।**
- यह **प्रजाति , अपने आकर्षक रंग पैटर्न के बावजूद , अपने वातावरण में अच्छी तरह से छिपी रहती है।**
- बढ़ती स्थितियाँ - **उष्णकटिबंधीय वातावरण, पानी पर अत्यधिक निर्भर, अत्यधिक अनुकूलनीय अजगर प्रजातियाँ।**
- जालीदार अजगर **गैर विषैले, धीमी गति से चलने वाले सरीसृप हैं और आमतौर पर दक्षिण पूर्व एशिया में** पाए जाते हैं।
  - ✓ इंटरनेशनल **यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) ने** रेटिकुलेटेड अजगर को इसके व्यापक वितरण को देखते हुए **विश्व स्तर पर "कम से कम चिंता का विषय" के रूप में सूचीबद्ध किया है।**

8.14 बिग कैट एलायंस

- **आईं तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहु हसन** ने प्रमुख भारतीय कार्यक्रम - **इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) में शामिल होने की मंजूरी दी।**

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के बारे में

- **लक्षित प्रजातियाँ** - **बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता।**
  - ✓ प्यूमा और जगुआर को छोड़कर **भारत इनमें से पाँच प्रजातियों का घर** है ।
- यह 97 'रेंज' देशों के लिए खुला है , जिसमें अन्य **इच्छुक देशों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों आदि** के साथ-साथ **इन बड़ी बिल्लियों का प्राकृतिक आवास भी शामिल है।**

- यह **सदस्य देशों को ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने और संभावित आवासों में पुनर्प्राप्ति प्रयासों को समर्थन देने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।**
- **संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा प्रजाति-विशिष्ट अंतर-सरकारी प्लेटफार्मों की** भी सहायता करेगा।
- भारत ने **पहले पांच वर्षों में 100 मिलियन डॉलर की 'कुल अनुदान सहायता' देने का वादा किया है।**
- शासन संरचना:
    - ✓ एक **महासभा** जिसमें सभी सदस्य देश शामिल होते हैं।
    - ✓ **5 वर्ष की अवधि के लिए** महासभा द्वारा निर्वाचित **कम से कम सात लेकिन अधिकतम 15 सदस्य देशों की** एक परिषद और एक सचिवालय।
    - ✓ परिषद की सिफारिश पर, महासभा एक विशिष्ट कार्यकाल के लिए **आईबीसीए महासचिव की नियुक्ति करेगी।**

इन सात बड़ी बिल्लियों की मौजूदा स्थिति पर एक नजर:

सिंह (स्थिति: असुरक्षित)

- **जनसंख्या** : IUCN का अनुमान है कि 23,000-39,000 शेर जंगल में रहते हैं।
    - ✓ **2020 के अनुमान के अनुसार, भारत** में शेरों की कुल आबादी लगभग 700 है।
- **रेंज** : बड़ी बिल्ली **अब केवल उप-सहारा अफ्रीका के कुछ हिस्सों में पाई जाती है** , साथ ही **पश्चिम अफ्रीका में गंभीर रूप से लुप्तप्राय उप-जनसंख्या** और **गिर राष्ट्रीय उद्यान में लुप्तप्राय एशियाई शेरों की एक छोटी आबादी के साथ पाई जाती है।**
- **खतरे : भूमि उपयोग और जलवायु परिवर्तन, अवैध शिकार के** कारण शेरों की संख्या में गिरावट

बाघ (लुप्तप्राय)

- **जनसंख्या** : इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) के 2022 के आकलन के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 3,700-5,000 बाघ जंगल में रह रहे थे।
- **रेंज** : बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, रूस, थाईलैंड और वियतनाम।
- **खतरे** : **मनुष्यों द्वारा कृषि और विकास के लिए भूमि का उपयोग** उनके निवास स्थान के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। बाघों को **विस्तृत गृह क्षेत्र की आवश्यकता होती है क्योंकि वे प्रादेशिक होते हैं** । अन्य खतरों में अवैध शिकार और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं

हिम तेंदुआ (संवेदनशील)

- **जनसंख्या** : विशेषज्ञों के अनुसार, जंगल में अनुमानित संख्या में 4,000-6,500 हिम तेंदुए मौजूद हैं, उनकी आबादी में गिरावट आ रही है। भारत में, शोधकर्ताओं का अनुमान है कि कुल संख्या 400 से 700 के बीच है।
- **रेंज** : **एशिया भर के 12 देशों के पर्वतीय क्षेत्रों** में - अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।
- **खतरे** : प्राकृतिक आवास का नुकसान, अवैध शिकार, प्राकृतिक शिकार प्रजातियों में गिरावट और प्रतिशोध में हत्याएं।

जगुआर (खतरे के करीब)

- **जनसंख्या** : डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के अनुमान के अनुसार, वैश्विक जगुआर की आबादी लगभग 1,73,000 है।
- विस्तार: उनकी आबादी **18 देशों में फैली हुई है, जिनमें से अधिकांश अमेज़ॅन वर्षावन और दक्षिण अमेरिका में पेंटानल में हैं** । दुनिया में आधे जंगली जगुआर **ब्राजील में पाए जाते हैं ।**
- **खतरे** : खंडित आवास, वनों की कटाई और कृषि गतिविधियों के परिणामस्वरूप उनकी सीमा में गिरावट आई है।

चीता (संवेदनशील)

- **जनसंख्या** : चीता की संख्या 1975 में अनुमानित 15,000 से घटकर 7,000 से भी कम हो गई है। इस प्रजाति को **1952 में भारत में विलुप्त घोषित कर दिया गया था** ।
- **रेंज** : बड़ी बिल्ली **अफ्रीका के सवाना में पाई जाती है** । प्रारंभ में, वे अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, रूस, ईरान और मध्य पूर्व में पाए जाते थे। वर्तमान में, **अधिकांश पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में रहते हैं।**
- **खतरे** : निवास स्थान का नुकसान, मानव-वन्यजीव संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, शिकार का नुकसान और अवैध तस्करी।

प्यूमा (खतरे के करीब)

- **जनसंख्या** : प्यूमा की कुल प्रजनन जनसंख्या लगभग 50,000 होने का अनुमान है।
- **रेंज : पहाड़ी शेर** के रूप में भी जाना जाता है , प्यूमा कनाडा से लेकर अमेरिका और मध्य और दक्षिण अमेरिका तक के आवासों में पाया जाता है।
- **खतरे** : इस प्रजाति को मानव-वन्यजीव संघर्ष के अलावा निवास स्थान और शिकार के नुकसान के खतरों का सामना करना पड़ता है।

तेंदुआ (खतरे के करीब)

- **जनसंख्या** : वैश्विक स्तर पर लगभग 2,50,000 तेंदुए मौजूद हैं, जबकि भारत में उनकी आबादी लगभग 13,000 होने का अनुमान है।
- **रेंज** : अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के कुछ हिस्से, जिनमें भारत और चीन भी शामिल हैं।
- **खतरे** : अन्य बड़ी बिल्ली प्रजातियों की तरह, तेंदुओं को भी विश्व स्तर पर निवास स्थान के नुकसान, शरीर के अंगों के लिए अवैध शिकार और मानव हस्तक्षेप के कारण नुकसान का खतरा है।

8.15 नाचते मेंढक

- मेंढक **जो पश्चिमी घाट के स्थानिक हैं, सबसे अधिक खतरे में पड़ने वाले उभयचर प्रजाति के** हैं **भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट** के अनुसार , जिसने **हाल ही में जारी वैश्विक उभयचर आकलन के दूसरे संस्करण का** विश्लेषण किया ।
- यह **दुनिया की पांचवीं सबसे अधिक खतरे वाली प्रजाति है और इसकी 92 प्रतिशत प्रजातियां संकटग्रस्त श्रेणी में हैं।**
- **माइक्रिक्सलस जीनस से संबंधित मेंढकों की 24 प्रजातियों** में से दो **को गंभीर रूप से लुप्तप्राय पाया गया** और **15 को लुप्तप्राय पाया गया।**
- **विशिष्ट व्यवहार - जलधाराओं के पास पाए जाने वाले** नाचने वाले मेंढक संभोग का अनोखा प्रदर्शन करते हैं । नर **अपने पिछले पैरों को एक-एक करके फैलाते हैं** और **अपने जालदार पंजों को नृत्य की तरह तीव्र गति से हवा में लहराते हैं** । इस **कार्य को "फ़ुट फ़्लैगिंग" कहा जाता है** और इससे प्रजाति को उनका नाम मिलता है।

- प्रजातियाँ **कम से कम 70-80 प्रतिशत घने छत्र आवरण वाले क्षेत्रों में आवास पसंद करती हैं।**
- **खतरे-** आक्रामक प्रजातियाँ, भूमि उपयोग परिवर्तन, चरम मौसम, आदि

8.16 चिल्का झील

- प्रवासी पक्षियों ने **इस वर्ष सर्दियों से** पहले **चिल्का की अपनी वार्षिक यात्रा शुरू कर दी है** ।
- चिल्का झील कैस्पियन **सागर, बैकाल झील, अरल सागर, रूस के दूरदराज के हिस्सों, मंगोलिया के किर्गिज़ मैदान, मध्य और दक्षिण पूर्व एशिया, लद्दाख और हिमालय से हजारों मील दूर से आने वाले पक्षियों की मेजबानी करती है ।**

चिल्का झील के बारे में

- यह **एक खारे पानी की झील और मुहाना चरित्र वाला एक उथला लैगून है जो** ओडिशा के **पुरी, खुर्दा और गंजम के तीन जिलों** में फैला हुआ है ।
- यह **दया नदी के मुहाने पर स्थित है** , जो बंगाल की खाड़ी में बहती है और 1,100 किमी ^{2} **से अधिक के विशाल क्षेत्र को कवर करती है ।**
- चिल्का **एशिया का सबसे बड़ा और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लैगून** है ।
- यह **भारतीय उपमहाद्वीप में कहीं भी पाए जाने वाले प्रवासी जलपक्षियों के लिए सबसे बड़ा शीतकालीन प्रवास स्थल है।**
    - ✓ यह **भारत का सबसे बड़ा जलपक्षी निवास स्थान है** ।
- इसे **1981 में रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की पहली भारतीय आर्द्रभूमि नामित किया गया था।**
- झील के भीतर नालाबन द्वीप को WPA 1972 के तहत पक्षी अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया **गया है ।**

8.17 एक सीजीआईएआर

- **अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (ICRISAT)** वन सीजीआईएआर एकीकृत साझेदारी में शामिल हो गया है।
- वन **CGIAR साझेदारी में CGIAR सिस्टम संगठन** और **12 वन CGIAR अनुसंधान केंद्र शामिल हैं** । यह साझेदारी **जलवायु संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भोजन, भूमि और जल प्रणालियों को बदलने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण बनाने में मदद करेगी।**

ICRISAT के बारे में

- यह **हैदराबाद स्थित है उष्णकटिबंधीय शुष्क भूमि कृषि खाद्य प्रणाली नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने** वाला **अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थान ।**

CGIAR के बारे में

- सीजीआईएआर **(अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्रों का संघ) कृषि खाद्य प्रणाली अनुसंधान केंद्रों** का **एक सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित नेटवर्क** है , जो **जलवायु संकट में भोजन, भूमि और जल प्रणालियों को बदलने के लिए काम करता है।**
- स्थापना - **1971**

- इसके **8,000 से अधिक कर्मचारी हैं** , जो **80 से अधिक देशों में काम करते हैं।**
- सीजीआईएआर सदस्य- सीजीआईएआर **में 15 अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान शामिल हैं।**
  - ✓ सूची **में** अफ्रीका चावल केंद्र, आइवरी कोस्ट; सेंट्रो इंटरनैशनल डी एग्रीकल्चर ट्रॉपिकल, कोलंबिया; अंतर्राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान केंद्र, इंडोनेशिया; सेंट्रो इंटरनैशनल डी मेजोरामिएंटो डी माईज़ वाई ट्रिगो (सीआईएमएमवाईटी), मेक्सिको; अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र, पेरू; शुष्क क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सीरिया **; और आईसीआरआईएसएटी, भारत** ।

8.18 पालतू कोक

- सुप्रीम कोर्ट ने **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से विभिन्न उद्योगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले अत्यधिक प्रदूषणकारी पेट्रोलियम कोक के वितरण से संबंधित मुद्दों पर विचार करने** को कहा।
- इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि **"समग्र दृष्टिकोण"** उद्योगों की जरूरतों और **स्वच्छ पर्यावरण की अनिवार्यताओं के बीच संतुलन बनाना** होगा ।

पेट कोक के बारे में

- पेट्रोलियम कोक या पेट कोक **एक कार्बन युक्त ठोस पदार्थ है जो तेल शोधन से प्राप्त होता है।**
- यह **तेल आसवन से प्राप्त एक स्पंजी, ठोस अवशेष है** जिसे **कोयले के समान ईंधन के लिए जलाया जा सकता है ।**
- यह कोयले **के समान है लेकिन विभिन्न गुणों वाला है।**
- **कैलोरी मान उच्च** है और **इसका परिवहन एवं भंडारण आसान है।**
- **पेट्रोलियम कोक के दो विशिष्ट ग्रेड** हैं । **कैल्सिनेबल या ग्रीन पेटकोक और ईंधन ग्रेड पेटकोक ।**
- यह **कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड, पारा, आर्सेनिक, क्रोमियम, निकल और हाइड्रोजन क्लोराइड जैसी जहरीली गैसें छोड़ता है।**
- अनुप्रयोग- इसका उपयोग **बिजली संयंत्रों को ईंधन देने** के अलावा **एल्यूमीनियम और लोहा और इस्पात उद्योगों द्वारा किया जाता है ।**

8.19 नीलगिरि तहर

- **तमिलनाडु सरकार ने** हाल ही में **चेन्नई में 'प्रोजेक्ट नीलगिरि तहर' लॉन्च किया** ।
- **₹25 करोड़ के परिव्यय** वाली इस परियोजना का उद्देश्य **नीलगिरि तहर की आबादी** , **वितरण और पारिस्थितिकी की बेहतर समझ विकसित करना** , **नीलगिरि तहर को उनके ऐतिहासिक आवासों में फिर से शामिल करना** , **नीलगिरि तहर के लिए आसन्न खतरे को संबोधित करना** , जनता **के बीच इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। नीलगिरि तहर प्रजाति** सहित अन्य **चयनित स्थलों पर पर्यावरण-पर्यटन गतिविधियों का विकास करना ।**

नीलगिरि तहर के बारे में

- **वराई आदु के** नाम से मशहूर , नीलगिरि तहर पश्चिमी घाट की **एक लुप्तप्राय प्रजाति है , जो खड़ी चट्टानों पर चढ़ने में अपने गुरुत्वाकर्षण-विरोधी कौशल के लिए जानी जाती है , जिससे उन्हें माउंटेन मोनार्क** उपनाम मिलता है ।

- इसे **IUCN की खतरे वाली प्रजातियों की लाल सूची में गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया गया है** और यह **भारत के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के तहत संरक्षित है।**
- यह **तमिलनाडु का राज्य पशु है।**
- यह **भारत में मौजूद 12 प्रजातियों में से दक्षिणी भारत का एकमात्र पर्वतीय अनगुलेट** (खुर वाला जानवर) है।
- **वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर रिपोर्ट 2015** के अनुसार , यह अनुमान लगाया गया है कि **जंगली में 3,122 नीलगिरि तहर हैं** और **आबादी को आवास कनेक्टिविटी के आधार पर पांच रूपक आबादी ब्लॉकों में विभाजित किया गया है।**
- **संगम तमिल साहित्य में नीलगिरि तहर के कई संदर्भ** हैं ।
    - ✓ दो महाकाव्यों - **सिलप्पथिकारम** और **शिवकासिंदामणि** - में **नीलगिरि तहर और उसके निवास स्थान का वर्णन मिलता है।**

8.20 डंपा टीआर में मेंढक की नई प्रजाति

- भारत और यूनाइटेड किंगडम के वैज्ञानिकों के एक समूह ने टोड **बुफ़ोइड्स की एक नई प्रजाति की खोज की है भूपति ।**
- यह **मिजोरम के डम्पा टाइगर रिजर्व में पाया गया है।**
- यह **पूर्वोत्तर भारत में केवल एक बहुत ही संकीर्ण क्षेत्र** में **पाई जाने वाली तीसरी प्रजाति है।**
- **जीनस ' बुफ़ोइड्स '** से **पहले ज्ञात दो** प्रजातियाँ - **बुफ़ोइड्स मेघालयनस** और **बुफ़ोइड्स केम्पी - मेघालय में पाए जाते थे** ।
- मिजोरम की नई प्रजाति **इंटरडिजिटल वेबिंग, रंगाई , त्वचा ट्यूबरकुलेशन** और **ओवॉइड, ट्यूबरकुलेटेड और दबी हुई पैरोटिड ग्रंथियों की उपस्थिति में** सह **-जेनेरिक (समान) प्रजातियों से भिन्न है।**
- नई **प्रजाति का नाम एस भूपति** के नाम पर रखा गया है , जो एक **प्रसिद्ध सरीसृपविज्ञानी हैं, जिन्होंने कोयंबटूर स्थित सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नेचुरल हिस्ट्री** में प्रमुख वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया था ।

डम्पा टाइगर रिजर्व के बारे में

- यह मिजोरम के पश्चिमी किनारे (लुशाई हिल्स) में स्थित है ।
- इसे **1994 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।**
- पश्चिम में, यह **बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाकों (साज़ेक पहाड़ी श्रृंखला) से घिरा है।**
- क्षेत्रफल- **लगभग 500 वर्ग किमी.**
- यह निवास स्थान **पश्चिम में ख्वाथलांगतुईपुई नदी** और **पूर्व में तेइरेई नदी द्वारा सिंचित होता है** ।
- **वनस्पति** : उष्णकटिबंधीय सदाबहार से लेकर अर्ध-सदाबहार वन तक।
- **जीव-जंतु** : हूलॉक गिब्बन, रीसस मकाक, बाघ, तेंदुआ, क्लाउडेड तेंदुआ, गोल्डन कैट, हिमालयी काला भालू आदि।

8.21 जीसीपी और इकोमार्क योजना

- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने** दो अग्रणी पहल शुरू की हैं जो जलवायु परिवर्तन, **स्थिरता और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए देश के सक्रिय दृष्टिकोण का संकेत देती हैं** ।
- ये हैं **ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी)** और **इकोमार्क स्कीम**

ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) के बारे में

- यह एक अभिनव बाजार-आधारित तंत्र है जिसे व्यक्तियों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा **विभिन्न क्षेत्रों में स्वैच्छिक पर्यावरणीय कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- जीसीपी का **शासन ढांचा एक अंतर-मंत्रालयी संचालन समिति द्वारा समर्थित है** और **भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) जीसीपी प्रशासक के रूप में कार्य करता है** , जो कार्यक्रम कार्यान्वयन, प्रबंधन, निगरानी और संचालन के लिए जिम्मेदार है।
- अपने प्रारंभिक चरण में, **जीसीपी दो प्रमुख गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है** : **जल संरक्षण और वनीकरण** ।
- एक उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म परियोजनाओं के **पंजीकरण ,** उसके **सत्यापन** और **ग्रीन क्रेडिट जारी करने की** प्रक्रियाओं **को सुव्यवस्थित करेगा** ।
- जा रहा ग्रीन **क्रेडिट रजिस्ट्री** और **ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म , पंजीकरण और उसके बाद ग्रीन क्रेडिट की खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करेगा।**

ईकोमार्क योजना के बारे में

- हाल ही में अधिसूचित इकोमार्क योजना पिछली **अधिसूचना (1991) का** स्थान लेती है।
- यह **घरेलू और उपभोक्ता उत्पादों के लिए मान्यता और लेबलिंग प्रदान करता है जो भारतीय मानदंडों के अनुसार गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते** हुए विशिष्ट पर्यावरणीय मानदंडों को पूरा करते हैं ।
- इकोमार्क योजना के तहत मान्यता प्राप्त उत्पाद **न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव सुनिश्चित करते हुए विशिष्ट पर्यावरणीय मानदंडों का पालन** करेंगे ।
- यह **पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में उपभोक्ताओं में जागरूकता पैदा करेगा** और **पर्यावरण के प्रति जागरूक विकल्पों को प्रोत्साहित करेगा** ।
- यह **निर्माताओं को पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन की ओर बढ़ने के लिए भी प्रेरित करेगा** ।
- केंद्रीय **प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के** साथ साझेदारी में **इकोमार्क योजना** का संचालन करता है , जो **मानकों और प्रमाणन के लिए राष्ट्रीय निकाय है।**

8.22 सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व

- ओडिशा सरकार ने **सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व और बारीपदा , रायरंगपुर और करंजिया वन प्रभागों के 16 रेंजों वाले एक विशाल क्षेत्र में बाघों का अपना आकलन शुरू** कर दिया है, जबकि विशेषज्ञ राज्य की जंगली बिल्लियों की आबादी में गिरावट दिखाने वाली केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की रिपोर्ट पर बहस जारी रखे हुए हैं।
- राज्य सरकार को उम्मीद है कि **आकलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिमिलिपाल में बाघों की संख्या 16 से बढ़कर 35 हो जाएगी।**
- **भारत सरकार द्वारा जुलाई में जारी अखिल भारतीय बाघ अनुमान (एआईटीई) रिपोर्ट** के अनुसार , **ओडिशा के जंगलों में बाघों की कुल संख्या 20 है** , जो 2018 में 28 से कम है।
- 20 में से 16 बाघ **सिमिलिपाल में हैं** और **बाकी चार सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व से सटे इलाके में रहते हैं** ।

सिंपल टाइगर रिजर्व के बारे में

- **सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व आदिवासी बहुल मयूरभंज जिले** में आता है ।

- **2,750 वर्ग किलोमीटर में** फैला हुआ है ।
- इसे **औपचारिक रूप से 1956 में एक बाघ अभयारण्य नामित किया गया था** और **वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत लाया गया था।**

यह **दुनिया का एकमात्र परिदृश्य है जो मेलेनिस्टिक बाघों का घर है।**

- इसे **1994 में बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया था** ।
- यह **2009 से बायोस्फीयर रिजर्व के यूनेस्को विश्व नेटवर्क का हिस्सा रहा है।**
- **जनजातियाँ - एरेन्गा खरियास , मनकिर्डियास , सहारा, संथाल, भूमिजा आदि।**
- **वनस्पति** - **अर्ध-सदाबहार वन, उष्णकटिबंधीय नम पर्णपाती वन, शुष्क पर्णपाती पहाड़ी वन, उच्च स्तरीय साल वन और विशाल घास के मैदान।**
- **जीव-जंतु - लंगूर , भौंकने वाला और चित्तीदार हिरण, सुस्त भालू, नेवला, तेंदुआ, गौर, हाथी, उड़ने वाली गिलहरी, साही, कछुआ, मॉनिटर छिपकली, अजगर, सांभर, पैंगोलिन आदि** ।

8.23 पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य

- **असम के पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी ने** वन्यजीव अभयारण्य के अंदर हाथी-सवारी बिंदु पर पर्यटकों के लिए **पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य को फिर से खोल दिया ।**

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- **असम में गुवाहाटी से सटे मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र नदी** के दक्षिणी तट पर स्थित है ।
- इसे **1971 में आरक्षित वन और 1987 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।**
- **भारतीय एक सींग वाले गैंडे की प्रजाति** (38.8 वर्ग किमी के क्षेत्र में लगभग 102 गैंडे) के उच्चतम जनसंख्या घनत्व का घर है ।
- **भूदृश्य:** इसमें जलोढ़ तराई और दलदली भूमि का प्रभुत्व है।
- ब्रह्मपुत्र **नदी उत्तर में पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य** के परिसर को एक प्राकृतिक सीमा प्रदान करती है , जबकि **गरंगा बील इसके दक्षिण में एक प्राकृतिक सीमा प्रदान करती है।**

8.24 बन्नेरघाटा राष्ट्रीय उद्यान

- सुप्रीम **कोर्ट द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने कर्नाटक के मुख्य सचिव के कार्यालय को बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) के अतिक्रमण के मुद्दे पर जवाब** प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ।

बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में

- यह **बेंगलुरु, कर्नाटक के पास अनेकल पर्वतमाला की पहाड़ियों** में स्थित है **।**
- क्षेत्रफल- **260 वर्ग कि.मी**
- यह पार्क **हाथी गलियारे का एक हिस्सा है** जो **सत्यमंगलम जंगल** और **बीआर हिल्स के बीच चलता है।**
- **सुवर्णमुखी** धारा, **सुवर्णमुखी पहाड़ी** से निकलकर , होकर गुजरती है **पार्क का केंद्र .**
- में **इसे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में नामित किया गया था।**

- 2002 में **पार्क का एक हिस्सा बन्नेरघट्टा जैविक पार्क बन गया।**
- यह **भारत का पहला जैविक पार्क है जिसमें बाड़ से घिरा हाथी अभयारण्य है।**
- 2006 में, **पार्क में भारत के पहले तितली बाड़े का उद्घाटन किया गया** था ।
- वनस्पति में **शुष्क पर्णपाती झाड़ियाँ वन** , **दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन** और **चंदन, इमली और बांस** सहित **प्रजातियों** के साथ **दक्षिणी उष्णकटिबंधीय नम मिश्रित वन शामिल हैं।**
- जीव- **हाथी, गौर, बाघ, तेंदुआ, सियार, लोमड़ी, जंगली सूअर, सुस्त भालू, सांभर, चीतल, चित्तीदार हिरण, भौंकने वाले हिरण, आम लंगूर, पैंगोलिन, बोनट मकाक, साही और खरगोश ।**

8.25 भारतीय साही

- एक **वयस्क नर बाघ , जिसकी उम्र लगभग नौ वर्ष** बताई गई है , कथित तौर पर **कजुधाकट्टी धारा तमिलनाडु में अमरावती रेंज में के पास मृत पाया गया था**
- **साही के साथ टकराव के कारण शव पर बाहरी चोटें लगी** थीं ।
- सूजे **हुए अगले अंग और छाती का एक हिस्सा कलम से छेदने के** कारण होने वाले संक्रमण का संकेत देता है।

भारतीय साही के बारे में

- भारतीय **साही (हिस्ट्रिक्स इंडिका) पूरे दक्षिण-पूर्व और मध्य एशिया और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में** पाया जाता है , जिसमें **भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, इज़राइल, ईरान और सउदी अरब जैसे देश शामिल हैं।**
- इंडियन क्रेस्टेड पोरपाइन **भारत का सबसे बड़ा कृंतक है।**
- एक **अकेला प्राणी** जिसे स्थानीय तौर पर **साही के नाम से जाना जाता है , पर्णपाती जंगलों, चट्टानी इलाकों और खुले ग्रामीण इलाकों** में रहता है ।
- यह **हिस्ट्रिसिडी** परिवार से संबंधित है अर्थात **पुरानी दुनिया का साही** ।
- यह **मोटी लंबी कलमों से ढका होता है** जिसकी **लंबाई 16 इंच तक हो सकती है** ।
- **18 से 20 वर्ष** का जीवनकाल
- यह **बड़ा शाकाहारी प्राणी** एक **रात्रिचर प्रजाति है** जिसे अक्सर **रात में भोजन करते हुए देखा जाता है , जो पौधों, फलों और जड़ों को खाते** समय घुरघुराने की आवाज निकालता है ।
- साही **एकपत्नीत्व का पालन करती हैं** और मादाएं प्रति वर्ष 2-4 पिल्लों के साथ **एक ही कूड़ा पैदा करती हैं ।**
- सुरक्षा की स्थिति
  - ✓ **IUCN लाल सूची - कम से कम चिंता का विषय**
  - ✓ **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 - अनुसूची IV**

8.26 यूएनसीसीडी

- संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीसीडी) **ने 126 देशों के राष्ट्रीय रिपोर्टिंग आंकड़ों को** संकलित करने वाले **अपने पहले डेटा डैशबोर्ड के लॉन्च की घोषणा की।**
- सम्मेलन **के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए यूएनसीसीडी समिति (सीआरआईसी 21) का 21वां सत्र** 13-17 **नवंबर 2023 तक समरकंद, उज्बेकिस्तान** में आयोजित किया जाएगा ।

प्रमुख निष्कर्ष

- इससे पता चलता है कि **सभी क्षेत्रों में भूमि क्षय आश्चर्यजनक दर से बढ़ रहा है।**
- **2015 और 2019** के बीच , **दुनिया ने हर साल कम से कम 100 मिलियन हेक्टेयर स्वस्थ और उत्पादक भूमि खो दी** , जो **ग्रीनलैंड के आकार से दोगुनी हो गई।**
- **पूर्वी और मध्य एशिया, और लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र सबसे गंभीर गिरावट का अनुभव करते हैं, जिससे उनके कुल भूमि क्षेत्र का कम से कम 20 प्रतिशत प्रभावित होता है।**
- इस बीच, **उप-सहारा अफ्रीका, पश्चिमी और दक्षिणी एशिया** और **लैटिन अमेरिका और कैरेबियन** में **वैश्विक औसत की तुलना में तेजी से भूमि क्षय का** अनुभव हुआ ।

भारत विशिष्ट निष्कर्ष

- 2015-2019 तक, **भारत की कुल रिपोर्ट की गई भूमि में** से **30.51 मिलियन हेक्टेयर भूमि निम्नीकृत हो गई।**
- यूएनसीसीडी के अनुसार, भारत की **कुल बंजर भूमि 43 मिलियन फुटबॉल पिचों के आकार के बराबर है ।**
- **251.71 मिलियन भारतीय,** जो **देश की आबादी का 18.39 प्रतिशत हैं, भूमि क्षरण का शिकार हुए।**

यूएनसीसीडी के बारे में

- **1994** में **स्थापित** , यह **पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से** जोड़ने **वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।**
- **सदस्य** - कन्वेंशन के **197 पक्ष** , जिनमें 196 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं।
  - ✓ **भारत** एक **हस्ताक्षरकर्ता है.**
- यूएनसीसीडी **स्थायी सचिवालय** इसमें स्थित है **बॉन, जर्मनी**
- यह **विशेष रूप से शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों को संबोधित करता है** , जिन्हें **शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है** , जहां कुछ **सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र और लोग पाए जा सकते हैं।**
- यूएनसीसीडी **तीन रियो सम्मेलनों में से एक है** , अन्य दो हैं:
  - ✓ **जैविक विविधता पर कन्वेंशन (यूएनसीबीडी)**
  - ✓ **जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी)**

8.27 अनामलाई टाइगर रिजर्व

- **अनामलाई टाइगर रिजर्व (एटीआर) के क्षेत्र निदेशक की** अध्यक्षता में एक समिति ने **एक उप-वयस्क बाघ के पुनर्जीवन की प्रगति का** आकलन करने के लिए **मनामोबोली वन रेंज के मंथिरीमट्टम आरक्षित वन क्षेत्र** में **बाड़े का** दौरा किया ।

अनामलाई टाइगर रिजर्व के बारे में

- यह **अनामलाई के तमिलनाडु भाग से बना है** ।
- टाइगर **रिजर्व चार राजस्व तालुकों में आता है** अर्थात; **पोल्लाची, और कोयंबटूर जिले के वालपराई** और **तिरुपुर जिले के उडुमलपेट और** तमिलनाडु राज्य में **डिंडीगुल जिले में कोडाइकनाल तालुक** ।
- टाइगर रिजर्व का कुल **क्षेत्रफल 958.59 वर्ग किमी है।**
- यह **दक्षिणी पश्चिमी घाट** में **पलक्कड़ अंतराल के दक्षिण में स्थित है** ।
- यह पूर्व में **परम्बिकुलम टाइगर रिजर्व ,** दक्षिण पश्चिमी तरफ **चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य** और **एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान से घिरा हुआ है** ।
- अनामलाई टाइगर रिजर्व **दक्षिण पश्चिम भारत की पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला के अंतर्गत आता है** , यह क्षेत्र **25 वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट में से एक के रूप में नामित** है ।
- देश के जैव **-भौगोलिक वर्गीकरण में पश्चिमी घाट शामिल हैं** जिन्हें **आठ "सबसे गर्म स्थानों" में से एक माना जाता है।**
- टाइगर रिज़र्व **विविध प्रकार के आवासों का समर्थन करता है** जैसे। **आर्द्र सदाबहार वन, अर्ध सदाबहार वन, नम पर्णपाती, शुष्क पर्णपाती, शुष्क कांटेदार** और **शोला वन।**
  - ✓ **यूकेलिप्टस, वेटल, पाइंस** जैसे विदेशी **सागौन के मानव निर्मित बागान भी पाए जाते हैं।**
- **जीव-जंतु** - यह **सरीसृपों की 120 प्रजातियों** , **पक्षियों की 300 प्रजातियों** और **स्तनधारियों की 80 प्रजातियों का समर्थन करता है।**
  - ✓ **एशियाई हाथी, सांभर, चित्तीदार हिरण, बार्किंग हिरण, माउस हिरण, गौर, नीलगिरि तहर , बाघ** , आदि।
- यह **6 स्वदेशी लोगों का समर्थन करता है । मालासर , मलाई मालासर , कदर , एरावल्लार , पुलायार** और **मुदुवार्स ।**

8.28 नदी डॉल्फ़िन के लिए वैश्विक घोषणा

- दशकों तक वैश्विक नदी डॉल्फ़िन की संख्या में अपरिवर्तनीय गिरावट के बाद, **11 एशियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों ने दुनिया की नदी डॉल्फ़िन की छह जीवित प्रजातियों को विलुप्त होने से** बचाने के लिए आज बोगोटा में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **कोलंबिया से भारत तक एशियाई और दक्षिण अमेरिकी रेंज के राज्यों** द्वारा अपनाई गई , **नदी डॉल्फ़िन के लिए वैश्विक घोषणा का** उद्देश्य **सभी नदी डॉल्फ़िन प्रजातियों की गिरावट को रोकना और सबसे कमजोर आबादी में वृद्धि करना है।**
- यह **गिलनेट उन्मूलन, प्रदूषण कम करने, अनुसंधान का विस्तार करने और संरक्षित क्षेत्रों को बढ़ाने के** उपायों को विकसित और वित्त पोषित करके, **शेष नदी डॉल्फ़िन प्रजातियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ाएगा ।**
- **नदी डॉल्फ़िन दुनिया की कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण नदियों** में रहती हैं , जिनमें **दक्षिण अमेरिका में अमेज़ॅन और ओरिनोको** और एशिया में **अय्यरवाडी, गंगा, सिंधु, मेकांग, महाकम और यांग्त्ज़ी शामिल हैं** ।
  - ✓ ये **नदियाँ स्वदेशी लोगों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों से लेकर मेगासिटी के निवासियों तक, करोड़ों लोगों का भरण-पोषण करती हैं** ।

✓ ये नदियाँ **विशाल मात्रा में कृषि भूमि, ईंधन उद्योग और व्यवसाय को सींचती हैं और वन्य जीवन की प्रचुरता को बनाए रखती हैं।**

नदी डॉल्फ़िन

नाम	प्राकृतिक वास	आईयूसीएन स्थिति
यांग्त्ज़ी फ़िनलेस पोर्पोइज़	**दुनिया में एकमात्र मीठे पानी का पोरपोइज़** और **केवल यांग्त्ज़ी नदी में पाया जाता है**	**गंभीर खतरे**
गंगा (सुसु)	**भारत और बांग्लादेश** में **गंगा और ब्रह्मपुत्र** नदी प्रणाली	**संकटग्रस्त**
अमेज़ॅन (गुलाबी नदी डॉल्फ़िन या बोटो)	**अमेज़ॅन और ओरिनोको नदी बेसिन** में मीठे पानी की प्रजातियाँ पाई जाती हैं ।	**संकटग्रस्त**
सिन्धु (भूलन)	**पाकिस्तान और ब्यास नदी** , पंजाब में **सिंधु नदी की एक सहायक नदी ।**	**संकटग्रस्त**
इरावदी	दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में तटीय क्षेत्र, और तीन नदी अर्थात **अय्यारवाडी** (म्यांमार), **महाकम** (इंडोनेशियाई बोर्नियो), **मेकांग और चिल्का झील** (भारत)।	**संकटग्रस्त**
तुकुक्सी	**मीठे पानी की डॉल्फ़िन प्रजातियाँ जो ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर और पेरू** में अमेज़ॅन नदी प्रणाली में रहती हैं ।	**संकटग्रस्त**

9. नीति और कार्यक्रम

9.1 इंटेलिजेंट शिकायत निगरानी प्रणाली (IGMS) 2.0

❖ **प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) (कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय) ने आईजीएमएस 2.0 लॉन्च किया। ट्री डैशबोर्ड पोर्टल में लोक शिकायत पोर्टल और स्वचालित विश्लेषण।**

IGMS के बारे में

❖ आईजीएमएस **एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित शिकायत निगरानी प्रणाली है।**

❖ इसका **उद्देश्य लोक शिकायत निवारण प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाना है।**

❖ **कार्यान्वयन एजेंसी- डीएआरपीजी आईआईटी कानपुर के सहयोग से**

❖ आईजीएमएस (IGMS) 2.0 डैशबोर्ड को **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं के साथ डीएआरपीजी सूचना प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) (CPGRAMS) को अपग्रेड करने** के लिए 2021 में **डीएआरपीजी के** साथ एक समझौता ज्ञापन के बाद **आईआईटी कानपुर द्वारा लागू किया गया है।**

❖ वस्तुनिष्ठ

✓ **दायर और निपटाई गई शिकायतों का तत्काल सारणीबद्ध विश्लेषण प्रदान करना।**

✓ **राज्य-वार और जिला-वार शिकायत दर्ज किए गए आंकड़े प्रस्तुत करें।**

✓ मंत्रालय-वार आंकड़े **पेश करें।**

✓ **एआई क्षमताओं के साथ शिकायत निवारण प्रक्रिया को बढ़ाएं।**

केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के बारे में

❖ सीपीजीआरएएमएस एक **ऑनलाइन मंच है जो नागरिकों को सेवा वितरण से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने** के लिए 24/7 उपलब्ध है।

✓ यह भारत सरकार और राज् यों के सभी मंत्रालयों/विभागों से **जुड़ा एक एकल पोर्टल है।**

❖ लोक शिकायत निदेशालय (डीपीजी) और **प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी)** के **सहयोग से** राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र **द्वारा विकसित किया गया है।**

❖ नागरिक **एक अद्वितीय पंजीकरण आईडी का उपयोग करके शिकायत की स्थिति को ट्रैक** कर सकते हैं और **शिकायत अधिकारी द्वारा समाधान से संतुष्ट नहीं होने पर अपील सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।**

❖ सीपीजीआरएएमएस अब **22 अनुसूचित भाषाओं और अंग्रेजी में उपलब्ध है।**

9.2 प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

❖ सरकार ने **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों** के लिए **सब्सिडी राशि ₹200** से बढ़ाकर **₹300 प्रति एलपीजी सिलेंडर कर दी थी।**

✓ उज्ज्वला लाभार्थियों को **वर्तमान में प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए ₹703 का भुगतान करना पड़ता है, जबकि बाजार मूल्य ₹903 है। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के बाद अब उन्हें ₹603 का भुगतान करना होगा।**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर में **वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक** तीन **वर्षों में 75 लाख एलपीजी कनेक्शन जारी करने के लिए पीएमयूवाई के विस्तार को मंजूरी दी थी।**
    - ✓ **75 लाख** अतिरिक्त **उज्ज्वला कनेक्शन से पीएमयूवाई लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी** ।

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के बारे में

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) को **मई 2016 में एक प्रमुख योजना** के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसका **उद्देश्य ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन उपलब्ध कराना था,** जो **अन्यथा लकड़ी, कोयला, गाय जैसे पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन का उपयोग कर रहे थे। गोबर के उपले आदि**
- नोडल मंत्रालय- **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**
- यह योजना **बीपीएल परिवारों को प्रत्येक एलपीजी कनेक्शन के लिए 1600 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है ।**
- **जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन** के साथ , **उज्ज्वला 2.0 लाभार्थियों को पहली रिफिल और एक हॉटप्लेट मुफ्त प्रदान करेगी।**
- **उद्देश्य-**
    - ✓ **महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।**
    - ✓ भारत में अशुद्ध खाना पकाने के ईंधन के कारण होने वाली **मौतों की संख्या को कम करना ।**
    - ✓ जीवाश्म ईंधन जलाने से घर के अंदर होने वाले वायु प्रदूषण के कारण होने वाली **गंभीर श्वसन बीमारियों से छोटे बच्चों को बचाना ।**

9.3 प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

- सरकार ने **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों** के लिए **सब्सिडी राशि ₹200** से बढ़ाकर **₹300 प्रति एलपीजी सिलेंडर कर दी थी।**
    - ✓ उज्ज्वला लाभार्थियों को **वर्तमान में प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए ₹703 का भुगतान करना पड़ता है, जबकि बाजार मूल्य ₹903 है। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के बाद अब उन्हें ₹603 का भुगतान करना होगा।**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर में **वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक** तीन **वर्षों में 75 लाख एलपीजी कनेक्शन जारी करने के लिए पीएमयूवाई के विस्तार को मंजूरी दी थी।**
    - ✓ **75 लाख** अतिरिक्त **उज्ज्वला कनेक्शन से पीएमयूवाई लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी** ।

प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के बारे में

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) को **मई 2016 में एक प्रमुख योजना** के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसका **उद्देश्य ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी जैसे स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन उपलब्ध कराना था,** जो

अन्यथा लकड़ी, कोयला, गाय जैसे पारंपरिक खाना पकाने के ईंधन का उपयोग कर रहे थे। गोबर के उपले आदि

- नोडल मंत्रालय- **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**
- यह योजना **बीपीएल परिवारों को प्रत्येक एलपीजी कनेक्शन के लिए 1600 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है ।**
- **जमा-मुक्त एलपीजी कनेक्शन** के साथ , **उज्ज्वला 2.0 लाभार्थियों को पहली रिफिल और एक हॉटप्लेट मुफ्त प्रदान करेगी।**
- **उद्देश्य-**
  - ✓ **महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना।**
  - ✓ भारत में अशुद्ध खाना पकाने के ईंधन के कारण होने वाली **मौतों की संख्या को कम करना ।**
  - ✓ जीवाश्म ईंधन जलाने से घर के अंदर होने वाले वायु प्रदूषण के कारण होने वाली **गंभीर श्वसन बीमारियों से छोटे बच्चों को बचाना ।**

9.4 पीआईडीएफ योजना और पीएम विश्वकर्मा योजना

- **पीएम विश्वकर्मा को पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) योजना के तहत शामिल करने का** निर्णय लिया गया है ।
- साथ ही **पीआईडीएफ योजना का कार्यकाल** दो **साल और** बढ़ाकर 2025 तक कर दिया गया है।

पीआईडीएफ योजना के बारे में

- **जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की जनवरी 2021** में संचालित , पीआईडीएफ योजना का **उद्देश्य टियर-3 से टियर-6 केंद्रों, उत्तर-पूर्वी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक बिक्री बिंदु (पीओएस), त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड** जैसे **भुगतान स्वीकृति बुनियादी ढांचे की तैनाती को प्रोत्साहित करना है।**
- **मूल योजना** के अनुसार , **PIDF योजना का कार्यकाल दिसंबर 2023 तक तीन वर्षों के लिए निर्धारित किया गया था।**
- **इस योजना के तहत 2.66 करोड़** से अधिक नए टच पॉइंट तैनात किए गए हैं।
- **सभी केंद्रों में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को पीआईडीएफ योजना के तहत शामिल करने का प्रस्ताव है।**
- यह निर्णय **जमीनी स्तर पर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने की दिशा में रिजर्व बैंक के प्रयासों को बढ़ावा देगा।**

पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में

- **पीएम विश्वकर्मा योजना में कारीगरों को दिए गए ऋण पर 8% तक सब्सिडी देने** का प्रस्ताव है ।
- यह योजना कारीगरों को **5% की बहुत सस्ती ब्याज दर** पर **3 लाख रुपये तक का संपार्श्विक-मुक्त ऋण प्रदान करती है।**
- इस योजना में **बढ़ई, सुनार, लोहार, राजमिस्त्री, पत्थर की मूर्ति, नाई और नाविक सहित 18 क्षेत्रों से संबंधित कारीगरों को शामिल किया गया है ।**

- प्रारंभ में, **₹1 लाख का ऋण दिया जाएगा** और **लाभार्थी 18 महीने के पुनर्भुगतान कार्यक्रम के बाद अतिरिक्त ₹2 लाख के लिए पात्र होगा।**
- **योजना के घटकों में** न **केवल वित्तीय सहायता बल्कि उन्नत कौशल प्रशिक्षण, आधुनिक डिजिटल तकनीकों और कुशल हरित प्रौद्योगिकियों का ज्ञान, ब्रांड प्रचार, स्थानीय और वैश्विक बाजारों के साथ जुड़ाव, डिजिटल भुगतान और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच भी शामिल होगी** ।

9.5 'लक्षित क्षेत्रों में उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना' (श्रेष्ठ)

- (एससी) **की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के** उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम में , **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 'लक्षित क्षेत्रों में उच्च विद्यालयों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा योजना' (श्रेष्ठ) की** शुरुआत की है ।
- प्राथमिक लक्ष्य सरकारी विकास **कार्यक्रमों के प्रभाव को बढ़ाना और शिक्षा क्षेत्र के भीतर मुख्य रूप से एससी समुदायों के निवास वाले क्षेत्रों में सेवा अंतराल को पाटना है** ।
- योजना की मुख्य रणनीति में गैर-सरकारी **संगठनों (एनजीओ) द्वारा प्रबंधित अनुदान-सहायता संस्थानों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाले आवासीय उच्च विद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है।**
- प्रत्येक वर्ष, **कार्यक्रम लगभग 3,000 योग्य अनुसूचित जाति के बच्चों का चयन करेगा और उन्हें देश के शीर्ष निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश देगा।**
- योजना **का कार्यान्वयन दो अलग-अलग तरीकों से संरचित** है ।
  - ✓ सबसे पहले, श्रेष्ठ विद्यालय हैं **, जिनमें सर्वोत्तम सीबीएसई/राज्य बोर्ड-संबद्ध निजी आवासीय विद्यालय शामिल हैं** । इस मोड के तहत, **राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित श्रेष्ठता (एनईटीएस) के लिए राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में उत्कृष्ट एससी छात्रों की एक निर्दिष्ट संख्या का सालाना चयन किया जाएगा।**
  - ✓ दूसरा **तरीका एनजीओ/वीओ द्वारा संचालित स्कूलों/ छात्रावासों** से संबंधित है । यह मोड **विशेष रूप से स्वैच्छिक संगठनों (वीओ) और गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों और छात्रावासों पर लागू होता है, जो 12वीं कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करते हैं।**

9.6 स्वास्थ्य और पशुधन उत्पादन के विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त एजेंट) कार्यक्रम

- **पशुपालन और डेयरी विभाग ने** हाल ही में **झारखंड राज्य में 'ए-हेल्प' कार्यक्रम** शुरू किया ।

पशुधन उत्पादन कार्यक्रम के स्वास्थ्य और विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि के बारे में

- **'ए-हेल्प' कार्यक्रम का** उद्देश्य **महिलाओं को मान्यता प्राप्त प्रतिनिधि के रूप में शामिल करके उन्हें सशक्त बनाना है** जो **रोग नियंत्रण, पशु टैगिंग और पशुधन बीमा में महत्त्वपूर्ण योगदान देती हैं।**
- नई योजना **किसानों के दरवाजे** पर **पशु चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच बढ़ाएगी और पशु सखियों को सशक्त बनाएगी ।**
- "ए-हेल्प" (पशुधन उत्पादन के स्वास्थ्य और विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त एजेंट) **बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पहले ही शुरू हो चुका है** ।

- **पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के तहत डीएएचडी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से उपन्यास शुरू** किया ।

9.7 कमाई के लिए पासपोर्ट (पी2ई) कार्यक्रम

- हाल ही में **पासपोर्ट टू अर्निंग (पी2ई) कार्यक्रम** के **1 मिलियन प्रमाणपत्रों का मील का पत्थर हासिल किया गया।**
- यूनिसेफ के वैश्विक **सीखने-से-कमाई समाधान**, **पासपोर्ट टू अर्निंग (पी2ई) ने भारत में दस लाख से अधिक युवाओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल उत्पादकता के क्षेत्रों में कुशल और प्रमाणित किया है** ।
- यह मील का पत्थर **उन्हें काम और जीवन के भविष्य के लिए प्रासंगिक कौशल हासिल करने में मदद करने की दिशा में एक बड़ा कदम है** ।
- विशेष रूप से, **भारत में पी2ई पाठ्यक्रमों से लाभान्वित होने वाले सभी युवा शिक्षार्थियों में से 62% किशोर लड़कियां और युवा महिलाएं हैं।**
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के** अनुरूप, **पी2ई डिजिटल उत्पादकता, वित्तीय साक्षरता, रोजगार योग्यता कौशल और अन्य मांग में, नौकरी के लिए तैयार कौशल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों तक मुफ्त पहुंच प्रदान करता है।**
- पी **2ई समाधान ऑनलाइन, हाइब्रिड और ऑफलाइन शिक्षण मॉडल के लिए प्रावधान** भी प्रदान करता है।
- डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का लक्ष्य **2024 तक भारत में 14-29 आयु वर्ग के** 5 **मिलियन युवाओं को दीर्घकालिक टिकाऊ कौशल प्रदान करना** और फिर उन्हें **आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए नौकरी, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना है।**

9.8 डेटा एनालिटिक्स डैशबोर्ड और पूर्वोत्तर संपर्क सेतु पोर्टल

- **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (DoNER) ने हाल ही में दो पोर्टल लॉन्च किए** हैं -
- **डोनर डेटा एनालिटिक्स डैशबोर्ड** -
  - ✓ इसमें **55 विभागों और मंत्रालयों की 112 योजनाओं का डेटा है**
  - ✓ यह **डेटा-संचालित निर्णय लेने में मदद करेगा** ; **संचालन में आसानी** ; **केंद्रीकृत निगरानी**, आदि।
  - ✓ **एनईआर के आकांक्षी जिलों**, **उत्तर पूर्व सीमावर्ती जिलों** और **एनईआर के सबसे पिछड़े जिलों पर कड़ी नजर** रखेगा ।
- **पूर्वोत्तर संपर्क सेतु पोर्टल** –
  - ✓ यह उन मंत्रियों की एक क्यूरेटेड सूची तैयार करता है जिन्हें **उत्तर पूर्व क्षेत्र में केंद्रीय मंत्रियों की पाक्षिक यात्रा के लिए नामांकित किया जा सकता है।**
  - ✓ यह पहल **मंत्रिस्तरीय दौरों के परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार की गई है**, **जो उनकी प्रभावकारिता, पारदर्शिता और गहन प्रभाव को बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई है** ।
  - ✓ इसका मूल मिशन स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करना है कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ **भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे।**

9.9 राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

- **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की कार्यकारी समिति ने** हाल ही में **285 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।**

एनएमसीजी के बारे में

- एनएमसीजी को **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860** के तहत **2011 में एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था** ।
- इसने **राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण (एनजीआरबीए) की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य किया,** जिसे **पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (ईपीए), 1986 के प्रावधानों के तहत गठित किया गया था।**
- **एनजीआरबीए को 2016 में भंग कर दिया गया** और **उसकी जगह राष्ट्रीय गंगा नदी कायाकल्प, संरक्षण और प्रबंधन परिषद ने ले ली।**
- नोडल मंत्रालय- **जल शक्ति मंत्रालय।**
- **उद्देश्य** –

  Objectives-
  - ✓ एनएमसीजी का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना और **नदी बेसिन दृष्टिकोण अपनाकर गंगा नदी का कायाकल्प सुनिश्चित करना है ।**
    - ➢ **नमामि गंगे** गंगा को साफ करने के लिए एनएमसीजी के प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक है। इसे 2014 में लॉन्च किया गया था **20,000 करोड़ रुपये के कुल बजटीय परिव्यय** के साथ ।
  - ✓ **पानी की गुणवत्ता और पर्यावरणीय रूप से सतत विकास** सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, **व्यापक योजना** और **प्रबंधन और नदी में न्यूनतम पारिस्थितिक प्रवाह को बनाए रखने के लिए अंतरक्षेत्रीय समन्वय को बढ़ावा देकर** इसे प्राप्त किया जा सकता है ।
- **संगठन संरचना** - अधिनियम **में गंगा नदी में पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और कमी के उपाय करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर** पांच **स्तरीय संरचना की परिकल्पना की गई है** -
  - ✓ भारत के माननीय **प्रधान मंत्री** की अध्यक्षता में **राष्ट्रीय गंगा परिषद ।**
  - ✓ **केंद्रीय** जल शक्ति मंत्री (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग) की अध्यक्षता में **गंगा नदी पर सशक्त कार्य बल (ईटीएफ) ।**
  - ✓ **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन** (एनएमसीजी)।
  - ✓ **राज्य गंगा समितियाँ**
  - ✓ राज्यों में गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों से सटे प्रत्येक निर्दिष्ट जिले में **जिला गंगा समितियाँ ।**
- एनएमसीजी में दो स्तरीय प्रबंधन संरचना है और इसमें शामिल हैं-
  - ✓ **शासन करने वाली परिषद**
  - ✓ **कार्यकारी समिति**
  - ✓ दोनों का नेतृत्व एनएमसीजी के महानिदेशक करते हैं।

9.10 सूचना का अधिकार

- केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने हाल ही में **आरटीआई अधिनियम के अधिनियमन की 18 वीं वर्षगांठ मनाई।**

- इन वर्षों में, **सीआईसी ने 3.5 लाख से अधिक दूसरी अपीलों/शिकायतों को सुविधाजनक बनाया और उनका निपटान किया है** ।

सूचना का अधिकार अधिनियम के बारे में

- **सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 सरकारी सूचना के लिए नागरिकों के अनुरोधों पर समय पर प्रतिक्रिया देने का** आदेश देता है ।
- **उद्देश्य - नागरिकों को सशक्त बनाना, सरकार** के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा **देना, भ्रष्टाचार को रोकना और हमारे लोकतंत्र को वास्तविक अर्थों में लोगों के लिए काम करना।**
- अधिकार **भारतीय संविधान** के **अनुच्छेद 19 (1) के तहत एक मौलिक अधिकार है ।**
  - ✓ **1976** में , **राज नारायण बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में , सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि सूचना का अधिकार अनुच्छेद 19 के तहत एक मौलिक अधिकार माना जाएगा** ।

> **अनुच्छेद 19 (1)** निर्दिष्ट करता है कि **प्रत्येक नागरिक को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है**।

- कोई भी व्यक्ति जो **भारत का नागरिक है या भारत का अनिवासी है, आरटीआई दायर कर सकता है।**
- **सूचना का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2019-**
  - ✓ इसमें प्रावधान है कि **मुख्य सूचना आयुक्त और एक सूचना आयुक्त** (केंद्र और राज्यों के) **केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए पद पर रहेंगे** । पहले **इनका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित था**।
  - ✓ इसमें प्रावधान किया गया कि **मुख्य सूचना आयुक्त** और **एक सूचना आयुक्त** (**केंद्र के साथ-साथ राज्यों के) का वेतन, भत्ते और अन्य सेवा शर्तें केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की** जाएंगी ।
- **चुनौतियाँ-** 30 जून, 2023 तक, **27 सूचना आयोगों के भीतर 3.21 लाख अपीलें और शिकायतें लंबित थीं** , जो इस कानून के तहत अंतिम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य करते हैं।

9.11 पीएम गति शक्ति के 2 साल पूरे

- **देश में बुनियादी ढांचे के विकास को बदलने** के उद्देश्य से पीएम **गति शक्ति पहल** अपने **दो साल के मील के पत्थर तक पहुंच गई है** ।

पीएम गति शक्ति के बारे में

- सरकार **ने 2025 तक आत्मनिर्भरता और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने के लक्ष्य के** साथ 2021 में पीएम गति शक्ति कार्यक्रम शुरू किया ।
- इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए , **पूरे देश में एक व्यापक और कुशल मल्टीमॉडल परिवहन और अंतिम-मील कनेक्टिविटी बुनियादी ढांचे की स्थापना की तत्काल आवश्यकता थी।**
- पीएम गति शक्ति का लक्ष्य **एकीकृत योजना और समन्वित परियोजना निष्पादन के माध्यम से इन उद्देश्यों को प्राप्त करना है इसमें सभी संबंधित मंत्रालय** और **राज्य सरकारें शामिल हैं** ।

- इस पहल का प्राथमिक **उद्देश्य मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करना और देश भर में लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही** सुनिश्चित करने के लिए **महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करना है।**
- यह कार्यक्रम **भारतमाला , सागरमाला , भूमि बंदरगाह, उड़ान और अन्य** सहित **विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाओं को एकीकृत करने का भी प्रयास करता है ।**

प्रमुख उपलब्धियां

- सरकार ने **दो वर्षों में ₹11.58 लाख करोड़ की 300 से अधिक केंद्रीय और राज्य परियोजनाओं का मूल्यांकन किया है।**
- पीएम गति शक्ति के तहत मूल्यांकन की गई परियोजनाओं **में लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए ₹5,000 करोड़ से अधिक की 200 से अधिक राज्य परियोजनाएं** और **पहले और अंतिम-मील कनेक्टिविटी के लिए 156 महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढांचा अंतर परियोजनाएं शामिल हैं।**
- **केंद्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं** में , **₹6.06 लाख करोड़ की 45 रेलवे परियोजनाओं** और **₹4.19 लाख करोड़ की 47 सड़क परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया** , **इसके अलावा आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की ₹79,000 करोड़ की आठ परियोजनाएं** और **₹20,000 करोड़ से अधिक की एक परियोजना का मूल्यांकन किया गया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।**
- विश्लेषण के अनुसार, इस पहल ने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए पूर्व-संरेखण को **अंतिम रूप देने के समय को पहले के तीन-चार महीने से घटाकर अब एक महीने कर दिया है, जिससे व्यापार करने में आसानी में काफी सुधार हुआ है।**
- इसके अलावा, **सभी परियोजनाओं के लिए एनओसी स्वीकृतियां अब पहले की तुलना में गति शक्ति पोर्टल के माध्यम से डिजिटलीकृत और एकीकृत हैं।**

9.12 अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस)

- केंद्र सरकार ने हाल ही में **इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (IIPS) के निदेशक के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है।**

अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस) के बारे में

- इंटरनेशनल **इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस)** , **मुंबई , जिसे पहले 1970 तक जनसांख्यिकी प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र (डीटीआरसी)** के रूप में जाना जाता था , **की स्थापना जुलाई 1956 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र के संयुक्त प्रायोजन के तहत की गई थी। .**
- उद्देश्य- **भारत और अन्य देशों के व्यक्तियों को जनसांख्यिकी और संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित करना।**
- **ESCAP क्षेत्र के लिए जनसंख्या अध्ययन में प्रशिक्षण और अनुसंधान** के लिए एक **क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है।**
- इसे **'मानित विश्वविद्यालय' घोषित किया गया था** ।
- आईआईपीएस एक **नोडल एजेंसी है, जो राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण** के लिए समन्वय और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

- यह **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** का **एक स्वायत्त संगठन है।**
- संस्थान में **सात शैक्षणिक विभाग** हैं ।

9.13 सघन मिशन इंद्रधनुष

- **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान** , **सघन मिशन इंद्रधनुष (आईएमआई 5.0) हाल ही में बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पंजाब को छोड़कर** सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में **सभी 3 चरणों में** संपन्न हुआ ।
- **IMI 5.0 का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना** था कि नियमित टीकाकरण सेवाएँ **देश भर में छूटे हुए** और छूटे हुए बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुँचें।
- पहली बार यह **अभियान देश के सभी जिलों में चलाया गया और इसमें 5 वर्ष तक के बच्चे शामिल थे** (पिछले अभियानों में 2 वर्ष तक के बच्चे शामिल थे)।
- आईएमआई 5.0 अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय टीकाकरण अनुसूची (एनआईएस) के अनुसार **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी)** के तहत **प्रदान किए गए सभी टीकों के लिए टीकाकरण कवरेज को बढ़ाना है ।**
- **2023 तक खसरा और रूबेला उन्मूलन के लक्ष्य** के साथ खसरा और **रूबेला टीकाकरण कवरेज** में **सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया।**
- IMI 5.0 **तीन राउंड में आयोजित किया गया है।**
- 30 सितंबर 2023 तक, **देश भर में IMI 5.0 अभियान के पहले 2 दौर के दौरान 34,69,705 से अधिक बच्चों और 6,55,480 गर्भवती महिलाओं को टीके की खुराक दी गई** थी ।
- यह **पायलट मोड में नियमित टीकाकरण** के लिए **यू-विन डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाता है ।**

यूआईपी के तहत टीके

- यूनिवर्सल टीकाकरण कार्यक्रम देश भर के सभी बच्चों को **तपेदिक, डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो, हेपेटाइटिस बी, निमोनिया और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (एचआईबी), खसरा** के कारण होने वाले मेनिनजाइटिस से बचाने **के लिए जीवन रक्षक टीके मुफ्त** प्रदान करता है । **रूबेला, जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई)** और **रोटावायरस डायरिया ।** (चुनिंदा राज्यों और जिलों में रूबेला, जेई और रोटावायरस वैक्सीन)।
- इसके अलावा, **मिशन इंद्रधनुष को आंशिक रूप से और बिना टीकाकरण वाले बच्चों को कवर करने** के लिए यूआईपी के तहत **एक विशेष कैच-अप अभियान के रूप में 2014 में लॉन्च किया गया** था ।
    - ✓ **अब तक** कुल **5.06 करोड़ बच्चों और 1.25 करोड़ गर्भवती महिलाओं को संचयी रूप से टीका लगाया** गया है ।

9.14 अपार APAAR

- नया **पहचान पत्र - स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री (एपीएएआर) आईडी** - देश में शुरू किया जाएगा।
- स्वचालित **स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री -APAAR,** जिसे **'वन नेशन, वन आईडी' कहा जाता है, एक एजुकेशन इकोसिस्टम रजिस्ट्री** या **' एजुलॉकर ' है।**
- यह **राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (NDEAR) के साथ संरेखित है।**

  - ✓ **NDEAR की स्थापना 2021 में की गई** थी और **यह नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 के लिए एक प्रवर्तक के रूप में कार्य करता है।**
- ❖ एपीएएआर प्री-प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक नामांकित प्रत्येक छात्र **को एक विशिष्ट पहचान संख्या देगा** ।
  - ✓ **प्रत्येक व्यक्ति के पास पहले से मौजूद आधार आईडी के अतिरिक्त** होगा ।
- ❖ **आजीवन एक अनोखा अनुभव** देगा **प्रत्येक छात्र को पहचान संख्या (पूर्व-प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक नामांकित)।**
- ❖ APAAR **आजीवन क्रेडेंशियल और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) बनाकर संस्थानों, छात्रों और संकाय के लिए एक रजिस्ट्री के रूप में कार्य करता है।**
  - ✓ एबीसी **शैक्षणिक डेटा का एक ऑनलाइन भंडार है जो उच्च शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाता है।**
- ❖ **अपने परीक्षा परिणाम, सीखने के परिणाम, सह-पाठ्यचर्या संबंधी उपलब्धियों जैसे ओलंपियाड में रैंकिंग** या **विशेष कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करना आदि को** डिजिटल रूप से संग्रहीत करने में सक्षम होंगे।

9.15 'चक्र-II' ऑपरेशन

- ❖ केंद्रीय **जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में पूरे भारत में छिहत्तर स्थानों पर** तलाशी अभियान शुरू किया ।
- ❖ **₹100 करोड़ के क्रिप्टो घोटाले** सहित साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के पांच अलग- अलग **मामले दर्ज करने के बाद 'ऑपरेशन चक्र -2'** नामक **कार्रवाई की गई** थी ।
- ❖ **चक्र-1 का संचालन लगभग एक साल पहले सीबीआई द्वारा इंटरपोल, एफबीआई और कई देशों के पुलिस बलों के समन्वय से** किया गया था।

9.16 'चक्र-II' ऑपरेशन

- ❖ केंद्रीय **जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने साइबर अपराधियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में पूरे भारत में छिहत्तर स्थानों पर** तलाशी अभियान शुरू किया ।
- ❖ **₹100 करोड़ के क्रिप्टो घोटाले** सहित साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के पांच अलग- अलग **मामले दर्ज करने के बाद 'ऑपरेशन चक्र -2'** नामक **कार्रवाई की गई** थी ।
- ❖ **चक्र-1 का संचालन लगभग एक साल पहले सीबीआई द्वारा इंटरपोल, एफबीआई और कई देशों के पुलिस बलों के समन्वय से** किया गया था।

9.17 प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना

- ❖ प्रधानमंत्री **अनुसुचित _ जाति** कौशल विकास, **आय सृजन योजनाओं** और अन्य पहलों के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करके **एससी समुदायों की गरीबी को कम करने** और **सामाजिक-आर्थिक विकास संकेतकों में सुधार** सुनिश्चित करने के उद्देश्य **से 2021-22 से अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) लागू की गई है।** अनुसूचित जाति बहुल गांवों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और अपेक्षित सेवाएं।

प्रधान मंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के बारे में

- यह **तीन केंद्र प्रायोजित योजनाओं की एक विलयित योजना है** , अर्थात्-
    - ✓ **प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना** (पीएमएजीवाई),
    - ✓ **अनुसूचित जाति उपयोजना** (एससीए से एससीएसपी) के लिए विशेष केंद्रीय सहायता और
    - ✓ **बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना** (बीजेआरसीवाई)।
- योजना के **तीन घटक हैं** -
    - ✓ **अनुसूचित जाति बहुल गांवों का "आदर्श ग्राम" के रूप में विकास** - इस घटक का उद्देश्य अनुसूचित जाति बहुल गांवों का एकीकृत विकास सुनिश्चित करना है ताकि, अन्य बातों के साथ-साथ, पर्याप्त बुनियादी ढांचा, सामाजिक-आर्थिक विकास आवश्यकताओं के लिए आवश्यक सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे उपलब्ध हों । योजना के तहत प्रदान किया जाना है।
    - ✓ **अनुसूचित जाति की सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए जिला/राज्य-स्तरीय परियोजनाओं के लिए 'अनुदान सहायता'** जिसमें आदर्श ग्राम घटक के तहत चयनित गांवों सहित अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे का निर्माण, छात्रावास/आवासीय विद्यालयों का निर्माण, व्यापक आजीविका परियोजनाएं शामिल हो सकती हैं। इसमें कौशल विकास, संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास, आजीविका सृजन के लिए आवश्यक संपत्तियों के अधिग्रहण/निर्माण के लिए लाभार्थियों द्वारा लिए गए ऋण के लिए वित्तीय सहायता आदि जैसे घटक शामिल हो सकते हैं।
    - ✓ **उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रावासों का निर्माण** जो भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के अनुसार शीर्ष क्रम में हैं और केंद्र/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा पूर्ण या आंशिक रूप से वित्त पोषित हैं।

9.18 आदि महोत्सव

- आदि महोत्सव, **राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव** - 25 अक्टूबर को अहमदाबाद, गुजरात में शुरू हुआ।
- इस मेगा इवेंट का **आयोजन ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (TRIFED) द्वारा किया जा रहा है।**
- आदि महोत्सव **भारत की स्वदेशी विरासत के माध्यम से यात्रा शुरू करने के लिए एक अद्वितीय, सहजीवी पुल के रूप में कार्य करता है** ।
- इस आदि महोत्सव में हस्तशिल्प, हथकरघा, मिट्टी के बर्तन, आभूषण के अन्य आकर्षणों के अलावा, **'आदिवासियों द्वारा उगाए गए बाजरा' का** प्रदर्शन किया जाएगा ।

ट्राइफेड के बारे में

- **भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED)** 1987 **में** अस्तित्व में आया ।
- **जनजातीय मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण** के तहत कार्य करने वाला एक **राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष संगठन है।**
- **मुख्यालय-नई दिल्ली**

- **उद्देश्य - धातु शिल्प, जनजातीय वस्त्र, मिट्टी के बर्तन, जनजातीय चित्रकला और मिट्टी के बर्तन** जैसे **जनजातीय उत्पादों के विपणन विकास** के माध्यम से देश में **जनजातीय लोगों का सामाजिक-आर्थिक विकास,** जिन पर जनजातीय लोग अपनी आय के बड़े हिस्से के लिए बहुत अधिक निर्भर हैं।
- ट्राइफेड **जनजातियों** के लिए अपने उत्पाद बेचने के लिए **एक सुविधाप्रदाता और सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करता है ।**
- इसे भारत सरकार द्वारा **लघु वन उपज के लिए प्रस्तावित न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना को लागू करने का काम सौंपा गया है।**

9.19 प्रगति

- **पीएम ने हाल ही में केंद्र और राज्य सरकारों को शामिल करते हुए प्रगति के 43 वें संस्करण** की बैठक की अध्यक्षता की ।

प्रगति के बारे में

- प्रगति का मतलब **प्रो-एक्टिव गवर्नेंस और समय पर कार्यान्वयन है।**
- लॉन्च - **25 मार्च 2015**
- प्रगति एक **अद्वितीय एकीकृत और इंटरैक्टिव मंच है।**
- इस **मंच का उद्देश्य आम आदमी की शिकायतों को संबोधित करना** और साथ ही भारत सरकार के **महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं के साथ-साथ राज्य सरकारों द्वारा चिह्नित परियोजनाओं की निगरानी और समीक्षा करना है।**
- इसका उद्देश्य **विभिन्न सरकारी निकायों के बीच अंतर-विभागीय अंतराल को पाटना और परियोजना कार्यान्वयन के लिए समय कम करना है।**
- प्रगति एक **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंच है** जो **प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधीन रहता है।**
- यह विशिष्ट रूप से **तीन नवीनतम प्रौद्योगिकियों को बंडल करता है** : **डिजिटल डेटा प्रबंधन** , **वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग** और **भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी** ।
- यह एक **त्रिस्तरीय प्रणाली है** (पीएमओ, केंद्र सरकार के सचिव और राज्यों के मुख्य सचिव)
- यह **सहकारी संघवाद के लिए एक अनूठा संयोजन प्रदान करता है** । यह **राज्यों के मुख्य सचिवों और भारत सरकार के सचिवों को एक मंच पर लाकर किया जाता है।**
- यह प्रणाली **शिकायतों के लिए सीपीजीआरएएमएस** , **परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी)** और **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** के डेटा बेस को **आगे बढ़ाएगी, मजबूत करेगी और फिर से इंजीनियर करेगी ।**

10. सूचकांक और रिपोर्ट

10.1 लचीलापन लाभांश रिपोर्ट कैप्चर करना

- **ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर रेजिलिएंस: कैप्चरिंग द रेजिलिएंस डिविडेंड पर गठबंधन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई)** की द्विवार्षिक रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी।
- यह एक **वैश्विक अवसंरचना जोखिम मॉडल और लचीलापन सूचकांक (जीआईआरआई) प्रदान करता है** , **जो अधिकांश प्रमुख भूवैज्ञानिक और जलवायु-संबंधी खतरों के संबंध में बुनियादी ढांचे की संपत्तियों के लिए जोखिम का अनुमान लगाने वाला** पहला **सार्वजनिक रूप से उपलब्ध और पूरी तरह से संभाव्य जोखिम मॉडल है ।**

प्रमुख निष्कर्ष

- लगभग **30% भूकंप और सुनामी जैसे खतरों से जुड़ा है** जबकि **70% चक्रवात, बाढ़ और तूफान जैसे जलवायु से संबंधित खतरों से जुड़ा है।**
- जोखिम **सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं फैला है** और **लगभग 80% जोखिम बिजली, परिवहन और दूरसंचार क्षेत्रों में केंद्रित है।**
- वैश्विक **औसत वार्षिक नुकसान अब $732- $845 बिलियन की सीमा में है** जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए और **2021-2022 में लगभग 14% वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जोखिम में है ।**
- **बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने** , **सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने** , **शुद्ध शून्य हासिल करने** और 2050 तक **लचीलेपन को मजबूत करने के लिए** आवश्यक **वार्षिक निवेश $9.2 ट्रिलियन है, जिसमें से $2.84-$2.90 ट्रिलियन को निम्न और मध्यम आय वाले देशों में निवेश किया** जाना चाहिए ।
- लगभग **67% उच्च आय वाले देशों में केंद्रित** है , **निम्न और मध्यम आय वाले देश अपने बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक सापेक्ष जोखिम** रखते हैं ।

आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) के बारे में

- यह राष्ट्रीय सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और कार्यक्रमों, **बहुपक्षीय विकास बैंकों और वित्तपोषण तंत्र, निजी क्षेत्र और शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की वैश्विक साझेदारी है।**
- इसका **उद्देश्य जलवायु और आपदा जोखिमों के प्रति बुनियादी ढांचा प्रणालियों की लचीलापन बढ़ाना है** , जिससे सतत विकास सुनिश्चित हो सके।
- भारत ने 2019 में **न्यूयॉर्क** में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन** में **सीडीआरआई लॉन्च किया** ।
- यह **भारत सरकार की दूसरी प्रमुख वैश्विक पहल है** , और यह **जलवायु परिवर्तन और आपदा लचीलेपन के मुद्दों में भारत के नेतृत्व को प्रदर्शित करती है।**
- **सचिवालय-** नई दिल्ली
- सदस्य- **31 देश और 8 संगठन** (जिसमें शामिल हैं-)
  - ✓ **6 अंतर्राष्ट्रीय संगठन** : **एशियाई विकास बैंक** (एडीबी), **विश्व बैंक समूह, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** (यूएनडीपी), **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय** (यूएनडीआरआर), **यूरोपीय संघ, यूरोपीय निवेश बैंक।**

- ✓ **2 निजी क्षेत्र के संगठन** : **आपदा प्रतिरोधी सोसायटी के लिए निजी क्षेत्र गठबंधन** और **जलवायु लचीले निवेश के लिए गठबंधन।**

10.2 लचीलापन लाभांश रिपोर्ट कैप्चर करना

- ❖ **ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर रेजिलिएंस: कैप्चरिंग द रेजिलिएंस डिविडेंड पर गठबंधन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई)** की द्विवार्षिक रिपोर्ट हाल ही में जारी की गई थी।
- ❖ यह एक **वैश्विक अवसंरचना जोखिम मॉडल और लचीलापन सूचकांक (जीआईआरआई) प्रदान करता है** , **जो अधिकांश प्रमुख भूवैज्ञानिक और जलवायु-संबंधी खतरों के संबंध में बुनियादी ढांचे की संपत्तियों के लिए जोखिम का अनुमान लगाने वाला** पहला **सार्वजनिक रूप से उपलब्ध और पूरी तरह से संभाव्य जोखिम मॉडल है ।**

प्रमुख निष्कर्ष

- ❖ लगभग **30% भूकंप और सुनामी जैसे खतरों से जुड़ा है** जबकि **70% चक्रवात, बाढ़ और तूफान जैसे जलवायु से संबंधित खतरों से जुड़ा है।**
- ❖ जोखिम **सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं फैला है** और **लगभग 80% जोखिम बिजली, परिवहन और दूरसंचार क्षेत्रों में केंद्रित है।**
- ❖ वैश्विक **औसत वार्षिक नुकसान अब $732- $845 बिलियन की सीमा में है** जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए और **2021-2022 में लगभग 14% वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जोखिम में है ।**
- ❖ **बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने** , **सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने** , **शुद्ध शून्य हासिल करने** और 2050 तक **लचीलेपन को मजबूत करने के लिए** आवश्यक **वार्षिक निवेश $9.2 ट्रिलियन है, जिसमें से $2.84-$2.90 ट्रिलियन को निम्न और मध्यम आय वाले देशों में निवेश किया** जाना चाहिए ।
- ❖ लगभग **67% उच्च आय वाले देशों में केंद्रित** है , **निम्न और मध्यम आय वाले देश अपने बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक सापेक्ष जोखिम** रखते हैं ।

आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) के बारे में

- ❖ यह राष्ट्रीय सरकारों, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और कार्यक्रमों, **बहुपक्षीय विकास बैंकों और वित्तपोषण तंत्र, निजी क्षेत्र और शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों की वैश्विक साझेदारी है।**
- ❖ इसका **उद्देश्य जलवायु और आपदा जोखिमों के प्रति बुनियादी ढांचा प्रणालियों की लचीलापन बढ़ाना है** , जिससे सतत विकास सुनिश्चित हो सके।
- ❖ भारत ने 2019 में **न्यूयॉर्क** में **संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन** में **सीडीआरआई लॉन्च किया** ।
- ❖ यह **भारत सरकार की दूसरी प्रमुख वैश्विक पहल है** , और यह **जलवायु परिवर्तन और आपदा लचीलेपन के मुद्दों में भारत के नेतृत्व को प्रदर्शित करती है।**
- ❖ **सचिवालय-** नई दिल्ली
- ❖ सदस्य- **31 देश और 8 संगठन** (जिसमें शामिल हैं-)
  - ✓ **6 अंतर्राष्ट्रीय संगठन** : **एशियाई विकास बैंक** (एडीबी), **विश्व बैंक समूह, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** (यूएनडीपी), **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय** (यूएनडीआरआर), **यूरोपीय संघ, यूरोपीय निवेश बैंक।**

- ✓ **2 निजी क्षेत्र के संगठन** : **आपदा प्रतिरोधी सोसायटी के लिए निजी क्षेत्र गठबंधन** और **जलवायु लचीले निवेश के लिए गठबंधन।**

10.3 सतत वित्त: एशिया और प्रशांत क्षेत्र में अंतर पाटना रिपोर्ट

- ❖ **सस्टेनेबल फाइनेंस: ब्रिजिंग द गैप इन एशिया एंड द पैसिफिक रिपोर्ट हाल ही में एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) द्वारा जारी की गई** थी ।
- ❖ नई रिपोर्ट में **नीति निर्माताओं, नियामकों और निजी वित्त** के लिए **प्रमुख संयुक्त राष्ट्र-शासित सतत विकास लक्ष्यों, विशेष रूप से जलवायु कार्रवाई के लिए वित्तपोषण जुटाने और तैनात करने के लिए** कार्रवाई के लिए **10 सिद्धांत सामने रखे गए हैं ।**
- ❖ सामने रखे गए सिद्धांत हैं-
    - ✓ **नई जलवायु वित्त साझेदारियाँ विकसित करना**
    - ✓ **प्रभावी एनडीसी वित्तपोषण रणनीतियों का विकास करना**
    - ✓ **प्रमुख सरकारी मंत्रालयों में नीतिगत सुसंगतता और क्षमताओं का विकास करना**
    - ✓ **एशिया और प्रशांत क्षेत्र में पूंजी को नेट ज़ीरो संक्रमण की ओर स्थानांतरित करने के लिए निर्णायक नियामक कार्रवाई करना**
    - ✓ **वित्तीय कर्मियों की क्षमताओं में निवेश बढ़ाना**
    - ✓ **अत्यंत आवश्यक क्षेत्रीय और परियोजना-आधारित वित्तीय डेटा में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है**
    - ✓ **विश्वसनीय संक्रमण मार्गों और 2030 लक्ष्यों सहित 2050 के लिए नेट ज़ीरो प्रतिज्ञाओं के लिए प्रतिबद्ध**
    - ✓ **ऊर्जा संक्रमण परियोजनाओं के साथ-साथ हरित प्रौद्योगिकियों और अन्य शुद्ध-शून्य निवेशों के स्थानीय-मुद्रा वित्तपोषण को बढ़ाना**
    - ✓ **बहुपक्षीय विकास बैंकों, द्विपक्षीय विकास वित्तीय संस्थानों और सार्वजनिक विकास बैंकों द्वारा रियायती वित्तपोषण और जोखिम-साझाकरण का विस्तार और तेजी लाना**
    - ✓ **परियोजना की तैयारी में भागीदारों के साथ समय और प्रयास का निवेश बढ़ाना।**

अन्य निष्कर्ष

- ❖ केवल **17 ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान को पूरा करने के लिए अपनी वित्तीय जरूरतों का आकलन और रिपोर्ट किया है।**
- ❖ **केवल सात ने** वित्तीय **आवश्यकताओं को अनुकूलन और शमन के बीच विभाजित किया है** ।
- ❖ इसके अलावा, आपदा-संबंधी और अन्य प्राकृतिक खतरों से क्षेत्र में औसत आर्थिक नुकसान मध्यम जलवायु-परिवर्तन परिदृश्य में $1.1 ट्रिलियन और **सबसे खराब स्थिति में $1.4 ट्रिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है।**
- ❖ **भारत को जलवायु परिवर्तन से संबंधित अधिक नुकसान का** सामना करना पड़ सकता है **, जो 2100 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद का 35% तक पहुंच जाएगा , जो विकासशील एशिया के 24%** से एक उल्लेखनीय अंतर है ।
- ❖ **स्थायी वित्त में वैश्विक वित्तपोषण अंतर को पाटने के लिए पर्याप्त पूंजी और तरलता** है ।
    - ✓ हालाँकि, **जलवायु कार्रवाई के लिए पूंजी तैनात करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।**

UNESCAP के बारे में

- **एशिया और प्रशांत के लिए आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे समावेशी अंतरसरकारी मंच है** ।
- **एशिया और सुदूर पूर्व के लिए आर्थिक आयोग (ECAFE)** के रूप में स्थापित
- मुख्यालय- **बैंकॉक, थाईलैंड**
- आयोग **सतत विकास चुनौतियों के समाधान की** खोज में **अपने 53 सदस्य राज्यों और 9 सहयोगी सदस्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है ।**
- ESCAP **संयुक्त राष्ट्र के पांच क्षेत्रीय आयोगों में से एक है** (अन्य **अफ्रीका, यूरोप, पश्चिमी, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन से संबंधित हैं)।**

10.4 वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) 2023

- ग्लोबल **हंगर इंडेक्स 2023 हाल ही में आयरिश एनजीओ कंसर्न वर्ल्डवाइड** और **जर्मन एनजीओ वेल्ट हंगर हिल्फे** द्वारा जारी किया गया था **।**
- यह **वैश्विक** , **क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख को व्यापक रूप से मापने और ट्रैक करने का एक उपकरण है** ।
- यह **चार संकेतकों पर आधारित है** जो **एक साथ भूख की बहुआयामी प्रकृति को दर्शाते हैं** -
  - ✓ **अल्पपोषण** : जनसंख्या का वह हिस्सा जिसका कैलोरी सेवन अपर्याप्त है।
  - ✓ **बाल स्टंटिंग - पांच वर्ष से कम उम्र के उन बच्चों** की हिस्सेदारी जिनकी **लंबाई उनकी उम्र के अनुसार कम है** , जो दीर्घकालिक कुपोषण को दर्शाता है।
  - ✓ **चाइल्ड वेस्टिंग- पांच वर्ष से कम उम्र के उन बच्चों** का अनुपात, जिनका **वजन उनकी ऊंचाई के हिसाब से कम है** , जो गंभीर कुपोषण को दर्शाता है; और
  - ✓ **बाल मृत्यु दर** - **अपने पांचवें जन्मदिन से पहले मरने वाले बच्चों का हिस्सा** , जो आंशिक रूप से अपर्याप्त पोषण और अस्वास्थ्यकर वातावरण के घातक मिश्रण को दर्शाता है।

भारत से संबंधित निष्कर्ष

- **भारत 28.7 स्कोर** के साथ **125 देशों में 111** वें स्थान पर था ।
  - ✓ 2022 में **भारत 121 में से 107वें स्थान पर था।**
- **बच्चों में बौनापन 35.5%** प्रचलित है ।
- विश्व में **बच्चों में वेस्टिंग दर सबसे अधिक 18.7% है।**
- भारत में **अल्पपोषण की व्यापकता** 16.6 **% है।**
- **पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर** 3.1 **%** है ।

अन्य निष्कर्ष

- जीएचआई **ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका को क्रमशः 102वें, 81वें, 69वें और 60वें स्थान पर रखा।**
- **दक्षिण एशिया और सहारा के दक्षिण अफ्रीका में क्षेत्रीय भूख का उच्चतम स्तर** दर्ज किया गया **, दोनों का जीएचआई स्कोर 27 है।**

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आलोचना

- जीएचआई के **4 में से 3 संकेतक बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित हैं** और **पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते।**
- **चौथा संकेतक** (**अल्पपोषण**) **3000 के बहुत छोटे नमूना आकार पर आयोजित टेलीफोन-आधारित जनमत सर्वेक्षण पर आधारित है ।**

10.5 वैश्विक जल संसाधनों की स्थिति 2022

- **विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक जल संसाधन स्थिति 2022 रिपोर्ट** जारी की गई ।

प्रमुख निष्कर्ष

- नदियों में बहने वाले पानी की मात्रा सामान्य से कम थी।
  - ✓ 2022 में, **वैश्विक जलग्रहण क्षेत्रों के 50 प्रतिशत से अधिक में सामान्य नदी निर्वहन स्थितियों से विचलन का अनुभव हुआ।**
- विसंगतियाँ भी नदी के बहाव की स्थितियों में देखे गए **विचलन से मेल खाती हैं ।**
- **जल विज्ञान चक्र पर** प्रभाव सूखे और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं का कारण बन रहा है **और अनियमित जल चक्रों ने व्यापक व्यवधान पैदा किया है** , जिससे **आजीविका और अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ा है।**
- लगातार **पिघलने से खतरा बढ़ गया है , जिससे बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं का** खतरा बढ़ गया है ।

> एडब्ल्यूटी **तीसरे ध्रुव** को कवर करता है, जिसमें **तिब्बती पठार, हिमालय, काराकोरम, हिंदू कुश, पामीर और तिएन शान पर्वत शामिल हैं।**

- इन घटनाओं का **लाखों लोगों की जल सुरक्षा पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है।**
- लगभग **चार अरब लोग पहले से ही** हर साल कम से कम एक महीने के लिए गंभीर पानी की कमी का सामना कर रहे हैं।
- **आर्कटिक और अंटार्कटिक** क्षेत्रों के बाद बर्फ और बर्फ का दुनिया का सबसे बड़ा भंडार , एशियन **वॉटर टॉवर (एडब्ल्यूटी) में 2022 में महत्त्वपूर्ण हिमनदों का पिघलना देखा गया ।**
  - ✓ **क्षेत्र की प्रमुख नदियों - सिंधु, अमु दरिया, यांग्त्ज़ी और पीली नदी - के** प्राकृतिक **बहाव में बदलाव आया** ।
- **सिफारिश-**
  - ✓ रिपोर्ट **में सार्थक प्रारंभिक चेतावनियों** और **अधिक समन्वित जल प्रबंधन नीतियों को सक्षम करने के लिए डेटा साझाकरण को बढ़ाने का आह्वान किया गया है** जो **जलवायु कार्रवाई का अभिन्न अंग हैं।**

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के बारे में

- विश्व **मौसम विज्ञान संगठन** एक **अंतरसरकारी संगठन और संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है।**
- इसकी **स्थापना 1950 में अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संगठन (आईएमओ)** से हुई थी।
- इसका **अधिदेश मौसम, जलवायु और जल संसाधनों से संबंधित मुद्दों तक** फैला हुआ है ।

- सदस्यता- **187 सदस्य राज्य और 6 सदस्य क्षेत्र**
- **मुख्यालय- जिनेवा, स्विट्जरलैंड**
- **पृथ्वी के वायुमंडल की स्थिति और व्यवहार , भूमि और महासागरों के साथ** इसकी बातचीत , इससे उत्पन्न होने वाले **मौसम और जलवायु** और **इसके परिणामस्वरूप जल संसाधनों के वितरण पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय** के लिए समर्पित है ।
- यह **पृथ्वी के वायुमंडल की स्थिति पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय को संभालता है** ।

10.6 एफएओ ने "कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव" रिपोर्ट जारी की

- **संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में "कृषि और खाद्य सुरक्षा पर आपदाओं का प्रभाव"** शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है ।
- यह आपदाओं के कारण **फसलों और पशुधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि उत्पादन पर प्रभाव का पहला वैश्विक अनुमान** दिखाता **है और इसका उद्देश्य ऐसी घटनाओं की लागत के पैमाने को संदर्भ में रखना है।**

प्रमुख निष्कर्ष

- **पिछले तीन दशकों में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के** कारण फसल और पशुधन का 3.8 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है।
- दुनिया को **प्रति वर्ष 120 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है, जो वार्षिक वैश्विक कृषि सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत है।**
- आपदाओं की **आवृत्ति प्रति वर्ष 100 से बढ़कर पिछले 20 वर्षों में प्रति वर्ष 400 घटनाओं** तक पहुँच गई है।
  एफएओ के अनुसार
  - ✓ **पिछले तीन दशकों में** औसत वार्षिक अनाज हानि 69 मिलियन **टन थी**
  - ✓ दुनिया ने आपदाओं के कारण **लगभग 40 मिलियन टन फल और सब्जी उत्पादन** और **16 मिलियन टन मांस, डेयरी और अंडे खो दिए** ।
- **निम्न और निम्न मध्यम आय वाले देशों ने** अपने **कुल कृषि सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत तक का "उच्चतम सापेक्ष" नुकसान** देखा , जबकि **छोटे द्वीप विकासशील राज्यों (एसआईडीएस) ने** कथित तौर पर **अपने कृषि सकल घरेलू उत्पाद का सात प्रतिशत खो दिया।**
- **इन आपदाओं के कारण पुरुषों की तुलना में महिलाओं को** संसाधनों और संरचनात्मक बाधाओं के कारण अधिक नुकसान उठाना पड़ा, जिसका महिलाओं को "सूचना, वित्तीय साधनों, संसाधनों तक पहुंचने में सामना करना पड़ता है, जिनकी **उन्हें आपदा की घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने या उनसे उबरने के लिए तैयारी करने की आवश्यकता होती है।"**

संयुक्त राष्ट्र एफएओ के बारे में

- **खाद्य और कृषि संगठन संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी** है जो भूख को हराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- मुख्यालय- **रोम, इटली ।**
- **सदस्यता- 194 देश (भारत सहित) और यूरोपीय संघ।**

Civilstap Himachal

- इसकी **सहयोगी संस्थाएँ विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी)** और **अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी)** हैं ।

10.7 विकलांग व्यक्तियों और आपदाओं पर वैश्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023

- **विकलांग व्यक्तियों और आपदाओं पर वैश्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 हाल ही में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय** द्वारा जारी की गई थी ।
- सर्वेक्षण में **सुरक्षा प्रदान करने वाली सरकारी नीतियों की प्रगति का** मूल्यांकन करने के लिए **132 देशों से 6,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गईं ।**
- पर केंद्रित एक **प्रारंभिक सर्वेक्षण 2013 में आयोजित किया गया था।**

प्रमुख निष्कर्ष

- **दुनिया भर में जलवायु आपदाओं में भारी वृद्धि** के बावजूद, विकलांग व्यक्तियों को **पिछले दशक में कोई प्रगति नहीं होने** के कारण **"सहायता की चौंकाने वाली कमी" का सामना करना पड़ रहा है।**
- विशेष रूप से, **2023 में 84% उत्तरदाताओं ने** बताया कि **आपदा की स्थिति में उनके पास व्यक्तिगत तैयारी योजना नहीं थी** , जैसे निकासी मार्गों को जानना, उपलब्ध आश्रयों और आपातकालीन आपूर्ति पर स्टॉक करना।

> **विकलांग व्यक्ति** दुनिया की आबादी का 16% **हिस्सा बनाते हैं** और **आपदाओं के कारण समग्र मृत्यु दर का सामना करते हैं जो सामान्य आबादी की तुलना में दो से चार गुना अधिक है।**

- पर्याप्त अग्रिम चेतावनी के बावजूद भी, **17% दिव्यांगों को निकलने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है** ।
- **86% दिव्यांगों ने सामुदायिक स्तर पर डीआरआर** निर्णय लेने और योजना बनाने में कोई भागीदारी नहीं होने की सूचना दी।

10.8 'सस्ते पानी की उच्च लागत' रिपोर्ट

- **विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर) के अवसर** पर वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर **(डब्ल्यूडब्ल्यूएफ)** द्वारा **सस्ते पानी की उच्च लागत** नामक एक रिपोर्ट **जारी की गई ।**

प्रमुख निष्कर्ष

- बढ़ते **वैश्विक जल संकट से 58 ट्रिलियन डॉलर के आर्थिक मूल्य, खाद्य सुरक्षा और स्थिरता को** खतरा है ।
  - ✓ यह **पानी और मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र के आर्थिक मूल्य का पहला वार्षिक अनुमान है** ।
  - ✓ यह **वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 60 प्रतिशत के बराबर है।**
- दुनिया **ने अपनी शेष आर्द्रभूमि का एक तिहाई हिस्सा खो दिया है** , जबकि **मीठे पानी के वन्यजीवों की आबादी में** औसतन **83 प्रतिशत की गिरावट आई है।**
- **नदियों और बाढ़ के मैदानों के लिए प्राथमिक खतरों** में से एक थी **अस्थिर कृषि पद्धतियाँ ।**
  - ✓ **अन्य खतरों में शामिल हैं- जलवायु परिवर्तन, जल प्रदूषण** और बांधों द्वारा **प्रवाह संशोधन और विखंडन आदि।**

सिफारिशें

- देशों को **प्रकृति-सकारात्मक खाद्य उत्पादन का समर्थन करना चाहिए** और **कृषि उत्पादकता के लिए मुक्त बहने वाली नदियों को बनाए रखना चाहिए।**
- दुनिया को **प्राकृतिक जल संरक्षण की सुविधा** के लिए **स्थायी भूमि उपयोग प्रथाओं को भी लागू करना चाहिए।**
- हमें **ऐसे आहार अपनाने चाहिए** जो **मीठे पानी पर दबाव डालने वाले उत्पादों की मांग को कम करें।**

वर्ल्ड वाइड फ़ंड फ़ॉर नेचर (WWF) के बारे में

- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ **एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो प्रकृति और प्राकृतिक प्रजातियों के संरक्षण** और संरक्षण के लिए समर्पित है।
- यह **दुनिया का सबसे बड़ा संरक्षण संगठन है।**
- इसकी **स्थापना 29 अप्रैल 1961 को स्विट्जरलैंड में विश्व वन्यजीव कोष** के रूप में की गई थी।
- वर्तमान में, यह **दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में सक्रिय है।**
- **मुख्यालय- ग्लैंड, स्विट्जरलैंड**
- यह छह प्रमुख क्षेत्रों- **भोजन, जलवायु, ताज़ा पानी, वन्य जीवन, वन** और **महासागरों के आसपास काम करता है** ।

10.9 वैश्विक कर चोरी रिपोर्ट 2024

- **यूरोपीय संघ कर वेधशाला ने 'वैश्विक कर चोरी रिपोर्ट 2024 '** जारी की

जाँच - परिणाम

- **कर की चोरी** सक्षम कर रहा है अरबपतियों को **उनकी संपत्ति के 0% से 0.5% के** बराबर **प्रभावी कर दरों का आनंद मिलेगा ।**
- रिपोर्ट में **पिछले 10 वर्षों में अपतटीय कर चोरी को तीन गुना कम करने** में **एक उपाय - बैंक जानकारी का स्वचालित आदान-प्रदान - की सफलता पर प्रकाश डाला गया है।**
- **आधार क्षरण और लाभ स्थानांतरण (बीईपीएस, 2015)** जैसी नीतियों के नगण्य प्रभाव के साथ, **$1 ट्रिलियन का लाभ (2022 में) टैक्स हेवेन में स्थानांतरित हो गया ।**
- **2012** में 140 देशों और क्षेत्रों द्वारा अपनाई गई बहुराष्ट्रीय **कंपनियों पर 15% का वैश्विक न्यूनतम कर** निराशाजनक **रहा है।**
- **चुनौतियाँ-** रिपोर्ट अपतटीय कर चोरी के **दो प्राथमिक कारणों की पहचान करती है-**
- **बैंक जानकारी के स्वचालित आदान-प्रदान** के लिए **ऑफशोर वित्तीय संस्थानों द्वारा गैर-अनुपालन** , अक्सर **अपने ग्राहक आधार को खोने की चिंताओं के कारण होता है** ।
- **रियल एस्टेट जैसे अनकवर्ड एसेट क्लास में शिफ्ट करें**

> एक **अनुमान के मुताबिक 2,500 अरबपति हैं** जिनकी **कुल संपत्ति 13,000 अरब डॉलर है।**

सिफारिशें

- इसने **अरबपतियों पर उनकी संपत्ति के 2% के बराबर वैश्विक न्यूनतम कर लगाने का आह्वान किया है।**

- ✓ इससे **चोरी को संबोधित किया जा सकेगा** और **"3,000 से कम व्यक्तियों से लगभग $250 बिलियन उत्पन्न किया जा सकेगा"।**
- ✓ 2% की कर दर **"अभी भी बहुत मामूली होगी"** यह देखते हुए कि 1995 के बाद से अरबपतियों की संपत्ति **सालाना औसतन 7% की दर से बढ़ी है** ।

ईयू टैक्स वेधशाला के बारे में

- ❖ ईयू टैक्स वेधशाला एक **स्वतंत्र अनुसंधान प्रयोगशाला है**
- ❖ इसकी **मेजबानी पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में की जाती है** ।
- ❖ यह **कराधान** पर **नवीन अनुसंधान करता है** , **कराधान के भविष्य पर एक लोकतांत्रिक और समावेशी बहस में योगदान देता है** , और **यूरोपीय संघ और दुनिया भर में वैज्ञानिक समुदाय, नागरिक समाज और नीति निर्माताओं के बीच बातचीत को बढ़ावा देता है।**

10.10 विश्व ऊर्जा आउटलुक 2023

- ❖ यह **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी** का **एक प्रमुख प्रकाशन है** और **ऊर्जा जगत के विश्लेषण और अनुमानों का सबसे आधिकारिक स्रोत है।**
- ❖ यह **1998 से प्रत्येक वर्ष प्रकाशित हो रहा है।**

प्रमुख निष्कर्ष

- ❖ **मध्य** पूर्व में अस्थिरता के बाद **ऊर्जा बाजारों और कीमतों में और व्यवधान पैदा कर सकती है।**
- ❖ **नवीकरणीय ऊर्जा 2030 तक नई बिजली क्षमता का 80% योगदान करने के लिए तैयार है।**
- ❖ **वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति** में **जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी 2030 तक 80% से** घटकर 73% हो जाएगी।

भारत से संबंधित निष्कर्ष

अगले तीन दशकों में भारत दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में सबसे बड़ी ऊर्जा मांग में वृद्धि देखेगा ।

- ❖ इसी अवधि में, **भारत का वार्षिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सबसे बड़ा होगा** क्योंकि वे **2050 तक लगभग 30% तक बढ़ जाएंगे।**
- ❖ पिछले पांच वर्षों में, **सौर पीवी ने नई उत्पादन क्षमता का लगभग 60% हिस्सा लिया है** ।
- ❖ भारत की **कुल बिजली की मांग अब पूरे अफ्रीका में खपत होने वाली बिजली की कुल मात्रा से अधिक होने** की संभावना है ।
- ❖ भारत दशक के अंत से पहले ही **अपनी आधी बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म संसाधनों** से युक्त करने का 2030 का लक्ष्य पूरा कर लेगा।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के बारे में

यह **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के ढांचे के भीतर एक स्वायत्त एजेंसी है।**

- ❖ इसकी स्थापना **1973-1974 के तेल संकट के जवाब में** तेल आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए **1974 में की गई थी।**
- ❖ मुख्यालय- **पेरिस, फ्रांस**

- सदस्य- **31 सदस्य देश** और **11 संघ देश।**
    - ✓ **भारत 2017 में एसोसिएट सदस्य के रूप में संगठन में** शामिल हुआ।
- **IEA के लिए** एक उम्मीदवार देश को **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)** का सदस्य देश होना चाहिए।
- **सदस्यता के लिए मानदंड**
    - ✓ **कच्चे तेल और/या उत्पाद भंडार पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के 90 दिनों के बराबर** हैं, जिस तक सरकार की तत्काल पहुंच है (भले ही वह सीधे तौर पर इसका मालिक न हो) और इसका **उपयोग वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान को दूर करने के लिए किया जा सकता है।**
    - ✓ **राष्ट्रीय तेल खपत को 10% तक कम करने के लिए** एक मांग संयम कार्यक्रम।
    - ✓ राष्ट्रीय आधार पर **समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया उपाय (सीईआरएम)** संचालित करने के लिए कानून और संगठन।
    - ✓ **कानून** और **उपाय कि उसके अधिकार क्षेत्र के तहत सभी तेल कंपनियां** अनुरोध पर जानकारी रिपोर्ट करें।
    - ✓ **IEA सामूहिक कार्रवाई में अपना योगदान देने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए उपाय** मौजूद हैं।

10.11 अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन आउटलुक 2023

- **'इंटरनेशनल माइग्रेशन आउटलुक 2023'** हाल ही में **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी)** द्वारा **जारी किया गया था।**

प्रमुख निष्कर्ष

- भारत में **2021 और 2022 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) देशों** में **सबसे अधिक प्रवासन प्रवाह देखा गया।**
- इस बीच राष्ट्रीयता के संदर्भ में, **0.13 मिलियन भारतीय नागरिकों ने 2021 में OECD देश की राष्ट्रीयता** हासिल कर ली।
- **चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध** के कारण, यूक्रेन से शरणार्थियों की आमद **ओईसीडी-व्यापी रिकॉर्ड के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई**; ओईसीडी क्षेत्र में 10 मिलियन से अधिक लोग या तो आंतरिक रूप से विस्थापित हो गए हैं या शरणार्थी बन गए हैं।
- **श्रमिकों** के संदर्भ में, **भारत (+172 प्रतिशत), उज़्बेकिस्तान (+122 प्रतिशत) और तुर्की (+240 प्रतिशत) से प्रवास प्रवाह तेजी से बढ़ा**, जिससे वे **यूक्रेन के बाद मूल देश बन गए।**

ओईसीडी के बारे में

- यह **लोकतंत्र और बाजार अर्थव्यवस्था** के लिए प्रतिबद्ध **38 देशों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है।**
- अधिकांश ओईसीडी सदस्य **उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाएं हैं** जिनका **मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) बहुत ऊंचा है** और **उन्हें विकसित देश माना जाता है।**
- **1961** में स्थापित।
- मुख्यालय- **पेरिस, फ्रांस में चातेऊ डे ला मुएटे।**

- यह दुनिया भर में आर्थिक विकास के **दृष्टिकोण पर आर्थिक रिपोर्ट, सांख्यिकीय डेटाबेस, विश्लेषण और पूर्वानुमान प्रकाशित करता है।**
- संगठन **दुनिया भर में रिश्वतखोरी और अन्य वित्तीय अपराध को खत्म करने का भी प्रयास करता है।**
- **ओईसीडी द्वारा अन्य रिपोर्ट और सूचकांक**
    - ✓ **सरकार एक नज़र 2017 रिपोर्ट पर।**
    - ✓ **ओईसीडी बेहतर जीवन सूचकांक।**

10.12 इंटरकनेक्टेड आपदा जोखिम रिपोर्ट 2023

- एक नई रिपोर्ट **'इंटरकनेक्टेड डिजास्टर रिस्क रिपोर्ट 2023' प्रकाशित की गई** थी ।
    - ✓ **पर्यावरणीय टिपिंग बिंदु पृथ्वी की प्रणालियों** में **महत्वपूर्ण सीमाएँ** हैं **जिनके परे अचानक और अक्सर अपरिवर्तनीय परिवर्तन होते हैं** , जिससे **पारिस्थितिक तंत्र, जलवायु पैटर्न** और **समग्र पर्यावरण में गहरा और कभी-कभी विनाशकारी बदलाव होता है।**
- रिपोर्ट **छह पर्यावरणीय टिपिंग बिंदुओं पर नज़र डालती है** -
    - ✓ **विलुप्त होने की गति तेज हो रही है,**
    - ✓ **भूजल की कमी,**
    - ✓ **पहाड़ के ग्लेशियर पिघल रहे हैं,**
    - ✓ **अंतरिक्ष का कचरा,**
    - ✓ **असहनीय गर्मी और**
    - ✓ **एक बीमा रहित भविष्य.**
- इसमें यह भी पाया गया है कि **दुनिया के 31 प्रमुख जलभृतों में से 27 उनकी भरपाई की तुलना में तेजी से कम हो रहे हैं।**
- भारत **अपने भूजल की कमी के चरम बिंदु पर पहुंचने के करीब है** ।
- भारत **दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन** के संयुक्त उपयोग से अधिक है ।
- **भारत का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र** देश **की बढ़ती 1.4 अरब आबादी के लिए रोटी की टोकरी** के रूप में कार्य करता है , पंजाब और हरियाणा राज्य **देश की चावल आपूर्ति का 50% और गेहूं भंडार का 85% उत्पादन करते हैं।**
    - ✓ हालाँकि, **पंजाब में 78% कुओं को अतिदोहित माना जाता है** , और **पूरे उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से कम भूजल उपलब्धता का** अनुभव होने का **अनुमान है।**
- रिपोर्ट **एक नई रूपरेखा प्रदान करती है** जो **जोखिम शमन समाधानों को** उनके दृष्टिकोण के आधार पर चार प्रकारों में वर्गीकृत करती है-
    - ✓ **बचें** (जोखिम को रोकना),
    - ✓ **अनुकूलन** (जोखिम से निपटना),
    - ✓ **विलंब** (जोखिम की प्रगति धीमी होना), और

- ✓ **परिवर्तन** (सिस्टम ओवरहाल)।

यूएनयू-ईएचएस के बारे में

- ❖ संयुक्त **राष्ट्र विश्वविद्यालय (यूएनयू) संयुक्त राष्ट्र** की **शैक्षणिक शाखा** है और **एक वैश्विक थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है।**
- ❖ **पर्यावरण और मानव सुरक्षा संस्थान (यूएनयू-ईएचएस)** का मिशन **पर्यावरणीय खतरों और वैश्विक परिवर्तन से** संबंधित **जोखिमों और अनुकूलन** पर **अत्याधुनिक शोध करना** है ।
- ❖ यह संस्थान **बॉन, जर्मनी में स्थित है।**

11. अंतर्राष्ट्रीय, शिखर सम्मेलन

11.1 अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन

- ❖ अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध मंत्रिस्तरीय **सम्मेलन के खिलाफ दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन** इटली के पलेर्मो में **आयोजित किया गया था।**
- ❖ यह मंत्रीरीय सम्मेलन **यूएनटीओसी (UNTOC)सम्मेलन के लागू होने की 20वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।**

UNTOC के बारे में

- ❖ UNTOC **को 2000 में इटली के पलेर्मो में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।**
- ❖ इसलिए इसे **पलेर्मो कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है।**
- ❖ यह **2003 में लागू हुआ।**
- ❖ यह **अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से लड़ने के लिए पहला व्यापक और वैश्विक कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन है।**
- ❖ सदस्य: **हस्ताक्षरकर्ता -147 और पार्टियां -191।**
  - ✓ **भारत ने 2011 में इसकी पुष्टि की थी।**

> **केंद्रीय जांच ब्यूरो अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के लिए प्राप्त करने और प्रतिक्रिया देने के लिए राष्ट्रीय नोडल प्राधिकरण है।**

- ❖ **ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी)** यूएनटीओसी का संरक्षक **है।**
- ❖ UNTOC तीन **प्रोटोकॉल द्वारा पूरक है-**
  - ✓ **व्यक्तियों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में तस्करी को रोकने, दबाने और दंडित करने के लिए प्रोटोकॉल**
    - ➢ 2003 में अपनाया गया, यह व्यक्तियों में **तस्करी की एक सहमत परिभाषा के साथ पहला वैश्विक कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन है।**
    - ➢ भारत ने भी इसकी पुष्टि की है।
  - ✓ **भूमि, समुद्र और वायु द्वारा प्रवासियों की तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल**

  - **2004 में अपनाया गया**, यह प्रोटोकॉल संगठित आपराधिक समूहों की समस्या से संबंधित है जो प्रवासियों की तस्करी करते हैं, अक्सर प्रवासियों के लिए उच्च जोखिम पर और अपराधियों के लिए बहुत लाभ पर।

- ✓ **आग्नेयास्त्रों, उनके भागों और घटकों और गोला-बारूद के अवैध निर्माण और तस्करी के खिलाफ प्रोटोकॉल**
  - **2001 में अपनाया गया**, इसका उद्देश्य आग्नेयास्त्रों, उनके भागों और घटकों और गोला-बारूद के अवैध निर्माण और तस्करी को रोकने, मुकाबला करने और उन्मूलन करने के लिए राज्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना, सुविधाजनक बनाना और मजबूत करना है।
  - देशों **को किसी भी प्रोटोकॉल के पक्षकार बनने से पहले कन्वेंशन के पक्ष बनना होगा।**

11.2 एशियाई विकास बैंक

- एशियाई विकास बैंक (एडीबी) **ने** पूंजी प्रबंधन सुधारों **को मंजूरी दे दी है जो** जलवायु परिवर्तन सहित प्रमुख एशियाई संकटों **से निपटने के लिए अगले दशक में** नई वित्त पोषण क्षमता में लगभग 100 बिलियन डॉलर का लाभ **उठाएंगे।**

एशियन डेवलपमेंट बैंक के बारे में

- यह **19 दिसंबर 1966** को स्थापित **एक बहुपक्षीय विकास बैंक है।**
- मुख्यालय- **मनीला, फिलीपींस।**
- इसके पास **68 शेयरधारिता सदस्य हैं** , जिनमें **49 एशिया और प्रशांत क्षेत्र से हैं।**
  - ✓ **भारत** एशियाई विकास बैंक का **संस्थापक सदस्य** है।
- **उद्देश्य**- गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ एशिया और प्रशांत को समृद्धि, समावेशिता, लचीलापन और स्थिरता प्रदान करना।
- इसका **उद्देश्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना भी है।**
- इसके अलावा, यह **सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्विटी निवेश प्रदान करके सदस्यों और भागीदारों की सहायता करता है।**
- यह **कुछ निजी क्षेत्र की परियोजनाओं के साथ-साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए वित्तपोषण भी प्रदान करता है।**
- 2022 तक, **एडीबी के पांच सबसे बड़े शेयरधारक जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका** (प्रत्येक के कुल शेयरों का 15.6%), **पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (6.4%), भारत (6.3%), और ऑस्ट्रेलिया (5.8%) हैं।**
- एडीबी **को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा चलाया जाता है**, जो **एडीबी के सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करता है।**
- यह **विश्व बैंक पर बारीकी से तैयार किया गया** है और **इसमें एक समान भारित मतदान प्रणाली है जहां सदस्यों की पूंजी सदस्यता के अनुपात में वोट वितरित किए जाते हैं।**
- इसमें **प्राचीन ग्रंथों से चयनित 75 सूक्तियों को सूचीबद्ध किया गया है।**

11.3 अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय

- **आर्मेनिया की संसद ने** अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) में शामिल होने की दिशा **में एक महत्त्वपूर्ण कदम को मंजूरी दे दी है**, एक ऐसा कदम जो **पूर्व सोवियत देश के पारंपरिक सहयोगी रूस के साथ तनाव बढ़ाने के लिए तैयार है।**

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के बारे मे

- 'द रोम संविधि' **नामक** एक अंतरराष्ट्रीय संधि **द्वारा शासित**, आईसीसी **एकमात्र स्थायी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण है।**
- यह **अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के 1998 रोम संविधि** (इसकी स्थापना और शासी दस्तावेज) द्वारा बनाया गया था, और 1 जुलाई 2002 को काम करना शुरू **कर दिया जब संविधि लागू हुई।**
- **अधिदेश-** यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता के सबसे गंभीर अपराधों के आरोप में व्यक्तियों की जांच करता है और, जहां आवश्यक हो, मुकदमा चलाता है।
- रोम संविधि, चार मुख्य अपराधों पर आईसीसी अधिकार क्षेत्र प्रदान करता है:
  - ✓ नरसंहार का अपराध
  - ✓ मानवता के खिलाफ अपराध
  - ✓ युद्ध अपराध
  - ✓ आक्रामकता का अपराध
- **मुख्यालय- द हेग, नीदरलैंड।**
- सदस्य: 123 राष्ट्र रोम संविधि के राज्य पक्ष हैं और आईसीसी के अधिकार को मान्यता देते हैं।
  - ✓ भारत अमेरिका और चीन के साथ रोम संविधि का पक्षकार नहीं है।
- आधिकारिक भाषाएं (6): अंग्रेजी, फ्रेंच, अरबी, चीनी, रूसी और स्पेनिश।
- न्यायालय को राज्य दलों के योगदान और सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, व्यक्तियों, निगमों और अन्य संस्थाओं से स्वैच्छिक योगदान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
- अदालत में 18 न्यायाधीश हैं, जिनमें से प्रत्येक एक अलग सदस्य देश से है, जो नौ साल के कार्यकाल के लिए चुने गए हैं।
- 1 जुलाई 2002 को क़ानून के लागू होने के बाद किए गए अपराधों पर आईसीसी का अधिकार क्षेत्र है।

11.4 केप टाउन संधि

- **कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने** विमान , विमान इंजन, **एयरफ्रेम और हेलीकॉप्टरों के संबंध में दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के एक प्रमुख प्रावधान को रद्द करने के लिए** एक अधिसूचना जारी की है , जिससे **एयरलाइन के मामले में पट्टादाताओं के लिए अपने विमानों को पुनर्प्राप्त करना आसान हो जाएगा। दिवालिया हो जाता है.**
- अधिसूचना में कहा गया है: **"दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 (2016 का 31) की धारा 14 की उप-धारा (1) के प्रावधान, कन्वेंशन और प्रोटोकॉल के तहत लेनदेन, व्यवस्था या समझौतों पर लागू नहीं होंगे। विमान, विमान के इंजन, एयरफ्रेम और हेलीकॉप्टर के लिए।"**

- केप **टाउन कन्वेंशन, या केप टाउन संधि** , जिस पर **2001 में हस्ताक्षर किए गए थे** और **2006 में प्रभावी हुआ** , विमान पट्टेदारों और **फाइनेंसरों के लिए और विमान खरीद और पट्टे में शामिल पार्टियों के लिए ऋण देने के जोखिम को कम करता है।**
- केप टाउन संधि इसलिए तैयार की गई थी ताकि यदि एयरलाइंस भुगतान में चूक करती है तो **पट्टादाताओं के लिए विमान वापस लेना आसान हो जाए।**
  - ✓ इसे **2008 में भारत द्वारा अपनाया गया था।**

11.5 नागोर्नो-काराबाख और ओएससीई

- **भारत ने कहा है कि उसका मानना है** कि **नागोर्नो-काराबाख संघर्ष** का **कोई भी स्थायी समाधान** केवल **राजनयिक वार्ता के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से प्राप्त किया जा सकता है** ।
- इस प्रकार भारत **आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन मिन्स्क समूह के निरंतर प्रयासों का समर्थन करता है।**

ओएससीई मिन्स्क ग्रुप के बारे में

- मिन्स्क **समूह** , **जिसकी गतिविधियों को मिन्स्क प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है** , **नागोर्नो-काराबाख संघर्ष** का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए ओएससीई के प्रयासों का **नेतृत्व करता है** ।
- इसकी **सह-अध्यक्षता फ्रांस, रूसी संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा की जाती है।**
- समूह **के स्थायी सदस्य** बेलारूस **, जर्मनी, इटली, स्वीडन, फ़िनलैंड और तुर्की, साथ ही आर्मेनिया और अज़रबैजान हैं** ।
- **घूर्णन आधार** पर , **ओएससीई ट्रोइका** भी **एक स्थायी सदस्य है।**

यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन के बारे में

- OSCE **की उत्पत्ति 1970 के दशक की शुरुआत में** , **हेलसिंकी फाइनल एक्ट (1975)** और **यूरोप में सुरक्षा और सहयोग सम्मेलन (CSCE) के निर्माण से हुई।**
- **1994** में , **देखे गए परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने** के लिए **सीएससीई का नाम बदलकर यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन कर दिया गया ।**
- ओएससीई के पास **सुरक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसमें राजनीतिक-सैन्य, आर्थिक और पर्यावरणीय और मानवीय पहलू शामिल हैं** ।
- इसलिए यह सुरक्षा-संबंधी चिंताओं की **एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करता है , जिसमें हथियार नियंत्रण, विश्वास- और सुरक्षा-निर्माण के उपाय, मानवाधिकार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक, लोकतंत्रीकरण, पुलिसिंग रणनीतियाँ, आतंकवाद-विरोधी और आर्थिक और पर्यावरणीय गतिविधियाँ शामिल हैं।**
- **57 भाग लेने वाले राज्यों** के साथ **उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया, यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन - दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन है।**
  - ✓ **भारत सदस्य नहीं** है .
- **सभी 57 भाग लेने वाले राज्यों को समान दर्जा प्राप्त है** , और **निर्णय राजनीतिक रूप से सर्वसम्मति से लिए जाते हैं** , लेकिन **कानूनी रूप से बाध्यकारी आधार पर नहीं।**

नागोर्नो-करबाख के बारे में

- नागोर्नो-काराबाख **एक पहाड़ी क्षेत्र है जिसे आधिकारिक तौर पर अज़रबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है।**
- लेकिन इसकी **1.2 लाख आबादी मुख्य रूप से जातीय अर्मेनियाई है, जिसका आर्मेनिया के साथ घनिष्ठ सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक संबंध है ।**
- मूल रूप से, **नागोर्नो-काराबाख अज़रबैजान में एक जातीय अर्मेनियाई एन्क्लेव है ।**
- अर्मेनियाई **लोग ईसाई हैं, जबकि एज़ेरिस मुसलमान हैं ।**
- कॉन्क्लेव **5 किलोमीटर लंबे लाचिन कॉरिडोर के माध्यम से आर्मेनिया से जुड़ा है।**

11.6 नागोर्नो-काराबाख और ओएससीई

- **भारत ने कहा है कि उसका मानना है** कि **नागोर्नो-काराबाख संघर्ष** का **कोई भी स्थायी समाधान** केवल **राजनयिक वार्ता के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से प्राप्त किया जा सकता है ।**
- इस प्रकार भारत **आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन मिन्स्क समूह के निरंतर प्रयासों का समर्थन करता है।**

ओएससीई मिन्स्क ग्रुप के बारे में

- मिन्स्क **समूह** , **जिसकी गतिविधियों को मिन्स्क प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है** , **नागोर्नो-काराबाख संघर्ष** का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए ओएससीई के प्रयासों का **नेतृत्व करता है ।**
- इसकी **सह-अध्यक्षता फ्रांस, रूसी संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा की जाती है।**
- समूह **के स्थायी सदस्य** बेलारूस , **जर्मनी, इटली, स्वीडन, फ़िनलैंड और तुर्की, साथ ही आर्मेनिया और अज़रबैजान हैं ।**
- **घूर्णन आधार** पर , **ओएससीई ट्रोइका** भी **एक स्थायी सदस्य है।**

यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन के बारे में

- OSCE **की उत्पत्ति 1970 के दशक की शुरुआत में** , **हेलसिंकी फाइनल एक्ट (1975)** और **यूरोप में सुरक्षा और सहयोग सम्मेलन (CSCE) के निर्माण से हुई।**
- **1994** में , **देखे गए परिवर्तनों को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करने** के लिए **सीएससीई का नाम बदलकर यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन कर दिया गया ।**
- ओएससीई के पास **सुरक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसमें राजनीतिक-सैन्य, आर्थिक और पर्यावरणीय और मानवीय पहलू शामिल हैं ।**
- इसलिए यह सुरक्षा-संबंधी चिंताओं की **एक विस्तृत श्रृंखला को संबोधित करता है , जिसमें हथियार नियंत्रण, विश्वास- और सुरक्षा-निर्माण के उपाय, मानवाधिकार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक, लोकतंत्रीकरण, पुलिसिंग रणनीतियाँ, आतंकवाद-विरोधी और आर्थिक और पर्यावरणीय गतिविधियाँ शामिल हैं।**
- **57 भाग लेने वाले राज्यों** के साथ **उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया, यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन** - **दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन है।**
    - ✓ **भारत सदस्य नहीं** है .

- **सभी 57 भाग लेने वाले राज्यों को समान दर्जा प्राप्त है** , और **निर्णय राजनीतिक रूप से सर्वसम्मति से लिए जाते हैं** , लेकिन **कानूनी रूप से बाध्यकारी आधार पर नहीं।**

नागोर्नो-करबाख के बारे में

- नागोर्नो-काराबाख **एक पहाड़ी क्षेत्र है जिसे आधिकारिक तौर पर अज़रबैजान के हिस्से के रूप में मान्यता प्राप्त है।**
- लेकिन इसकी **1.2 लाख आबादी मुख्य रूप से जातीय अर्मेनियाई है, जिसका आर्मेनिया के साथ घनिष्ठ सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक संबंध है** ।
- मूल रूप से, **नागोर्नो-काराबाख अज़रबैजान में एक जातीय अर्मेनियाई एन्क्लेव है** ।
- अर्मेनियाई **लोग ईसाई हैं, जबकि एज़ेरिस मुसलमान हैं** ।
- कॉन्क्लेव **5 किलोमीटर लंबे लाचिन कॉरिडोर के माध्यम से आर्मेनिया से जुड़ा है।**

11.7 प्रसारण विकास के लिए एशिया-प्रशांत संस्थान

- **भारत को** लगातार **तीसरी बार एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (एआईबीडी) जनरल कॉन्फ्रेंस (जीसी) का अध्यक्ष चुना गया** है ।
- यह **एआईबीडी के इतिहास में पहली बार है।**
- यह कदम **एशिया प्रशांत और दुनिया भर के प्रसारण संगठनों द्वारा भारत पर जताए गए भरोसे को दर्शाता है।**

प्रसारण विकास के लिए एशिया-प्रशांत संस्थान (एआईबीडी) के बारे में

- **यूनेस्को के तत्वावधान में 1977 में स्थापित,** एआईबीडी **में** वर्तमान में **44 देशों के 92 सदस्य संगठन हैं** , जिनमें **26 सरकारी सदस्य (देश) शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व 48 प्रसारण अधिकारियों और प्रसारकों द्वारा किया जाता है** , और **44 सहयोगी (संगठन) एशिया के 28 देशों और क्षेत्रों द्वारा प्रतिनिधित्व करते हैं। , प्रशांत, यूरोप, अफ्रीका, अरब राज्य और उत्तरी अमेरिका।**
- **भारत एआईबीडी के संस्थापक सदस्यों** में से एक है , और **प्रसार भारती** , भारत का सार्वजनिक सेवा प्रसारक, **एआईबीडी** में **भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि निकाय है।**
- अंतर्राष्ट्रीय **दूरसंचार संघ** (आईटीयू), **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** (यूएनडीपी), और **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक सांस्कृतिक संगठन** (यूनेस्को) और **एशिया-प्रशांत प्रसारण संघ** (एबीयू) **संस्थान के संस्थापक संगठन हैं।** और वे **सामान्य सम्मेलन के गैर-मतदान सदस्य हैं।**
- इसका **सचिवालय कुआलालंपुर में स्थित है** और इसकी **मेजबानी मलेशिया सरकार द्वारा की जाती है।**

11.8 इजराइल फिलिस्तीन संघर्ष

- हमास **आतंकवादी समूह ने 1948 के बाद से यहूदी राज्य के क्षेत्र के अंदर अपना सबसे खराब हमला किया** , जिसमें कम से कम 250 इजरायली मारे गए और कई अन्य का अपहरण कर लिया गया।
- **वर्ष पर इज़राइल पर 'ऑपरेशन अल-अक्सा स्टॉर्म' के तहत** अभूतपूर्व हमला किया गया था ।

संघर्ष के बारे में

- अरब फ़िलिस्तीनियों और यहूदियों के बीच **संघर्ष की जड़ें** प्रथम **विश्व युद्ध** और **ऑटोमन साम्राज्य के विघटन में छिपी हैं** ।
- उस समय के दौरान, **फिलिस्तीन में यहूदियों का आप्रवासन बढ़ गया** , जिससे **यहूदी निवासियों और अरब आबादी के बीच तनाव पैदा हो गया।**
- **1917** में , **प्रथम विश्व युद्ध के दौरान** , **ब्रिटिश सरकार ने फिलिस्तीन में "यहूदी लोगों के लिए राष्ट्रीय घर" की स्थापना** के लिए समर्थन व्यक्त करते हुए **बाल्फोर घोषणा** जारी की ।
- **1947** में **संयुक्त राष्ट्र ने फ़िलिस्तीन को अरबों और यहूदियों के बीच विभाजित करने के लिए मतदान किया।**
- **यहूदी निवासियों ने समझौते को स्वीकार कर लिया** और **1948 में इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा की, जबकि अरबों ने समझौते को अस्वीकार कर दिया, जिसके कारण समय के साथ 4 युद्ध हुए ।**

योम किप्पुर युद्ध के बारे में

- **योम किप्पुर या रमज़ान युद्ध 1973 में लड़ा गया था।**
- यह **चौथा अरब-इजरायल युद्ध था जो एक तरफ इजराइल** और दूसरी **तरफ मिस्र और सीरिया के नेतृत्व में अरबों के बीच लड़ा गया था** ।
- **1978 में आउटकम-कैंप डेविड एकॉर्ड** जिसमें-
  - ✓ **इज़राइल ने सिनाई प्रायद्वीप मिस्र को लौटा दिया।**
  - ✓ **इसके अलावा 1979 की मिस्र-इजरायल शांति संधि किसी अरब देश द्वारा इजरायल को एक राज्य के रूप में मान्यता देने का पहला उदाहरण था ।**

हमास के बारे में

- हमास एक उग्रवादी संगठन है जो राजनीतिक रूप से गाजा पट्टी को नियंत्रित करता है और **इजरायल के राज्य के दर्जे को मान्यता नहीं देता है।**
- यह **ओस्लो शांति समझौते (1993) का हिंसक रूप से विरोध करता है** जिसके तहत **फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन (पीएलओ) ने औपचारिक रूप से इज़राइल राज्य को मान्यता दी थी।**

11.9 पुरालेख पर अंतर्राष्ट्रीय परिषद

- **अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद कांग्रेस** में 2023 में **अबू धाबी , भारत और संयुक्त अरब अमीरात** के प्रतिनिधि अपनी साझा अभिलेखीय विरासत को संरक्षित करने में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए एक साथ आए।
- कांग्रेस का इस वर्ष का संस्करण "समृद्ध ज्ञान **समाज " विषय के तहत आयोजित किया गया है।**
- यह आधुनिक समाजों में जानकारी प्रदान करने और उस तक पहुंच की परिवर्तनकारी क्षमताओं का पता लगाने के लिए **अभिलेखागार के क्षेत्र में विशेषज्ञों और विशेषज्ञों के** साथ-साथ **दुनिया भर के विचारकों को एक साथ लाता है।**

अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) के बारे में

- आईसीए **विश्व अभिलेखीय समुदाय के लिए पेशेवर संगठन है, जो विश्व की अभिलेखीय विरासत के संरक्षण, विकास और उपयोग को बढ़ावा देने** के लिए समर्पित है ।
- सचिवालय - **पेरिस, फ़्रांस**

- इसकी **स्थापना 1948 में यूनेस्को के तत्वावधान** में की गई थी।
- यह **एक तटस्थ, गैर-सरकारी संगठन है , जो सदस्यता** द्वारा **वित्त पोषित है** , जिसका अर्थ है कि यह **राजनीतिक प्रक्रिया से स्वतंत्रता बनाए रखता है और इसके सदस्यों में सार्वजनिक और निजी अभिलेखागार संस्थान और व्यक्ति शामिल हैं** ।
- यह **यूनेस्को और यूरोप की परिषद जैसे अंतर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम करता है**

11.10 यूएनएचआरसी

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने **मानवाधिकार परिषद में एक सीट फिर से हासिल करने के रूस के प्रयास को खारिज कर दिया, जहां से उसे यूक्रेन पर आक्रमण के बाद बाहर कर दिया गया था।**
- इसके अलावा, ब्राजील, चीन, फ्रांस, अल्बानिया **, जापान सहित 15 नए देशों को** सेवा के लिए चुना गया।
  - ✓ मतदान **गुप्त मतदान द्वारा होता है।**

यूएनएचआरसी के बारे में

- **संयुक्त राष्ट्र के भीतर** एक अंतर-सरकारी निकाय है जो **दुनिया भर में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने** के लिए जिम्मेदार है ।
- 1971 में स्थापना
- **मानवाधिकार पर** पूर्व संयुक्त राष्ट्र आयोग का स्थान ले लिया ।
- **मानवाधिकार उच्चायुक्त का कार्यालय (OHCHR) सचिवालय के रूप में कार्य करता है** और जिनेवा **, स्विट्जरलैंड में स्थित है।**
- मानवाधिकार परिषद के 47 सदस्यों को **समान भौगोलिक वितरण के** आधार पर **क्षेत्र द्वारा आवंटित किया जाता है ।**
  - ✓ सीटें **5 क्षेत्रों में बांटी गई हैं.**
    - **अफ़्रीकी राज्य** : 13 सीटें
    - **एशिया-प्रशांत राज्य** : 13 सीटें
    - **लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई राज्य** : 8 सीटें
    - **पश्चिमी यूरोपीय और अन्य राज्य** : 7 सीटें
    - **पूर्वी यूरोपीय राज्य** : 6 सीटें
- सदस्य **तीन साल के कार्यकाल के लिए कार्य करते हैं** और **लगातार दो कार्यकाल के बाद तत्काल पुन: चुनाव के लिए पात्र नहीं होते हैं।**

11.11 अंतर संसदीय संघ

- नौवें **P20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी हाल ही में** नई दिल्ली में **IPU के सहयोग से भारतीय संसद** द्वारा की गई थी ।
  - ✓ P20 शिखर सम्मेलन **वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने वाले G20 संसद अध्यक्षों की एक वार्षिक सभा है।**

- इसके अलावा दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा पहली बार G20 संसदीय अध्यक्षों का शिखर सम्मेलन (P20 शिखर सम्मेलन) आयोजित किया गया, जो **हाल** ही में **इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, यशोभूमि , द्वारका, दिल्ली में संपन्न हुआ।**

आईपीयू के बारे में

- आईपीयू **राष्ट्रीय संसदों का वैश्विक संगठन है।**
- इसमें **179 सदस्य** (**भारत** सहित) और **14 सहयोगी सदस्य हैं।**
- आईपीयू **सुविधा देता है** संसदीय कूटनीति और **दुनिया भर में शांति, लोकतंत्र और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संसदों और सांसदों को सशक्त बनाती है।**
- नारा- **लोकतंत्र के लिए सभी के लिए।**
- यह **लोकतांत्रिक शासन, संस्थानों और मूल्यों को बढ़ावा देता है, लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को व्यक्त करने और उनका जवाब देने के** लिए संसदों और **सांसदों के साथ काम करता है** ।
- यह राजनीतिक संवाद, **सहयोग और संसदीय कार्रवाई के माध्यम से शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकार, लैंगिक समानता, युवा सशक्तिकरण, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास के लिए काम करता है।**
- **मुख्य रूप से सदस्यों द्वारा सार्वजनिक निधि से** वित्तपोषित ।
- मुख्यालय - **जिनेवा, स्विट्जरलैंड, न्यूयॉर्क, अमेरिका** और **वियना, ऑस्ट्रिया** में कार्यालय ।

11.12 IORA- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन

- **हिंद महासागर रिम एसोसिएशन** (आईओआरए) की **मंत्रिपरिषद (सीओएम) की बैठक हाल ही में कोलंबो** में आयोजित की गई ।
- **23 देशों के समूह** के **विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों** ने भाग लिया ।
- बैनर थीम- **'क्षेत्रीय वास्तुकला को मजबूत करना: हिंद महासागर की पहचान को मजबूत करना '**
- **श्रीलंका ने इस वर्ष बांग्लादेश से अध्यक्ष के रूप में कार्यभार** संभाला है , और **भारत उपाध्यक्ष है** , जिसका अर्थ है कि **IORA की तिकड़ी दक्षिण एशियाई क्षेत्र के भीतर है।**
- **'कोलंबो कम्यूनिक** और **'आईओआरए विजन 2030 एंड बियॉन्ड' को अपनाया गया** ।

आईओआरए के बारे में

- जबकि **IORA का गठन 1997 में** (तब इसे **क्षेत्रीय सहयोग के लिए हिंद महासागर क्षेत्र-संघ कहा जाता था**) **मॉरीशस में किया गया था** , इसकी **उत्पत्ति 1995 में दिल्ली में नेल्सन मंडेला द्वारा दिए गए भाषण से हुई थी** ।
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन में अफ्रीका, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया, **दक्षिण पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और हिंद महासागर में और उसके आसपास स्थित तटीय राज्यों के 23 देश शामिल हैं** ।
- यह समूह, जिसका **सर्वोच्च निकाय विदेश मंत्रियों की परिषद है ,** जिसकी **साल में एक बार बैठक होती है** , **हर दो साल में सदस्यों के माध्यम से बारी-बारी से बैठक करता है** ।
- IORA की सदस्यता **में 23 देश शामिल हैं** : **ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कोमोरोस, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, केन्या, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, मोज़ाम्बिक, ओमान, सेशेल्स, सिंगापुर, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन।**

- **11 डायलॉग पार्टनर** भी हैं .
- IORA के **सात प्राथमिकता वाले क्षेत्र समुद्री सुरक्षा और संरक्षा** हैं ; **व्यापार और निवेश सुविधा; मत्स्य पालन प्रबंधन; आपदा जोखिम प्रबंधन; शैक्षणिक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी; पर्यटन** और **सांस्कृतिक आदान-प्रदान; और लिंग सशक्तिकरण।**
- **महत्त्व- दुनिया की** एक तिहाई आबादी (2.6 बिलियन लोग) इस क्षेत्र में रहती है, और **वैश्विक तेल व्यापार का 80%** , **दुनिया के कंटेनरीकृत कार्गो का 50%** और **इसके थोक कार्गो का 33%** यहीं से गुजरता है।
  - ✓ यह क्षेत्र **कुल मिलाकर 1 ट्रिलियन डॉलर की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करता है** और **इंट्रा-आईओआरए व्यापार का बिल लगभग 800 बिलियन डॉलर है।**

11.13 भारत-यूके 2+2 संवाद

- **भारत** और **यूके ने नई दिल्ली में** अपने **पहले 2+2 विदेशी मामलों और रक्षा संवाद के दौरान व्यापार, निवेश, रक्षा , महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और नागरिक उड्डयन में सहयोग की संभावनाओं** पर चर्चा की ।
- दोनों पक्षों ने '2+2' विदेश और **रक्षा वार्ता में इंडो-पैसिफिक और व्यापार पर चर्चा की।**
- **आतंकवाद विरोध, एचएडीआर (मानवीय सहायता और आपदा राहत) और समुद्री सुरक्षा के संबंध में** विचारों पर भी चर्चा की ।
- भारत में **अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और रूस** जैसे **करीबी रणनीतिक साझेदारों** के साथ **वरिष्ठ अधिकारियों या मंत्रियों के स्तर** पर **2+2 संवाद होता है।**

11.14 विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन

- विश्व **स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2023 हाल ही में बर्लिन, जर्मनी में आयोजित किया गया** था ।
- यह एक **अग्रणी वैश्विक स्वास्थ्य सम्मेलन और नेटवर्क है** , **जो स्वस्थ भविष्य के लिए एजेंडा निर्धारित करने के लिए दुनिया भर से राजनीति, विज्ञान, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के हितधारकों को एक साथ लाता है।**
- थीम- **"वैश्विक स्वास्थ्य कार्रवाई के लिए एक निर्णायक वर्ष"।**

11.15 मॉन्ट्रो कन्वेंशन

- तुर्की रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि **अंकारा बोस्फोरस और डार्डानेल्स** के माध्यम से **काले सागर में गैर-काला सागर देशों के युद्धपोतों के प्रवेश न करने पर मॉन्ट्रो कन्वेंशन का** ईमानदारी से पालन करना जारी रखना चाहता है ।

मॉन्ट्रेक्स कन्वेंशन के बारे में

- जलडमरूमध्य **के शासन के संबंध में मॉन्ट्रो कन्वेंशन** या **बस मॉन्ट्रो कन्वेंशन के रूप में जाना जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय समझौता** है **जो तुर्की में बोस्फोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य के उपयोग को नियंत्रित करता है।**
- अंतर्राष्ट्रीय **समझौते पर ऑस्ट्रेलिया, बुल्गारिया, फ्रांस, ग्रीस, जापान, रोमानिया, यूगोस्लाविया, यूनाइटेड किंगडम, सोवियत संघ और तुर्की द्वारा हस्ताक्षर किए गए** थे और यह **नवंबर 1936** से प्रभावी है ।

- इसके मुताबिक **तुर्की जलडमरूमध्य पर तुर्की का नियंत्रण है.**
- **युद्ध की स्थिति में** , यह समझौता तुर्की को नौसैनिक युद्धपोतों के पारगमन को विनियमित करने और **संघर्ष में शामिल देशों से संबंधित युद्धपोतों के रास्ते को अवरुद्ध करने का अधिकार देता है।**
- **व्यापारिक जहाजों को तुर्की जलडमरूमध्य से होकर गुजरने की आजादी मिलती है** , जबकि **युद्ध के जहाजों के मार्ग पर कुछ प्रतिबंध होते हैं जो इस बात पर निर्भर करते हैं कि ये जहाज काला सागर तटीय राज्यों से संबंधित हैं या नहीं** ।
- बोस्पोरस **और डार्डनेल्स जलडमरूमध्य , जिसे तुर्की जलडमरूमध्य या काला सागर जलडमरूमध्य** भी कहा जाता है , **मरमारा सागर के माध्यम से एजियन सागर और काला सागर को जोड़ते हैं।**
- यह **एकमात्र मार्ग है जिसके माध्यम से काला सागर के बंदरगाह भूमध्य सागर और उससे आगे तक पहुंच सकते हैं** ।

11.16 वियना कन्वेंशन

- विदेश मंत्री के अनुसार, **भारतीय राजनयिकों को सुरक्षा प्रदान करने में कनाडा की असमर्थता राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के "सबसे बुनियादी पहलू" को** चुनौती देती है।
- कनाडा ने हाल ही में अपने 41 राजनयिकों को भारत से वापस ले लिया और मुंबई, **बेंगलुरु और चंडीगढ़ में अपने वाणिज्य दूतावासों में वॉक-इन सेवाओं को "रोक" दिया** , जिससे भारतीयों के लिए कनाडाई वीज़ा सुविधाएं प्रभावित हुईं।
- इससे पहले **कनाडा में भारतीय मिशनों ने राजनयिक विवाद के बीच सितंबर** में वीजा जारी करना बंद कर दिया था **।**

वियना कन्वेंशन के बारे में

- राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन (1961) एक **संयुक्त राष्ट्र संधि है** जो **देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध सुनिश्चित करने और उचित संचार चैनल बनाए रखने के लिए कुछ सामान्य सिद्धांतों और शर्तों को निर्धारित करती है कि देशों को एक-दूसरे के राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ** कैसा व्यवहार करना चाहिए।
- **193 देशों ने सम्मेलन का अनुमोदन किया है** , जिसका अर्थ है कि वे **सहमत हैं कि यह उन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी होना चाहिए।**
  - ✓ **भारत ने 1972 के राजनयिक संबंध (वियना कन्वेंशन) अधिनियम** के माध्यम से इसकी पुष्टि की।
- कन्वेंशन के **अनुच्छेद 9 में कहा गया है कि प्राप्तकर्ता राज्य, किसी भी समय और अपने निर्णय की व्याख्या किए बिना, भेजने वाले राज्य को सूचित कर सकता है कि मिशन का प्रमुख** या मिशन के राजनयिक स्टाफ का **कोई भी सदस्य अवांछित या अवांछित है** ।
- इसमें **राजनयिक छूट भी शामिल है** ।
  - ✓ यह **राजनयिकों को उस देश द्वारा दी गई कुछ कानूनों और करों से छूट का विशेषाधिकार है जिसमें वे तैनात हैं** ।
  - ✓ इसे इसलिए तैयार किया गया था ताकि **राजनयिक मेज़बान देश से डर, धमकी या धमकी के बिना काम कर सकें।**
- **मेजबान राष्ट्र राजनयिकों को** उनकी स्वतंत्रता और गरिमा पर **हमलों से बचाने की जिम्मेदारी** लेते हैं ।

11.17 अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

- **अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के** महानिदेशक **राफेल मारियानो ग्रॉसी ने** पीएम के साथ एक बैठक के दौरान भारत के जिम्मेदार परमाणु ऊर्जा रिकॉर्ड और नागरिक परमाणु अनुप्रयोगों में इसके वैश्विक नेतृत्व की सराहना की।
- प्रधान मंत्री ने सुरक्षित और सुरक्षित परमाणु ऊर्जा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और **पर्यावरण के अनुकूल परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने** के **महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर जोर दिया।**
- दोनों पक्ष **असैन्य परमाणु प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के विस्तार के लिए भारत और आईएईए के बीच सहयोग का पता लगाने पर सहमत हुए।**

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बारे में

- IAEA **परमाणु क्षेत्र** में **वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग के लिए विश्व का केंद्रीय अंतरसरकारी मंच है ।**
- IAEA **की स्थापना 1957 में परमाणु प्रौद्योगिकी की खोजों और विविध उपयोगों से उत्पन्न गहरी आशंकाओं और अपेक्षाओं के** जवाब में की गई थी।
- भारत IAEA का संस्थापक सदस्य है।
- इसे व्यापक रूप से दुनिया के **"शांति और विकास के लिए परमाणु" संगठन के रूप में जाना जाता है** और यह **संयुक्त राष्ट्र महासभा** को **सालाना रिपोर्ट करता है ।**

> **भारत और आईएईए ने** 2009 में **भारत में** नागरिक परमाणु सुविधाओं के लिए सुरक्षा उपायों के अनुप्रयोग के लिए एक समझौते **पर हस्ताक्षर किए।**

- IAEA **परमाणु क्षेत्र में सहयोग का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र है।**
- मुख्यालय - **वियना, ऑस्ट्रिया।**
- IAEA **परमाणु प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित, संरक्षित और शांतिपूर्ण उपयोग को** बढ़ावा देने के लिए **अपने सदस्य राज्यों और दुनिया भर के कई भागीदारों के साथ काम करता है ।**
- वह था **एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण दुनिया के लिए** उनके काम के लिए **2005 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।**

11.18 तीन बेसिनों का शिखर सम्मेलन

- **तीन बेसिनों का शिखर सम्मेलन तीन पारिस्थितिक तंत्रों - अमेज़ॅन , कांगो , बोर्नियो- मेकांग और दक्षिण पूर्व एशिया** के लिए **दक्षिण-दक्षिण शासन को मजबूत करने** के लिए **कांगो गणराज्य के ब्रेज़ाविल** में एकत्रित होगा ।
  - ✓ ये तीन वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र **दुनिया के 80% उष्णकटिबंधीय जंगलों** और **पृथ्वी की जैव विविधता का 2/3 हिस्सा बनाते हैं।**
- इन घाटियों में **व्यापक वन हानि देखी जा रही है** और **एक प्रणालीगत पारिस्थितिकी तंत्र के टूटने की ओर बढ़ रहे हैं** जो **वैश्विक जलवायु स्थिरता, जैव विविधता और लाखों स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों की आजीविका को प्रभावित करता है।**

- **तीन उष्णकटिबंधीय वन बेसिन का पहला शिखर सम्मेलन** 2011 **में ब्रेज़ाविले** में आयोजित किया गया था और **इसके परिणामस्वरूप तीन उष्णकटिबंधीय वन बेसिन के शिखर सम्मेलन की घोषणा हुई** , जिसने **तीन बेसिन के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच स्थापित करने की आवश्यकता को मान्यता दी ।**

11.19 रॉबर्ट फिको स्लोवाकिया के नए प्रधानमंत्री होंगे

- **स्लोवाकिया के** नवनियुक्त **प्रधान मंत्री** रॉबर्ट **फिको ने** चौथी **बार पदभार ग्रहण किया** है ।
- फ़िको की **स्मर पार्टी ने पिछले महीने के चुनावों में** जीत हासिल की **और हलास और अति-राष्ट्रवादी स्लोवाक नेशनल पार्टी (एसएनएस) के साथ गठबंधन सरकार** बनाई ।

11.20 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नेटवर्क

- **भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग** (CCI) **बार्सिलोना, स्पेन** में **ICN वार्षिक सम्मेलन 2023** में **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा नेटवर्क (ICN)** के **संचालन समूह का सदस्य बन गया है।**
- ICN **में 130 देशों की 140 प्रतिस्पर्धा एजेंसियां शामिल हैं।**
- I **CN को** इसके **शीर्ष निकाय द्वारा निर्देशित किया जाता है - 18 सदस्यों** का एक **संचालन समूह**
- यह पहली बार है कि सीसीआई आईसीएन के संचालन **समूह का सदस्य बन गया है** और **सदस्यता दो साल के लिए है ।**
- आईसीएन **प्रतिस्पर्धा अधिकारियों को नियमित संपर्क बनाए रखने और संबोधित करने के लिए एक विशेष** लेकिन **अनौपचारिक स्थल प्रदान करता है व्यावहारिक प्रतिस्पर्धा संबंधी चिंताएँ।**
- आईसीएन **का मिशन दुनिया भर में प्रतिस्पर्धा नीति में बेहतर मानकों** और प्रक्रियाओं **को अपनाने की वकालत करना** है ।

11.21 अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

- **अंतर्राष्ट्रीय श्रम के** एक नए संक्षिप्त विवरण के अनुसार **संगठन (आईएलओ) ने 82 देशों को कवर करते हुए** एक अध्ययन में पाया है कि **इस चाइल्डकैअर नीति अंतर को पाटने में निवेश किए गए एक अमेरिकी डॉलर के परिणामस्वरूप 2035 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 3.76 अमेरिकी डॉलर की औसत वृद्धि हो** सकती है।
- इस तरह के **निवेश से लिंग और अन्य असमानताओं में कमी आ सकती है, अच्छी नौकरियों का सृजन हो सकता है, स्वास्थ्य और खुशहाली में सुधार हो सकता है और सामाजिक न्याय का रास्ता तैयार करने में मदद मिल सकती है** ।
  - ✓ चाइल्डकैअर **नीति अंतर वैधानिक चाइल्डकैअर-संबंधी छुट्टी की समाप्ति और मुफ्त, सार्वभौमिक प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा या प्राथमिक शिक्षा की शुरुआती उम्र के बीच की अवधि को** संदर्भित करता है ।
  - ✓ वर्तमान में, **वैश्विक स्तर पर यह औसत लगभग 4.2 वर्ष है।**

आईएलओ के बारे में

- अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) **संयुक्त राष्ट्र की एकमात्र त्रिपक्षीय एजेंसी है** ।
  - ✓ यह **सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को एक साथ लाता है।**
- ILO की **स्थापना 1919 में वर्साय की संधि** द्वारा **राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में की गई थी।**
- ILO **1946 में संयुक्त राष्ट्र की पहली संबद्ध विशेष एजेंसी बन गई।**
- मुख्यालय- **जिनेवा, स्विट्जरलैंड**
- **ILO के 187 सदस्य देश हैं।**
  - ✓ भारत अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का **संस्थापक सदस्य है** (**1919 से**)।
- ILO के चार रणनीतिक उद्देश्य हैं-
  - ✓ **कार्यस्थल पर मानकों** और **मौलिक सिद्धांतों और अधिकारों को बढ़ावा देना और उन्हें साकार करना**
  - ✓ **अच्छे रोजगार और आय** के **अधिक अवसर पैदा करें**
  - ✓ **सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा की कवरेज** और प्रभावशीलता को बढ़ाना , और
  - ✓ **त्रिपक्षवाद** और **सामाजिक संवाद को मजबूत करें**
- **1969 में नोबेल शांति पुरस्कार** मिला ।

12. यादगार दिन

12.1 विश्व प्रकृति दिवस 2023- 3 अक्टूबर

- **3 अक्टूबर, 2010 को विश्व प्रकृति संगठन** (डब्ल्यूएनओ) द्वारा स्थापित **विश्व प्रकृति दिवस** , **विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे पर्यावरण के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।**
- **विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस 2023 के लिए चुनी गई थीम ' वन और आजीविका: लोगों और ग्रह को कायम रखना'** है ।

12.2 विश्व पशु दिवस- 4 अक्टूबर

- **विश्व पशु दिवस प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को मनाया** जाता है ।
- यह **पशु कल्याण को बढ़ावा देने** और **उनके अधिकारों की सुरक्षा पर केंद्रित** एक वैश्विक स्मरणोत्सव के रूप में कार्य करता है ।
- **विश्व पशु दिवस 2023 का विषय " बड़ा या छोटा, हम उन सभी से प्यार करते हैं"** है ।

12.3 विश्व कपास दिवस

- **7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता** है ।
- इस दिन के समारोह **निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देते हैं और विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए कपास उद्योग के सभी पहलुओं में शामिल होने में मदद करते हैं।**

- पहले **विश्व कपास दिवस का सुझाव विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा 7 अक्टूबर, 2019 को बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली** के **समर्थन** से दिया गया था , जिन्हें **कॉटन फोर या सी4 देशों के रूप में जाना जाता है।**
- विश्व कपास दिवस 2023 की **थीम ' खेत से लेकर फैशन तक, सभी के लिए कपास को उचित और टिकाऊ बनाना' है।**

12.4 विश्व कपास दिवस

- **7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता** है ।
- इस दिन के समारोह **निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देते हैं और विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए कपास उद्योग के सभी पहलुओं में शामिल होने में मदद करते हैं।**
- पहले **विश्व कपास दिवस का सुझाव विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा 7 अक्टूबर, 2019 को बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली** के **समर्थन** से दिया गया था , जिन्हें **कॉटन फोर या सी4 देशों के रूप में जाना जाता है।**
- विश्व कपास दिवस 2023 की **थीम ' खेत से लेकर फैशन तक, सभी के लिए कपास को उचित और टिकाऊ बनाना' है।**

12.5 विश्व डाक दिवस 2023- 9 अक्टूबर

- **विश्व डाक दिवस प्रत्येक वर्ष 9 अक्टूबर को मनाया जाता** है ।
- इस **आयोजन की घोषणा 1969 में टोक्यो में यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस द्वारा की गई थी 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) की स्थापना की वर्षगांठ मनाने के एक** साधन के रूप में ।
- **विश्व डाक दिवस 2023 की थीम "विश्वास के लिए एक साथ: एक सुरक्षित और जुड़े भविष्य के लिए सहयोग"** है ।
  - ✓ यह **सरकारों और उनकी डाक सेवाओं से डिजिटल एकल डाक क्षेत्र के विकास का समर्थन करने का आग्रह करता है** जो **सदियों से विकसित व्यापक भौतिक नेटवर्क का पूरक है।**

12.6 अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023

- हर साल **11 अक्टूबर** को वैश्विक **समुदाय अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023 मनाता है** ।
- इस **दिन का उद्देश्य "लड़कियों की शिक्षा, उनके अधिकारों और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने" के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना है।**
- यूनिसेफ की वेबसाइट के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2023 का विषय है, " लड़कियों के अधिकारों में निवेश करें: **हमारा नेतृत्व, हमारा कल्याण।"**
  - ✓ यह **लड़कियों और महिलाओं के अधिकारों को कम करने और लैंगिक समानता पर प्रगति हासिल करने के लिए कार्रवाई करने पर केंद्रित है** ।
- संयुक्त **राष्ट्र महासभा ने 2011 में एक संकल्प 66/170 को अपनाकर '11 अक्टूबर' को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस** घोषित किया , ताकि उनके अधिकारों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को पहचाना जा सके ।

12.7 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस- 10 अक्टूबर

- विश्व **मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता** है ।

- विश्व **मानसिक स्वास्थ्य दिवस की स्थापना 1992** में उस समय के उप **महासचिव रिचर्ड हंटर के नेतृत्व में WFMH द्वारा की गई** थी ।
- इसे **मानसिक बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने और सीमावर्ती व्यक्तित्व विकार, अवसाद, चिंता आदि** जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा शुरू करने और **इससे पीड़ित लोगों को एक सुरक्षित स्थान और आराम प्रदान करने के लिए मनाया जाता** है ताकि वे खुले तौर पर इसे स्वीकार कर सकें और संबोधित कर सकें।
- **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस** 2023 **की** थीम **"मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है" मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए व्यक्तियों और समुदायों को एक साथ आने का अवसर** प्रदान करता है ।

12.8 आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2023- 13 अक्टूबर

आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रतिवर्ष 13 अक्टूबर को मनाया जाता है ।

- यह **आपदाओं और असमानता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर वैश्विक ध्यान लाता है।**
- **आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस** का इतिहास **1989 से मिलता है जब** संयुक्त **राष्ट्र महासभा ने दुनिया भर में जोखिम-जागरूकता और आपदा न्यूनीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए** इस दिन की स्थापना की थी ।
  - ✓ तब से यह दिवस प्रतिवर्ष **13 अक्टूबर को मनाया जाता है।**
- **आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2023** का विषय **"लचीले भविष्य के लिए असमानता से लड़ना" है** ।

12.9 विश्व छात्र दिवस- 15 अक्टूबर

- **विश्व छात्र दिवस प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को** मनाया जाता है **।**
- इस वर्ष की **थीम-** " **असफल: सीखने में पहला प्रयास" है।**
  - ✓ इसे **शिक्षा मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा पेश किया गया है,** इसका उद्देश्य **छात्रों को असफलता को सीखने के अनुभव के रूप में स्वीकार करने और अपनी शैक्षिक यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित करना है।**
- संयुक्त **राष्ट्र ने 2010 में आधिकारिक तौर पर 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस** के रूप में नामित किया ।
- यह **डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम** की **जयंती** पर **मनाया जाता है।**

12.10 विश्व खाद्य दिवस- 16 अक्टूबर

- हर साल **16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस** मनाया जाता है ।
- संयुक्त **राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना 1945 में हुई थी** ।
- **उसके चौंतीस साल बाद , 1979** में , एफएओ सम्मेलन में, **विश्व खाद्य दिवस को आधिकारिक तौर पर विश्व अवकाश के रूप में स्वीकार किया गया।**
- **विश्व खाद्य दिवस का विषय** है - **जल ही जीवन है, जल ही भोजन है । किसी को भी पीछे न छोड़ें।**

12.11 राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

- भारत सरकार ने 23 अगस्त **की तिथि निर्धारित की है राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस** के रूप में
- इस वर्ष 23 अगस्त को, **चंद्रयान 3 मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंडिंग करके** एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया।
- **भारत चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा** और **चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के आसपास पहुंचने वाला पहला देश** बन गया।

12.12 अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस - 17 अक्टूबर

- **गरीबी उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है।**
- यह दिन **गरीबी की रोकथाम के लिए जागरूकता पैदा करने और वैश्विक उपायों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।**
- **22 दिसंबर 1992** को महासभा **ने 17 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस** के रूप में घोषित किया।
- **अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस 2023 का विषय** " सभ्य **कार्य और सामाजिक सुरक्षा: सभी के लिए व्यवहार में गरिमा लाना" है** ।

12.13 विश्व आघात दिवस 2023- 17 अक्टूबर

- हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व आघात दिवस, आघात **, इसके कारणों, लक्षणों और रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित** है।
- **आघात में दुर्घटनाओं, चोटों, शारीरिक हिंसा, बलात्कार, प्राकृतिक आपदाओं, या किसी व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रभावित करने वाली किसी भी घटना के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ** शामिल हैं।

12.14 विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस 2023- 20 अक्टूबर

- **रोकथाम, निदान और उपचार के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हर साल 20 अक्टूबर को विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस मनाया जाता है** ।
- इस वर्ष की **थीम है "हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए कदम बढ़ाएं - बेहतर हड्डियों का निर्माण करें "**
- **ऑस्टियोपोरोसिस** एक **हड्डी विकार है जो हड्डियों में अचानक संरचनात्मक परिवर्तन के कारण होता है** , जिसके परिणामस्वरूप **हड्डी के द्रव्यमान और हड्डी के खनिज घनत्व में कमी आती है** ।
  - ✓ नतीजतन, यह स्थिति **हड्डियों को चोटों और फ्रेक्चर के प्रति संवेदनशील बना देती है।**

12.15 विश्व सांख्यिकी दिवस- 20 अक्टूबर

- विश्व सांख्यिकी दिवस **हर वर्ष 20 अक्टूबर को मनाया जाता है।**
- संयुक्त **राष्ट्र महासभा ने 20** अक्टूबर **2015** को विश्व सांख्यिकी दिवस की स्थापना की।
- **विश्व सांख्यिकी दिवस का मुख्य महत्व** लोगों **को सुविज्ञ निर्णय लेने के लिए सटीक, विश्वसनीय और त्रुटि मुक्त सांख्यिकीय डेटा के महत्व के बारे में शिक्षित और जागरूक करना** है।

12.16 अंतर्राष्ट्रीय रसोइया दिवस- 20 अक्टूबर

- हर साल, **20 अक्टूबर को** , **खाना पकाने की कला और विज्ञान को श्रद्धांजलि देते हुए, दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय शेफ दिवस मनाया** जाता **है** ।

- इसे **2004 में दिवंगत शेफ डॉ. बिल गैलाघेर द्वारा पेश किया गया था** और **यह दुनिया भर में शेफ के योगदान का सम्मान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।**
- इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय शेफ दिवस की थीम **'एक स्वस्थ भविष्य का विकास' है।**

12.17 संयुक्त राष्ट्र दिवस- 24 अक्टूबर

- **24 अक्टूबर** को , संयुक्त राष्ट्र दिवस 1945 में संयुक्त **राष्ट्र चार्टर के लागू होने की वर्षगांठ का प्रतीक है** ।
- सहित इसके **अधिकांश हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा इस संस्थापक दस्तावेज़ के अनुसमर्थन** के साथ **, संयुक्त राष्ट्र आधिकारिक तौर पर अस्तित्व में आया।**
- **1971** में , **संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प 2782 को अपनाकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया** , जिसमें **संयुक्त राष्ट्र दिवस को एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव के रूप में नामित किया गया।**

12.18 विश्व विकास सूचना दिवस- 24 अक्टूबर

- **विश्व विकास सूचना दिवस , हर साल 24 अक्टूबर को** मनाया जाता है , जो **वैश्विक विकास चुनौतियों और इन मुद्दों के समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालता है** ।
- यह दिन सूचनाओं का **प्रचार-प्रसार करने और जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए उनकी राय जुटाने के लिए भी समर्पित है** ।
- **1972** में , **संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विकासात्मक समस्याओं की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से विश्व विकास सूचना दिवस की स्थापना की।**

12.19 विश्व पोलियो दिवस- 24 अक्टूबर

- विश्व पोलियो दिवस **प्रत्येक वर्ष 24 अक्टूबर को मनाया जाता है** ।
- यह दिन **हर बच्चे को इस विनाशकारी बीमारी से बचाने** के लिए **पोलियो टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने** और **उन लोगों को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है जिनके प्रयासों से दुनिया के कई हिस्सों में पोलियो का उन्मूलन हुआ।**
- **1988** में , पोलियो वायरस **125 देशों में मौजूद** था , जिससे **प्रतिदिन अनुमानित 1,000 बच्चे प्रभावित होते थे** ।
- उस वर्ष, **दुनिया भर में पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य** के साथ **वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल (जीपीईआई) शुरू की गई थी ।**
- पोलियो **केवल दो देशों - अफगानिस्तान और पाकिस्तान - में लगातार मौजूद रहता है।**
- **विश्व पोलियो दिवस 2023** का **विषय " माताओं और बच्चों के लिए एक स्वस्थ भविष्य"** है ।

पोलियो के बारे में

- पोलियो, एक जानलेवा बीमारी, **पोलियोवायरस के कारण होती है** ।
- पोलियो वायरस **एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है** और **व्यक्ति की रीढ़ की हड्डी को संक्रमित कर सकता है, जिससे पक्षाघात हो सकता है।**
- यह मुख्य रूप से **मल -मौखिक मार्ग या दूषित पानी या भोजन के माध्यम से होता है और फिर वायरस आंत में गुणा करता है** ।

- ✓ वहां से, यह **तंत्रिका तंत्र तक पहुंच सकता है और पक्षाघात का कारण बन सकता है।**
- ❖ यह **अधिकतर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।**

12.20 विश्व श्रव्य-दृश्य विरासत दिवस 2023- 27 अक्टूबर

- ❖ विश्व **श्रव्य-दृश्य विरासत दिवस 27 अक्टूबर** को मनाया जाता है ।
- ❖ यह उत्सव **यूनेस्को और ऑडियोविजुअल आर्काइव एसोसिएशन (सीसीएएए) की समन्वय परिषद के** सम्मान के लिए एक महत्त्वपूर्ण पहल है। **दृश्य-श्रव्य संरक्षण पेशेवर और संस्थान जो भावी पीढ़ियों के लिए हमारी विरासत की रक्षा करते हैं।**
- ❖ इस वर्ष की **थीम** है **"दुनिया के लिए आपकी खिड़की।"**
- ❖ इसकी जड़ें 1980 में यूनेस्को के **21 वें आम सम्मेलन** के दौरान **चलती छवियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सिफारिश** को **अपनाने में हैं।**

12.21 विश्व स्ट्रोक दिवस 2023- 29 अक्टूबर

- ❖ विश्व स्तर पर **विश्व स्ट्रोक दिवस 29 अक्टूबर को** मनाया जाता है ।
- ❖ **विश्व स्ट्रोक दिवस 2023** की थीम **आधिकारिक तौर पर विश्व स्ट्रोक संगठन (डब्ल्यूएसओ) द्वारा 'एक साथ हम #स्ट्रोक से भी बड़े हैं' के** रूप में चुनी गई थी ।'
- ❖ यह दिन **स्ट्रोक की रोकथाम और समय पर उपचार** के बारे में **जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है** ।
- ❖ विश्व स्ट्रोक दिवस की **स्थापना 29 अक्टूबर 2004 को की गई थी।**
- ❖ **फास्ट लक्षणों को पहचानने से** व्यक्ति को समय पर चिकित्सा उपचार लेने में मदद मिल सकती है। स्ट्रोक के पहले लक्षणों पर तेजी से कार्रवाई करना महत्वपूर्ण है।
- ❖ **FAST** का अर्थ है:
  - ✓ **चेहरा** : इसका मतलब है चेहरे का झुका हुआ होना। किसी व्यक्ति को चेहरे के एक तरफ सुन्नता का अनुभव हो सकता है। आपको किसी भी असमानता को देखने के लिए व्यक्ति को मुस्कुराने के लिए कहना चाहिए।
  - ✓ **भुजाएँ** : व्यक्ति को दोनों भुजाएँ ऊपर उठाने के लिए कहें। आप देख सकते हैं कि व्यक्ति एक हाथ हिलाने में सक्षम नहीं है या यह दूसरे से नीचे है।
  - ✓ **वाणी** : स्ट्रोक के कारण बोलने में भी कठिनाई हो सकती है। यदि किसी व्यक्ति की वाणी अस्पष्ट है, तो यह स्ट्रोक का संकेत हो सकता है।
  - ✓ **समय** : यदि आपको उपरोक्त लक्षण दिखाई देते हैं, तो तत्काल आधार पर चिकित्सा सहायता लेना महत्वपूर्ण है।

12.22 विश्व नगर दिवस- 31 अक्टूबर

- ❖ **वैश्विक शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि को बढ़ावा देने के** उद्देश्य से , हर साल **31 अक्टूबर को विश्व शहर दिवस मनाया जाता है** ।
- ❖ यह दिन **शहरीकरण की चुनौतियों से** निपटने में **राष्ट्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने के अवसर के रूप में कार्य करता है** ।

Civilstap HImachal

- इस वर्ष **अंतर्राष्ट्रीय दिवस "सभी के लिए स्थायी शहरी भविष्य का वित्तपोषण"** विषय **पर** केंद्रित है ।
- विषय इस बात पर **केंद्रित है कि शहरी नियोजन में परिवर्तनकारी निवेश को कैसे अनलॉक किया जाए और पर्याप्त राजकोषीय विकेंद्रीकरण कैसे प्राप्त किया जाए।**
- अपने संकल्प 68/239 में, **संयुक्त राष्ट्र संगठन ने 27 दिसंबर 2013 को विश्व शहर दिवस की** स्थापना की ।
    - ✓ इसलिए **31 अक्टूबर 2014 को** पहली **बार विश्व शहर दिवस मनाया गया** ।

13. नियुक्ति

13.1 लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन बने बीआरओ के नए डीजी

- लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने **सीमा सड़क संगठन (BRO) के 28 वें महानिदेशक (DG) की भूमिका निभाई।**
- उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी के हाल ही में सेवानिवृत्त होने के बाद उनका स्थान लिया है।

13.2 अरिंदम बागची भारत के संयुक्त राष्ट्र राजदूत हैं

- **अरिंदम बागची को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र** और **अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भारत के अगले राजदूत/स्थायी प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया** है ।
- **अरिंदम बागची 1995 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी** हैं और उनकी **विदेश सेवा में समृद्ध और विविध पृष्ठभूमि है।**
- वह **जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र** में **मौजूदा भारतीय दूत इंद्र मणि पांडे का स्थान लेने के लिए तैयार हैं** , जिन्होंने **जुलाई 2020 में यह भूमिका संभाली थी** ।

13.3 राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा, त्रिपुरा के नए राज्यपालों की नियुक्ति की

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रघुबर दास को ओडिशा** का राज्यपाल और **इंद्र सेना रेड्डी नल्लू को त्रिपुरा का राज्यपाल** नियुक्त किया है ।
- **रघुबर दास को** ओडिशा का 26वां राज्यपाल नियुक्त किया गया है. वह ओडिशा के नए राज्यपाल के रूप में गणेशी लाल का स्थान लेंगे।
- **दास झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हैं , जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)** से हैं । वह दो बार झारखंड बीजेपी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं.
- **इंद्र सेना रेड्डी नल्लू** भाजपा के राष्ट्रीय सचिव हैं और तीन बार आंध्र प्रदेश में विधायक रह चुके हैं। वह बिहार से भाजपा नेता हैं और पहले हरियाणा के राज्यपाल के रूप में कार्य कर चुके हैं।

13.4 संजय कुमार जैन को आईआरसीटीसी का सीएमडी नियुक्त किया गया

- **भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) अधिकारी संजय कुमार जैन को भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी)** का अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया है।

- **सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी (एससीएससी) की सिफारिश के बाद** इस पद पर उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी गई महेंद्र प्रताप माल के सेवानिवृत्त होने के बाद जनवरी 2021 से सीएमडी का पद खाली है।
- **1990 बैच के आईआरटीएस अधिकारी जैन** , उत्तर रेलवे में प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे।

14. समाचार में व्यक्ति

14.1 श्यामजी कृष्ण वर्मा

- **प्रधानमंत्री ने 4 अक्टूबर को क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी श्यामजी कृष्ण वर्मा को** उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की ।

श्यामजी कृष्ण वर्मा के बारे में

- उनका **जन्म 4 अक्टूबर, 1857 को** गुजरात के **कच्छ जिले के मांडवी कस्बे में हुआ था।**
- वे **संस्कृत तथा अन्य भाषाओं के विशेषज्ञ थे** ।
- वह **बाल गंगाधर तिलक, स्वामी दयानंद सरस्वती और हर्बर्ट स्पेंसर से प्रेरित थे।**
- उन्होंने **लंदन** में **इंडियन होम रूल सोसाइटी, इंडिया हाउस** और **द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट की स्थापना की** ।
  - ✓ **इंडियन होम रूल सोसाइटी** और **इंडिया हाउस ने ब्रिटेन में युवाओं को भारत में अपने ही प्रतिनिधियों के खिलाफ क्रांतिकारी गतिविधियाँ** शुरू करने के लिए प्रेरित करने की दिशा में काम किया।
  - ✓ **मासिक भारतीय समाजशास्त्री राष्ट्रवादी विचारों** का एक आउटलेट बन गया **और इंडियन होम रूल सोसाइटी के माध्यम से** , उन्होंने भारत में ब्रिटिश शासन की आलोचना की ।
- वर्मा **बॉम्बे आर्य समाज के पहले अध्यक्ष बने** ।
- उन्होंने **वीर सावरकर को प्रेरित किया जो लंदन में इंडिया हाउस के सदस्य थे** ।
- वर्मा ने भारत के **कई राज्यों के दीवान के रूप में भी कार्य किया ।**
- **अंग्रेजों की आलोचना का सामना करते** हुए , वर्मा ने अपना **आधार इंग्लैंड से पेरिस स्थानांतरित कर लिया और अपना आंदोलन जारी रखा।**
- **, प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के फैलने** के बाद , वह **स्विट्जरलैंड के जिनेवा चले गए और अपना शेष जीवन वहीं बिताया** ।
  - ✓ **30 मार्च, 1930 को** उनकी मृत्यु हो गई।
- **उन्हें समर्पित क्रांति तीर्थ नामक** एक स्मारक का उद्घाटन 2010 में **मांडवी, कच्छ, गुजरात** के पास किया गया था।

14.2 नानाजी देशमुख

- **भारतीय जनसंघ के नेता नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर** श्रद्धांजलि दी ।

नानाजी देशमुख के बारे में

- नानाजी देशमुख **संघ परिवार के दिग्गज, जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य** और **भारतीय जनता पार्टी के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक थे।**
- उनका **जन्म 11 अक्टूबर, 1916** को **महाराष्ट्र के परभणी जिले के छोटे से शहर कडोली में हुआ था** ।

- वह **आचार्य विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन में सक्रिय भागीदार थे** ।
- उन्होंने **जयप्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति' के आह्वान को भी अपना समर्थन दिया** ।
- नानाजी उत्तर प्रदेश के **बलरामपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए** ।
- उन्होंने **1950 में गोरखपुर में देश के पहले सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की** और **चित्रकोट स्थित दीनदयाल शोध संस्थान के संस्थापक थे।**
- **शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण आत्मनिर्भरता के** क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाले **नानाजी को** राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं के सम्मान में 1999 **में राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था** ।
- पद्म **विभूषण से** सम्मानित नानाजी उन्होंने **भारत के पहले ग्रामीण विश्वविद्यालय** , **चित्रकोट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की भी स्थापना की और इसके पहले चांसलर के रूप में भी कार्य किया।**
- **2010 को** 93 वर्ष की आयु में **उनका** निधन **हो गया** ।
    - ✓ उनके निधन के बाद उनकी इच्छानुसार **उनका शरीर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को दान कर दिया गया।**

14.3 होमी जहांगीर भाभा

- **30 अक्टूबर 2023 को होमी जहांगीर भाभा** की 114वीं जयंती है ।

एचजे भाभा के बारे में

- डॉ. **होमी जहांगीर भाभा** , जिनका जन्म **30 अक्टूबर, 1909 को हुआ** था, एक प्रसिद्ध परमाणु भौतिक विज्ञानी और भारत के वैज्ञानिक भविष्य को आकार देने में एक प्रमुख व्यक्ति थे।
- उन्हें भारत के परमाणु **कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता है** ।
- एक छात्र के रूप में, **डॉ. भाभा ने कोपेनहेगन में** नोबेल पुरस्कार विजेता, नील्स बोहर के साथ काम किया और क्वांटम सिद्धांत के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **अपनी पीएचडी करते** समय , डॉ. भाभा ने **कैम्ब्रिज में कैवेंडिश प्रयोगशाला में प्रमुख आविष्कारों में योगदान दिया।**
- उन्होंने **सापेक्षतावादी विनिमय प्रकीर्णन की व्याख्या की** , जिसे **'भाभा प्रकीर्णन' के नाम से जाना जाता है** ।
- उन्होंने ब्रह्मांडीय किरणों में **इलेक्ट्रॉन और पॉज़िट्रॉन वर्षा के उत्पादन का सिद्धांत बनाया, जिसे 'भाभा-हेइटलर सिद्धांत' के नाम से जाना जाता है।**
- इसके अतिरिक्त, **उन्होंने मेसन के क्षय में सापेक्ष समय फैलाव प्रभावों की भी भविष्यवाणी और भविष्यवाणी की।**
- भारत लौटने के बाद डॉ. भाभा ने **कॉस्मिक रे रिसर्च यूनिट की स्थापना की** और **मुंबई में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना** में भी प्रमुख भूमिका निभाई ।
- उसी का अनुसरण करते हुए, **1944 में उन्होंने परमाणु हथियारों पर शोध करना शुरू किया और परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की।**
- अंतरराष्ट्रीय
    - ✓ उन्होंने **1955 में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया** और **1960 से 1963 तक इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स के अध्यक्ष** भी रहे ।

Civilstap Himachal

- पुरस्कार
    - ✓ डॉ. भाभा को **1942 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा एडम्स पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।
- उन्हें **1954 में भारत सरकार द्वारा तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण प्राप्त हुआ** और **रॉयल सोसाइटी, लंदन द्वारा रॉयल सोसाइटी के फेलो** भी ।

14.4 सरदार पटेल

- **सरदार वल्लभभाई पटेल** की जयंती **को राष्ट्रीय एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता** है ।
    - ✓ **महान व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने** के लिए **2014 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस की शुरुआत की गई** थी ।
- **वल्लभभाई झावेरभाई पटेल जिन्हें 'सरदार पटेल'** भी कहा जाता है , का **जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को लेवा पाटीदार जाति के** एक जमींदार परिवार में हुआ था ।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- **1917** में उन्होंने **गांधी जी के सत्याग्रह के सिद्धांतों** से प्रभावित होकर उनका अनुसरण करने और उनका समर्थन करने का निर्णय लिया।
- पटेल ने पहली बार **1918 में अपनी छाप छोड़ी** , जब उन्होंने भारी बारिश के कारण फसल की विफलता के बावजूद पूर्ण वार्षिक राजस्व कर इकट्ठा करने के बॉम्बे सरकार के फैसले के खिलाफ **कैरा, गुजरात के किसानों, किसानों और जमींदारों के बड़े पैमाने पर अभियान की योजना बनाई।**
- **1928** में उन्होंने बढ़े हुए करों के ख़िलाफ़ **बारडोली के ज़मींदारों के प्रतिरोध का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया।**
    - ✓ **बारडोली अभियान** के उनके कुशल नेतृत्व ने उन्हें 'सरदार' (नेता) **की उपाधि दी ।**

संवैधानिक सभा में भूमिका

- **उन्होंने भारत की संविधान सभा की विभिन्न समितियों का** नेतृत्व किया - **मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति, अल्पसंख्यकों और जनजातीय और बहिष्कृत क्षेत्रों पर समिति, प्रांतीय संविधान समिति** ।

स्वतंत्रता के बाद

- वह **स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री थे।**
- सरदार पटेल ने ब्रिटिश आधिपत्य से मुक्त हुई **लगभग 565 स्वशासित रियासतों को भारत संघ में शामिल होने के लिए राजी करने की अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की** ।
    - ✓ नव स्वतंत्र देश की राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए, उन्हें **"भारत का लौह पुरुष" की उपाधि मिली।**
- उन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के **रूप में याद किया जाता है** क्योंकि उन्होंने **आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना की थी।**

14.5 नॉर्मन प्रिचर्ड

- **30 अक्टूबर** को **भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता नॉर्मन पीटरसन प्रिचर्ड** की **पुण्य तिथि** है ।
- उनका **जन्म 23 जनवरी, 1875 को कलकत्ता (अब कोलकाता) में** माता-पिता **जॉर्ज पीटरसन प्रिचर्ड और हेलेन मेनार्ड प्रिचर्ड के घर हुआ था।**
- नॉर्मन **एक ब्रिटिश नागरिक थे जिन्होंने 1900 के ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।**
  - ✓ भारत ने **1900 में पेरिस में आयोजित ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों के दूसरे संस्करण के** दौरान **अपने पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में भाग लिया।**
- प्रिचर्ड **भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता हैं जहां उन्होंने दो पदक** जीते - 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत और 200 मीटर डैश स्पर्धा में रजत।
- हालाँकि, उन्हें **एक "विवादास्पद"** ओलंपियन माना जाता है क्योंकि **ब्रिटेन और भारत दोनों उन पर दावा करते हैं** ।

15. पुरस्कार और सम्मान

15.1 2023 शास्त्र रामानुजन पुरस्कार

- **रुईक्सियांग झांग , सहायक प्रोफेसर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले, यूएसए को गणित में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2023 SASTRA रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया** जाएगा ।
- डॉ. झांग **एक युवा गणितज्ञ हैं जिनका मौलिक कार्य विश्लेषणात्मक संख्या सिद्धांत, कॉम्बिनेटरिक्स, यूक्लिडियन हार्मोनिक विश्लेषण से लेकर ज्यामिति तक फैला हुआ है।**

पुरस्कार के बारे में

- यह पुरस्कार **2005** में शनमुघा **कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान अकादमी (SASTRA) द्वारा स्थापित किया गया था ।**
- **10,000 अमेरिकी डॉलर का वार्षिक नकद पुरस्कार** 20 दिसंबर और 22 दिसंबर के दौरान गणितज्ञ **श्रीनिवास रामानुजन के गृहनगर कुंभकोणम में SASTRA विश्वविद्यालय में संख्या सिद्धांत पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया जाएगा** ।
- **वर्ष के संक्षिप्त जीवन में उनकी उपलब्धियों से प्रभावित होकर पुरस्कार के लिए आयु सीमा 32 वर्ष निर्धारित की गई** है

15.2 भौतिकी में नोबेल पुरस्कार

- इस साल का **भौतिकी का नोबेल पुरस्कार** तीन भौतिकविदों कोलंबस में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के पियरे एगोस्टिनी, जर्मनी के गार्चिंग में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट ऑफ क्वांटम ऑप्टिक्स में फेरेंक क्रॉस और **Anne L'Huillier at Lund University, Sweden को दिया** गया **है।**
- पुरस्कार की घोषणा **स्टॉकहोम में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा की** गई थी। विजेताओं को **11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (यूएस $ 1 मिलियन) का पुरस्कार साझा किया जाएगा।**

ज़रूरत

- चूंकि **इलेक्ट्रॉन बहुत उच्च गति से परमाणुओं और अणुओं के अंदर चलते हैं,** इसलिए उन्हें **एटोसेकंड (10-18 सेकंड) में मापा जाता है ।**
- वैज्ञानिक **एक इलेक्ट्रॉन के व्यक्तिगत आंदोलनों का निरीक्षण करने में सक्षम नहीं थे।**

खोज

- **एट्टोसेकंड भौतिकी** वैज्ञानिकों को बहुत कम समय में सबसे छोटे कणों को देखने की अनुमति देती है।
- एक **वस्तु जो फोटो खिंचवाने के लिए बहुत तेजी से चलती है,** जब इसकी तस्वीर ली जाती है तो प्रकाश के बैंड की छवि उत्पन्न होती है।
- विजेताओं ने **ऐसे तरीके विकसित किए** जो वस्तु **को रोशन करने के लिए** इन अल्ट्राफास्ट लेजर दालों या बेहद तेज स्ट्रोब लाइट का उत्पादन **करते हैं, जिससे ऐसा लग सकता है कि यह समय में जमे हुए हैं।**

प्रयोग

- **सामग्री विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और उत्प्रेरण जैसे क्षेत्रों के लिए निहितार्थ** के साथ **अल्पकालिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करना।**
- **चिकित्सा निदान**
- **इलेक्ट्रॉनिक्स को आगे बढ़ाना**- यह तेजी से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास को जन्म दे सकता है, कंप्यूटिंग और दूरसंचार प्रौद्योगिकी की सीमाओं को आगे बढ़ा सकता है।
- **एन्हांस्ड इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी**

15.3 फिजियोलॉजी या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार 2023

- **फिजियोलॉजी या मेडिसिन में 2023 का नोबेल पुरस्कार** कैटालिन **कारिको और ड्रू वीसमैन को** उनकी **"न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित खोजों के लिए** दिया गया है, जिसने सीओवीआईडी -19 के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास को सक्षम किया है"।
- **एमआरएनए तकनीक का उपयोग करने वाले पहले टीके** फाइजर /बायोएनटेक और मॉडर्ना द्वारा **सीओवीआईडी-19 के खिलाफ बनाए गए थे।**
- **कैटलिन कारिको मेडिसिन में नोबेल जीतने वाली 13 वीं महिला** बन गई हैं ।

एमआरएनए टीकों के बारे में

- एमआरएनए का मतलब **मैसेंजर आरएनए है, यह न्यूक्लिक एसिड का एक रूप है जो आनुवंशिक जानकारी रखता है ।**
- अन्य टीकों की तरह, **एमआरएनए वैक्सीन भी एंटीबॉडी का उत्पादन करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करने का प्रयास करती है जो जीवित वायरस से संक्रमण का मुकाबला करने में मदद करती है ।**
- हालाँकि, जबकि अधिकांश **टीके प्रतिरक्षा प्रणाली से प्रतिक्रिया उत्पन्न करने के लिए कमजोर या मृत बैक्टीरिया या वायरस का उपयोग करते हैं , एमआरएनए टीके केवल आनुवंशिक सामग्री का एक टुकड़ा पेश करते हैं जो एक वायरल प्रोटीन से मेल खाता है ।**
  - ✓ यह **आमतौर पर वायरस की झिल्ली पर पाया जाने वाला प्रोटीन है और इसे स्पाइक प्रोटीन कहा जाता है ।**

- इसलिए, **एमआरएनए टीका व्यक्तियों को वायरस के संपर्क में नहीं लाता है।**

ये टीके कैसे भिन्न हैं?

- **किसी कोशिका को स्पाइक प्रोटीन बनाने में सक्षम बनाने के लिए डीएनए के** एक टुकड़े को आरएनए में परिवर्तित किया जाना चाहिए।
- जबकि एक एमआरएनए टीका कोशिका को आवश्यक प्रोटीन का उत्पादन करने के लिए एक अधिक प्रत्यक्ष दृष्टिकोण की तरह लग सकता है, **एमआरएनए बहुत नाजुक है** और **कमरे के तापमान पर या इंजेक्शन लगाने पर शरीर के एंजाइमों द्वारा अलग हो जाएगा।**
- इसकी अखंडता को बनाए रखने के लिए, **एमआरएनए को तैलीय लिपिड, या वसा कोशिकाओं की एक परत में लपेटने की आवश्यकता होती है।**
- **डीएनए अधिक स्थिर है और इसे वैक्सीन-वेक्टर में अधिक लचीले ढंग से एकीकृत किया जा सकता है** ।
- **परफॉर्मेंस** के मामले में **दोनों के उतने ही प्रभावी रहने की उम्मीद है** ।

चुनौती

- एमआरएनए टीकों के साथ एक चुनौती यह है कि **उन्हें -90 डिग्री सेल्सियस से -50 डिग्री सेल्सियस तक फ्रीज करने की आवश्यकता होती है** ।
- उन्हें **वाणिज्यिक फ्रीजर में दो सप्ताह तक संग्रहीत किया जा सकता है** और **उन्हें 2 डिग्री सेल्सियस से 8 डिग्री सेल्सियस पर पिघलाने की आवश्यकता होती है, जिस पर वे एक महीने तक रह सकते हैं।**

नोबेल पुरस्कार के बारे में

- पहला **नोबेल पुरस्कार 1896 में नोबेल की मृत्यु** के बाद 1901 में प्रदान किया गया था।
- प्रत्येक पुरस्कार का **मूल्य 10 मिलियन क्रोनर है।**
- यह पुरस्कार **स्टॉकहोम, स्वीडन में नोबेल फाउंडेशन द्वारा** 6 धाराओं- **चिकित्सा, भौतिकी, रसायन विज्ञान, साहित्य, अर्थशास्त्र और शांति के लिए प्रशासित किया जाता है** ।
- **अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार 1968 में स्वीडन के केंद्रीय बैंक** द्वारा बनाया गया था ।

15.4 कोंगथोंग गांव

- **मेघालय की पूर्वी खासी पहाड़ियों** में स्थित आकर्षक **सीटी बजाने वाले गांव कोंगथोंग को पर्यटन मंत्रालय** द्वारा **राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2023 में 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव (कांस्य)' से** सम्मानित किया गया है ।
- **लगभग 750 निवासियों की आबादी** वाला कोंगथोंग , एक **मेघालय रत्न है जो " जिंगरवाई"** नामक एक अनूठी परंपरा को संरक्षित करने में कामयाब रहा है। **इओबेई ।**
- यह परंपरा **मोटे तौर पर "प्रथम कबीले की महिला के गीत" का अनुवाद करती है** और इसमें **समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक अद्वितीय राग बनाने की प्रथा शामिल है** ।
- यह **राग** , या **जिंग्रवाई लॉबेई** , का **उपयोग व्यक्ति को पुकारने के लिए किया जाता है और माना जाता है कि यह इतना विशिष्ट है कि इसे पूर्वजों की आत्माओं द्वारा भी सुना जा सकता है।**

15.5 साहित्य में नोबेल पुरस्कार

- **साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2023** नॉर्वेजियन **लेखक जॉन ओलाव फॉसे को** उनके "अभिनव नाटकों और गद्य के लिए दिया गया है **जो अनकही को आवाज देते हैं "** ।

जॉन फॉसे के बारे में

- फॉसे **नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क में लिखते हैं** , जो **नॉर्वेजियन के दो आधिकारिक संस्करणों में सबसे कम आम है** ।
- 1959 में जन्मे फॉसे ने पहली बार **उपन्यास लिखना शुरू किया और 30 की उम्र में नाटकों की ओर रुख किया।**
- वह नॉर्वे के **सबसे अधिक प्रदर्शन करने वाले नाटककारों में से एक बन गए** , और वास्तव में उन्हें **सबसे अधिक प्रदर्शन करने वाले जीवित यूरोपीय नाटककारों में गिना जाता है।**
- उनके **काम का 40 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है।**
- फॉसे ने उपन्यास, लघु कथाएँ, बच्चों की किताबें, **कविता और निबंध के अलावा लगभग 40 नाटक लिखे हैं।**प्रसिद्ध कृतियाँ - **एक नया नाम: सेप्टोलॉजी VI-VII, आईं एम द विंड, मेलानचोली, बोथहाउस और द डेड डॉग्स।**

15.6 नोबेल शांति पुरस्कार

- **ईरानी महिला अधिकारों की वकालत करने वाली नार्गेस मोहम्मदी को** 2023 **नोबेल शांति पुरस्कार से** सम्मानित किया गया है ।
- उन्हें **ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया ।**
- नोबेल शांति पुरस्कार **एकमात्र नोबेल पुरस्कार है जो नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया जाता है** ; अन्य नोबेल पुरस्कार **स्टॉकहोम, स्वीडन में नोबेल फाउंडेशन द्वारा प्रशासित किए जाते हैं।**
- वह **शिरीन एबादी के बाद पुरस्कार के इतिहास में सम्मानित होने वाली दूसरी ईरानी महिला हैं।**

15.7 साहित्य में नोबेल पुरस्कार

- **साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2023** नॉर्वेजियन **लेखक जॉन ओलाव फॉसे को** उनके "अभिनव नाटकों और गद्य के लिए दिया गया है **जो अनकही को आवाज देते हैं "** ।

CivilsTap HImachal

जॉन फॉसे के बारे में

- फॉसे **नॉर्वेजियन नाइनोर्स्क में लिखते हैं** , जो **नॉर्वेजियन के दो आधिकारिक संस्करणों में सबसे कम आम है** ।
- 1959 में जन्मे फॉसे ने पहली बार **उपन्यास लिखना शुरू किया और 30 की उम्र में नाटकों की ओर रुख किया।**
- वह नॉर्वे के **सबसे अधिक प्रदर्शन करने वाले नाटककारों में से एक बन गए** , और वास्तव में उन्हें **सबसे अधिक प्रदर्शन करने वाले जीवित यूरोपीय नाटककारों में गिना जाता है।**
- उनके **काम का 40 से अधिक भाषाओं में अनुवाद किया गया है।**
- फॉसे ने उपन्यास, लघु कथाएँ, बच्चों की किताबें, **कविता और निबंध के अलावा लगभग 40 नाटक लिखे हैं।**
- प्रसिद्ध कृतियाँ - **एक नया नाम: सेप्टोलॉजी VI-VII, आईं एम द विंड, मेलानचोली, बोथहाउस और द डेड डॉग्स।**

15.8 नोबेल शांति पुरस्कार

- **ईरानी महिला अधिकारों की वकालत करने वाली नार्गेस मोहम्मदी को** 2023 **नोबेल शांति पुरस्कार से** सम्मानित किया गया है ।
- उन्हें **ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया ।**
- नोबेल शांति पुरस्कार **एकमात्र नोबेल पुरस्कार है जो नॉर्वेजियन नोबेल समिति के अध्यक्ष द्वारा प्रदान किया जाता है** ; अन्य नोबेल पुरस्कार **स्टॉकहोम, स्वीडन में नोबेल फाउंडेशन द्वारा प्रशासित किए जाते हैं।**
- वह **शिरीन एबादी के बाद पुरस्कार के इतिहास में सम्मानित होने वाली दूसरी ईरानी महिला हैं।**

15.9 आर्थिक विज्ञान में नोबेल पुरस्कार 2023

- अमेरिकी प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन ने श्रम बाजार में महिलाओं के योगदान पर अपने व्यापक शोध के लिए 2023 का नोबेल अर्थशास्त्र पुरस्कार जीता है ।
- इसकी घोषणा **रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने की।**
- **आर्थिक विज्ञान में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार 2023 को** आधिकारिक तौर पर **द स्वेरिजेस के नाम से** जाना जाता है **आर्थिक विज्ञान में रिक्सबैंक पुरस्कार**
- **हार्वर्ड विश्वविद्यालय में** प्रोफेसर **गोल्डिन इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की 55वीं प्राप्तकर्ता** हैं और वह यह पुरस्कार पाने वाली केवल तीसरी महिला हैं, जो पहली बार 1969 में प्रदान किया गया था।
- पुरस्कार **दिसंबर में ओस्लो और स्टॉकहोम में पुरस्कार समारोहों में दिए जाते हैं।**
- उन्हें **11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (लगभग 1 मिलियन डॉलर) का नकद पुरस्कार दिया जाता है** ।
- विजेताओं को **18 कैरेट का स्वर्ण पदक और डिप्लोमा भी मिलता है।**

16. खेल

16.1 19 वें एशियाई खेल संपन्न हो गये

- 19 वीं **हांग्जो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में समापन समारोह के साथ एशियाई खेल 2023 का** समापन हो गया ।
- मेजबान **चीन रिकॉर्ड 201 स्वर्ण पदक के साथ समाप्त हुआ,** उसके बाद **जापान और कोरिया गणराज्य रहे।**
- भारत **28 स्वर्ण सहित कुल 107 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा।**
- 20 **वें एशियाई खेल 2026 में जापान में आयोजित किये** जायेंगे ।

> एशियाई खेलों 2023 का आदर्श वाक्य 'दिल से दिल, भविष्य' था।
>
> भारत ने क्रमशः 1951 और 1982 में पहले और नौवें संस्करण की मेजबानी की।
>
> दोनों को नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

एशियाई खेलों के बारे में

- एशियाई खेल **ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया कैलेंडर का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित आयोजन है।**
- एशियाई खेलों को **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त है।**

- यह **ओलंपिक के बाद दूसरा सबसे बड़ा बहु-खेल आयोजन है।**
- इन्हें **हर चार साल में आयोजित किया जाता है।**

16.2 रौनक सिधवानी ने जूनियर चैंपियनशिप जीती

- पीएम ने **ग्रैंडमास्टर रौनक साधवानी को बधाई दी , जिन्होंने इटली के सार्डिनिया** में **FIDE वर्ल्ड जूनियर रैपिड शतरंज चैंपियनशिप** जीती थी ।
- रौनक ने **11 राउंड में 8.5 का स्कोर बनाकर रूस के आर्सेनी नेस्टरोव से आगे चैंपियनशिप जीती** , जिन्होंने 8 का स्कोर किया।
- रौनक **13 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए** ।
- वह **इतिहास में नौवें सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं** और **इस खिताब से सम्मानित होने वाले चौथे सबसे कम उम्र के भारतीय हैं।**

FIDE (फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स) या इंटरनेशनल शतरंज फेडरेशन के बारे में

- FIDE का गठन **एक गैर-सरकारी संस्था के रूप में किया गया है** ।
- स्थापना - **1924**
- मुख्यालय- **लॉज़ेन, स्विट्जरलैंड**
- आदर्श वाक्य है **"जेन्स ऊना सुमस ,"** जिसका **लैटिन** अर्थ है **''हम एक परिवार हैं।''**
- यह **शतरंज के खेल का शासी निकाय है** और **सभी अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिताओं को नियंत्रित करता है।**
- इसे 1999 में **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा वैश्विक खेल संगठन** के रूप में मान्यता दी गई थी।
- राष्ट्रीय शतरंज संघ के रूप में इसके **199 देश संबद्ध सदस्य (भारत सहित) हैं।**

16.3 एशियन पैरा गेम्स 2023

- **चौथे एशियाई पैरा खेलों** का उद्घाटन समारोह पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के हांगझू में शुरू होगा।
- **"हर्ट्स मीट, ड्रीम्स शाइन"** थीम पर यह समारोह रविवार शाम को हांग्जो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर या "बिग लोटस" में होगा।
- भारत **एशियाई पैरा गेम्स 2023 में विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है, जिसमें 313 एथलीट शामिल हैं।**

ध्वजवाहक:

- **पारुल परमार:** प्रसिद्ध पैरा शटलर पारुल परमार उद्घाटन समारोह के दौरान गर्व से भारतीय ध्वज लहराएंगी, जो भारतीय पैरा-एथलीटों की भावना का प्रतीक है।
- **अमित सरोहा:** पैरा-क्लब थ्रोअर अमित सरोहा पारुल परमार के साथ सह-ध्वजवाहक के रूप में शामिल हैं, जो गर्व और दृढ़ संकल्प के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

16.4 शुभमन गिल सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं

- **सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल** 22 अक्टूबर को **न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप मैच के** दौरान वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 2,000 रन तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बनने के **हाशिम अमला के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया।**
- गिल ने 38 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की - दक्षिण अफ्रीका के अमला से दो बेहतर, जिन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए क्रीज पर 40 दौरे की जरूरत थी - और धर्मशाला में न्यूजीलैंड के 273 रनों के जवाब में भारत को तेज शुरुआत दी।

16.5 37 वें राष्ट्रीय खेल

- पीएम ने हाल ही में **गोवा के पणजी में राष्ट्रीय खेलों के 37 वें संस्करण का उद्घाटन किया** ।
- राष्ट्रीय खेल **पहली बार गोवा में आयोजित हो रहे हैं।**
- खेल **26 अक्टूबर से 9 नवंबर तक होंगे** ।
- देश भर से **10,000 से अधिक एथलीट 28 स्थानों** पर **43 से अधिक खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे ।**

17. समाचारों में स्थान

17.1 राफा क्रॉसिंग

- राफा क्रॉसिंग **गाजा पट्टी (फिलिस्तीन) से बाहर निकलने का सबसे दक्षिणी पद है** और **मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप की सीमा है** ।
  - ✓ यह **अभी गाजा पट्टी में मानवीय सहायता के लिए एकमात्र क्रॉसिंग प्वाइंट है।**
- गाजा पट्टी से और उसमें प्रवेश करने वाली दो अन्य सीमाएँ हैं-
  - ✓ **इरेज़- उत्तरी गाजा में इज़राइल के साथ लोगों के लिए** एक क्रॉसिंग ।
  - ✓ **केरेम शालोम** - यह **दक्षिणी गाजा में इज़राइल के साथ एकमात्र वाणिज्यिक माल जंक्शन है।**

18. सामाजिक मुद्दे, स्वास्थ्य, शिक्षा

18.1 आर21/मैट्रिक्स-एम (मलेरिया वैक्सीन)

- **नोवावैक्स की सहायक तकनीक का लाभ उठाते हुए ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया** द्वारा विकसित आर **21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को** आवश्यक **सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावशीलता मानकों को पूरा करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा उपयोग के लिए अनुशंसित किया** गया है ।
- मैट्रिक्स **-एम घटक नोवावैक्स का** एक **मालिकाना सैपोनिन-आधारित सहायक है** , जिसे **स्थानिक देशों में उपयोग के लिए सीरम इंस्टीट्यूट को लाइसेंस दिया गया है** , जबकि **नोवावैक्स गैर-स्थानिक देशों में वाणिज्यिक अधिकार बरकरार रखता है।**
- वैक्सीन को **ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के जेनर इंस्टीट्यूट** और **सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा यूरोपीय और विकासशील देशों के क्लिनिकल ट्रायल पार्टनरशिप (EDCTP), वेलकम ट्रस्ट और यूरोपीय निवेश बैंक (EIB) के** सहयोग से विकसित किया गया था।
- आज तक **आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को घाना, नाइजीरिया और बुर्किना फासो में उपयोग के लिए लाइसेंस दिया गया है।**
- सीरम इंस्टीट्यूट ने कहा कि **12 महीनों में टीके की प्रभावकारिता उच्च मौसमी मलेरिया संचरण वाले स्थानों पर 75% थी** और **मानक आयु-आधारित प्रशासन का उपयोग करके अधिक बारहमासी संचरण वाले स्थानों पर 68% थी।**

मलेरिया के बारे में

- मलेरिया **प्लाज्मोडियम परजीवियों के कारण होता है** ।
- यह **संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों** के **काटने से लोगों में फैलता है।**
- मलेरिया **दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे आम है** , जिसमें **उप-सहारा अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण अमेरिका शामिल हैं।**
  - ✓ जबकि **प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है** , **प्लाज्मोडियम विवैक्स सभी मलेरिया प्रजातियों में** सबसे **व्यापक है।**
- **लक्षण-** बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान। गंभीर मामलों में, मलेरिया से अंग विफलता, कोमा और मृत्यु हो सकती है।

18.2 प्रोटीन बाइंडर्स

- **देश के खाद्य सुरक्षा नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने** कहा है कि **दूध और दूध उत्पादों में प्रोटीन बाइंडर्स और इमल्सीफायर्स जैसी सामग्री जोड़ने की कोई आवश्यकता नहीं** है ।
- खाद्य सुरक्षा निगरानी संस्था की ओर से यह **संदेश देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से कुछ दिन पहले आया है।**

प्रोटीन बाइंडर्स के बारे में

प्रोटीन बाइंडर्स **जैविक अनुसंधान अभिकर्मक हैं** जो **नए खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य प्रोटीन से जुड़ते हैं।**

- वे **प्रदर्शन को बढ़ा या घटा सकते हैं** ।
- यह **प्रोटीन-बॉन्ड की पाचनशक्ति को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है और इस प्रकार दूध प्रोटीन के जैविक और पोषक मूल्य को प्रभावित कर सकता है।**

18.3 प्रोटीन बाइंडर्स

- **देश के खाद्य सुरक्षा नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने** कहा है कि **दूध और दूध उत्पादों में प्रोटीन बाइंडर्स और इमल्सीफायर्स जैसी सामग्री जोड़ने की कोई आवश्यकता नहीं** है ।
- खाद्य सुरक्षा निगरानी संस्था की ओर से यह **संदेश देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से कुछ दिन पहले आया है।**

प्रोटीन बाइंडर्स के बारे में

प्रोटीन बाइंडर्स **जैविक अनुसंधान अभिकर्मक हैं** जो **नए खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य प्रोटीन से जुड़ते हैं।**

- वे **प्रदर्शन को बढ़ा या घटा सकते हैं** ।
- यह **प्रोटीन-बॉन्ड की पाचनशक्ति को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है और इस प्रकार दूध प्रोटीन के जैविक और पोषक मूल्य को प्रभावित कर सकता है।**

18.4 हेमोक्रोमैटोसिस या 'कांस्य मधुमेह'

- **हेमोक्रोमैटोसिस एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार** है जो **आयरन की अधिकता के कारण प्रभावित व्यक्तियों के स्वास्थ्य को चुपचाप खतरे में डाल देता है** , जिससे **गंभीर अंग शिथिलता हो सकती है** ।
- त्वचा **के काले पड़ने और सहवर्ती अग्न्याशय की बीमारी** के कारण हेमोक्रोमैटोसिस को **"कांस्य मधुमेह" करार दिया गया है।**
- इस स्वास्थ्य स्थिति को **मुख्य रूप से दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है** -
  - ✓ **<u>वंशानुगत हेमोक्रोमैटोसिस</u>**
    - यह **एचएफई जीन में उत्परिवर्तन से प्रेरित एक आनुवंशिक विकार है** , जिसके परिणामस्वरूप **व्यक्ति C282Y वैरिएंट के लिए समयुग्मजी हो जाते हैं** ।
    - यह **आनुवंशिक विसंगति आंतों के भीतर अत्यधिक लौह अवशोषण के साथ आजीवन संघर्ष के लिए मंच तैयार करती है** ।
    - **वंशानुगत हेमोक्रोमैटोसिस वाले व्यक्तियों में एक निरंतर और अंधाधुंध लौह अवशोषण तंत्र होता है, जिससे उनके सिस्टम में धीरे-धीरे लौह का निर्माण होता है** ।
    - समय के साथ, यह **लौह अधिभार कई अंगों के लिए टिक-टिक करता टाइम बम बन जाता है।**
  - ✓ **<u>माध्यमिक हेमोक्रोमैटोसिस</u>**

- दूसरी ओर, **माध्यमिक हेमोक्रोमैटोसिस वंशानुगत रूप से भिन्न होता है** क्योंकि यह **आमतौर पर बाहरी कारकों जैसे बार-बार रक्त आधान, अत्यधिक आयरन अनुपूरण** या **कुछ चिकित्सीय स्थितियों के कारण होता है** ।
- लौह **संचय अक्सर अधिक तेजी से होता** है **और अंग कार्य पर समान प्रभाव डाल सकता है।**

- **सामान्य लक्षणों में शामिल हैं- हर समय बहुत अधिक थकान** महसूस होना , **वजन बढ़ना हानि** , **कमजोरी और जोड़ों का दर्द आदि।**
- **उपचार** - **फ़्लेबोटॉमी** प्राथमिक हेमोक्रोमैटोसिस के लिए मानक उपचार है। **शरीर में आयरन को एकत्रित करने वाली मुख्य लाल रक्त कोशिकाओं को** हटाकर आयरन विषाक्तता को कम किया जा सकता है । फ़्लेबोटॉमी **आमतौर पर सप्ताह में एक या दो बार की जाती है।**

18.5 काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर (सीएआर)-टी सेल थेरेपी

- केंद्रीय **औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सीएआर-टी (चिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर-टी) सेल थेरेपी के लिए बाजार प्राधिकरण** जारी किया है , जिससे देश में **स्वदेशी नेक्ससीएआर19 के व्यावसायिक लॉन्च का** मार्ग प्रशस्त हो गया है ।
- **इम्यूनोएसीटी** - एक **आईआईटी बॉम्बे इनक्यूबेटेड कंपनी** और **टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी) ने स्वदेशी सीएआर-टी सेल थेरेपी का आविष्कार करने** के लिए सहयोग किया ।
- **पुनरावर्ती/दुर्दम्य (आर/आर) बी-सेल लिंफोमा और ल्यूकेमिया के इलाज के लिए** एक महत्त्वपूर्ण उपचार साबित हो सकता है **।**
- NexCAR19 की कीमत प्रति मरीज 30-40 लाख रुपये होगी **, जो विदेश में लागत का 1/10वां हिस्सा है।**
- **अधिकांश प्रमुख शहरों के लगभग 20 सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध** होगी ।
- इसकी **समग्र प्रतिक्रिया दर (ओआरआर) लगभग 70% है।**
- **बी कोशिकाओं में सीडी19 मार्कर** वाले रोगियों के लिए है , एक **प्रोटीन जिसका उपयोग बी कोशिकाओं से उत्पन्न होने वाले कैंसर** , जैसे **बी सेल लिम्फोमा** , **तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया** और **क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया का निदान करने के लिए किया जाता है** ।

सीएआर-टी सेल थेरेपी के बारे में

- यह एक **प्रकार का कैंसर इम्यूनोथेरेपी उपचार है** जो **रोगी की स्वयं की प्रतिरक्षा कोशिकाओं, जिन्हें टी कोशिकाएं कहा जाता है, का उपयोग करता है** जिन्हें **आनुवंशिक रूप से प्रयोगशाला में बदल दिया जाता है** ताकि **वे कैंसर कोशिकाओं का अधिक प्रभावी ढंग से पता लगा सकें और उन्हें नष्ट कर सकें।**

> **टी कोशिकाएं प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं** जो **संक्रमण पैदा करने वाले रोगजनकों (वायरस, बैक्टीरिया आदि) पर हमला करती हैं।** और **हानिकारक कोशिकाएं** (कैंसर कोशिकाएं)।

- वर्तमान में, इस थेरेपी को **अंतिम चरण के ल्यूकेमिया और लिम्फोमा** के लिए **दूसरी पंक्ति के उपचार के रूप में पेश किया जाता है,** जब मरीज़ **कीमोथेरेपी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण** जैसे **पारंपरिक उपचारों का जवाब नहीं देते हैं या दोबारा कैंसर का अनुभव करते हैं** ।

- हालांकि इसने विशेष रूप से **रक्त कैंसर और लिम्फोमा** में **पर्याप्त प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है** , **चल रहे शोध ठोस ट्यूमर** और **ल्यूपस और मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसी ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज में इसकी भूमिका निर्धारित करना चाहते हैं।**

18.6 अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लुएंजा

- विश्व **पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) ने** महाराष्ट्र , **तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में** विशिष्ट पोल्ट्री कंपार्टमेंटों (अनुमोदित फार्मों) में **अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (HPAI), जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू के रूप में जाना जाता है,** से **मुक्ति** की **देश की स्व-घोषणा को मंजूरी दे दी है ।**
- इस स्व-घोषणा को मंजूरी मिलने से वैश्विक बाजार में भारतीय पोल्ट्री के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है , **जो देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देगा ।**
- स्थिति- **भारत वर्तमान** में दुनिया में **अंडे का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक** (130 बिलियन) और **पोल्ट्री मांस का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक (4.5 मिलियन टन)** है ।

एचपीएआई के बारे में

- **अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लुएंजा** (एचपीएआई), जिसे आमतौर पर **बर्ड फ्लू के रूप में जाना जाता है** , **भारत में पहली बार फरवरी 2006 में महाराष्ट्र में पाया गया था।**
    - ✓ तब से, देश ने **विभिन्न क्षेत्रों** में **एचपीएआई के वार्षिक प्रकोप का अनुभव किया है** , **जिससे काफी नुकसान हुआ है** ।
- बर्ड फ्लू का **व्यक्ति-से-व्यक्ति में फैलना आम बात नहीं है** ।
- जो लोग संक्रमित जीवित या मृत मुर्गे या **दूषित वातावरण के निकट संपर्क में काम करते हैं** उन्हें **खतरा होता है** ।
- मुख्य रूप से **4 स्ट्रेन यानी H5N1, H7N9, H5N6 और H5N8 चिंता का कारण बने हैं।**
- एच1एन1 फ्लू, जिसे कभी-कभी **स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है, एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा ए वायरस है।**

भारत द्वारा जवाबी उपाय

- एचपीएआई को नियंत्रित करने के लिए भारत का दृष्टिकोण **एवियन इन्फ्लूएंजा की रोकथाम, नियंत्रण और रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (संशोधित - 2021)** में उल्लिखित **"पता लगाने और मारने" की नीति का पालन करता है ।**
- भारत ने भी **पोल्ट्री कंपार्टमेंटलाइज़ेशन की अवधारणा को** अपनाकर एचपीएआई से जुड़े **जोखिमों को कम करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है** ।
    - ✓ कंपार्टमेंटलाइज़ेशन एक **महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो पशु स्वास्थ्य को बढ़ाता है, डिब्बे के भीतर और बाहर बीमारी के फैलने के जोखिम को कम करता है, और पोल्ट्री और पोल्ट्री से संबंधित उत्पादों के व्यापार को सुविधाजनक बनाता है।**

वाह के बारे में

- यह एक **अंतरसरकारी संगठन है जो पशु रोगों पर जानकारी को पारदर्शी रूप से प्रसारित करने, विश्व स्तर पर पशु स्वास्थ्य में सुधार लाने और इस प्रकार एक सुरक्षित, स्वस्थ और अधिक टिकाऊ दुनिया का निर्माण करने** पर केंद्रित है ।

- **ऑफिस इंटरनेशनल डेस एपिज़ूटीज़ (ओआईई)** के रूप में **स्थापित** , **मई 2003 में** इसने सामान्य नाम **विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन को अपनाया।**
- **मुख्यालय** - **पेरिस, फ़्रांस.**

18.7 हेपेटाइटिस सी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मिस्र **वैश्विक स्वास्थ्य निकाय मानदंडों** के अनुसार **हेपेटाइटिस सी के उन्मूलन की राह पर "गोल्ड टियर" का दर्जा हासिल करने वाला पहला देश बन गया।**
- **"गोल्ड टियर" स्थिति में** विशिष्ट मानदंडों को पूरा करना शामिल है जैसे-
  - ✓ **100% रक्त और इंजेक्शन सुरक्षा सुनिश्चित करना** , **नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले लोगों (पीडब्ल्यूआईडी) के लिए प्रति वर्ष न्यूनतम 150 सुई/सिरिंज बनाए रखना**
  - ✓ (एचसीवी) **से पीड़ित 80% से अधिक लोगों का निदान ,**
  - ✓ **एचसीवी से पीड़ित 70% से अधिक व्यक्तियों का उपचार** , और
  - ✓ **यकृत कैंसर सहित हेपेटाइटिस सीक्वेल के लिए एक प्रहरी निगरानी कार्यक्रम की स्थापना ।**
- मिस्र ने **"100 मिलियन स्वस्थ जीवन" पहल शुरू की थी** । इस पहल के माध्यम से, **मिस्र ने "हेपेटाइटिस सी के प्रसार को 2016 में 10% से घटाकर 2018 में 5% और 2019 में अनुमानित रूप से 1% से कम कर दिया"।**

हेपेटाइटिस सी के बारे में

- हेपेटाइटिस सी एक **वायरल संक्रमण है जो लिवर को प्रभावित करता है** ।
- यह **तीव्र (अल्पकालिक)** और **दीर्घकालिक (दीर्घकालिक) दोनों तरह की बीमारी का कारण बन सकता है।**
- यह **वायरस के एक समूह के कारण होता है जिसे "हेपेटोट्रोपिक" (यकृत निर्देशित) वायरस के रूप में जाना जाता है** , जिसमें **ए, बी, सी, डी और ई शामिल हैं।**
- **संचरण- वायरस फैलने का** सबसे **आम मार्ग असुरक्षित इंजेक्शन प्रथाओं** जैसे कि **सुई** , सिरिंज , या **दवाओं को इंजेक्ट करने के लिए किसी अन्य उपकरण को** साझा करना है **।**
  - o **बिना जांचे रक्त** और **रक्त उत्पाद** और **स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में चिकित्सा उपकरणों की अपर्याप्त नसबंदी वायरस संचरण के अन्य दो महत्वपूर्ण मार्ग** हैं ।
- **हेपेटाइटिस सी के लिए कोई टीका नहीं** है , लेकिन इसका **इलाज एंटीवायरल दवाओं से किया जा सकता है।**
- हालाँकि, **हेपेटाइटिस ए और बी के लिए प्रभावी टीका उपलब्ध है।**
- इसके अलावा, **हेपेटाइटिस ए और ई स्व-सीमित रोग हैं (यानी अपने आप ठीक हो जाते हैं)।**

18.8 तिलापिया पार्वोवायरस

- **भारत में पहली बार तमिलनाडु के रानीपेट जिले के वालजाह में तालाबों में तिलापिया पार्वोवायरस (टीआईपीवी)** की घटना सामने आई **है, जो खेत में पैदा होने वाली तिलापिया** , एक **मीठे पानी की मछली की प्रजाति को** प्रभावित करती है और **भारी मृत्यु दर का कारण बनती है।**
- TiPV को **पहली बार 2019 में चीन में** और **2021 में थाईलैंड में रिपोर्ट किया गया** था । **भारत** TiPV की घटना की **रिपोर्ट करने वाला तीसरा देश** है ।

तिलापिया पार्वोवायरस के बारे में

- तिलापिया पार्वोवायरस (टीआईपीवी) **एक एकल-फंसे डीएनए वायरस है।**
- यह वायरस **तिलापिया के गलफड़ों, हृदय, मस्तिष्क, यकृत, अग्न्याशय, प्लीहा, आंत, गुर्दे, आंखों और मांसपेशियों में स्थानीयकृत था।**
- वर्तमान में TiPV के विरुद्ध **कोई टीका** उपलब्ध नहीं है ।

तिलापिया मछली के बारे में

- तिलापिया **मीठे पानी की मछली की प्रजाति** है ।
- **तमिल में** इसे जिलाबी कहा जाता है .
- **मोज़ाम्बिक तिलापिया को 1950 के दशक में भारतीय मीठे जल निकायों में पेश किया गया** था ।
- में पेश किया गया **नील तिलापिया थोड़ा बड़ा है और बड़े पैमाने पर सुसंस्कृत किया जाता है।**
- यह **पानी में कम ऑक्सीजन स्तर में भी जीवित रहने में सक्षम है** और **पूरे देश में आक्रामक हो गया है।**
- भारत में, तिलापिया की खेती आंध्र प्रदेश और केरल के विभिन्न हिस्सों में की जा रही है, और इसे **घरेलू बाजारों में पूरी मछली के रूप में बेचा जाता है।**

18.9 आयुष्मान भव अभियान

- प्रधानमंत्री ने हाल ही में **अंग दान अभियान की सफलता की सराहना की** क्योंकि **आयुष्मान भव अभियान के तहत 80,000 से अधिक लोगों ने अपने अंग दान करने का संकल्प लिया है।**

आयुष्मान भव के बारे में

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया 'आयुष्मान भव' अभियान **एक व्यापक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य सेवा पहल है** जिसका उद्देश्य **देश के हर गांव और कस्बे तक स्वास्थ्य सेवाओं की संतृप्ति कवरेज प्रदान करना है।**
- यह पहल **आयुष्मान भारत कार्यक्रम की सफलता पर आधारित है।**
- यह एक सामान्य मिशन के तहत **सरकारी क्षेत्रों, नागरिक समाज संगठनों और समुदायों को एकजुट करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक व्यक्ति को** बिना किसी असमानता या बहिष्कार के आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों।
- स्वास्थ्य विभाग, अन्य सरकारी विभागों और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय निर्वाचित निकायों के समन्वय से **ग्राम पंचायतों द्वारा चलाया गया** एक सहयोगात्मक प्रयास है ।
- इसके तीन घटक हैं-
  - ✓ **आयुष्मान आपके द्वार 3.0** - इस पहल का उद्देश्य **पीएम-जेएवाई योजना के तहत नामांकित शेष पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान करना है** , यह सुनिश्चित करना कि अधिक व्यक्तियों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हो।
  - ✓ **एचडब्ल्यूसी और सीएचसी में आयुष्मान मेले-** आयुष्मान भारत- एचडब्ल्यूसी और सीएचसी में ये मेले एबीएचए आईडी (स्वास्थ्य आईडी) के निर्माण और आयुष्मान भारत कार्ड जारी करने की सुविधा प्रदान करेंगे। वे शीघ्र निदान, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, विशेषज्ञों के साथ टेली-परामर्श और उचित रेफरल भी प्रदान करेंगे।

- ✓ **आयुष्मान सभा-** हर गांव और पंचायत में ये सभाएं आयुष्मान कार्ड वितरित करने, एबीएचए आईडी बनाने और महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं और गैर-संचारी रोगों, तपेदिक (निक्षय मित्र), सिकल सेल जैसी बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। बीमारी, साथ ही रक्तदान और अंग दान अभियान

18.10 लसीका फाइलेरिया

- ❖ **विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)** के अनुसार **लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ने लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) बीमारी को खत्म कर दिया है ।**
- ❖ 2017 में सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में **ट्रेकोमा के उन्मूलन के बाद, यह छह वर्षों में समाप्त होने वाली** देश **की दूसरी उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी (एनटीडी)** है ।
- ❖ **लाओ पीडीआर** अब **बांग्लादेश के बाद 2023 में लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (एलएफ) को खत्म करने वाला दूसरा देश है । उन्नीस देश एलएफ को ख़त्म करने में सफल रहे हैं।**

लसीका फाइलेरिया के बारे में

- ❖ **एलएफ , जिसे एलिफेंटियासिस के रूप में** भी जाना जाता है , **एक रोकथाम योग्य मच्छर जनित संक्रामक रोग है** जिसका लक्ष्य सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में वैश्विक उन्मूलन है।
- ❖ यह तब होता है जब **फ़ाइलेरिया परजीवी में से एक - वुचेरेरिया बैनक्रॉफ्टी , ब्रुगिया मलाई और बी टिमोरी - मच्छर के काटने से मनुष्यों में फैलते हैं।**
- ❖ परजीवी **लसीका वाहिकाओं में घोंसला बनाकर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं** । इससे **हाइड्रोसील, लिम्फेडेमा और एलिफेंटियासिस हो जाता है।**
- ❖ **एलएफ-स्थानिक क्षेत्रों के सभी प्रभावित निवासियों के इलाज** और भविष्य में संचरण को रोकने के लिए सबसे अधिक लागत प्रभावी तरीका **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) है।**
  - ✓ **एलएफ के खिलाफ एमडीए के लिए आइवरमेक्टिन (आई), डायथाइलकार्बामाज़िन (डी) और एल्बेंडाजोल (ए)** के **ट्रिपल थेरेपी संयोजन** की सिफारिश करता है ।
  - ✓ **65 प्रतिशत** से अधिक आबादी को कवर करने के लिए **एमडीए के** कई दौरों की आवश्यकता होती है।
- ❖ एनटीडी 2021-2030 के रोड मैप में **2023 तक 23 देशों से एलएफ को खत्म करने का लक्ष्य था।**
- ❖ **2030 तक एनटीडी का उन्मूलन** संयुक्त **राष्ट्र द्वारा अनिवार्य वैश्विक सतत विकास लक्ष्य "सभी के लिए स्वास्थ्य" (एसडीजी 3) के** प्राथमिक उद्देश्यों में से एक है ।

18.11 नीमन-पिक रोग

- ❖ **नीमन पिक रोग से पीड़ित बच्चों के माता-पिता** , एक **दुर्लभ आनुवंशिक विकार** जो शरीर की **कोलेस्ट्रॉल और अन्य वसा को चयापचय करने की क्षमता को प्रभावित करता है** , ने **केंद्र सरकार से इस बीमारी को दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति के तहत अधिसूचित करने का आग्रह किया है।**
- ❖ उनका कहना है कि इससे योग्य मरीज़ों को सरकार से वित्तीय सहायता मिल सकेगी और **ज़ेनपोज़ाइम (ओलिपुडेज़ अल्फ़ा पाउडर) तक पहुंच मिल सकेगी** , जो **इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक महंगी एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी है।**

- एनपीडी **एक लाइसोसोमल स्टोरेज बीमारी (एलएसडी) है जो एसिड स्फिंगोमाइलीनेज की कमी (एएसएमडी) के** कारण होती है।
    - ✓ यह **रोग वंशानुगत चयापचय संबंधी विकारों के एक समूह को संदर्भित करता है** जिसमें मस्तिष्क, प्लीहा, यकृत, फेफड़े और अस्थि मज्जा में **असामान्य मात्रा में लिपिड** (वसायुक्त पदार्थ जैसे मोम, तेल और कोलेस्ट्रॉल) **जमा हो जाते हैं।**
- **लक्षणों** में **बढ़े हुए यकृत और प्लीहा, समन्वय में कठिनाई, बार-बार श्वसन संक्रमण, अस्पष्ट वाणी आदि शामिल हैं।**

18.12 एकल बालिका के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति योजना, 2023

- **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सीबीएसई सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप** के लिए आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है । जिन छात्रों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है वे अब 31 अक्टूबर 2023 तक आवेदन पत्र भर सकते हैं।

एकल बालिका के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति योजना के बारे में

- इसे **शिक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।**
- इस योजना का उद्देश्य **लड़कियों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने** और मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करने में माता-पिता के प्रयासों को मान्यता देना है।
- योजना का उद्देश्य मेधावी एकल छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करना है, जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं; और **सीबीएसई दसवीं कक्षा की परीक्षा 60% या अधिक अंकों के साथ** उत्तीर्ण की है , और **ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा** में अपनी आगे की स्कूली शिक्षा जारी रख रहे हैं ।
- यह **चयनित छात्रों को हर महीने वित्तीय सहायता प्रदान करता है** , ताकि वे अपनी उच्च शिक्षा जारी रख सकें।

पात्रता मापदंड:

- आवेदक **अपने परिवार की अकेली लड़की होनी चाहिए।**
- आवेदक को **सीबीएसई कक्षा 10वीं परीक्षा में 60%** या अधिक अंक प्राप्त होने चाहिए और **स्कूल (सीबीएसई से संबद्ध) में कक्षा 11वीं और 12वीं की पढ़ाई करनी चाहिए।**
- शैक्षणिक वर्ष के दौरान ट्यूशन फीस **₹1,500/- प्रति माह से अधिक नहीं होनी चाहिए।** अगले दो वर्षों में, ऐसे स्कूल में ट्यूशन फीस में कुल वृद्धि ली जाने वाली ट्यूशन फीस के 10% से अधिक नहीं होगी।
- आवेदक **भारतीय नागरिक होना चाहिए।**
- छात्र को **11वीं और 12वीं कक्षा में अपनी स्कूली पढ़ाई जारी रखनी होगी।**
- **अनिवासी भारतीय (एनआरआई)** का दर्जा है वे भी आवेदन करने के पात्र हैं। एनआरआई के लिए ट्यूशन फीस अधिकतम 200 **रुपये तय की गई है। 6,000/- प्रति माह.**

फ़ायदे:

- छात्रवृत्ति अधिकतम **रु500 प्रति माह की पेशकश करती है।**
- यह राशि अधिकतम दो वर्ष की अवधि के लिए देय है। भुगतान **ईसीएस/एनईएफटी** के माध्यम से किया जाएगा ।

- **ग्यारहवीं कक्षा** के सफल समापन पर छात्रवृत्ति सालाना नवीनीकरण के लिए पात्र है , जो अगली कक्षा में पदोन्नति का निर्धारण करने वाली परीक्षा में विद्वान की **50% या अधिक कुल अंकों की उपलब्धि पर निर्भर करती है।**
- यदि विद्वान अध्ययन के वर्तमान पाठ्यक्रम को बंद कर देता है या स्कूल बदल देता है तो **छात्रवृत्ति के नवीनीकरण या निरंतरता के लिए बोर्ड की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता होती है।**
- **छात्रवृत्ति बनाए रखने** के लिए संतोषजनक आचरण और नियमित उपस्थिति आवश्यक है ।

18.13 पीएम- उभरते भारत के लिए स्कूल (एसएचआरआई)

- **हरियाणा** राज्य में **124 पीएम-श्री स्कूल लॉन्च किए गए ।**
- स्कूलों को **स्मार्ट कक्षाओं और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) प्रयोगशालाओं के साथ डिजाइन किया गया है।**
- यह **2022 में शुरू की गई शिक्षा मंत्रालय** के तहत एक **केंद्र प्रायोजित योजना है।**
- **उद्देश्य- केंद्र सरकार/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित** चयनित **मौजूदा स्कूलों को मजबूत करके** देश **भर में 14500 से अधिक स्कूलों** का विकास ।
- इसका उद्देश्य **एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना** और बच्चों को सक्रिय भागीदार बनाना है।
- अब पीएम श्री के अधीन स्कूल **नए नहीं हैं, बल्कि सह-शिक्षा और लड़कियों** दोनों के मौजूदा सरकारी स्कूल हैं , जिनमें **बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है** ।
- यह योजना **2022-23 से 2026-27 तक लागू की जाएगी** , जिसके बाद यह **राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की जिम्मेदारी होगी कि वे** इन स्कूलों द्वारा हासिल किए गए मानकों को बनाए रखना जारी रखें।
- कुल **लागत पांच साल की अवधि में 27,360 करोड़ रुपये होगी** , जिसमें **केंद्र का हिस्सा 18,128 करोड़ रुपये है** ।
- पीएम श्री स्कूल उपलब्ध कराएंगे
  - ✓ नामांकन और सीखने की प्रगति पर नज़र रखने के लिए **छात्र रजिस्ट्री ।**
  - ✓ **खेल और कला प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षाएं** , **सीबीएसई संबद्धता**
  - ✓ **टिकाऊ** और **कार्बन-तटस्थ इमारतें**
  - ✓ **उच्च शिक्षा संस्थानों** और **स्थानीय उद्यमियों** के साथ संबंध
  - ✓ **छात्रों के सीखने के परिणामों को** बढ़ाने के लिए **एनईपी** के तहत **नए युग की शिक्षाशास्त्र**
  - ✓ **मनोवैज्ञानिक कल्याण और कैरियर** के लिए **परामर्श**

18.14 25 X 25 पहल

- **भारतीय परिषद के** एक विश्लेषण के अनुसार , भारत **चार प्रमुख गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से समय से पहले होने वाली मौतों को कम करने के लिए** विश्व **स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)** और **संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनिवार्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)** द्वारा निर्धारित **लक्ष्यों तक पहुंचने से चूक जाएगा। मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के.**
- **चार प्रमुख गैर-संचारी रोगों (एनसीडी)** के लिए समय **से पहले मृत्यु दर**
  - ✓ **कैंसर,**

- ✓ **हृदय रोग (सीवीडी),**
- ✓ **क्रोनिक श्वसन रोग (सीआरडी), और**
- ✓ **मधुमेह में 13.9 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान** है ।

- ❖ इसलिए, 2010 की तुलना में 2025 **तक चार एनसीडी** के लिए **समयपूर्व मृत्यु दर में 25 प्रतिशत की कमी** के **डब्ल्यूएचओ के लक्ष्य की दिशा में देश की प्रगति काफी अंतर से चूक जाएगी।**
- ❖ **2013** में **जब WHO ने वैश्विक एनसीडी निगरानी ढांचा अपनाया था तब "25 बाय 25** लक्ष्य **" की रूपरेखा तैयार की गई** थी ।

19. हिमाचल खबर

19.1 शिमला कालका रेलवे ट्रैक फिर से शुरू

- ❖ मूसलाधार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त **हुई यूनेस्को की विश्व धरोहर शिमला-कालका रेलवे लाइन पर करीब तीन महीने** बाद ट्रेन सेवा पूरी तरह से बहाल **हो गई।**
- ❖ **जुलाई और अगस्त में हुई बारिश के कारण शिमला से कालका तक 20-25 प्वाइंट पर रेलवे ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गया था।**

ट्रैक के बारे में

- ❖ **96 किलोमीटर लंबे शिमला-कालका रेलवे ट्रैक** को कठिन पहाड़ी इलाकों में 103 सुरंगों **(अब सुरंग संख्या 46 के रूप में** 102 **सुरंगें** चार दशक पहले ढह गई थीं), 800 पुलों **और** 919 मोड़ों के **साथ बिछाया गया था।**
- ❖ **लगभग 1590 मीटर की ऊंचाई प्राप्त करने वाला ट्रैक** इंजीनियरिंग का एक चमत्कार और एक पर्यटक आकर्षण है।

19.2 एचपी वूल फेड कार्यालय को स्थानांतरित किया जाएगा

- ❖ राजस्व मंत्री ने हाल ही में कहा कि **पालमपुर** में स्थित **हिमाचल प्रदेश ऊन महासंघ के कार्यालय** को चंबा जिले के भरमौर में स्थानांतरित किया **जाएगा।**
- ❖ भरमौर में मंत्री की अध्यक्षता में हुई जनजातीय परियोजना सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

19.3 कांगड़ा में धान खरीद केंद्र खोले गए

- ❖ **राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम (एसएफसीएससी) कांगड़ा जिला कृषि उपज विपणन समिति (APMC) के सहयोग से** कांगड़ा जिले में स्थापित तीन खरीद केंद्रों में केंद्र सरकार द्वारा घोषित एमएसपी 2,023 रुपये प्रति क्विंटल पर किसानों से धान खरीदने के लिए **तैयार है।**

- राज्य सरकार ने **धान की खरीद के लिए निचले कांगड़ा जिले के फतेहपुर, मिलवां और रियाली में खरीद केंद्रों को अधिसूचित किया है।**
- **मिलवां, रियाली और फतेहपुर खरीद केंद्रों** में क्रमशः 1100, 600 और 400 मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता **है।**

19.4 मुख्यमंत्री ने एकल बालिका के माता-पिता को 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की

- हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि **राज्य में कन्या भ्रूण हत्या की कुप्रथा को दूर करने के सरकार के प्रयासों के तहत एकल बालिका के माता-पिता को 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।**
- पहले **एकल बालिका के माता-पिता को 35,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती थी** , **जिसे अब बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दिया जाएगा।**
- **एक लड़की के जन्म के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले** माता-पिता को **2 लाख रुपये** और **दो लड़कियों के बाद दूसरा बच्चा न पैदा करने का फैसला करने वालों को एक लाख रुपये दिए जाएंगे।**

19.5 धर्मकोट से इजरायली घर लौटने को तरस रहे हैं

- हमास द्वारा किए गए बहु-आयामी आतंकवादी हमलों के बाद इजरायली बलों द्वारा जारी जवाबी कार्रवाई के बीच, **कांगड़ा के धर्मकोट गांव** में **इजरायल के पर्यटकों ने** वापस लौटने और किसी भी तरह से अपनी मातृभूमि की सेवा करने की इच्छा व्यक्त की ।
- धर्मकोट को **'मिनी इज़राइल' के नाम से भी जाना जाता** है क्योंकि **यह हिमाचल का एकमात्र गांव है जहां यहूदी केंद्र है** ।

19.6 जिला सुशासन सूचकांक जारी

- सीएम ने हाल ही में **जिला सुशासन सूचकांक (डीजीजीआई) वार्षिक रिपोर्ट-2022 जारी की।**
- 2022 की रैंकिंग के अनुसार, **कांगड़ा जिले को 50 लाख रुपये का पहला पुरस्कार** मिला , **हमीरपुर जिले को दूसरा** और 35 लाख रुपये का इनाम मिला, जबकि **लाहौल और स्पीति जिले को तीसरा और 25 लाख रुपये का तीसरा पुरस्कार मिला** ।
- डीजीजीआई रिपोर्ट में **आवश्यक बुनियादी ढांचे, मानव विकास को समर्थन, सामाजिक सुरक्षा, महिलाओं और बच्चों, अपराध, कानून और व्यवस्था, पर्यावरण, पारदर्शिता और जवाबदेही और आर्थिक प्रदर्शन के आठ विषय शामिल हैं।**
- **दूसरे स्तर** में , **बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पीडीएस, सामाजिक न्याय, रोजगार, बच्चे और महिलाएं, अपराध, कानून और व्यवस्था, अत्याचार, पर्यावरण उल्लंघन, वन, पारदर्शिता और जवाबदेही, कृषि जैसे 19 फोकस विषय हैं** । **और संबद्ध क्षेत्र और वाणिज्य और उद्योग।तीसरे स्तर** में , 90 विशिष्ट चर हैं **जिन पर जिलों में उपलब्ध डेटा का विश्लेषण और एकीकृत किया जाता है** ।

19.7 एसजेवीएन को 100 मेगावाट की सौर परियोजना के लिए मंजूरी मिल गई

- एसजेवीएन के अध्यक्ष ने बताया कि एसजेवीएन को राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (आरयूवीएनएल) से **2.62 रुपये प्रति यूनिट के टैरिफ** पर **100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है** ।

- यह **परियोजना एसजेवीएन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसजीईएल के माध्यम से बिल्ड ओन एंड ऑपरेट आधार पर सुरक्षित की गई थी।**
- यह परियोजना **ईपीसी अनुबंध के माध्यम से राजस्थान में 600 करोड़ रुपये की अनुमानित विकास लागत पर विकसित की जाएगी** ।
- यह **परियोजना बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करने की तारीख से 18 महीने की अवधि में शुरू की जाएगी** , जिस पर **आरयूवीएनएल और एसजीईएल के बीच 25 वर्षों के लिए हस्ताक्षर किए जाएंगे।**
- इस **परियोजना से पहले वर्ष में 252 एमयू** और **25 वर्षों की अवधि में 5,866 एमयू उत्पादन होने की उम्मीद थी** । इस परियोजना के चालू **होने से 2,87,434 टन कार्बन उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है** ।

19.8 भूतनाथ पुल फिर से खुला

- **कुल्लू में भूतनाथ पुल** करीब साढ़े **चार साल बाद आखिरकार हल्के वाहनों के लिए बहाल कर दिया गया** है ।
- यह **ब्यास नदी पर बना है ।**
- **10 करोड़ रुपये की लागत से** निर्मित 95 **मीटर लंबे डबल लेन पुल में उद्घाटन के 5 साल के भीतर नवंबर 2018 में** दरारें आ **गईं और केंद्र से झुक गया** ।

19.9 इको-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 11 स्थलों की पहचान की गई

- मुख्यमंत्री ने बताया कि **बड़े पैमाने पर इको-पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल के तहत 11 नए इको-पर्यटन स्थलों की** पहचान की गई है ।
- पहचाने गए 11 इको-टूरिज्म स्थल पालमपुर वन प्रभाग में **स्वार , सौरभ वन विहार, न्यूगल पार्क और बीर-बिलिंग** , **पार्वती वन प्रभाग में कसोल, खीर गंगा और सुमरूपा** , **सेराज में सोझा** , **कोटगढ़ में नारकंडा** और **पॉटर हिल के अलावा शोगी कैंपिंग साइट हैं।** शिमला वन प्रभाग के अंतर्गत **शिविर स्थल ।**
- से प्रत्येक **इको-पर्यटन स्थल एक हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया** जाएगा और **इन स्थलों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से विकसित करने के लिए एक आरक्षित मूल्य तय किया गया है।**

19.10 राज्य की पहली डिजिटल लाइब्रेरी

- मुख्यमंत्री ने हाल ही में **3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली** राज्य **की पहली डिजिटल लाइब्रेरी का शिलान्यास किया बिलासपुर में.**
- **5.18 करोड़ रुपये की लागत से धौलरा में** कृषि **भवन का निर्माण भी किया जाएगा।**
- इस **अनूठी डिजिटल लाइब्रेरी में डिजिटल पुस्तकें होंगी जिन्हें ऑनलाइन एक्सेस किया जा सकता है** ।
- ऐसी और डिजिटल लाइब्रेरी खोली जाएंगी **ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के पाठकों को इसका लाभ मिल सके।**

19.11 पेंटब्रश स्विफ्ट तितली

- एक **प्रजाति** जो **पश्चिमी हिमालय में दुर्लभ है** , **पेंटब्रश स्विफ्ट तितली की तस्वीर पहली बार हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में ली गई है और उसका दस्तावेजीकरण किया गया है** ।
- राज्य **लगभग 430 तितली प्रजातियों** या **भारत में पाई जाने वाली तितली प्रजातियों की कुल संख्या का लगभग 25% का समर्थन करता है।**

- पेंटब्रश स्विफ्ट (**बाउरिस हेस्परिडे परिवार की** एक **तितली प्रजाति फ़ारी को अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में देखा गया और उसकी तस्वीरें खींची गईं** ।
- इसका **वर्णन सबसे पहले लेपिडोप्टेरिस्ट फ्रेडरिक मूर ने** 145 वर्ष से भी पहले पूर्वी हिमालय से किया था।

पूर्वोत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में आम है , और उत्तराखंड में दुर्लभ है।

19.12 औद्यानिकी विश्वविद्यालय, नौणी को केयरा पुरस्कार मिला

- **डॉ. वाईएस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी की** सत्यानंद स्टोक्स लाइब्रेरी ने वर्ष 2022 के लिए **जे-गेट सीईआरए का सर्वश्रेष्ठ उपयोग पुरस्कार** जीता ।
- कंसोर्टियम **(सीईआरए) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली पुस्तकालयों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत कृषि पुस्तकालयों का** एक ई-संघ है ।
- 2007 में स्थापित, CeRA **सभी शोधकर्ताओं, शिक्षकों और छात्रों, नीति नियोजकों, प्रशासकों और विस्तार विशेषज्ञों** को **कृषि और संबद्ध विज्ञानों में चुनिंदा पत्रिकाओं तक 24x7 ऑनलाइन पहुंच की सुविधा प्रदान करने वाला अपनी तरह का पहला संगठन है** ।

19.13 प्री-वर्ल्ड कप पैराग्लाइडिंग इवेंट

- **प्री-वर्ल्ड कप पैराग्लाइडिंग टूर्नामेंट कांगड़ा जिले के बीड़-बिलिंग में शुरू** होगा ।
- **26 अक्टूबर से 2 नवंबर तक** आयोजित किया जाएगा ।
- इस आयोजन में लगभग 28 देशों के लगभग **120 पैराग्लाइडिंग पायलट भाग** लेंगे ।
- **बीर-बिलिंग को दुनिया के शीर्ष 10 पैराग्लाइडिंग स्थलों** में **स्थान दिया गया** है और **यह हर साल दुनिया भर से हजारों पैराग्लाइडिंग उत्साही लोगों को आकर्षित करता है** ।
- पैराग्लाइडिंग पायलट और पर्यटक **एकल या अग्रानुक्रम उड़ान भरते हैं, जो समुद्र तल से 2,400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बिलिंग रिज से उड़ान भरते हैं , धौलाधार पर्वत श्रृंखला की चोटियों के साथ आसमान** में मंडराते हैं और बीर में उतरते हैं।
- **टेकऑफ़ से आगे खुली घाटी** यात्रियों को **लंबी दूरी तय करने में सक्षम बनाती है** ।
- फिलहाल **बिलिंग** से **एक ही फ्लाइट में 257 किमी उड़ान भरने का रिकॉर्ड** भारत **के देबी चौधरी के नाम** है ।

19.14 भारतीय सेना की पहली पवन सुरंग

- **विशेष बलों के प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को** बढ़ाने और **फ्री-फ़ॉलर्स से लड़ने के लिए** , **चंबा के बकलोह** में **सेना के विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल (एसएफटीएस) को सेना की पहली वर्टिकल विंड टनल (वीडब्ल्यूटी)** मिली ।
- **फ्रीफ़ॉल सिम्युलेटर** के रूप में कार्य करते हुए , **वीडब्ल्यूटी विशिष्ट वेगों पर हवा का एक स्तंभ बनाता है** , **जो विभिन्न सीएफएफ स्थितियों को व्यवस्थित करता है** ।
- सिस्टम विभिन्न **फ्रीफ़ॉल परिदृश्यों का अनुकरण करता है** जो **हवाई परिचालन वातावरण** में **कई स्थितियों में व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं का आकलन करने में** महत्त्वपूर्ण **है।**

CivilsTap HImachal

CivilsTap Himachal
CivilsTap Himachal
Initiatives
HPAS Comprehensive Course 2023
Salient Features of the Course
1 300 + Lectures of GS and CSAT
2 4000 Pages Notes in PDF
3 Test Series Prelims + Mains
4 Current Affairs Videos + Notes
5 Weekly Doubt Session Classes
6 Mock Interview Sessions
HPAS Offline/Live Course
+91 7889296332
CivilsTap
www.civilstap.in
HPAS MAINS
CRASH COURSE
HPAS 2024
Online Batch
Hindi Medium
HP ALLIED/NT
OFFLINE/LIVE
Allied/NT
Test Series
Prelims
Mains
Allied/NT
Online Batch
(Hindi Medium)
HPAS COMPREHENSIVE COURSE 2023
HP PATWARI
EXAM
HP TGT COMMISSION
New Batch
• Medical
• Non-Medical
• Arts & Commerce
HP PGT COMMISSION
585 VACANCIES
New Batch
Paper – I & Paper - II
Hindi
English
Physics
Chemistry
Biology
Math's
History
Political Science
CivilsTap
Quality & Affordable Education
HPAS PRELIMS TEST SERIES
Total No. of Tests 18
Sectional Tests 10
Full CSAT Mock Tests 04
Full GS Mock Tests 04
Total Number Of Questions 1800
HPAS MAINS TEST SERIES
Total Tests
24
(9 Sectional GS Tests,
9 Full Mock GS Tests, 2 Essay Tests,
4 Language Tests)
Call:- +91 7814622609